HRA ANTIGUA VIOLENTE STATE OF ANTIQUE OF ANTIQUE REPORT & NAMEDIA

PUBLISHED BY AUTHORITY

तं • 287

नई विल्ली, शनिबार, जुलाई 12, 1980 (आवाढ़ 21, 1902)

No. 28]

1--146GI/80

NEW DELHI, SATURDAY, JULY 12, 1980 (ASADHA 21, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

मंघ लोक सेवा ग्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 3 जून 1980 सं० ए० 35011/1/79-प्रशा०II—सिजिब, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा संघ लोक सेवा आयोग देवा के स्थायी अनुभाग प्रिक्षकारी श्री जे० एस० साहनी को 4-6-80 से 3-9-80 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले ही, आयोग के कार्यालय में अनुभाग अधिकारी (विशेष-परीक्षा संवीक्षा तथा समन्वय) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

2. अनुभाग प्रधिकारी (विशेष-परीक्षा संवीक्षा तथा समन्वय) के पद पर उनकी नियुक्ति हो जाने के परिणाम- स्वरूग श्री जे॰ एम॰ माहनी का बेतन वित्त मंत्रालय (व्यय प्रभाग) के समय-समय पर यथा संशोधित का॰ जा॰ सं॰ एफ॰ 10 (24) ई॰-ा।/60 दिनांश 4-5-1961 की शर्नी के श्रनुपर विनियमित होगा।

एस० बालचन्द्रन श्रवर सचिव ग्रते सचिव संचलोकसेवाआयोग

(7821)

नई दिल्ली-110011, दिनांक 2 जून 1980

सं० ए० 32013/3/79-प्रशासन-I—संघ लोकः सेवा आयोग की समसंब्यक ग्रिधमूचना दिनांक 27-11-79, 11-1-80 धीर 2-6-80 के अनुक्रम में राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा ग्रायोग में के० स० से० के स्थायी ग्रेड I ग्रिध-कारी श्री बी० दाम गुष्ता को, 3 श्रप्रेल, 1980 से तीन मास की ग्रितिरिक्त अवधि के लिए श्रथवा श्रागामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में के० स० से० के चयन ग्रेड में उप सचिव के पद पर तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 3 जून 1980

सं० ए० 19014/1/80-प्रणः ०-1---राष्ट्रपति द्वारा भार-तीय प्रशासनिक सेवा (एम० एण्ड टी०: 1972) के ग्रधि-कारी श्री एच० वी० लालिरिया को, 27 मई, 1980 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेशों तक संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में श्रवर सचिव के पद पर नियुक्त किया जाता है।

> एस० बालचन्द्रन श्रुवर सचिव

श्रवर सचिव संघ लोक सेवा श्रायोग

केन्द्रीय सतर्कता आयोग नई दिल्ली, दिनांक 17 जून 1980

सं० 10 म्रार० सी० टर०-2---निवेशक, केन्द्रीय सतर्कता भागो गडदारा श्रो के० एल० म्रह्रजा, स्थायी सहायक को 31 मई, 1980 से 28 म्र्गुस्त, 1980 तक या भ्रगले भादेश तक, जो भी पहले हो भ्रायीग में मनुभाग मधिकारी स्थाना-पन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

> कृष्ण लाल मलहोता भ्रवर सचिव कृते निदेशक

गृह मंद्रालय

कार्मिक एंब प्रशासनिक सुधार विभाग

केन्द्रीय भ्रन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 18 जून 1980

सं० ए०-19036/5/80-प्रशा०-5--निदेशक, केन्द्रीय प्रन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना प्रपने प्रसाद से गुजरात राज्य से प्रतिनियुक्त निरीक्षक श्री आर० पी० वशी को दिनांक 22-5-80 के पूर्वीह्म से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पुलिस उप-प्रशिक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

की० ला० ग्रोवर प्रशासनिक भ्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली-110001, दिनांक 16 जून 1980

सं० श्रो० दी० 1198/74-स्थापना—राष्ट्रपति ने श्री एन० के० भट, उपपुलिस श्रशीक्षक, 2 वाहिनी, के० रि० पु० बल, को केन्द्रीय सिविल केशा (श्रस्थायी सेवा) नियमाबली, 1965 के नियम 5 (I) के श्रनुसार एक माह के नोटिस की समाप्ति पर दिनांक 12-5-1980 (श्रपरह्म) से कार्यभार मुक्त कर दिया है।

के० भ्रार० के० प्रसाद सहायक निदेणकःःः (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय श्रीबोगिः सुरक्षा बल नई दिल्ली-110019, दिनांक 16 जून 1980

सं र र कि - 16014/3/15/73-कार्मिश - प्रपने मल कायालय को प्रत्यावर्तित होने पर श्री श्रार० योगाद्री ने 21 मई, 1980 के भ्रपराह्म से के० श्री० सु० ब० ग्रुप मुख्यालय मद्रास के सहायक कमांडेंट्र के पद का कार्यभार छोड़ दिया। एम० पी० टी० मद्रास के प्रशिक्षण रिजर्व (द० क्षेत्र) से स्थानांतरित होने पर श्री ग्रार० शेषाद्री ने उसी तारीख से के० ग्री० सु० ब० ग्रुप मुख्यालय, मद्रास के सहायक कमाण्डेन्ट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-16013(1)/2/76-क्रामिक--महानिरीक्षक (मु-खालय), के० ग्रो० सु० ब०, नई दिल्ली, के रूप में नियुक्त होने पर श्री आई० एम० महाजन ने 7 जून, 1980 के श्राप्ताह्म से के० श्रो० सु० ब० (मुख्यालय) नई दिल्ली के उपनहानिरीक्षक (श्रासु०) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013 (3)/1/79-क्रामिक—बोकारो से स्था-नांतरित होन पर श्री एस० बी० नौधरी ने 13 मई 1980 के पूर्वाह्म से के० औ० सु० ब० यूनिट फरक्का बराज परि-योजना फरक्का के सहायक क्षमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-16013 (1)/3/80-क्रामिक—राष्ट्रपति, श्री श्राई० एम० महाजन, भा० पु० से० (एम० टी०-1953) को 7 जून, 1980 के श्राराह्म से महानिरीक्षक (मुख्या-लय) के० श्री० सु० ब०, नर्ष दिल्ली, नियुक्त करते हैं। प्रकाश सिंह

सहायक महानिरीक्षक (कार्मिक)

सं० 11/102/79-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में नारर के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री एस० पो० ग्रोबर को पंजाब, चण्डीगढ़ में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में तारीख 14 अप्रैंस, 1980 के पूर्वाहन् से एक वर्ष की श्रवधि के लिए या जब तक पद नियमित ग्राधार पर भरा जाए, जो भी ग्रवधि पहले हो, पूर्णतः ग्राधार पर भरा जाए, जो भी ग्रवधि पहले हो, पूर्णतः ग्राधार पर सर्व नियुक्त करते हैं।

- श्री ग्रोबर का मुख्यालय चण्डीगढ़ में होगा।
- 3. उपरोक्त पद पर तदर्थं नियुक्ति श्री ग्रोवर को उपनिदेशक जनगणना कार्यं के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए
 कोई हुं प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर उप निदेशक जनगणना कार्यं के पद पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता ग्रोर श्रामे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पद पर तदर्थं नियुक्ति को सक्षम प्राधिवगरी के वित्रेष्ठ पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रह किया जा सकता है।
- 4. इसे इस कार्यालय की श्रिधसूचना सं० 11/102/79-प्रमासन-1 तारीख 5-5-1980 का श्रिधकमण करते हुए जारी किया जा रहा है।

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 17 जून 1980

सं० 11/8/80-प्रणा०-I—राष्ट्रपति, महाराष्ट्र सिविल सेवा के अधिकारी **डॉ**० एम० जी० देशपाण्डे को सहाराष्ट्र

बम्बई में जनगणना कार्य निदेशालय में, तारीख 14 भ्रप्रैल, 1980 के पूर्वाह्म से ग्रगले ग्रादेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा, उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

- 2. श्री देशपाण्डे का मुख्यालय सतारा में होगा।
- 3. इसे इस कार्यालय की भ्रधिसूचना सं० 11/8/80-प्रशा०-1 तारीख 8-5-1980 का भ्रधिकमण करते हुए जारी किया जा रहा है।

सं० 11/31/80-प्रकार-1—राष्ट्रपति, प्रान्ध्र प्रदेश सिविल सेवा के अधिकारी श्री पी० वी० गोपाल राव को श्रान्ध्र प्रदेश, हैदराबाद में जनगणना कार्य निदेशालय में, तारीख 27 मई, 1980 के अपराह्म से अगले श्रादेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा, उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री गोपाल राव का मुख्यालय गुन्ट्र में होगा।

सं० 11/125/79-प्रणा०-I—-राष्ट्रपति, राजस्थान सिविल सेवा के ग्रधिकारी श्री एल० के० चतुर्वेदी को राज-स्थान, जयपुर में जनगणना कार्य निदेशालय में, तारीख 28 मई, 1980 के पूर्वाह्म से ग्रगले ग्रादेशों तक, प्रति-नियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा, उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री एल० के० चतुर्वेदी का मुख्यालय उदयपुर में होगा।

सं० 11/15/80-प्रणा०-1--राष्ट्रपति, कर्नाटक मिविल मेना के ग्रिधिकारी स्त्री एव० जे० सिद्धालिगण्या को कर्णाटक, बंगलौर में जनगणना कार्य निदेशालय में, तारीख 2 जून, 1980 के पूर्वाह्म से, ग्रंगने ग्रावेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा, उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री सिद्धलिंगच्या का मुख्यासय मैंसूर में होगा।

सं० 11/31/80-प्रणा०-I---राष्ट्रपति, म्रान्ध्र प्रदेश सिविल सेश के अधिकारी श्री के० एस० रद्रमूर्ति को म्रान्ध्र प्रदेश, हैदराबाद में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 29 मई, 1980 के पुत्रीह्न से अगले म्रादेशों ना प्रतिनियुक्ति पर स्वानात्तरण द्वारा उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री रुद्रमूर्ति का मुख्यालाय तिरुपति में होगा।

सं० 11/31/80-प्रशा०-I→नराष्ट्रपति, ग्रान्ध्र प्रदेश सिविल सेवा के ग्रिधिकारी श्री एस० सत्यनःरायण नायष्ट्र को ग्रान्ध्र प्रदेश, हैदराबाद में, जनगणना कार्य निदेशालय में, तारीख 29 मई, 1980 के पूर्वाह्न से ग्राग्ले ग्रादेशों तज्ज, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा, उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री नायडूका मुख्यालय खम्माम में होगा।

पी० पद्मनाभ भारत के महापंजीकार श्रम मंबासय

(श्रम न्यूरो)

কিমলা-171004, বিনাক 10 जुलाई 1980

सं• 23/3/80 सी• पी• आई०---मई, 1980 में अंदोगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपमोक्ता मृत्य तूचकांक (जाधारवर्ष 1960=100) अप्रैल, 1980 के स्तर से 7 अंक बढ़ कर 382 (तीन सौ बयासी) रहा है। मई 1980 माह का सूचकांक आधार वर्ष 1949=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 464 (चार सौ चौंसठ) आताहै।

आनन्द स्वरूप भारताज, संयुक्त निवेशक

वित्त मंत्रालय

(प्रार्थिक कार्य विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 19 जून 1980

सं० 434/ए०—मैं, श्री पी० डी० जाधव, अनुभाग अधिकारी, चलार्थ पत्न मुद्रणालय, नासिक रोड को भारत प्रतिभूति मुद्रणालय में प्रशासन श्रधिकारी के पद पर सुधारित वेतन श्रेणी ६० 840—40—1000—ई० बी०—40—1200 में तदर्थ रूप में दिनांक 7-6-1980 के पूर्वाह्म से 6-12-80 तक नियुक्त करता हूं।

ना० राममूर्ति ज्येष्ठ उप महाप्रवन्धक भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

भारतीय लेखा परीक्षा तया लेखा विभाग कार्यालयः निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्य नई दिल्ली, दिनांक 7 जून 1980

सं० प्रगासन-1/का० आ० 137—भारत सरकार, गृह् मंत्रानग के कार्यालय ज्ञागन संख्या 25013/7/77-इस्टै० (ए) दिनांक 26-8-1977/मूल नियम 56 (ट) की शतौं के अप्रोत 20 वर्ष से अधिक की अर्दक सेत्रा पूरी करने के बाद 1 जून, 1980 (पूर्वाह्न) से इस कार्यालय के स्थायी अनुमाग अधिकारी स्थानापम ले० प० अ० श्री आर० के० विश्नोई, भारत सरकार की सेत्रा से स्वेच्छा से सेत्रा निवृत्त हो गए हैं।

श्री बिश्नोई ने मरकारी सेत्रा 24 सितम्बर, 1954 में ग्रारम्भ की ग्रौर उनकी जन्म तिथि 2 जुलाई, 1930 है।

> सी० के० जोसेफ संयुक्त निदेशक लेखापरीका (प्रशासन)

कार्यालय निदेशक लेखा (डाकः) कपूरथला, दिनांक 18 जून 1980

कः पालि । अदि श सं० प्रशासन ए- 6 श्रनुणासनारमक विल्राम कुळ्ण | 476-- श्री बल्राम कुळ्ण जो इस कार्यालय में श्रवर लेखा कार के प्रद पर था। 1-9-79 से अनिध कृत गैरहाजरी पर था तथा इस कार्यालय हारा भेजे गए शापन जो कि इस के दिए हुए पतों पर भेजे गए थे में से किसी की भी प्राप्त स्वीकृति उसने नहीं दो। विभागीय नियमों के श्रधीन श्रनुशासनात्मक वार्य- वाही करने के उपरान्त उसे 9-5-80 पूर्वाह्न से नौकरी से निकाले जाने का निर्णय किया गया था। चूकि वह रिजस्टर्ड लिफाफे जिसमें उक्त कर्मचारी के नौकरी निकाले जाने का श्रावेश थे श्रीर जो उस के दिए हुए पतों पर भेजे गये थे बिना वितरण के वापिस श्रा गये हैं। इसलिए श्रधिसूचित किया जाता है कि श्री बल्राम कुळ्ण को 9-5-80 (पूर्वाह्न) से नौकरी से हटाया गया है।

एस० श्रार० हिरेमठ, निदेशक लेखा (डाक्ट)

रक्षा मन्त्रालय

श्रार्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांत 9 जून 1980

सं० 10/80-ए०/ई०-I (एन० जी०)/80---श्रीमान् डी० जी० ग्रो० एफ० महाँ 4 शी देत्र नारायण तिवारी, सश्यक्ष को रक्षा मंत्रालय के दिनां 6-8-77 वे 5(3)/76/1 IV /डी (फैक्टरी-) संख्यक पत्न के श्रन्तर्गत मंजूर जिए गए, हिन्दी श्राधिमारी (वर्ग 'ख' राजपांति) के पव पर ६० 650--30--740--35--810--व० रो०--35--880--40--1000--40--1200/- के वेतनमान में ६० 650/- प्रतिमाह वेतन पर दिनां 26--500 से नियुक्त करते हैं।

- उग्युंक्त नियुक्ति तदर्थ ग्राधार पर है एवं इस पद के लिए भर्ती नियमों के बनने पर नियमानुकूल के ग्रधीन है।
- 3. श्री तिवारी ने हिन्दी श्रधिकारी के रूप में उच्चतर कर्तव्य दिनांक 26-5-80 से ग्रहण किए।

डी॰ पी॰ चऋवर्ती, ए॰डी॰ जी॰ (एडमिन)

कृते महानिदेशकः

रक्षा छत्पादन विभाग, भारतीय आर्डनैस फैक्ट्ररिया सेवा महानिदशालय, आर्डनैस फैक्टरिया

कलकत्ता,विनांक 13 जून 1980 सं० 40/80/जी०--राष्ट्रपति महोदय, श्री ए० सी० पिल्ताय, स्थायी उप-प्रबन्धक का त्यागपन्न दिनांक 1ली मई, 1976 (पूर्वाह्न) से स्वीकृत करते हैं। इस महानिदेशाला की गजट अधिसूचना सं० 10/80/ जी०, दिनां 12 मार्च, 1980 को एतद्हारा खारिज किया जाता है।

> वी० के० मेहता, महायक महानिदेशक

वाणिज्य एवं नागरिकः आपूर्ति मंत्रालय (वाणिज्य विभाग) मुख्य नियंत्रकः, आयात-निर्यात का कार्यालय नहीं दिल्ली, दिनांकः 31 मई 1980 आयात् तथा निर्यात क्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं० 1/2/80-प्रशासन (राज०)/3744---राष्ट्रपति. श्री एम० एस० जयन्त, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के प्रमुभाग प्रश्नित्तरी वर्ग के स्थायी अधिकारी ग्रीर नियंत्रक, श्रायात-विश्वी में 18-3-80 से 11-6-80 तक की ग्रवधि के लिए उसी नेवा के वर्ग-I में ग्रीर उप-मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के रूप में स्थान।पन्न रूप से कार्य करने के लिए मियुक्त करते हैं।

2. केन्द्रीय सिखवालय सेवा के वर्ग-I में और उप-मुख्य नियंत्र है, आयात-निर्यात के रूप में श्री एम० एल० जयन्त की उपर्युक्त नियुक्ति श्री एम० एस० शर्मा एवं अन्य बनाम भारत संव हारा उच्चतम न्यायालय में प्रस्तुत की गई 1979 की रिट याचिहा नं० 626-630 के श्रन्तिम निर्णय के प्रधीन है।

मणि नारायणस्वामी मुख्य नियंत्रकः श्रायात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय (श्रौधोगिक विकास विभाग)

विकास ग्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 18 जून 1980

सं० 12 (363)/62-प्रशा० (राज०) खण्ड-2-श्रो जे० के० स्यास ने दिनांक 17 मार्च, 1980 (अपराह्म) से विस्तार केन्द्र, भेरठ, के सहायक निदेशक, ग्रेड-I (यांजिक) पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. महाप्रबन्धक, जिला उद्योग केन्द्र के रूप में श्रो जे० के० स्याल की सेवाएं दिनांक 17 मार्च, 1980 (श्रय-राह्न) के दादरा एवं नागर हवेली प्रशासन को सौंप दी गई हैं।

> महेन्द्र पाल गुप्त, उपनिदेशक (प्रशा०

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन ग्रनुभाग-1)

नई दिल्लों, दिनांक 11 जून 1980

सं० प्र०-1/1 (1154)/80—निदेशक, पूर्ति (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निदेशक (ग्रेड-II) श्री मनोहरलाल तहि्लियानी ने श्रधीक्षक के पद पर अवनन होने पर दिनांक 28-5-1980 के पूर्वीह्न से अपना पदभार छोड़ दिया।

कृष्ण कियोर उप निदेशक (प्रणासन) **कृते म**हानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

(प्रणासन ग्रनुभाग-6)

मई दिल्लो, दिनांक 17 जून 1980

सं० ए०-17011/180/80-प्र०-6---महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान, निरीक्षण निदेशक (धातु) वर्णपुर के कायिलय में भंडार परीक्षक (धातु) श्री के० सी० घोष को दिनांक 13-5-80 के पूर्वाह्म से श्रागामी ग्रादेशों तक वर्णपुर निरी-क्षणालय के श्रधान उप निरीक्षण निदेशक (धातु) के कार्यालय में तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न महायक निरोक्षण श्रधिकारी (धातु) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-17011/178/80-प्र०-6—निदेशक पूर्ति तथा निपटान बम्बई के कार्यालय में ग्रवर क्षेत्र ग्राधकार, था ए० एन० संगमेश्वरम को दिनांक 19-5-1980 के पूर्वाल्ल से ग्रागामी ग्रादेशों तक निरीक्षण निदेशक (धातु) जमजेदपुर के कार्यालय में तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न महायण निरीक्षण ग्राधकारी (धातु) के रूप में पदोन्नत किया जाना है।

> पी० डी० सेठ, उप निदेशक (प्रणासन) ृते महानिकेणक, पृति तथा निपटन

विस्फोटक विभाग

नागपुर, दिनांक 7 जून 1980

सं० ई०-II (7)—इस विभाग के ग्रिधिसूचना सं0 ई०-II (7) दिनांक 11 जुलाई, 1969 में श्रेणो 3 प्रभाग I के ग्रधोन "पालर स्पेशन जिलेटिन" प्रविष्टि के पश्चान् "पावेक्स 80 प्रतिणत" जोड़ा जाये।

सं० ई०-II (7)—इस विभाग के ग्रिधिमृजना सं० ई०-II (7) दिनांक 11 जुलाई, 1969 में श्रेणा-2— नाइट्रेट मिक्सचर के श्रधीन "इंडोकोल-3" प्रविटिट के पूर्व "इंडोकोल-1 (एचडी)" जोड़ा जाये।

> इंगुव नरिंमह मूर्ति मुख्य विस्फोटक नियन्त्रक

इस्पात श्रौर खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 18 जून 1980

सं० ए० 19012/51/72 स्था० ए० — विभागाय पदोन्नति सिमिति को निकारिश पर राष्ट्रपति, श्री बो० विठल राव, महायक खनन भूविज्ञाना को दिनां क 16-5-1980 के पूर्वाह्म से भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप से कनिष्ठ खनन भूविज्ञानो के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

एस० वी० भ्रली कार्यालय श्रध्यक्ष भारतीय खान ब्यरी

भारतोय भूबैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 1980

सं० 4546-बो०/ए०-31013/ए० एम० ई०/79-19 सो०निम्निलिखित भ्रिधिकारियों को भारतोय भूबैज्ञानिक सर्वेक्षण में महायक यांत्रिक इंजीनियर (ग्रुप 'ख' राजपितत) के ग्रेष्ठ में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द0रो0-40-1200 रु0 के वेतनमान में 15-7-1976 से नियमित किया जा रहा है।

- 1. श्री हंस राज चावला
- 2. श्रो टो० मुंडरिकाकशुदु

दिनांक 17 जून 1980

ऋम सं०	नाम	नियुक्ति तिथि
1.	श्री बॉ॰ के॰ मजूमदार	21-4-1980 (पूर्वाह्न)
2.	श्रो एम० ग्रार० रामचन्द्रन	7-5-1980 (पूर्वाह्न)

मं० 4683कों/2161 (के० बो० ग्रार०)/19 वा०-भारत स्वर्ण खान लिमिटेड में पूण रूप से भर्ती हो जाने पर
श्रों के० बो० राव ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण; सहायक
रमायन का पद 18-2-1978 के ग्रयराह्म से त्याग दिया
है।

दिनाँक 19 जून 1980

सं० 471वी०/ए०-32013 (ए० श्रो०)/78-80/19ए०—दिनांक 19-6-1980—भारताय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के
श्रधीक्षक श्री: एन० सी० सरकार को प्रशासनिक ग्रधिकारी के रूप में
उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 र०
के वेतनमान में श्रस्थार्या क्षमता में, आगामी श्रादेण होने
तक 16-5-1980 के पूर्वाह्म से पदोन्नति पर नियुक्त किया
जा रहा है।

सं० 4730बी०/2181 (एम० एल० एम०)/19 बी०— खानिज समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरेशन कार्पोरेशन लि०) में पूर्ण रूप से भर्ती हो जाने पर, श्रा एम० एल० मित्तल ने भारतीय भूषेज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक रसायनज्ञ का पद 19-9-1979 के ग्रपराह्म से त्याग दिया है।

> वीः एस० कृष्णस्वामी महानिदेशक

भारतीय मर्वेक्षण विभाग महामर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 19 जून 1980

सं० सं०-5630/724-एस० श्रो० एस० (ए०)—श्री डो० धनशेखरन, भण्डार सहायक (सेलेक्शन ग्रेड), को भारतीय सर्वेक्षण विभाग, विक्षणी सर्किल, बेंगलूर में सहायक भण्डार ग्रिधकारी (जी० सी० एस० ग्रुप "बी" पद) के पद पर 550-25-750-द० रो०-30-900 र० के वेतनमान में दिनांक 12-5-80 से तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

के० एल० खोसला मेजर जनरल भारत के महासर्वेक्षक (नियुक्ति प्राधिकारा)

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली-1, दिनांक 16 जून 1980

सं० फा० 20 (सी०-2)-1/61-ए-1—श्री बा० आर० शर्मा, अधांक्षक को 16 जून, 1980 से आगामी आदेश पर्यन्त सर्वथा तदर्थ आधार पर प्रणासन अधिकारी (द्वितीय श्रेणी राजपत्नित) के पद पर (श्री बो० एस० कालड़ा के स्थान पर जो अवकाण पर हैं) स्थानापन्न रूप से काम करने के लिए नियुक्त किया जाता है। यह तदर्थ नियुक्त उन्हें नियमित नियुक्ति के लिए कोई अधिकार नहीं प्रदान करती और वरिषठता के प्रयोजनार्थ तथा अगले उन्हें पद कम (ग्रेड) में पदोन्नत होने को पादता के लिए नहीं गिनी जाएगी।

जनका वेतन ६० 880/- प्रतिमाह वेतनमान ६० 840→ 40-1000-द० रो०-40-1200 नियुक्त किया गया है।

> ए० एस० श्राई० तिरमजी ग्रभिलेख निदेशक

·भ्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 जून, 1980

सं० 1/2/80-एस०-2—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्-द्वारा श्री पा० एप० दारोस्वामी, महायक कॉस्ट एकाउंटस् आफासर, एडमिरल मुपरिटैन्डेन्ट नेवल डोक्याई, बस्बई 1-5-80 (पूर्वाह्म) से कॉस्ट लेखा अधिकारी केन्द्रीय विकी एकाउन्टस, व्यापारिक प्रसार सेवा, बस्बई के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 18 जून 1980

सं० 1/1/79-एस० दो० (भाग दो)---महानिदेशक, भ्राकाणवाणी एतद्बारा श्री एस० गोविन्दास्वामी, लेखाकार, भ्राकाणवाणी, मद्राम 16-5-80 (पूर्वाहन्) ये प्रणामनिक श्रिधकारी, श्राकाणवाणी, विजयवाड़ा के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

> एस० वी० सेवाद्री उपनिदेशक (प्रशासन) **कृते** महानिदेशक

स्वास्थ्य सेका महानिदेगालय नई दिल्ली, दिनांक 18 जून 1980

सं० ए० 12026/30/78-(आर० एच० टा० सी०)/
प्रशासन-I—श्री शिगारा सिंह ने 17 मार्च, 1980 अन्याह्न को ग्रामीण स्वास्थ्य प्रशिक्षण केन्द्र, नजफगढ़ से प्रशासनिक अधिकारों के पव का कार्यभार छोड़ दिया है।

> गाम लाल कुठियाला, उप निदेश हुप्रशासन

कृपि मन्नालय

(कृषि ग्रीर सहकारिता विभाग)

विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 13 जून 1980

सं० 2-1/79-स्था० (1) -- सहायक सम्पादक (हिन्दी) के पद पर श्री श्रीम प्रकाश गुप्त की तदर्थ नियुक्ति 7-6-80 से आगे 6-12-80 तक या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक, जो भी पहले हो बढ़ा दा गई है।

बद्धोः नाथ चड्ढा निदेशक प्रशासन ग्रामीण पुर्नानर्माण मंत्रालय विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरोदाबाद, दिनांक 17 जून 1980

सं० ए० 19023/1/80-पृ० तृ०—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री एम० सो० जौहरी को इस निदेशालय के अधीन अबोहर में तारीख 26 मई, 1980 (पूर्वाह्न) से प्रगले ग्रादेश होने तक स्थानापन्न विपणन ग्राधिकारी (वर्ग-I) के रूप में नियुक्त किया जाता है।

की० एल० मनिहार निदेशक प्रशासन कृते कृषि विषणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762, दिनांक 14 जून, 1980

सं० पी० ए० ग्रार०/0704/3039—नाभिकीय ईंग्रन सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक ने श्रस्थायी उच्च श्रेणी लिपिक श्री एम० एम० नायर को नाभिकीय ईंग्रन सम्मिश्र में दिनांक 30-5-1980 से 30-6-1980 पर्यन्त स्थानापन्न सहायक कार्मिक ग्रिधिकारी के पद पर तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त किया है। यह नियुक्ति सहायक कार्मिकाधिकारी श्री एम० बालकृष्णन के ग्रवकाण ग्रहण करने के कारण की गयी है।

दिनांक 15 जून 1980

सं० ना० ई० एस० पी० ए० घ्रार० 3303: 3372—
नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक ने घ्रान्ध्र प्रदेश
के प्रथम महालेखाकार के कार्यलय में कार्यरत घ्रनुभाग
ग्राधकार। श्री एम० श्रीरामुलु को नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र
में दिनांक 31 मई, 1980 मध्याह्म से महायक लेखाधिकार।
(६० 650–960) के पद पर प्रतिनियुक्ति के घ्राधार पर
ग्रगले घ्रादेशों तक नियुक्त किया है।

प० श्रो॰ रा० मूर्ति प्रणासनाधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक जून, 1980

सं० प० ख० प्र०-1/23/80-भर्ती---परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक श्री एन० एस० श्रार० छ्रष्ण बादरी को परमाणु खनिज प्रभाग में 11 श्रप्रैल. 1980 के पूर्वाह्न से लेकर अगले श्रादेश होने तक श्रस्थायी रूप से वैज्ञानिक प्रधिकारी/श्रभियन्ता ग्रेड "एम० बी०" नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 जून 1980

सैं० प० खा० प्र०-1/23/80-प्रशासन---परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाण खानिज प्रभाग के निदेशक श्री किरण कुमार श्रवार को परमाणु खनिज प्रभाग में 5 मई, 1980 के पूर्वीह्न से लेकर श्रगले श्रादेश होने तक श्रस्थायी रूप से वैज्ञानिक श्राधिकारी/ग्रिभियन्ता ग्रेड "एस० बी००" नियुक्त करते हैं।

> एम० एस० राव, वरिष्ठ प्रणासन एवं शाखा श्रधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 17 जून 1980

सं० ए०-38019/1/77-ई०-1-भारत मौसम विज्ञान त्रिभाग के निस्नलिखित श्रिधकारी, श्रपने नामों के सामने दी गई तारीख को वार्धक्य श्रायु पर पहुंचने पर सरकारी मेवा से निवत्त हो गए।

क्रम सं० न⊺म	पंदनाम	दिनांक जिसको श्रधिकारी ने निवर्तन श्रायु प्राप्त की
1. श्री गुरबचन सिंह	मौसम विज्ञानी ग्रेड-I	31-5-80 (श्रपराह्न)
2. श्रो वी० वेनकटाचलम	मौसम विज्ञानी ग्रेड-I	31-5-80 (ग्रपराह्म)
3. श्रोजी० डी० सूजा	मौसम विज्ञानी ग्रेड-II	31-3-80 (ग्रपराह्न)
4. श्री एस ०टी० भाटिया	सहायकः मौसम विज्ञानी	29-2-80 (ग्र ^{परा} ह्न)
5. श्री बी० जी० लेले	सहायक मौसम विज्ञानी	31-3-80 (म्रपराह्न)
6. श्रो ती० सं <i>त</i> रइपा	सहायक मौसम विज्ञानी	31-3-80 (भ्रपराह्म)
7. श्रो वी० सूर्य राव	महायक मौसम विज्ञानी	31-5-80 (म्रपराह्न)

के० मुखर्जी मौसम विज्ञानी **कृते मौ**सम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 जून, 1980

मं० ए० 31011/1/78-ई० सी० → राष्ट्रपति ने इस विभाग के निम्नलिखित चार ग्रधिकारियों को नागर विमानन विभाग में दिनांक 1-7-78 से संचार श्रिधकारयों के ग्रेड में स्वारों रूप में नियुक्त किया है।

ऋम नाम संख्या	तैनाती स्टेशन
1. श्री जे०सी०दास	वैमा निक संचार स्टेशन, कलकता।
 श्री डी०वी० एस० दहिया श्री बी० एम० बर।री 	बैमानिकः संचार स्टेकन. श्रगरतल्ला क्षेत्रीय संचार नियन्त्रकः, कलकत्ता एयर पोर्ट, कलकत्ता ।
4. श्री उमेश कुमार	वैमानिक संचार स्टेशन, सिविल विमान क्षेत्र, वाराणसी ।

भ्रार० एन० दास सहायक निदेणक (प्रशासन)

केन्द्रीय उत्पाद मुल्क समाहर्ता का कार्यालय बम्बर्ड, दिनांक मर्ड, 1980

मं ० 11/3-ई/80-6-I---निम्नलिखित वरित श्रेणी निरीक्षकों ने उनते नामों के सामने दिखाई गई तारीखों से पदोप्रति पर स्थानापन्न केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रधीक्षक "वर्ग ख" के रूप में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहतिलय बम्बई-II में कार्यभार ग्रहण कर लिया है:--

ऋम नाम सं०	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
1. श्री वी०सी० रेलवादी	17-11-1979 (भ्रयराह्न)
2. श्री एस० बी० मंगोली	16-11-1979 (पूर्वाह्न)
 श्रो ग्रार० एस० दुवे 	20-11-1979 (पूर्वाह्म)
	विजय कुमार गु ^ए ता समाहर्ता
	केन्द्रीय उत्पाद मुल्कः।

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय मीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नई दिल्ली, दिनांक 18 जून, 1980

मं० 20/80--श्री जंड० बी० नागरकर ने, जो कि पहले सीमा शुल्फ गृह, बम्बई में सहायक समाहर्ता, सीमा शुल्फ के पद पर कार्यरत थे, राजस्व विभाग के दिनांक 12-5-80 के श्रादेश सं० 60/80 (फा० सं० ए० 22012/9/80-प्रग्रा०-II) द्वारा निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, के नयी दिल्ली

ार्यन नुष्यालय में स्थानान्तरित होने पर, दिनांक 9-6-80 (प्राह्म) से विशेक्षण अधिकारी (सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन युर्ग) भूग कि कि पर का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 19 जून 1980

मं० 16/80 --- श्री सतीण कुमार ग्ररोड़ा को, संघ तो इं संत्र, श्रायोग द्वारा नामित किए जाने पर, निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निर्देणालय, सीमा तथा केन्द्रीय उत्पादन गुन्क, नई दिन्ली स्थित मुख्यालय में, 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ते तेतनभान में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क ग्रा "ख" (मैंकेनिकल इंजीनियरिंग) के पद पर नियुक्त किया है। उन्होंने दिनांक 25-5-80 (पूर्वाह्न) से उक्त पद का कार्यभार सम्भान लिया।

कृ॰ रेखी निरीक्षण निदेशक

मध्य रेलवे

महाप्रबन्धक का कार्यालय

बम्बर्ड, दिनांक 18 जून 1980

सं० एच० बी० वी०/220/बी०/प्रथम/एस०--निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नाम के सामने दिखाई गई तारीख से इप रेनबे के भण्डार विभाग के प्रवर वेतनमान में स्थायी किया गया है:--

कता है। प्रत्ये हारी का नाम भ्रीर पद नाम	स्थायीकरण तारीख
 श्रो दुनान दत्त,स्थानापम्न ग्रपरभंडार नियंत्रकः पूर्व रेलवे 	16-16-76
2. श्री ए० एस० महादेवन, ग्रार मंड,र नियंवक (निर्माण), प्र० ४०० बम्बर्ड	1-1-77
3. श्री मुख देय. उन्नभंडार नियंत्रक (सेवा निवृत्त)	1-7-78
 अशित्रञ्चार० रामानुजम उप भंडार नियंत्रकः, द० म० रेलवे, 	1-8-78

श्रनिल कुमार चक्रवर्ती, महाप्रबन्धक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्यं मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कमानी श्रिधिनियम, 1956 श्रीर उटबेन लेबोरेटरीज प्राह्मेट लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 13 जून 1980

सं० एस० भ्रो०-50-625-613 (2)--कम्पनी श्रधि-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा 3, के श्रनुसरण में एतदहारा यह सूचना दी जाती है कि: इस तारीख़ से तीन मास के श्रवसान पर उटबेन खेबोरेटरीज प्राईवेट लिसिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दिणत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा भ्रोर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> डी० के० पास कम्पनियों का रजिस्ट्रार ग्रीडिया, कटक

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 के मामला में एवं मैं० बातमोर इन्जीनियरिंग इन्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड, ग्वालियर के मामले में।

ग्वालियर, दिनांक 16 जून 1980

सं० 1383/प्रार०/2409~-कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के प्रन्तर्गत, एतदद्वारा, सूचित किया जाता है कि इस सूचना के दिनांक से तीन मास की समाप्ति पर, मैं० बानमोर इन्जीनियरिंग इन्डस्ट्रीज प्राध्वेट लिमिटेड, ग्वालियर का नाम, यदि इसके विक्र कोई कारण न दर्शाया गया तो, रिजस्टर से काट दिया जायेगा एवं कथित कम्पनी समाप्त हो जायेगी।

सुरेन्द्र कुमार सक्सेना कम्पनी रजिस्ट्रार मध्य प्रदेश, ग्वालियर

कायलिय, ग्रायकर ग्रायुक्त

नई दिल्ली, दिनांक 12 जून, 1980 आयकर

सं० जुरि०/दिल्ली-II/80-81/8301----ग्रायकर ग्रधि-नियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उन्धारा (1) तथा (2) द्वारा प्रदत्त सिन्तयों का प्रयोग करते हुए प्रायकर प्रायुक्त, दिल्ली-II, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि ग्रायकर प्रधिकारी डि० 10 (11) का ग्रायकर प्रधिकारी डि० 10 (11) का ग्रायकर प्रधिकारी डि० 8 (13), नई दिल्ली के साथ समवर्ती प्रधिकार क्षेत्र होगा। यह समवर्ती ग्रिधकार क्षेत्र होगा। यह समवर्ती ग्रिधकार क्षेत्र ग्रायकर प्रधिकारी डि० 8 (13) द्वारा उन निर्धारित/निर्धारण योग्य व्यक्तियों के मामलों के बारे में होगा जो ग्रंग्रेजी की कर्णमाला "ए" से "एच" तक आते हैं। किन्तु समवर्ती ग्रिधकार क्षेत्र धारा 127 वे ग्रन्तर्गत सौंपे गए या इसका वाद सौंपे जाने वाले मामलों के बारे में नहीं होगा।

कार्य निष्पादन की सुविधा के लिए श्रायकर श्रायुक्त दिल्ती- श्री श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 124 की उपधारा-(2) में श्रवेक्षित श्रादेशों के पास करने के लिए निरीक्षीय सहायक श्रायकर श्रायुक्त, रेंज-4 ई० को भी प्राधि-कृत करते हैं।

यह अधिसूचना 16-6-80 से लागू होगी।

सं० जूरि० विल्ली-II 80-81/8452—श्रायक्षर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों तथा इस बारे में प्राप्त श्रन्य सभी शिक्तयों का प्रयोग करते आयकर भ्रायुक्त दिल्ली-II, नई दिल्ली निर्देश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम 2 में निर्दिष्ट आयकर वार्ड/सिक्ल कालम-3 में निर्दिष्ट वार्डी / ०किलों के साथ विलीन हो गए माना जाएगा । इसके परिणामस्वरूप मिलाए गए वार्ड के मामले उस वार्ड म वापस आ जाएंगे जिसमें कि इन्हें मिलाया गया है।

श्रनुसूची

ऋम संख्या	मिलाए गए वार्ड का नाम	उस वार्डका नाम जिसमें मिलाया गया है
1	स्पेशल सर्किल-10	स्पेणल सर्विःल-६
2	ব্যি ০ 8 (3)	ভি ০ (11)
3	ছি ০ 8 (5)	ভি ০ (12)
		مراجع في عدد الم

यह भ्रिधिमूचना 16/6/80 से लागूहोगी।

एन० एस० **राधव**न श्रायकर श्रायुक्त दिल्ली-II नई दिल्ली

प्ररूप माई ० टी० एन० एस० ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृच्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

स्रजंन रेंज II, श्रंम्बई बंबई, दिनांक 3 जुन 1980

निर्देश सं० ए० स्त्रार०।। $\sqrt{2866-12}$ नोब्स 79—स्नतः मुझे ए० एच० तेजाले

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

श्रौर जिसकी सं० मी० टी० एस० नं० 1633, एस० नं० 316, एच० नं० हिस्सा 1 है तथा जो बांदरा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बंधई में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 7-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुं के किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा का लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः—

- (1) श्री मती वसंत सुंदरजी (मन्तरक)
- (2) श्री मीना एस० रहेजा मनोहर टि० श्रहुजा, वसंत एन्टरप्राइसेस के भागीदार (श्रन्तरिती)
- (3) श्री बाबुभाई धनजी (2) वासुदेव रामचंद्र बर्वे, (3) मोहनलाल किशन चंद (4) रामदास दामोदर (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जां भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषांक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळोकरणः — इसमें प्रत्युक्त शब्दों और पदाँ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया गया हैं।

अनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख नं० एस० 2383/78/बंबई उपरजिस्ट्रार श्रिधकारी द्वारा दिनांक 7-11-1979 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० एच० तेजाले, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, बम्बई

तारीख: 3-6-1980

प्रकृष भाई०टी•एत•एस•---

आयकर बॉबनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के घडीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज बंबई बम्बई, दिनांक 16 जुन 1980

निर्देश सं० ए० श्रार० ।।।/ए० पी० 347/80-81---श्रतः मुझे, पी० एल० हंगटा मायकर प्रधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त प्रधिनियम' नहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास **करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार** मृत्य 25,000/- ४० से प्रधिक है और जिसकी सं० एस० नं 19 हिस्सा नं 2 (पार्ट) एस नं 52 हिस्सा नं 1 बी०, 25 (पार्ट) और पार्ट है तथा जो मोहिती में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, बंबई में रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 2-11-1979 विलेख संख्या नं० ग्रार० 92/73 को पूर्वोचत सम्पत्ति के अचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मुल्य, उसके वृत्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृत्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिकत से मधिक है भीर भन्तरक (मन्तरकों) घीर मन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे भग्धरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिश्वित अर्द्धभ्य से उक्त प्रश्तरण मिकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, जनत अधिनियम के अधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या छससे बचने में सुविधा के जिए; बीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या व्यथ्य भाक्तियों को, जिक्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त व्यधिनियम, मा घन-कर धिवनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विद्या के लिए;

अतः अब, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसर्ग में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवीतःन

- (1) कपालदेव मेहरा, जितेंद्रपाल मेहरा (भ्रन्तरक)
- (2) श्री सुभाष चंद्र मेहरा, प्रविष मेहरा श्रीर राजेश मेहरा राजेश डाइंग श्रीर ब्लिंचिंग वर्क्स प्रा० लि० (श्रन्तरक)

को यह सूचना जारी शरके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकासन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के श्रीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में
 हिनबढ़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताकरी
 के पास निखित में किये जा सकेंगे।

स्वब्हां करण: -- इसमें प्रयुक्त जर्भों भीर पदों का, जो उनत ग्रांक्षानियम के श्रद्ध्याय 20-क में परिचाषित है, बही अर्थ होगा जो उस घट्याय में दिया गया है।

अमुसुची

ग्रमुसूची जैसा कि विलेख नं० श्रार० 92/73 बंबई उपरजिस्ट्रार ग्रिधिकारी द्वारा विनांक 2-11-1979 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एस० रंगटा, सक्तम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 3, बम्बर्ष

तारीख: 16-6-1980

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०--

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रार्जन रेंज, 1 **बंबई** बम्बई, दिनांक 17 जुन, 1980

निर्देश सं० ए० म्रार० 1/ए० पी० 314/80-81—म्रतः मृक्षे पी० एल० रुगटा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सक्पत्ति, जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/- २० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 84, स्कीम नं० 58 है तथा जो बोरली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बंबई में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 28-11-1979 विलेख नं० बंबई 1445/1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए सन्तरित की गई है सौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत मधिक है भीर सन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (सन्तरितिथों) के बीच ऐसे सन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य के उकत प्रन्तरण लिखित में वास्तिविश्व स्वप के कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, खबत अधिनियम के अधीन कर देंगे के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधनियम, या धन-कर धिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, धिपाने में सुविधा के सिए।

भत्तः अवः, उत्त अधिनियम की धारा 269-ग के सनुसरण में, में, उत्तर अधिनियम की धारा 269व की उपघारा (1) के अबीम, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री नारायनन इनक्हेस्टमेंट ट्रस्ट प्रा० लि० (ग्रन्तरक)
- (2) श्री लब्ह प्रोव्ह प्रीमायसीस को० आ० सो० लि० मेंबर आफ द सोसायटि (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के निए कार्यशाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के भन्नेन के संबंध में कोई भी भाकीय:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अवधि या तत्सक विश्वी क्य कितायों पर सूचना की तामी स से 30 दिन की धवधि, को भी धवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर धक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाकारणः — - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिवियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाष्टित है, वही भर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख नं० बंबई 1445/79 बंबई उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 28-11-1979 के रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी० एल० रुंगटा, **सक्षम प्राधिकारी** स**ह**ायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, बस्बई

नारीख: 17-6-1980

मोहरः

प्रकप धाई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज, 1, बंबई

बंबई, विनांक 17 जुन, 1980

निर्देश सं० ए० म्रार०-1/ए० पी० 316/80-81—-म्रतः मुझे पी० एल० रंगटा

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत ग्रधिनियम' कहा गवा है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ॰ से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० सी० एस० नं० 1/479, 6/479 है तथा जो लोग्नर परेल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, अंबई में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 का (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 28-11-1979 विलेख नं० एम० एस० 459/74

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके युश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रीध-नियम के श्रधीन कर देने के अस्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उन्त अधिनियम की धारा भन269-ग के सरण में, में, उन्त धिनियम की धारा 269 च की उपधारा (1) के जन्ना, निम्निविख्या व्यक्षित्यों, अर्थात्:— :

- (1) श्री रामनाथ सर्वानंद मास्रे, (2) भारतचंद्रल हरी गंकर म्हास्रे, (3) रंगनाथ भिकोषा वेसाई, (4) महोग खंढेराव मंत्री (ग्रन्तरक)
- (2) श्री भारत बंरल ग्रौर डूम मंन्यूफँक्चरींग कं० प्रा० लि० (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचता के राजपत में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :—ंइसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

au wall

श्रनुसूची जैसा कि विलेख नं० एस० 459/74 बंबई उप-राजस्ट्रार श्रिधकारी द्वारा दिनांक 28-11-1979 को राजस्टर्ड किया गया है।

> पी० एल० हंगटा, सक्षम प्राधिकारी सहायक द्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, बस्बई

नारीख: 17-6-1980

प्ररूपु आर्द. टी. एन. एस.-----

षधिनियम, 1961 पायकर (1961 का 43) घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2 बंम्बई

बंबई, दिनांक 17 जून 1980

निर्देण सं० ए० म्रार० 2/2874-2/मन्दू०79--म्रतः मुझे ए० एच० तेजाले

आयफर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० नं० 284 हिस्सा नं० 15 सी० टी० एस० 1006 है तथा जो बांन्द्रा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, बांन्द्रा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 24-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुरयमान प्रतिफल से ऐसे दुरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर भनारिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उन्त भ्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के भन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या प्रत्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रक्षिनियम (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधाके लिए;

झत: भव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269- व की उपधारा (1) के पश्चीन निम्मलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत्:---

(1) श्री रोज्ञरीश्रो फर्नांडिस

(ग्रन्तरक)

- (2) श्रीमती मीना ग्रख्तर रीझवी
 - (ग्रन्तरिती)
 - (1) श्री मती सफीना डिसोझा
 - (2) श्री एम० डिसिल्वा।
 - (3) श्री जे० ए० डिसोझा।
 - (4) श्री पशीन परेरा।
 - (5) श्री डी० कारडोझा।
 - (6) श्रीजी० पी० तवेरी।
 - (7) काली प्रसाद गप्ता।
 - (8) श्री पंद्रीक फर्नान्डिस।
 - (9) श्री एव्हलीन फर्नान्डिस।
 - (10) श्री एलीस परेरा।
 - (11) श्री एफ० एम० पोवा
 - (12) श्री जोसेफ झेव्हियर।
 - (13) श्री जूड मार्शल डिसोझा।
 - (14) श्री पद्मिक फर्नान्डिस।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पति है)

सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को यह के लिए कार्यमाहियाँ करता हुं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनाकी तारीखासे 30 दिन की भ्रावधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (खा) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबग्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिंत में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदौं का, जो उक्त अधिनियम के प्रक्याय 20-क में परिभाषित 🛊, नहीं घर्ष होगा, जो उस धन्याम में विया गया है।

अनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख नं० 850/89 बंबई जॉईन्ट उपरजिस्ट्रार अधिकारी बांद्रा द्वारा दिनांक 24-10-1979 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० एच० तेजाले, सक्षम प्रधिकारी (सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, बम्बई

तारीख : 17-6-1980

प्रारूप आई० डी० एन० एस०~~~

अ(यकर ग्रंथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के ग्रंथीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायन ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 2, बंबई

बंबई, दिनांक 17 जून 1980

निर्देश सं० ए० श्रार०-।।/2875-3/श्रक्तू० 79—श्रतः मुझे, ए० एच० नेजाले

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रुपये में ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० एस० नं० 284 हिस्सा नं० 19 श्रीर 21 सी० टी० एस० नं० 994, 1007, 1008, 1010 है तथा जो बांन्ब्रा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बांद्रा में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीम तारीख 24-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त मधि-नियम के अधीन कर देने के यन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बबने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः, श्रव, उक्त श्रिधिनियम को धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त श्रिधिनियम को धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखित व्यक्तियों, श्रथीत: ---

- (1) श्री लुइझा परेरा (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती मीना भ्रख्तर रिसवी (श्रन्तरिती)

- (1) मिसेस अलाइस परेशा
- (2) श्री एम० पोक्षो।
- (3) श्री अक्हेलीन फरनान्डिम।
- (4) मिसेस पोलिन तवारीस।
- (5) श्रीमार्णल जे० डिसोझा।
- (6) मिसेस तेरेसा डिसोझा।
- (7) श्री जोसेफ झेवीयर
- (8) श्री कमिलो ग्रलफान्सो।
- (9) श्री ए० बी० फर्नानडिम।
- (10) श्री जोसेफ रांनकोन।
- (11) श्री सी० केलासो।
- (12) श्री पंद्रिक फर्नानडिस।
- (13) निकोलस मासकारहंस।
- (14) श्री पेर्सी लोबो।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्तिहै)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उत्रा सम्रत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :→-

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्स गंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त सब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही स्रथं होता, नो उस सब्याय में दिया गया है ।

श्चनुसूची

प्रनुसूची जैमा कि विलेख नं० 850/79 बंबई जांइन्ट सबरिजस्द्वार प्रधिकारी बांदरा द्वारा दिनोक 24-10-1979 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० एच० तेजाले, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज 2, बम्बई

तारीख: 17-6-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

म्राय हर ग्रंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 24 मई 1980

निर्देश सं० 620-म्रर्जन कानपुर/79-80----म्रतः मुझे एस० के० भटनगर

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत प्रशिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के प्रशीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्वत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० 59/18 है तथा जो नाचघर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 3-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐभ अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उका अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) म्रन्तरण मे हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के मन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-च की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :----

- (1) श्री बद्री प्रसाद अवस्थी (कर्सा) कमल कुमार प्रवस्थी थ कमल किशोर व कमल प्रसाद प्रवस्थी पुल चन्द्र भन प्रवस्थी निवासी 59/115, 59/8, 59/60, 59/115 विरहनारोड नाच घर कानपुर (ग्रन्सरक)
- (2) श्रीमती दया वती पत्नि रामराक्ष पाल श्री मती मणू देवी पत्नि जय राम व श्रीराम पून राम रमरक्षंपाल 21/55, ईटवा बाजार कानपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रष्ट होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुस्ची

एक किंता मकान नम्बर 59/18 नाच धर जिसका रकवा 199 बर्ग गज हैं।

एस० के० भटनागर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायक**र** श्रायु**क्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज कानपुर

तारीख: 24-5-1980

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०——— भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 22 मई 1980

निर्देण सं० 627 श्रर्जन/कानपुर/79-80—श्रतः मुझे, बी०सी० चतुर्वेदी

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

धौर जिसकी मं० मकान 125, यू०/18 है तथा जो गोविन्द नगर में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण ग्रिधकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 8-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नतिखित उद्देश्य मे उका ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक छप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के श्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्न अधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयति :--3--146GI/80

- (1) श्रीमती शकुन्ताला रानी पत्ति रामचन्द्र निवासी 62/22 ब्लाक नम्बर 7 गोविन्द नगर, कानपुर (श्रन्तरक)
- (2) श्री प्रेम सागर पुत्र मंगल सिंह निवासी 124 ए०/ 251 गोविन्द नगर, कानपुर (श्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्चोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पड्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त णब्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में विया गया है।

अमुसूची

एक किना मकान नम्बर $125\, q\circ/18$ गोविन्द नगर में स्थित है जिसका रकवा $556\, avi$ गज है।

बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज, कानपुर

तारोख: 22-5-1980

मोहरः

प्ररूप आइ⁻. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 24 मई, 1980

निर्देण सं० टी० म्रार० 824 म्रर्जन/एतमतादपुर/79-80----म्रतः म्झे, एस० के० भटनागर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित् जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० प्लाट है तथा जो ग्राम नरापंच में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, एतमादपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 19-10-1979

को पूर्वांक्त संपहित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपहित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितीं ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत:---

- (1) श्री कैन्ह्या लाल पुत्र प्रीतमदास 32/147 वसावन गाली काला महाल ग्रागरा (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मेहदी रत्ता ऐसो सीयरस सिकोहाबाद जिला मैनपूरी द्वारा श्री हर प्रकाश मेंहदी रत्ता पर्टनर फर्ममजकुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारे।

स्यष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्मों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लाट पैमाइम 1926 बर्गगज बाके ग्राम नरापंच पर० ऐतमादपुर जिला श्रागरा।

> एस० के० भटनागर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, कानपूर

तारीख: 24-5-1980

प्रकप साई• टी• एन• एस•------

आयकर अभिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 268-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 24 मई, 1980

निर्देण सं० टी० ग्रार० 825 ग्रर्जन/एतमतपुर/79 80— ग्रतः मुझे, एस० के० भटनागर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संगति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- २० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो ग्राम नारा पंच में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ऐदलदपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 19-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य, उत्ते कृष्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मह् प्रतिमान अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) छोर पन्तरित (अन्तरकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त, निश्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रविक कप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) ग्रन्तरत्र से हुई किसी आय की वावत उवत शिक्षित्रयम के शकीन कर देने के ग्रन्सरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुनिधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा या या किया जाना जाहिए था, छिपानें में सुविधा के सिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269ग के धनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की खपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री दौलतराम पुत्र श्री प्रीतमदास 632/147 बसावन गली काला महाल शहर ग्रागरा (श्रन्तरक)
- (2) श्री मेहंदी रत्ता एसोसिएस्ट सिकोहाबाद जिला मैनपूरा द्वारा श्री हर प्रसाद मेहदी रत्ता पर्टनार उपयुक्त फर्म (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की मनिध या तस्संबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की तामी स से 30 दिन की अपिध, को भी भनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हितवड़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भवोहस्ताक्षरी के पात शिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उपक्ष मिनियम के बद्ध्याय 20-क में परिशाधिक है, बढ़ी धर्ब होगा, बो उस अध्याय में विया गया है।

अनुपूची

एक किता प्लाट पैमाईस 1874 बर्ग गज बाके ग्राम नरापंच परगना ऐतमादपुर जिला श्रागरा खसरा नम्बर 4,176।

> एस० के० भटनागर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुवत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 24-5-1980

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस.---

मायुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 24 मई, 1980

निर्देण सं० टी० ग्रार० 832 ग्रलीगढ़/79बं80—-श्रतः मुझे एस० के० भटनागर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपित्त जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रह. से अधिक है

थ्रौर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो धोदपुर श्रलीगढ़ में स्थित है (थ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रलीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-10-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण जिल्हित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आयु या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिया के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-गृ के अनुसूरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-मृ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिखित व्यक्तियों अधितः—

- (1) श्री डा॰ प्रेम दयाल जैन पुत्र इन्द्र सेन जैन निवासी 101/एसें॰/, सिवन्त्र पुरी वाराणसी, डा॰ प्रदीप जैन पुत्र प्रेम दयाल जैन निवासी 101/ए॰ एरिबन्द्र पुरी वाराणसी। (श्रन्तरक)
- (2) श्री साह मकबूल म्रालम पुत्र साह महमूद श्रालम निवासी कदरी बाग दिवईबुलन्द शहर साथ में दो छोटे भाई साह मल्लूव श्रालम साह मसूर श्रालम। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लाट 15 विस्वा 11 विस्वन्सी खमरा नम्बर 306 ग्राम दोधपुर जिला ग्रलीगढ़।

> एस० के० भटनागर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 2:1 5-1980

प्ररूप धाई • टी • एन • एस • — — — अ। यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के सबीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपूर, दिनांक 29 मई, 1980

निर्देण सं० 1154 ए०/मंस्री/79-80—श्रतः मुझे, एस० के० भटनागर
आयकर मित्रिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उस्त मित्रिनयम' कहा गया है), की बारा 269 ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान "बुआइलट वैक" है तथा जो हैम्पटन कोर्ट एरिया में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बाम्बे में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के विश्वत बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिकान के लिए घन्तरित की गई है घोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकास का पश्च ह्र प्रतिकात से घष्टिक है, घोर यह कि धन्तरक (बन्तरकों) बौर घन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरम के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बारतिक कप से किया त नहीं किया गया है :----

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उस्त ग्रीपिक नियम, के ग्रामीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घन्य घान्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर घिषिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया चा या किया बाना चाहिए घा, खिपाने में सुविधा के लिए।

वतः सब उक्त समिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त समिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीम, निम्निवित व्यक्तियों, अर्थातः ।---

- (1) श्री णमसेर आदिस प्राइवेट लि० पार्क रोड गान्धी जुह बाम्बे (श्रन्तरक)
- (2) श्री मनोहर लाल रावत निवासी कुलरी मंसूरी जिला बेहरादून (श्रन्तरिती)

को यह सूबता जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के सर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

सकत सम्पत्ति के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी जा से 45 दिन की ध्वक्षिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की ध्वक्षि, जो भी धविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजरत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितब क किसी भ्रम्य स्थक्ति द्वारा, मझो हस्ताकारी के पास निकास में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण !--इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जो उन्त धिन्यम, के धन्याय 20-क में परिभाषित है, वही भवें होगा जो उस धन्याय में वियागया है !

प्रनुसूचो

एक किता मकान जिसका नाम बुआइलट बक" हैम्पटन कींट ऐरिया पर स्थित है।

> एस० के० भटनागर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षक) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 29-5-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 29 मई, 1980

निर्देण सं० 1177-ए०/देहरादून/79-80--- म्रातः मुझे, एस० के० भटनागर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 41 हरिद्वार है तथा जो हरिद्वार रोड देहरादून में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 25-10-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) पृसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों अधितः—

- (1) श्री रतनलाल शर्मा जितेन्द्र नाथ शर्मा प० मूल चन्द्र शर्मा पुत्र गण नन्दलाल शर्मा, 41 हरिद्वार रोड, देहरादून । ॄ(श्रन्तरक)
- (2) श्री रामेण्वर दयाल श्रणोक कुमार मोहन लाल राधेण्याम पुत्रगण ला० विश्वम्बर दयाल, सु⁹ण कुमार पुत्र बनवारी लाल, निवासी विकास नगर, परगना पछवा, जिला देहरादून । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकागे।

स्यद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अवस ची

एक किता सम्पति नम्बर 41 हरिद्वार रोड देहरादून में स्थित हैं।

एस० के० भटनागर, सक्षम प्राधिकारी सह(युक बायकर आयुक्त, (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख: 29-5-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कान पुर

कानपुर, दिनांक 12 जून, 1980

निर्देण मं० 1093-ए०/मेर०/79-80----- प्रतः मुझे एस० के० भटनागर,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ष्ट्रौर जिसकी सं० ए० 19 प्लाट है तथा जो गुरु नानकः नगर कालोनी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में खौर पूर्ण रूप में विणित है), (रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रिजिस्ट्रीकरण श्रविनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 4-10-1979

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके एश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वाम्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के तिए; और/या
- (स) एभी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अथितः—

- (1) श्री नन्द लाल पुत्र श्री जगदीण राय निवासी 72 दरिया गंज, देहली (ग्रन्तर्फ)
- (2) श्री स्रतूप सिहंल व श्री धनन्त सिहंल व ग्रजीत सिहंल पुत्र ए० ए स० सिहंल, न्यू० प्रेम पुरी रेलवे रोड, भेरठ (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपु:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या संस्थानधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिंत- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा हैं।

अनुसूची

ए६ किरा प्लाट जिसका नम्बर 19 एगुरु नानक नगर को तोनी ब्राह्म पंनाय पैट्रोल पम्प देहली रोड मेरठ में स्थित है।

> एस० के० भटनागर. सक्षम प्राधिकारी, सद्रायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: : 12-6-1980

प्ररूप आई• टी॰ एन• एस•—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के समीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बगनपुर

कानपुर, दिनांक 12 जुन 1980

निर्देश सं० 1190-ए०/मेरठ/79-80-- ग्रतः मुझे, एस० के० भटनागर,

भायकर भिष्ठित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त श्रिधितयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपय से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 384 है तथा जो खैर नगर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, नारीख 19-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिन्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिन्त बाजार मृश्य जसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत भिक्त है और अन्तरक (धम्तरकों) भौर अन्तरिती (अम्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित चहेश्य से उक्त धम्तरभ लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत अवत प्रधिनियम के भंधीन कर देने के प्रन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिन्नियम या धन-कर धिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

धतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, तक्छ अधिनियम की धारा 269-च की छपश्रारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्रीमती कमला देवी पहिन स्व० णिव प्रकाण एडवोकेंट व श्री श्रनिल प्रकाण पुत्र श्री णिव प्रधाण निवासी 240 माज्येन्ड रोड, मेंग्ठ

(भ्रन्तरकः)

(2) श्री मोहम्मद ग्रमदखां पुत श्री डा० मोहम्मद इस्म(इल खां निवासी 226 इस्माइल नगर मेरठ। (ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी मरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप--

- (क) इत सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मुक्ता के राजरत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्य ब्रीफरगः — इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर परों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रद्ध्याय 20 → कमें परिभाषित हैं, बही ग्रंथें होगा जो उस भ्रद्ध्याय में दिया क्या है।

अनुसूची

्र किया विलिडम जिसका नम्बर 384 **खैर** नगर मेरठ में स्थित हैं।

> एम० के० भटनागर मक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रोज, कानपुर

तारीख: 12-6-1980

प्ररूप आहुर, टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज,कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 जून 1980

निर्देश सं० 1214-ए०/बुलन्द शहर/79-80—-प्रतः मुझे, एस० के० भटनागर,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० हैं तथा जो बुलन्दगहर में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपावड प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बुलन्दगहर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 30-10-1979

को पूर्वांकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिमित व्यक्तियों अधित्:——
4—146GI/80

- (1) श्री रघुवीर सिंह चौधरी पुत्र श्री दौलत सिंह निवासी ग्राम सलामत पुर पर० व तह० अनूयशहर जिला० बुलन्दशहर (अन्तरक)
- (2) श्रीमती छाया गुप्ता, श्री चरण गुप्ता, कुमारी राजू गुप्ता पुत्री श्री चरण गुप्ता नि० मो० कोठला जिला बुलन्दशहर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लाट जिला बुलन्दशहर में स्थित है तथा जो 1,49,000/- रुपये का बेचा गया।

> एस० के० भटनागर सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपूर

तारी**ख**: 12-6-1980

मोहरः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर धायकत (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, कानपुर

धानपुर, दिनांक 12 जुन 1980

निर्देण सं० 1195-ए०/मेरठ/79-80---ग्रतः मुझे एस० के॰ भटन⊺गर

षायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- यगए से अधिक हैं और जिसकी संव बंगला नंव 307 है तथा जो निस्फी अब बंगला में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 31-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के निए प्रन्तरित की गई है प्रोर मुसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है प्रौर अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरम के निए तम पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश में उका पन्दरम निवित्त में वास्त्रिक हमा से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसे किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः, ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनु-सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की नणधारा (1) के अधीन निम्निजिखित व्यक्तियों, ग्रधीत:---

- (1) श्री बुद्ध निह् पुत्न श्री चतुरभुज बहैसियत मु० श्राम कवंर विजेन्द्र मिह् पुत्न श्री चौ० नेपाल मिह मा० महमूदपूर तह० हापुड़ जिलागाजियाबाद। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मती हुकमीया देवी पत्नि स्व० श्री मुखतयार सिंह निवासी बी० श्राई० बाजार लालवुर्ती मेरठ कैन्ट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनु**सर्चा**

एक किता बंगना नम्बर 307 असन मोहल्ला बी० आई० बाजार लाल कुर्ती मेरठ में स्थित है। तथा जो 65000 रु० या बेचा गया हैं।

> एस० वेः० भटनागर सक्षम प्राधिवारीः, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरोज, वानपुर

तारीख: 12-6-1980

मोहरः

प्रकप माई० टी० एन० एस०-

भायकर मिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ए (1) के मधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आगुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रंज, भुवनेश्वर

भुवनेण्वर, दिनांकः 20 जून 1980

निर्देश सं० 1/80-81—-अतः मुझे, बी० मिश्र आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका चित्रत बाजार मूक्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

आँर जिसकी सं० हैं, तथा जो तुलसीपुर कटक में स्थित है (आँर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, कटक में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निये ग्रन्तरित ही गई है और मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पग्नह प्रतिका अधिक है और अन्तरक (घन्तरकों) भीर प्रभारिता (प्रभारितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त यन्तरण निवित्त में बास्तविक इप में किथा गया है:—

- (क) अस्तरण संहुई किसी साय की बाबत, उक्त बाबिनियम के शक्षीन कर देने के सम्तरक के वासिस में बनी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राम या कियी खन या अन्य पास्तियों को जिल्हें भारतीय आयकर ग्रिखिनियम, 1922 (1922 का 11) राउमत अधिनियम या धन-कर ग्रिखिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया पाया किया जाना चाहिए था, शिपाने में सुविधा के लिए;

अक्ष: भ्रष, उक्त भ्रष्ठिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निधनलिखित स्पक्तियों. अर्थीत्:---

- (1) श्री दीपक कुमार वास्
- (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मती प्रितिबाला देवी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मंबधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मंबधि, जो भी मंबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यंदित दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितंबढ किसी अभ्य क्यक्ति द्वारा, धन्नोहरताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पर्धाकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, जी उक्त श्राधिनियम, के सन्याय 20-क में परिभोधित है, बही अर्थ होगा, जो उस सन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन ग्रीर मकान तुलसीपुर कटक में प्लाट नं० 959 खाता नं० 5/1 कटक सबरजिस्ट्री के दफ्तर में 15-10-1979 तारीख में रजिस्ट्री हुआ है।

> बी० मिश्र, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भुजवनेण्यर

तारीख: 20-6-1980

प्ररूप आई+ टी+ एन+ एस+------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 57 रामतीर्थ मार्शन लखनऊ

लखनऊ, दिनांक: 30 मई 1980

निर्देश सं० जी-44/प्रजंन—यत:, मुझे अमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान 127-बी-1 है, तथा जो सिविल लाइन बरेली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीवकारी के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अभीन, तारीख 28-11-1979

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय् या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातुः—— मेजर दीवान राजेन्द्र लाल नन्दा, दीवान विमल कुमार (भ्रातरक)

2. श्री गिरीश ओवराय

(भ्रन्त(रती)

3. श्री सोमनाथ ओबराय एवं विकेता (वह व्यक्ति,जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोपः --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख भें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथ्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यव्यक्तिरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनुसूची

एक किता कोठी नं० 127-बी-1 वाके सिविल लाइन्स बरेनी व वह सारी सम्पत्ति जिसका वर्णन सेलडीड एवं फार्म 37-जी संख्या 6077 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार बरेली के कार्यालय में दिनांक 28-11-1979 को हो चुका है।

> ग्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 30-5-1980

प्ररूप आईं० टी० एन० एस० →

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के स्थीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 57, रामतीर्थ मार्ग, लखनऊ लखनऊ,हिनांक 30 मई 1980

निर्देश सं० जी-43/म्रर्जन---यतः, मुझे, म्रमर सिंह बिसेन, वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

ग्राँर जिसकी सं० पक्ता मकान है, तथा जोगोस।ईटोला मिर्जापुर में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद अनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप से वांगत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मिर्जापुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-10-1979

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिथक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा का लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

जत जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिश्चित व्यक्तिमों अर्थातः—ः 1. श्री देव वृत व्रिपाठी

(ग्रन्तरक)

2. श्री गुलाब चन्द्र सेठ

(अन्तरिती)

3. श्री मुरलीघर गोयल व महाबीर प्रसाद गोयनका क्रोतागण

(बह व्यक्ति, जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)

 श्रोमती गीता देवी गोयनका व महादेव प्रसाद गोयनका

> (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स' 45 सिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्त्वी

ग्राराजी म० एक किता मकान पुस्ता स्थित मोहल्ला गोसाईटोला मिर्जापुर व वह सारी सम्पत्ति जो नेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 4626 में विणत है जिनका पजीकरण सब रिजस्ट्रार मिर्जापुर के कार्यालय में दिनांक 26-10-1979 को हो चुका है।

श्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रोंज, लखनऊ

तारीख : 30-5-1980

प्रकप भाई । टी । एन । एस : ---

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक भायकर भायुकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 57, रामतीर्थ मार्ग, लखनक लखनक, दिनांक 22 मई 1980

निर्देश सं० यू-25/अर्जन-प्यतः, मुझे, अमर सिंह बिसेन, धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

ग्नीर जिसकी सं० 161/29 है, तथा जो कटधर, मुरादाबाद में स्थित है (ग्नीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्नीर पूर्ण रूप रे विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रामेन, तारीख 10-10-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तय पाया गया प्रति-फन निम्ननितित उदेश्य में उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक का ने कथिय नहीं किया गया है:——

- (ह) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त भ्रवि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, ग्रवः, उत्त प्रधिनियम की वारा 269-ग के मनुसरण में, में, उत्त प्रधिनियम की बारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्षात् :--- 1. श्री गंगा प्रसाद।

(ग्रन्तरकः)

 उतानाथ मिह, बालानाथ मिह, भोला नाथ सिंह, श्रीमती गोदावरी देवी

(ग्रन्तरिती)

उपरोक्त विकेता
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुँ।

उनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, अधोद्दताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वडडोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठित्यम के श्रध्याय 20-क में परिमाणित है, वहीं शर्य होगा, जो उस श्रध्याय में वियागया है।

अनुसूची

मकान नं० 161/29 स्थित मोह्सा कटघर शहर इताहःबाद की होल्ड व वह सारी सम्पत्ति जो सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 4421 में विणित है जिनका पंजीकरण सब रिजिस्ट्रार इताहाबाद के कार्यालय में दिनांक 10-10-1979 को हो बुका है।

> श्रमरसिंह बिसेन सक्षम अभिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरक्षिक) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

नारीखा : 22-5-1980

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, 57, रामनीर्थ मार्ग, लखनऊ
लखनऊ, दिनांकः 21 मई 1980

निदेश सं० एस-190/,अर्जन---प्रतः, मुझे, श्रमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 92 दरभंगा कौंसिल कम्पाउण्ड है, तथा जो इल हाबाद में स्थित है (ग्रौर इसने उपावद्ध प्रतुस्वी में श्रौर पूर्ण का में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के दार्यालय, इल हाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधितियम 1908 (1908 का 16) के प्रशोत, तारीख 11-10-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आ़्स्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने यें सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः—

। श्राणित नारायण चौधरी, सूर्य नारायन चौधरी व चन्द्र नारायन चौधरी ।

(भ्रन्तरक)

 अस्माहा तल्ल, जगरीय कुमार, नरेन्द्र कुमार, विनोद कुमार।

(भ्रन्तरिती)

उपरोक्त विकेता

(वह व्यक्ति, जिलके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी ह से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकारणः -- इत्पर्मे प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गमा है।

अनुसूची

महान नं० 12, दरभंगा कौंमिल कम्पाउण्ड, इलाहाबाद क्षेत्रकत 167 वर्ग मीटर व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो सेत्रडोड तथा फार्म 37-जी, संख्या 4469 में वर्णित है जिनका गंजीहरण सब रजिस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 11-10-1979 को हो चुका है।

> श्चमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त, (निरीक्षण) श्चर्जन रेज, लखनऊ

नारींख : 21-5-1980

प्रकप भाई • टी • एन • एस •

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ज(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, 57, रामतीर्थ मार्ग, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 12 मई 1980

निशेश सं० के-92/ग्रर्जन---यतः, मुझे, ग्रमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 278 है तथा जो खुलदाबाद इलाहाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है). र निहाली प्रिकेटरी के कार्यालय, इलाहाबाद में रिजिस्ट्री- करग प्रिकेटियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 15-10-1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाबार मूल्य से कम के बृथ्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है बौर मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि पवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके
बृथ्यमान प्रतिकत्त से, ऐसे वृथ्यमान प्रतिकल का पत्त्रह प्रतिशत
से प्रचिक है बौर प्रस्तरक (अन्तरकों) और प्रम्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निखिन में वास्तविक व्य
ने कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से तुई किसी भाग की बाबत उक्त श्रिक्षित्यम के श्रिश्तीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में ग्रिक्श के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 13) या उन्त अधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के थिए;

अतः, अतः, उन्ते अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की भारा 269-व की छपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात् :--- 1. श्रीद्वारका नाथ नेव।

(भ्रन्तरकः)

2. श्रीमती कल्लो देवी।

(भ्रन्तरिती)

3. श्रीद्वारका नाथ नेब।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यपाहियां करता हूं।

उपत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आखेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में प्रमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवड
 किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा श्रश्चोहस्ताक्षरी के पास लिखित
 में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के पद्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस बद्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान सं० 278 वाके कटधर शहर, इलाहाबाद जिसका क्षेत्रकत 235 वर्ग मीटर है व वह सारी सम्पत्ति जिसका वर्णन सेनडीड संख्या तथा फार्म 37-जी, संख्या 4546 में वर्णित है जिसका गंजीकरण सब रजिस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 15-10-1979 को हो चुका है।

> ग्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त, (निरीक्षण) श्रजन रेंज, लखनऊ

तारीख : 12-5-1980

प्रका आई० टी० एन० एन० ⊶

आयकर भिष्ठित्मम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269व (1) के बधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भाषुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 18 ग्रप्रैल 1980

निर्वेण सं ० एल-30/प्रार्जन—यतः , मुझे, असर सिंह विसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके नश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिनका उचित नाजार मूक्य 25,000/- द॰ से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 545 वी/20 है. तथा जो महानगर, लखनऊ में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण स्प से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 11-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंक्ष बा कार मूल्य से कम के वृश्यमान अखिक न के लिये अन्तरित को गई है और मुझे यह विक्रवास करने का कारण है कि पंचा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उधिक का कारण मूल्य, उनके पृथ्यमान प्रतिकृत का पर्वह प्रतिकृत अधिक है और पर्वतर्क (अस्तरिकों) और अस्तरिकी (अस्तरिकों) के बीच ऐसे अस्तर्क के निए तथ पावा नया प्रतिक्रम, निम्निवित उदेश्य में सक्त अस्तर्म निविद्य में बाक्त अस्तर्म निविद्य में बाक्त अस्तर्म निविद्य में बाक्त कि का वे कवित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से दुई किसी आग की वायत अवत अधि-नियम के मधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्पर्व बचने में प्रविधा के लिए। और:या
- (क) ऐसी किसी आध या किसी घन या अल्य आस्तियों को, किन्द्रें भारतीय धायकर मिळिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या अल-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजार्थ श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया चा या किया जाना नाहियेषा, जिसने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अन्न, उपन प्रविनियन की धारा 26 9-व के अनुनरम में में, उपन प्रविनियम की धारा 26 9-च की उपकारा (1) के अधीन निम्निरिखन धारितयों, अबीन :--- 5--146GI/80

 कुमारी ऊषा उपाध्याय मंरक्षिका नामालिंग, पुत्र गण स्पेन्द्र उपाध्याय व अन्प उपाध्याय ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीलक्ष्मी शर्मा।

(भ्रन्तरिती)

3. विश्वेता।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उका नमाति के प्रकेंत्र के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मर्जा या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचका की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी ग्रन्त बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति डारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खरे 45 दिन के घीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, धन्नोहस्ताक्षरी के वाल विकास में किये जा सकेंगे!

हबब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त श्रीश्रमियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, बही धर्य होगा, जो उस भड़गाय में दिया गया है।

श्रनुसूची

एक किता मकान नं० 545 बी/20 अमलायम श्राराजी तादादी 2100 वर्ग फुट वार्क महानगर लखनऊ वह सब सम्पत्ति जो सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 5505 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 11-10-1979 को हो चुका है।

ग्रमर सिंह विसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 18-4-1980

प्रकृप आई० टी० एन० एस०--

भाषकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना,

लुधियाना, दिनांक 18 जून 1980

निर्देश सं० डी बी एस/60/79-80—यतः, मुझे, मुखदेय चन्द,

आयकर स्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त स्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से श्रिष्ठक है

श्रौर जिसकी मं है तथा जो कुकुट पालन फार्म मकान सहित 4 बीघा 16 बिसवाज गाँव गाजीपुर अकखाना धुकाली उप तहसील डेरा बस्सी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, डेरा बस्सी में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रक्तूबर 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रतिकल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है श्रौर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) और श्रन्तारती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रतिकत कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है।—

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के म्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या खससे बचने में मुविद्या के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, ग्रंब, उक्त ग्रधिनियम, की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-म की उपग्रारा (1) के अग्रीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः --- श्री राजपाल सिंह ढींढ़मा पुत्र श्री इकबाल सिंह ढींढमा एवं श्री इकबाल सिंह ढींढमा पुत्र श्री उजागर सिंह, निवासी मकान नं० 1601, सेक्टर 33-डी, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्ज मवराज कुकुटपालन फार्म ब्रारा श्रीमती रिजन्दर कौर पत्नी श्री देविन्दर सिंह निवासी—मकान नं० 1132, सेक्टर 8-सी चण्डीगढ़।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **धर्जन** के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त अ्यक्तियों में मै किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदो का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रम्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रथं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनसूची

कुकुट पालन फार्म भवन सहित 4 बीघा 16 विसवास, गाजीपुर उप तहसील डेरा बस्सी में स्थित है ।

(उल्लिखित सम्पत्ति, डेरा बस्सी पंजीकरण प्राधिकारी द्वारा श्रक्तूबर 1979 के विक्री विलेख 779 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखा: 18-6-1980

प्ररूप आहर्. टी. एम. एस.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 जून 1980

निर्देश सं० डी बी v.स/61/79-80—यतः, मुझे, मुखदेव चन्द,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं जुकुट फार्म के भवन सहित 3 बीघा 4 विसवास जमीन, गार्जारपुर तथा जो है, तहमील डेरा बस्सी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डेरा बस्सी में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रक्तूबर 1979

को प्वांक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योंक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कृप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियस के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: धव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-गृ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ अथित्ः—

- श्री राज पाल सिंह पुत्र श्री इकबाल सिंह पुत्र श्री उजागर सिंह, निवासी गांव गाजीपुर, उप-जिला डेरा बस्सी ग्रव निवासी 1601, सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़। (श्रन्तरक)
- 2. मैंससं नवीन कुकुंट पालन फार्म द्वारा श्री देविन्दर सिंह पुत्र श्री हरी सिंह, निवासी गांव गाजीपुर, तहसील डेरा बस्सी, वर्तमान निवासी कोठी नं० 1132, सेक्टर 8-सी, चण्डीगढ़।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्दन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अपिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यापत
- (ख) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्थारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित् हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुकुटपालन फार्म सहित 3 वीघा 4 विसवाज जमीन, गांव गाजीपुर, उप तहसील डेरा बस्सी में स्थित है। (उल्लिखित सम्पत्ति; डेरा बस्सी के पंजीकरण प्राधिकारी द्वारा ग्रक्तूबर 1979 को बिकी विलेख (संख्या 780 में दर्ज है)।

> मुखदेव **धन्द** सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखा : 18-6-1980

प्रका गाई० टी० एस० एस०----

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भकीन सूजना

भारत सरकार

कार्थातय, तहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 जून 1980

निर्वेश सं० डी एच आर/24-अ/79-80---यतः, मुझे, सुखदेव चन्द,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवान् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी सं०

है, तथा जो मकान मजरकोटला---धुरी रोड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, धुरी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख अक्तूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के बृथ्यमान मितिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त प्रत्नरण लिक्ति में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण में हुँई िम्सी प्राप्य की बाबत उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दासिस्थ में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों को, जिन्हें श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भवः, मन, उनन अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, तैं, उना अधिनियम की बारा 269-घ की उपधार। (1) के प्रधीन, निम्नजिधित व्यक्तियों, अर्थीत्:— 1. श्रीमती प्रभाव कुमारी पत्नी श्री श्रीनिवास निवासी धुरी

(भ्रन्तरक)

2. डा० स्रोम कुमारी पाभी, पत्नी श्री विनोद कुमार पाभी, निवासी पाठशाला रोड, धुरी।

(ग्रन्तरिती)

3. श्री सुभाष, श्री बलबीर पुत्र श्रीमती शामवती (तेल वितरक) निवासी मलेरकोटला—धुरी रोड, धुरी । (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुक्र करता हूं।

उत्तर सम्पत्ति के श्राजंत के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हो नी हो, के भीतर पूर्वीवन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस यूजना के राजपत्र में प्रकाशन की नारी खसे 4 5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पथ्डीकरण: →-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मधि-निरम के घट्याय 20-क में परिभाषित है, वडी मर्थ होगा जो उस म्रह्याय मैं दिया गया है।

अनुसूची

मकान मण्डी धुरी में मलेरकोटला, धुरी रोड पर स्थित है। जिल्लाखत सम्पत्ति धुरी के पंजीकरण प्राधिकारी द्वारा ग्रक्तुबर 1979 के पंजीकृत विलेख संख्या 2959 में दर्ज है।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 18-6-1980

प्रकम आर्थक ही । युन । एस •--

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के बधीन सूचना

मारत सरम्भर

कार्यालय, सहायक बायकर प्रामुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 18 जुन 1980

निर्देश सं० सी एच डी/284/79-80---यतः, मुझे, सुखदेव चन्द,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूक्य 25,000/- क्यमें से प्रधिक है

श्रौर जिसकी मं० निवास स्थान प्लाट नं० 330 (1356.33 वर्ग यार्ड) जिस पर कुछ हिस्सा ग्रौर भी जुड़ा है) तथा जो 3311A-चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख ग्रक्तूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के वृत्रयमान प्रतिफल के लिए प्रकारित की गई है और मुझे यह वित्रवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, बसके वृत्रयमान प्रतिफल से ऐसे वृत्रयमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिकत से प्रसिक है और प्रसारक (प्रम्तरकों) पौर अम्तरिती (प्रम्तरितियों) के बीच ऐसे प्रमारण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित चहेर से उना प्रतर्श जिल्हा में वास्तवित कप से किवत नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी नाय की बादर उक्त अधिनियम, के झक्षीन कर देने के झन्तरक के दायिश्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। मीर/मा
- (ख) ऐसी किसी आप या कि ही धन या अध्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रश्चितियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम या धन-कर प्रश्चितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उवत अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उवद मधिनियम की धारा 269क्म की उपन्धारा (1) के अजीत, तिम्तलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- कर्नल गुरदास सिंह पुत्र श्री (दिवंगन) सरदार हरनाम सिंह, निवासी श्र/1, सुरजन सिंह पार्ज, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्री रणजीत सिंह पुत्र श्री डा० भाग सिंह एवं श्रीमती देविन्दर कौर, पत्नी श्री डा० रणजीत सिंह निवासी 142, सिंगलवाल रोड, ग्रोबसेंड केंट्र, वतनिया द्वारा निजी प्रतिनिधि श्री बलवन्त सिंह ज्ञानी पुत्र श्री (विषंगत) सरदार हरनाम सिंह; निवासी ग्रार/0 एल-329, मोडल टाउन, लुधियाना।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की भविष्ठ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की जाबीस से 30 दिन की अविष्ठ; को भी भविष्ठ बाद में समान्त होती हो, के बीटर पूर्वोक्त व्यक्तिओं में से किसी अविष्ठ द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख तै 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सभ्यत्ति में हितवड किसी अन्य व्यक्ति हारा, प्रधोत्स्ता-करों के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वयक्षीकरूव : --- इसमें प्रयुक्त शक्तें और पहों का, को उक्त अधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिकालित हैं। कहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका कवा है।

मनुसूची

निवास स्थान प्लाट नं० 330 (जिस पर कुछ हिस्सा श्रीर जुड़ा है) चण्डीगढ़ के सेक्टर 33-ग्र में स्थित है। जिल्लाखित सम्पत्ति चण्डीगढ़ के पजीकरण प्राधिकारी द्वारा दिनांक स्रक्तूबर 1979 के विकी विलेख संख्या 1667 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सद्धामक ध्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज, लुधियान

तारीख : 18-6-1980

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 जून 1980

निर्देश सं० सी डी/260/79-80—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द.

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका छवित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1388, है तथा जो 343.91 वर्ग यार्ड सहित, सेक्टर 34-सी, चण्डीगढ़ में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख शक्तूबर 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथार्वोक्त प्रत्यति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत बाधिक है और प्रन्तरिक (प्रन्तरिकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरग के लिए ना पाग गया प्रतिफव निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त शिख-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित में कमी करने या उपये बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या घन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधिनियम, या घन-कर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, खिपाने में मुविधा के लिए;

- मेजर एस० एस० सोडी पुत्र श्री गुरनाम सिंह निवासी, मकान नं० 566, मोता सिंह नगर, जालन्धर शहर। (श्रन्नरक)
- श्री राज पाल पुत्र श्री सरदारी लाल निवसी मकान नं० 77, सेक्टर 5, चण्डीगढ़।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचनः जारीकरहे पूर्वीक्त तम्बन्ति के <mark>प्रज</mark>ैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उका सम्बन्धि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इप सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितवद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा तकेंगे।

ग्रन्सूची

प्लाट नं० 1388, सेक्टर 34-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है। उल्लिखित जायदाद, चण्डीगढ़ के पंजीकृत प्राधिकारी द्वारा दिनांक श्रक्तूबर 1979 के विकी विलेख संख्या 1615 में दर्ज है।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

नारीख : 18-6-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, चिनांक 18 जन 1980

निर्देश मं० सी एच डी/276/79-80—यतः, मुझे, मुखदेश चन्द,

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- द० से मिधक है

भ्रौर प्जिसकी सं० फार्म हाउस (8 कनाल 9 मरला है, तथा जो 1200 वर्ग फीट एरिया सहित एफ भवन, मनी माजरा (यू० टी) चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख प्रक्तूबर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वीका सम्भति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से ऐने, दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया निम्तिजिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से रुथित नहीं हिया गया है -

- (क) अन्तरण से दुई किसी आप की बावत उनत अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के कायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या
- (व) ऐसी किसी आप या किसी धन या ग्रन्थ आस्त्रियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्द अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती क्षाण प्रकट नहीं किया प्रभा वा वा किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, धंब, जक्त श्रसिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रधिवियम की शादा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्यलिखित व्यक्तियों अर्थात् ।→~ श्री के० निरन्दर पाल सिह, फार्म हाउस, मनी माजरा, (यू० टी०) चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमित स्वर्णजीत कौर, फार्म हाउस, मनी माजरा, (यू० टी०) चण्डीगढ़।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिता में किए जा सकोंगे।

स्पब्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त श्रधितियम', के प्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

फार्म हाउस (जमीन का नाप 8 कनाल 9 मरला महित) (यू० टी०) चण्डीगढ़, मनी माजरा में स्थित है। जायदाद पंजीकरण प्राधिकारी, चण्डीगढ़ के दिनांक ग्रक्तूबर 1979 के श्रभिलेख संख्या 1659 में दर्ज है।

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 18-6-1980

प्ररूप श्राह्में व्ही० एस० एस० --

भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 जून 1980

निर्देश सं० सी०एच०डी/252/79-80—यतः मुझे, सुखदेव चन्द,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कु से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० प्लाट नं ० 1665 (क्षेत्र 528.13 वर्ग गज) है, तथा जो सेक्टर 33-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुम्ची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षित्री के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख श्रक्तूबर 1979 की

पूर्विक्त सम्पत्ति के जिल्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए प्रस्तरित की मई है और मुझे यह निश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखत उद्देश्य से उन्त प्रन्तरम लिखित में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीत कर देने के अन्तरक के कार्यित में कमो करने या उन्तरे प्रको र मुनिया के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या प्रन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

ग्रतः प्रव, उन्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यात:— मेजर म्रजमेर सिंह वाराच पुत्र श्री रळपाल सिंह ब्लाक डी-2 मकान नं० 112, जनकपुर नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

2. श्री पुरषोत्तम लाल कोळड़ पुत्र श्री हरि किशन कौछड़ निवासी 46 सेक्टर 19-ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :---
- (कः) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में
 हितक्त किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगें।

श्वध्दोन्नरण:—इसमें प्रयुक्त गम्बों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रथ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुभुचो

प्लाट नं० 1665 सेक्टर 33-डी, चण्डीगढ़ (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, के विलेख संख्या नं० 1493, श्रक्तूबर 1979 में दर्ज हैं)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) गर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखा : 18-6-1980

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०→→

भ्रायकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प्र (1) के भ्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, तहाय क ग्रायकर अध्यूक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 जून 1980

निर्देश सं० सी एच डी/276/79-80---यतः, मुझे, सुखदेव चन्द,

भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी मं० एस० सी० श्रो० 111-112-113 है, तथा जो सेक्टर 17-बी, (15प्रतिशत भाग) चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकर्रण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रक्तूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर अन्तरिक (अन्तरिकों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ग लिखिन में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण मे हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः, श्रन, उन्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उन्त ग्रिधिनियम को धारा 269-थ को उपधारा (1) के ग्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात:---

 श्रीमती कृष्णा कश्यप पत्नी श्री देस राज द्वारा जनरल श्राटारनी श्री ग्रविनाश चन्द्र पुत्र श्री हीरा लाल अग्रवाल निवासी मकान न० 1085, सेक्टर 8-सी, चण्डीगढ़

(भ्रन्तरक)

- 2. 1. थी महंगा राम पुत्र श्री श्रजीत सिंह निवासी कोठी नं० 24 सेक्टर 3, चण्डीगढ़
 - श्रीमती सुरिन्द्र कौर पत्नी श्री ग्रजीत सिंह.
 - श्री मोहन सिंह पुत्र श्री ग्रजीत सिंह, गांव व डाक खाना श्रथोली जिला कपूरथला
 - 4. श्री चनन सिंह पुत्रश्री दलीप सिंह गांव व डाक खाना चक हिकम जिला कपूरथला
 - 5. श्री ग्रमरीक सिंह पुत्र श्री दलीप लिंह गांव व डाक-खाना चक हिकमक जिला कपूरथला (डाकखाना नंगल माजरा)
 - 6. श्री सुच्चा सिंह पुत्र श्री राम सिंह निवासी गांव ग्रनवारीया फार्म 7, जिला रामपुर (उत्तर प्रदेश)
 - 7. किरपाल सिंह निवासी गांव अनवारिया फार्म 7, जिला रामपुर (उत्तर प्रदेश)

(अन्तरिती)

- श्री बलराज मैसज श्रोंकार इंण्ट्र रप्राईज मारफत एस० सी० श्रो० 9-10 /17-वी०, चण्डीगढ़
 - 2. मैसज युनाइटिड हाऊस निवासी एस० सी० ग्रो० 111-112-113,/17-बी, चण्डीगढ़ (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. 1. श्री शाम सुन्दर गुप्ता (ग्राफ एच० यू० एम०) पुत्र श्री देव राज ग्राग्रवाल, 26/8 ए, चण्डीगढ़
 - 2. श्री दीपक गुप्ता पुत्र श्री राज कुमार गुप्ता निवासी 26/8-ए, चण्डीगढ़ (वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के श्रर्जन के जिए कार्यवाहियां करना है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन को अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्ववद्योकरण :--इसमें प्रयुक्त गब्दों प्रौर पदों का, जो उत्तर अधि नियम के श्रश्याय 20-क में परिभाषित है वही प्रथं होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस०सीओ० 111-112-113, (15%भाग), सेक्टर-17-बी, चण्डीगढ़। (ज्यायवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1713, अक्तूबर 1979 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रामुक्त (निरीक्षण), श्रजंन रेंज, लुधियाना

तारीख: 18 जून 1980

मोहर:

6-146GI/80

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.----

आयुक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, आयकर भवन लुधियाना लुधियाना, दिनांक 18 जून 1980

निर्देश सं० सी एच डी/283/79-80—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी करे, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी रिहायशी प्लाट नं० 2504 है, तथा जो सेंक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख श्रक्तुबर 1979

को पूर्वाक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्तु व्यक्तियों अधितः— 1. प्रुप कैप्टन की० यादव पुत्र श्री म्रार० एन० यादव निवासी 89, लोदी ईस्टेट, नई विल्ली द्वारा उसकी स्पैशल पावर भ्राफ भ्रटारनी क्रिगेडियर बलवीर सिंह, पुत्र श्री गोपाल सिंह मकान नं० 150, सेक्टर 9-ए चण्डीगढ़

(भ्रन्तरक)

2. सर्वश्री भूपिन्द्र सिंह ग्रेवाल, भलीन्द्र सिंह ग्रेवाल मनवीर सिंह ग्रेवाल वनवीर सिंह ग्रेवाल सारे पुत्र क्रिगेडियर बलवीर सिंह ग्रेवाल द्वारा उनके माता श्रीमती सोविन्द्र जीत ग्रेवाल निवासी 3058, सेक्टर 19-ड, चण्डीगढ़ (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्यांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लाट नं० 2504 सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ । (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1666, श्रक्तूबर 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 18-6-1980

प्ररूप आर्थ, टी. एन्. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 जून 1980

निर्देश सं० सी एच डी/278/79-80--- यत:, मुझे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. संबंधिक है रिहायशी प्लाट नं० 3062 है, तथा जो सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख भनतुबर 1979 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के उध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वायत संपरित का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निध्निसिखत उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक क्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्त्र में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण म, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधोन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः— श्री फ्रोंम प्रकाश सेठी पुत्र श्री हुन्म चन्द सेठी निवासी गली नं० 8, श्रवोहर

(ग्रन्तरक)

- 2. श्रीमती पार्वती विधवा पत्नी लेट श्री सतनाम दास कटारिया निवासी मकान नं० 1388, गांधी नगर, फाजिल्का ग्रब मकान नं० 3062/35-डी, चण्डीगढ़ (श्रन्तरिती)
- 2 3. श्री के० के० गोयल, भ्रगजैक्टिव इंजीनियर (डी साईमन) डान डैम परोजक्ट, सेक्टर 17-डी, चण्डीगढ़
- 3. बी० के० राए 3062/35-डी, चण्डीगढ़ (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्थळीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लाट नं० 3062 सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ । (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1661' ग्रक्तूबर 1979 में दर्ज हैं)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 18-6-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर शिंपिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घं (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजीन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 जून 1980

निर्देश सं० सी एच डी/280/79-80---यतः, मुझे, मुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-एं. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० रिहायशी प्लाट नं० 1402, है, तथा जो सेक्टर 33-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रवतुबर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथायूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यथमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्यश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त किथ-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वाधित्य में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 265-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च कर उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अथितः—

- श्रिगेडियर जे० एस० पाठेंजा पुत्र श्री गुरचरन सिंह मकान नं० 10, मानीकजीत मेहता रोड, पूना (ग्रन्तरक)
- डा० श्रीमित राजिन्द्र कौर भाषोडा व उसका छोटा पुत्र श्री रनजीत सिंह मथोडा द्वारा उनकी जनरल श्राटारनी श्री गुरदियाल सिंह मथोडा गुरु द्वारा रोड, खरड़, जिला रोपड़

(धन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वाक्त सभ्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति ब्नारा अथाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्थळ्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लाट नं० 1402 सेख्टर 33-सी, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1663, श्रक्तूबर 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्य सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 18-5-1980

प्रकप श्राई० टी० एन० एस०---

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 जून 1980

निर्देश पी टी ए/300/79-80---यत:, सुखादेव चन्द,

भागकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/~ रुपये बाजार मुख्य स श्रीर जिसकी सं० प्लाट क्षेत्र 9 बीघा 16 विसवा (9800 वर्ग गज) है, तथा जो दुख निवारन रोड नजदीक रेलवे स्टेशन, पटियाला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पटियाला में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के प्राधीन, तारीख प्रक्तूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है बौर धन्तरक (श्रन्तरकों) मौर भ्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के **बी**च ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित **उद्देश्य** से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रष्टि-नियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर ऋधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, भ्रव, उक्त भ्रधिनियमं की धारा 269-ग के भ्रनु-सरण में, मैं, उनत प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा के (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीतु:---

- 1. श्री नरिन्द्र सिंह फूलका पुत्र श्री निरंजन सिंह द्वारा पावर म्राफ भटारेनी श्री हरपाल सिंह ढिल्लों पुत्र श्री गोविन्द सिंह निवासी कोठी नं० 13 ए,-, गवर्नमेंट क्वाटर, माडल टाउन पटियाला (अन्तरक)
- 2. मैसर्स सरिहन्द खन्ना ट्रांसपोर्ट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा मैनेजिंग ड्राइक्टरश्री भ्रजीत सिंह, हैड-ग्राफिस सरहिन्द :
 - 1. श्री करतार सिंह पूत्र श्री गोविन्द सिंह
 - 2. श्री भ्रजमेर सिंह पुत्र किशन सिंह
 - श्री नरेन सिंह पुत्र बूटा सिंह,
 - 4 श्री जिसन्द्र सिंह पुत्र श्री नरेन सिंह
 - 5. श्री दर्शन सिंह पुत्र विलोक सिंह
 - श्री प्रमरीक सिंह पुत्र श्री किशन सिंह,
 - 7 श्रीमती इन्ब्रजीत कौर पत्नी श्री दर्शन सिंह,
 - 8 श्री सोहन सिंह पुत्र धर्म सिंह,
 - 9. श्री मेहरबान सिंह पुत्र श्री कपूर सिंह,
 - 10 श्री जसवन्त सिंह पुत्र होता सिंह,
 - 11. साहिब सिंह पुक्ष मेहरबान
 - 12 कुलबीर सिंह पुत्र जसवन्त सिंह, 13 तृष्त कौर पत्नी जसवन्त सिंह,
- 14 जगबीर सिंह पुत्र जसवन्त सिंह,
- 15 परमजीत सिंह पुत्र राजवन्त सिंह,
- 16 तजिन्द्र कौर पत्नी मनमोहन सिंह
- 17. श्री दलजीत सिंह पुत्र मेहरबान सिंह मारफत हरपाल सिंह ढिल्लों पुत्र गोविन्द सिंह, कोठी नं० 13-ए-1 गवर्नमैन्ट क्यांटर माडल टाऊन पटियाला

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ध्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहरताक्षरी के पास लिखित में फिए जा सकोंगे।

स्पन्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रयं होगा, जो उस ग्रह्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ण्लाट भूमि क्षेत्रफल 9 बीगा 16 वीमवा (जो कि 9800 वर्ग गज) दुःखनिवारन रोड नजदःक रेलवे स्टेशन पटियाला में स्थित है:

(जायदाद जैसा कि रजिस्द्ीकर्ता ग्रधिकारं⊨ पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 3641 प्रक्तूबर 1979 में दर्ज है)।

> सुखादेव चन्द सक्षम भ्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज लुधियाना

तारोख : 18-5-1980

269-म (1) के मधीन सूचना

भारव सरकार

कार्यालय, महायक भायकर भायका (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 18 जून 1980

निर्देश सं० सी० एच० डी:०/292/79-80—यतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर प्रवित्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधितियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तस्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-बपये ने प्रधिक है

श्रीर जिसकी स० 1/2 भाग एस० सो० श्रो० 3013-3014 है, तथा जो सेक्टर 22-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुमुचा धें श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारांख श्रक्त्बर 1979 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के जियत बाजार मूस्य से कम के बृष्यमान श्रविकल के लिए श्रव्तरित को गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य उसके दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का पण्डह श्रविणत अधिक है भीर धम्तरक (श्रम्वरकों) और धम्तरिती (श्रम्वरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में शस्तिक हम से किया नहीं किया गया है:---

- (क) घन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त घिधिनियम के अधीन कर दैने के घन्तरक के बायिश्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी माथ या निसी घन या अग्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या घन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया नामा चाहिए था, कियाने में मुक्ति के निए।

अतः जन, उस्त धिवनियम की घारा 26% में के सन्तरण में, में, उस्त धिधिनियम की घारा 26% में की स्वतास (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों सर्वति:---

- 1. श्रामतो शशो बंसल पत्नो श्रा श्रशोक बसल निवासी एस० सो० एफ० 23/18-सो, चण्डोगढ़ । (श्रन्तरक)
- 2. (1) श्रो सोहन लाल पाठक पुत्र श्री बंसी लाल पाठक
 - (2) श्रो पवन कुमार पाठक पुत्र श्रो सोहन लाल पाठक,
 - (3) श्रो रमन कुमार पाठक पुत्र श्रो सोहन लाल पाठक सारे निवासो मकान नं० 2120, सेक्टर 22-डो, चण्डीगढ़ ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्मत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील है 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्मत्ति में हिलबढ़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्लाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण:-इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के भण्याय 20-के में परिभाषित ह, वहीं भार होगा, जो उन सम्याय में दिया नया है।

धनुस्ची

1/2 भाग एस • सी० भी० नं० 3013-3014, सेक्टर 22-डो, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सं० 1687, मवस्बर 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त, (निरीक्षण) म्रजन रेंज, लुधियाना

तारीख : 18-5-1980

प्रकृप भाई • टी • एन • एस • ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बार। 269-व (1) के बधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

सुधियाना, दिनांक 18 जून 1980

निर्वेश सं० सी एच डो/291/79-80---यतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-चा के सबीत सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का खारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-६० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० 102 है, तथा जो सेक्टर 8-ए, धण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख शक्तवर 1979 को

16) के ग्रधीन, तारीख प्रक्तूबर 1979 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूच्य में कम के वृष्यमान प्रीप्रित्त के विषय प्रकारित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूच्य, उसके वृष्यमान प्रतिक्रल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिक्रल का पन्त्रह प्रतिक्रल संविक है और पन्तरक (अन्तरकों) और पन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्क के सिए तप पाया गया प्रतिक्रल निम्तिविद्यात उद्देश्य से अन्तर अन्तरक निचित में वास्तविक रूप से क्षित नदीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसा धाम की वायत उक्त अधि-नियम, के प्रधीन कर देने के प्रग्तरक के वायित्व में कमी करके या जमसे वजने में सुविधा के लिए। बीर/बा
 - (अ) ऐसी किसी खाय या किसी धन या श्रम्य खास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर खिलियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर पश्चिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्वरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए या, खनने में सुविधा के लिए।

जतः अब, उन्त अभिनियम की धारा 269-ग के धनु-सरण में, में, उक्त ब्राधिनियम की घारा 269-व की उपवारा (1) के अभीन, निम्नविधित व्यक्तियों, वर्षात।—

- 1. (1) श्री बलबीर सिंह खेड़ा,
 - (2) श्री गमगेर सिंह खेड़ा, गरशेर सिंह, पुत श्री स्वर्गीय डा० हीरा सिंह
 - (3) श्रीमती चरनजीत कौर विधवा पत्नी श्री कुन्दन सिंह खेड़ा ग्रपने लिए तथा उनके बेटों की ग्रटारनी
 - (4) श्री ग्रमरजीत सिंह खेड़ा
 - (5) श्री सुरजीत सिंह खड़ा सभी पुत्र स्वर्गीय श्री कुन्दन सिंह खेड़ा सारे मारफत श्री बलबीर सिंह खेड़ा निवासी मकान नं० 7, मन्जीत मौथ टाइप 4, सरकारी फ्लैंट सीरी फोर्ट रोड़, नई दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री हरिन्द्र सिंह गिल व डा० प्रकाण सिंह गिल पुत्र श्री हरभजन सिंह गिल (एच यू एफ) निवासी, मकान नं० 2027 सेक्टर 21-सी चण्डीगढ़

(ग्रन्तरितं।)

को यह तुवना जारी चरके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाओप :----

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तक्ष्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, को भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकासन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हित-बद किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, बन्नोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण।--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जो उनत अधिनियम के धड़्याय 20-क में परिभाषित है, बढ़ी अर्थ होगा, जो उस प्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 102 सेक्टर 8-ए चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्योलय के विलेख संख्या नं० 1686 नवम्बर 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी, स**हायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)**, श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 18-5-1980

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०---

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कर्यालय, सहायक आयकर श्रा**युक्**त (निरी**क्षण)** श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 जून 1980

निर्देश सं० सो० एच डी/258/79-80---यतः, मुझे, सुखदेव चन्द,

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मिनित सक्षम प्राप्तिकारी की यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपये से अधिक है

स्रौर जिसको सं० प्लाट नं० 1254 है, तथा जो सेक्टर 34-सो, चण्डीगढ़ में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसुकी में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख स्रक्तीबर 1979

की पूर्वोक्त सम्प्रित के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफत के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्शय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आयया किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में गुत्रिधा के लिए;

अतः धन, उनत अधिनियम की बारा 26%-न के बनुवरण में, में, उनत मधिनियम की बारा 26%-न की सरवारा (1) के अज़ीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्चात् :-- मेजर के० फे० भारमवापुत्रश्रोस्थर्गीय श्री एस० डी० भारगत्रा, निवासो मजान नं० 43, श्रार० टा० क्रिगेड मारफत 56 एसे पी० श्रो०

(भ्रन्तरक)

2. श्रोमतो ग्रमरजीत कौर पत्नो श्रो गुरुचरन सिंहवोरक, निवासो गांव कासीम भट्टी जिला फरोदकोट (ग्रव 1072 सेक्टर 37-बो चण्डोगढ़)

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करते पूर्वीक्त सम्यति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्मति के अर्जन क सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजग्रत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पदिशकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीरपदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ण्लाट नं० 1254 जो सेक्टर 34-सी, वक्षण्डांगढ़ में है। (जायदाद जैसाकि रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1586, ग्रक्तूबर 1979 में दर्ज हैं)।

> सुखदेव चन्द स**क्षम** प्रा**विकारी** सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्र**र्**जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 18-5-1980

प्रकृष चाई। टी० एत। एस।---

धायकर ग्रह्मिन्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

4144 41411

कार्यालय, सद्दायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 18 जून 1980

निर्देश सं० सी एच डी/286/79-80--पनः, स्खवेष चन्द, मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रक्षिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अबीन सक्षम प्राधि हारी को यह विश्वास करने जिसका उचित का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, बाजार मृहय 25,000/- रुपये ग्रीर जिसकी सं० रिहायमा प्लाट नं० 1265, है, तथा जो सेक्टर 34-सी, चण्डोगढ़ में स्थित है (श्रीरइमसे उपाबद्धश्रनुमुची में स्नौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्राकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख श्रक्तूबर 1979 को पूर्वोक्त तस्त्रति के विवित बाजार मूल्य से कम के बूक्यमान प्रक्रियक्त के लिए शम्परित की नई है घीर मुने यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वीयत सम्पत्ति का उजित भागार मुख्य, उसके बुध्यमान प्रतिकल सं, ऐसे दुश्यमान प्रतिकत के पन्द्रह प्रतिकत से मधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य के इन्त प्रस्तरण सिबित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्स प्रधितियन के प्रधीन कर देते के प्रस्तरक के दायस्य में कमी करते पात्रतसे बतन में सुविधा के सिए; बीर/या
- (ख) ऐसी हिसो प्राय या हिसो घन या घन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकंट ग्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत ग्राधिनियम, या घन-कर ग्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भर्तः भव, तकत प्रवित्तियम की बारा 269-ग के बनुसरक में, में, तकत प्रवित्तियम की बारा 269-म की उच्छारा (1) के अबीन, निम्नतिबित व्यक्तियों, अर्चात :----7—146G1-80 1. फ्लाइट लैं० विजय कुमार पुत्र श्री श्रोम प्रकास निवासी 13/16, वैस्ट्रन एक्सटैनणन एरिया करोल बाग, नई दिली-5 द्वारा उसका स्पैमल पावर श्राफ श्राटारनी श्रो भरपूर सिंह पुत्र श्रो उजागर सिंह निवासो मकान नं० 1265, सेक्टर 34-सा, चण्डीगढ़ ।

(म्रन्तरक)

 श्रीमती महिन्द्रवन्त कौर पत्नी श्री उजागर मिंह निवासी 1265 सेक्टर 34-मो, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

 श्री ए० सी० कौशल निवासी 1265 सेक्टर 34-सी, चण्डीगढ़

(वह क्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्व्यन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशम को तारीका 45 दिन की घर्वांत, या उत्साम्बन्ती व्यक्तिमों वर मूचना की तामील वे 30 दिन की घर्वांत जो भी ग्रवांत बाद में समाप्त होती हो, के जीतर पूर्वोंचर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्तर क्यांवर सम्पत्ति में द्वित-वद किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा खभीतृक्काकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को हक्त प्रविनियम, के अन्याय 20-क में परिवाषित है, वही प्रयं होगा जो उस प्रश्याय में दिया वसा है।

ग्रनुसूची

रिहायशी प्लाट नं० 1265, सेक्टर 34-सी, चण्डीगढ़। (जायबाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1669, ग्रक्तूबर 1979 में दर्ज है)।

> सु<mark>खदेव चद्रद</mark> सक्षम अधिकारी प्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 18-5-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, ल्धियाना

लुधियाना, दिनोक 18 जून 1980

निर्देश सं० सी एच डी/293/79-80—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'जन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिनत बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० प्लाट नं० 3243 है, तथा जो सेक्टर 15-डी, वण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण करेन से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, वण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16 के ग्राधीन, तारीख ग्रक्तूबर 1989

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कन के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पर्तिस का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (बा) एसी किसी जाम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) डे अधीन निम्निजित्त व्यक्तियों, अर्थात्:----

- 1. श्री मनोहर सिंह पुत्र श्री चत्तर सिंह मकान नं० 45 सेश्टर 15-ए, चण्डीगढ़ द्वारा उसकी श्राटारनी श्री गोविन्द राम पुत्र श्री नन्द लाल, 45/15-ए, चण्डीगढ़ (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती ऊवा पत्नी श्री गोविन्द राम निवासी मान नं० 45 सेक्टर 15-ए, घण्डीगढ़ (ग्रन्सरिती)

का यह सूचना जारो करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेष:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सर्वोगे।

न्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जा 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 3243 सेक्टर 15-डी, चण्डीगढ़। (जायवाद जैसा कि रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1709, नवम्बर 1979 में वर्ज है।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, सुधियाना

तारीख: 18-5-1979

मोहरः

प्ररूप आई • टी ॰ एन • एस ॰ ----

आवकर बाधिनियन, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के मधीन युक्ता

मारत सरकार

बार्यालय, सहायक ग्रायकर भागुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 जून 1980 निर्देश सं० सी एच डी/255/79-80--यतः, मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर बांबिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के बांबीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- देश से अधिक है और

जिसकी सं 0 1/3 भाग एस० सी० श्रो० नं 0 45, है, तथा जो सेक्टर 31-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का. 16) के स्थीत हारील शक्तकर 1979

का 16) के प्रधीन, तारीख प्रक्तूबर 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यजापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार यूश्य,
उसके दृश्यमान प्रतिकत्त से ऐसे दृश्यमान प्रतिकत्त का पश्दह
प्रतिशत व्यक्तिक है भीर सन्तरक (सन्तरकों) भीर सन्तरिती
(बन्तरितियों) के बीच ऐसे सन्तरण के शिए तय पाया गया
प्रतिकत, निन्नतितित उहेन्य मे उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक कप ने किया न रिवाम गा है:---

- (क) अन्तरण गेहुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-लियम के प्रधान कर देने के घरतरक के दागिश्व में कमी करने स उसने बजने में सुनिक्षा के लिए; ग्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय था किसी धन या अभ्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर प्रीविश्य, 1922 (1932 का 11) या स्वयत अधिनयम, या धन-कर धींचित्रभ, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्व यन्त्र स्तिश्व प्रकट तृती किया गया वा श किया जाना वाहिए था, स्विपाने में द्विणा के लिए;

भतः भव, उना नोतियम की गरा ४६९-म के अनुः सर्ण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नजिजित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री ग्रशोक कुमार पुत्र श्री जगदम्बा प्रसाद मारफत मकान नं० 2157 सेक्टर 19 सी, चण्डीगढ़ द्वारा उनकी जनरल लाफुल ग्राटारनी श्री रामेश्वर वत्त शर्मा पुत्र श्री रामजी दास शर्मा निवासी मकान नं० 2157, सेक्टर 19-सी, चण्डीगढ़

(भ्रन्तरक)

2. श्री रामजी दास शर्मा पुत्र श्री ग्रार० ग्रार० शर्मा मकान नं० 2157, सेक्टर 19-सी, चण्डीगढ़

(ग्रन्तरिती)

 सुपर बाजार , 45/31-डी, चण्डीगढ़ (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. 1. श्री रामेशवर दत्त पुत्र श्री रामजी दास

2. मिस विष्णू शर्मा पुत्री विद्या प्रकाश निवासी 2157/ 19-सी, चण्डीगढ़ (बह व्यक्ति, जिसके बारे में मधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह सूचना जारी सरके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के प्रकंत के संबंध में कीई भी प्राक्ती। --

- (क) इस सूचना के राज्यत्त्र में प्रकाशन को तारीज से 45 दिन की प्रविध या तत्त्वं की व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवछि; वो भी घवछि बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तासीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास निवात में किए जा सकोंगे।

हाइटीहरग: ---इनमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, बो उक्त प्रश्चित्वम के प्रक्राय 20-क में परिभाषित है, वहीं भवें होगा को उस प्रक्रयाय में दिया गया है।

ध नुसूची

1/3 भाग एस० सी० ग्रो० नं० 45 सेक्टर 31-डी, चण्डीगढ़।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं 1517, प्रक्तुबर 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव **घन्य** सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजेन रेंज, सुधियामा

तारीख : 18-6-1980

प्ररूप आईं० टी♦ एन्० एस०---

बामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जम रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 जून 1980

निर्वेश सं० सी एच डी/281/79-80---यतः, मुझे, सुख्येव चन्द,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 289-अ के अधीन तक्षम प्रधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एउ. संअधिक है

भौर जिसकी सं िरहायशी प्लाट मं 3119, है, तथा जो सेस्टर 35-डी, जण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, जण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख भ्रवसनर 1979

(1908 का 16) के प्रधीन, तारीख प्रवस्त्वर 1979 को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उचके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकात से जिनक है और सन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के निष्ण त्य पाया गया प्रतिकल, निम्नलिक्तित उद्देश्य से उचत अन्तरण जिलित के बात सम्तरण सितति

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना थाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूसर ण में, जै, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्यक्तियों अर्थात्:---

 श्री विशान सरूप, ए-15, प्रैस इनक्लैंब, मालबीय नगर एक्सटैनशन, नई दिल्ली

(मन्तरक)

2. श्री देवेन्द्र कुमार तायल पुत्र श्री रोमन लाल निवासी मकान नं० 3290, सेक्टर 22-डी, खण्डीगढ़ (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के सूर्जन के सुम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याव 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया हैं।

रिहायणी प्लाट नं० 3119, सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रिजिस्ट्रीकर्सा श्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1664, श्रक्तूबर 1979 में वर्ज है)।

> मुखदेश चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 18-5-1980

प्ररूप भाई। टी। एन। एन।

आयकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 269-ध (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायक्तर धायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 जून 1980

निर्देश सं० सी एच डी/285/79-80—यतः, मुझे, सु**खदेव** चन्द,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचात 'उक्त ब्रश्चिनियम' कहा गमा है), की धारा 269-मा के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी भीर जिसकी सं० रिहायणी प्लाट नं० 3381, है, तथा जो सेक्टर 33-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख भ्रक्तूबर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफत के लिए प्रन्तरित की गई है घीर मुझे यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे **दुश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है औ**र भन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर भन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित गहेश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्राप्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त ग्रिधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रस्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या
- (सा) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, मत्र, उक्त प्रतिनियम की धारा 269-ग के म्रानु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-य की उपमारा (1) के अधीर निम्नितिखित व्यक्तियों, प्रयोत्:--- श्री निर-द्र नाथ पुरी पुत्र श्री माम लाल पुरी 504 एल माइल टाऊन जालन्धर द्वारा उसके स्पेशल श्राटारनी श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र श्री वरयाम सिंह नई श्र(बादी सरहिन्द (पटियाला

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती जिसन्ब्रबन्त कौर पत्नी श्री जोगिन्द्र ।सह नजदीक गुरुद्वारा नई श्राबादी, सरहिन्द (पटियाला)

(भ्रन्तरिती)

3. (1) श्री शेर सिंह

- (2) श्री एस० ग्रार० गर्मा
- (3) एस० के० चोपड़ा
- (5) राम देश
- (5) छोटे लाल सारे निवासी 3381/35-डी, चण्डीगढ़

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह पूर्वना जारी करके इर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के प्रार्वत के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या उत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन सूबना के राजगत में प्रकाशन को लारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में द्वितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त मिन नियम के ग्रध्याय 20-ह में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

रिदायगी प्लाट नं० 3381, सेक्टर 31-डी, चण्डीगढ़ । (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1668, ग्रक्तूबर 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 18-5-1980

प्ररूप आर्धः टी. एन. एस ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

भायालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, म्नायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 6 जून 1980

सं० सी० एच० डी०/251/79-80:—ग्रतः मुझे सुखदेव चन्द,

जायकर गिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित् जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ इठ. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० एस० सी० ग्रो० 2467-68, है तथा जो सैक्टर 22-सी०, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक ग्रक्तूबर 1979,

को प्यांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शावत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, अक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मुधीन, निम्नुलिखित व्युक्तियों मुधीन:—

- 1. श्री रघुनाथ सहाय चोड़ा पुत्र श्री शिव दिता मल
 - (ii) श्री जीवन राये चोड़ा पुत्र श्री रज्ञनाथ सहाय निवासी मकान नं० 136/27-ए०, चण्डीगढ़। (भ्रन्तरक)
- 2. (1) श्री गुरदेव सिंह पुत्र श्री किशन सिंह
 - (2) श्रीमित नसीब कौर पत्नी श्री गुरूदेव सिंह
 - (3) श्री जगजीत सिंह (माईनर), पुत्र श्री गुरुवेव सिंह द्वारा उसके पिता व नेटचुरल गाईयन श्री गुरुवेव सिंह मकान नं० 329 सेक्टर 32-ए० चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरिती)

- 3. (1) मैसर्ज बी० के० इलैक्ट्रीकल स्टोर। बी० के० ट्रेडरज।
 - (2) श्री धार० एल० बजाज।
 - (3) मैसर्ज राजेश बजाज ू्रिएण्ड कम्पनी सीमेंट डीलरज निवासी एस० सी० ग्रो० 2467-68 सेक्टर 22-सी०, चण्डीगढ़। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह स्चना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी जा से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वचिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति स्थारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

रपष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनसची

एस० सी० ग्रो० नं० 2467-68, सेक्टर 22-सी०, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1492, अक्तूबर 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, लुघियाना।

दिनांक---1 8-6-1980 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 18 जून, 1980

सं० सी० एच० डी०/289/79-80:—- प्रतः मुझे , सुखदेव चन्द ,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं प्लाट नं० 3288 है तथा जो सेक्टर 35-डी०, चण्डीगढ़, में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध मनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णागत है), रिजस्ट्री कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रक्तुबर, 1979,

को पूर्वाक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नूह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उंक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिनयों अधीतः---

- 1. कैप्टन जोगिन्द्र पाल मेहता पुत्र श्री वैशन् मेहता निवासी 20/2, नई प्रोजेक्ट, ऐयर फोरस स्टेशन-ग्रागरा-8, द्वारा स्पेशल ग्रटारनी श्रीमित कंचन रानी पत्नी श्री मोहन लाल निवासी 949/11, चौक पसीयनवाला गली, ह्वेली मक्खीवाला, ग्रमृतसर। (श्रन्तरक)
- 2. श्री सोहन लाल पुत्र श्री चुन्नी लाल निवासी मंज नं 949/11, चौन पसीयन वाला, गली हवेती मक्खीवाला, श्रमृतसर (श्रब 3288 से स्टर 35-डी, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ठीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

प्लाट नं० 3288, सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1681, श्रक्तूबर, 1979 में दर्ज है)। मुखदेव चन्द्र,

मुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 18-6-1980।

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, लुधियाना,

लुधियाना, दिनांक 18 जून, 1980

सं० एल० डी० एच०/444/79-80:—-प्रतः, मुझे सुखदेव चन्द,

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की प्रारा 269-ख के प्रधीन सभाम प्रधिकारी को, यह विश्वान करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- कु से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 28 कनाल 17 मरले है तथा जो गांव गियासपुरा लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपावस श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रक्तुबर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है बौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिगत से ग्रधिक हैं श्रीर प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरंग के लिए तय पाया गया प्रति-फन निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरंग निखित में बास्तिक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में बुविधा के लिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भंत, भव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, धर्यात्:—

- श्री लम्भू पुत्र श्री नन्दा पुत्र श्री तथा निवासी गांव गियासपुरा, तहसील व जिला लुधियाना । (श्रन्तरक)
- मैसर्ज ऐवरी साईिकल इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, जी० टी० रोड, मिल्लर गंज, लुधियाना। (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **प्रजं**न के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्तत सम्पत्ति के भजन के सम्बन्ध में कोई भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में नमाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इ.उ सूजना के राजम्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दोक्तरण: -- इसमें प्रयुक्त सब्दों ग्रीर पदों का, जो अक्त ग्रिक नियम, के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्क होगा, जो जस श्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 28 कनाल 17 मरले गांव गियासपुरा लुधियाना। जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रोकर्ता ग्रिधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 3554, श्रक्तूबर 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, लुधियामा

दिनांक: 18-6-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, लुधियाना,

लुधियाना, दिनांक 18 जून; 1980

सं० ए० एम० एल०/109/79-80:—-ग्रतः मुझे, मुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्र 1 बीगा 6, बैीसवा, है तथा जो गांव कुक्कड़ माजरा, तहसील श्रमलोह, जिला पटियाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमलोह में, रिजस्ट्री करण श्रिधितियम, 1908 (1908 को 16) के श्रधीन, तारीख श्रक्तूबर, 1979

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधिक है प्रौर अन्तरिक (अन्तरकों) प्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कित निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ने हुई किसी आय को बाबत जन्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः अब, उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण मैं, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीत तिम्तिविधित व्यक्तियों, अर्थात् :---8--146GI/80

- श्री सादा राम पुत्र श्री बसन्ता मत निवासी कु छ माजरा, तहसील श्रमतोह, जिला पटियाला। (श्रन्तरक)
- 2. श्री नरिन्द्र कुमार, नरेण कुमार नवीन कुमार सारे पुत्र श्री जगन्नाथ, मण्डी गोबिन्दगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी श्रीव्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशिन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर मदों का, जो छक्त श्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही सर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 1 बीघा 6 बीसवा गांव कुक्कड़ माजरा, तहसील ग्रमलोह, जिला पटियाला। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1292, ग्रक्तूबर, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेय चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज, लुधियाना

नारीखाः 18-6-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जंन रेंज, लुधियाना, लुधियाना, दिनांक 18 जून, 1980

सं० एल. डी० एच०/413/79-80:—-श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी भूमि क्षेत्र 6 कनाल 6 मरला है तथा जो शेरपुर कलां, लुधियाना में स्थित हैं, (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख ग्रक्तुबर, 1979,

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जदः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमें अर्थातः—

1. सर्वश्री बकशीश सिंह पुत्र श्री शिवन सिंह, जोध सिंह व कपूर सिंह पुत्र श्री लक्ष्मण सिंह निवासी गांव गियासपुरा तहमील लुधियाना।

(ग्रन्तरक)

2. मैंसर्ज होरो साईिकल प्राईवेट लिमिटेड, होरो [नगर, जो० टो० रोड, लुधियाना द्वारा श्रो सत्य नन्द मुन्जाल, डाइरेक्टर।

(ग्रन्तरित∤)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्.--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 6 अनाल 6 मरला जो शेरपुर कलां, जिला लुधियाना में स्थित है। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रो-कर्त्ता ग्रिधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 3292, ग्रक्तुबर 1979 में दर्ज है)।

> मुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 18-6-1980

प्रह्म प्राई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 जून 1980

सं० सं१० एच० डां०/259/79-80----- प्रतः मुझे सुखदेय चन्द,

यायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम पाधिकारी को,यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका खिंचत बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० रिहायशो प्लाट नं० 1414, है तथा जो सेक्टर 34-सी०, चण्डीगढ़, में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्राकर्त्ता श्रिधकारा के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्राकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख श्रक्तूबर, 1979,

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) क्योच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नोलिखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) प्रन्तरण में हुई किसी आय की वाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य प्रास्तिया को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के जिए;

म्रतः श्रव, उना अधिनियम को घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपद्यारा (1) अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, ग्रयातु:---

- कैण्टन ग्रार० एन० जौहर पुत्र श्रा जगन्नाथ जौहर द्वारा ग्रटारना श्रो ग्रमर सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह मकान नं० 2766, सेक्टर 22-सी०, चण्डोगढ़। (श्रन्तरक)
- श्रा गाम मिह पुत्र श्रा हरनाम ∦सह निवासो गांव जाकरमाजरा, तहसील खरड़, जिला रोपड़। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजेन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

जनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, ओ भी
 धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायको ज्लाट नं० 1414, सेक्टर 34-सी०, चण्डीगढ़। (जायदाद जैमा कि रिजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1607, ग्रक्तुबर, 1979 दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियान'

तारीख: 18-6-1980

प्ररूप पाई• टी• एन• एस•----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के ग्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 जून 1980

सं० पी० टी० ए०/327/79-80—-ग्रतः मुझे सुखदेव चन्दः

आयकर ग्रीमिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त ग्रीमिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रीमिन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्यमें से ग्रीमिक है, ग्रीर जिसकी सं० क्षेत्रफल 503 1/3 वर्ग गज प्लाट नं० 3 है तथा जो कपूर कालोनी, जगदीश ग्राश्रम, रूड़का हाउस, पटियाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रिनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्द्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय; पटियाला में रजिस्द्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीमीन, तारीख ग्राक्तुबर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है मोर मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित चहेंग्य से उक्त प्रन्तरण निखित में बास्तविक कप से कथित महीं किया गया है:---

- (क) सन्तरण से हुईं कसी घाय की बाबत उक्त ग्रिशिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या अससे बचने में सुविधा के लिये; खोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिलाने मैं सुविधा के लिए;

अता अव, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ज की उपधारा. (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्रो भूपिन्द्र सिंह पुत्र श्रो हरबंस सिंह निवासी नुधाल-बाला, तहसील पट्टी जिला अमृतसर श्रव 10620, ऐंगल सीया, ड्राईव रिचमींड, ब्रिटिण कोलम्बीया, केनाडा, । द्वारा स्पैणल श्रटारनी श्री डी० एस० वीरक पुत्र श्री श्रजायब सिंह वीरक, ज्योग्रन्ट ड्राइ-रेक्टर पंजाब। 3316-19 डी०, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

 श्री परदुमन सिंह पुत्र श्री हरदित्त सिंह निवासी 138/8, मोहल्ला श्ररोड़िया, पटियाला।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीत्र से 45 दिन की अवधि या तत्सेबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे /

 सब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

्लाट नं० 3, क्षेत्रफल 503 1/3 वर्ग गण जो कपूर कालोना, जगर्दाण मार्ग, रुड़का हाऊस, पटियाला में स्थित है। (जायदाद जैमा कि रजिस्ट्रोकर्सा प्रधिकारी: पिटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 3852, अक्तूबर, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख : 18-6-1980

प्रकप पाई • ही • एन • एस • ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के सबीन सूचना

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर भायुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 जून 1980 सं० एन बो० ए०/147/79-80——ग्रतः मुझे सुखदेव चन्द, •

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रिधिक है

न्नीर जिसकी सं० भूमि क्षेत्र 1 कनाल 16 मरले है तथा जो कैनटोनमेंट रोड, पिटयाला गेट के बाहर, नाभा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्राकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, नाभा में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्तूबर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (प्रन्तिरकों) भौर प्रन्तिरिती (प्रन्तिरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धान्तरण से धुई किसी धाय की बाबत, उकत अधिनयम के धान्नीन कर देने के सन्दरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिष्ठा के सिष्; शीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्लें भारतीय था -कर घषिनियम, 1922 (1922 का 11) या क्त भिनियम, या धन-कर पश्चित्रम, 1957 (1957 ज 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया या किया जाना गाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अप्रीन, निम्नुिखित व्यक्तियों अर्थात्:— श्रा निरंजन सिंह पुत्र श्रा वरयाम सिंह पुत्र मालूक सिंह निवासी वेदीयां गल्ली, अलोहड़ा गेट, नाभा।

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्ज नाभा श्राईस फैक्ट्रा, नाभा द्वारा उसके पार्टनर श्री मितारा लाल पुत्र श्री सोहन लाल, सदर बाजार, नाभा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपृत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 1 कनाल 16 मरले, कनटौनमैंट रोड, पटियाला गेट के बाहर, नाभा। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रोकर्त्ता ग्रिधिकारी नाभा के कार्यालय विलेख संख्या 1650, प्रक्तुबर, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 18-6-1980

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 जून 1980

सं० सी० एच० डी०/271/79-80--- प्रतः मुझे स्यदेव धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/- स्पए से ग्रधिक है मुल्य श्रीर जिसकी स० मकान नं० 595 है तथा जो सेक्टर 10 डीं, चण्डीगढ़ में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद श्रन्सुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डोगढ़, में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधान, दिनांक भ्रक्तूबर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित पाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वीनत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, त्र दारान प्रतिकल के पन्द्रहानि तसे अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरणके लिए तय पाया गया प्रतिफिल निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त घरनाण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है;

- (क) बस्तरण वे हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के घडीन कर देने के बस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में पृतिका के निए; घौर/या
- (ख्र) ऐसी किसी बाव या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय झायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त पधिनियम, या धन-१२ बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ज्याजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या; जिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उन्त प्रविनियन की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त प्रविनियम की बारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निणिखित व्यक्तियों, अर्थीस्थ--

- 1. (1) श्री बार एलर बंसल पुत्र श्री जुगल किशोर
 - (2) श्रामता रतन कुमारो पत्नीश्रा वीर एल० बंसल।
 - (3) श्री यशवार बंसल पुत्र श्री वा० एल० बंसल।
 - (4) श्रा अशोक वंसल पुत्र श्रो वं एएल० बंसल, सारे निवासों मं० नं० 17 संक्ष्टर, 10-ए०, चण्डांगढ़।

(भ्रन्तरक)

- 2. (i) श्रा क्रिज भूषिन्द्र सिंह पुत्र स्वर्गीय श्रो मोहिन्द्र सिंह ।
 - (ii) श्रांमतो प्रांत ईन्द्र कौर पत्नो श्रो ब्रिज भूषिन्द्र सिंह
 - (iii) मास्टर प्ररिवन्द्र सिह् (माईनर्) पुत्र श्री क्रिंग भूषिद्र सिह् निवासी 595 सेक्टर 10-डी॰, चण्डोगढ़।

को यह भूवना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के धर्वन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के लंबंब में कोई मा सबेप .--

- (क) इस यूजना के रागात में प्रतानन की तारी आप से 45 दि। की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस मूबना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा, घधोहस्ताकरी के
 पास लिखिन नें किए जा सकेंगे।

स्वब्होकरण: -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित, है, वहीं अथ होगा, जो उस प्रधाय में विया गया है।

अनुसूची

महात नं० 595, सेक्टर 10-डो०, चण्डोगढ़। (जायदाद जैना कि रजिस्ट्रांकर्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1651, ग्रक्तूबर 1979 में दर्ज है)।

> मुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 18-6-1980

प्रकप भाई • टी • एन • एस • — — — भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के मिन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रजेन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 18 जून 1980

मं० मी० एच० डी० 327/79-80:——ग्रतः मुझे मुखदेव चन्द,

भायकर प्रिमित्रम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधित्यम' कहा गया है), की धारा 269—ख के भिधीत सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- वपए से भिधक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 190, है तथा जो सेक्टर 33ए०, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन् सूची
में श्रीर श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री कर्ना श्रधिकारी
के कार्यालय, चण्डीगढ़, में, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिनियम, 1908
1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर, 1979।
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
श्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वाम
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान श्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्तह प्रतिग्रत में श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐते अन्तरण के लिए
तय पाया गया श्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक खप में कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) मन्तरण से हुएँ किसी माय की बाबत उक्त मिलियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया हा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

पत । भवः चनत प्रवित्यम की धारा 269-ग के धनुसरण में मैं, उक्त प्रवित्यम की धारा 269-ण की उपधारा (1) अधोत निम्मलिखित स्वितियों, अर्थात् :---

- कैण्टन राविन्द्र सिंह पुत्र श्री जसवन्त सिंह मकान नं० 11, विरदी कालोनी, रायपुर (एम० पी०)। (ग्रन्तरक)
- श्री स्वर्ण सिंह पुत्र श्री श्रवनार सिंह निवासी 182, सेक्टर 21-ए०, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्रेपः --

- (क) इस सूचना के राजनत में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी वन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख |से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भवोहस्ताक्षरी के पास निक्तिन में किए जा सकों।

स्वब्दों तरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पवों का, जो उन्स प्रधिनियम के श्रद्भाय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्य होगा, जो उस श्रद्भाय में दिया गया है।

अमुसुची

प्लाट नं 190, सेक्टर-33 ए०, चण्डीगढ़ । (जायदाद नैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं 1835, नवस्वर, 1979 में दर्ज है)।

> मुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, लुधियना ।

दिनांक : 18-6-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -------

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यां लय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 जून 1980

सं० सी० एच० डी० 344 79-80 --- प्रतः मुझे गुखदेष चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 111, है तथा जो सेक्टर 36-सी०, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री कर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिनियम,, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1979,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित वाजार मृत्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित को गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से, एसे रूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिखित व्यक्तियों अधितः--- गेंपटी कर्नल किरम्र राये पुत श्री स्वर्गीय नीवत राये निवामी हैंड क्वार्टर साऊथरन कमाण्ड, पुण्य द्वारा स्पैशल भ्रटारनी, श्री बलबीर सिंह पुत्र श्री हेईश्वर सिंह निवासी मकान नें० 219, सेक्टर 16 ए०, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती दिविद्र कौर सेठी पत्नी श्री जगपाल सिंह मेठी निवासी मकान नं० 211, सेक्टर-35-ए०, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषािकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्लाट नं० 111, सेक्टर 36-सी०; चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1889, दिसम्बर 1979 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द, संक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना।

दिनांक: 18-6-1980

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 18 जुन 1980

सं० सी० एच० डी० 334/79-80:---- प्रतः मुझे सुख्चेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है' कि स्थावर संपीत्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 'लाट नं० 1538 है तथा जो सेक्ट्रर 34-डी०, चण्डीगढ़ में उस्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूत्री में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री कर्ला ग्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़, में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विषक नवम्बर, 1979,

को पूर्वाक्स संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नौलिखित व्यक्तियों अधितः——
9—146GI/80

 लेफ्टी कर्नेल सुरिख्द सिंह (रिटार्ड) पुन्न श्री नौबत राय, निवासी मेनर होटल 77, फैंडस कालोनी वैस्ट, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) श्री शमशोर सिंह
 - (2) श्री सरिषन्द्र पाल सिंह
 - (3) श्री परमजीत सिंह सारे पुत्र श्री गुरवियाल सिंह निवासी मकाम मं० 2340 सेक्टर35-सी०, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जबत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमुस्ची

प्लाट नं० 1538, सेक्टर 34-बी, चण्डीगढ़ । (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्राधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1867, नवस्वर, 1979 में, दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द्र; सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

दिमांक: 18-6-1980

माहरः

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.----

भायकर भीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 18 जून 1980

सं० सी० एच० डी० 249/79-80:----- प्रतः मुझे सुखदेव चन्दः,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1/2 भाग एस० सी० श्री० 93, है तथा जो सेक्टर 35-सी०, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री कर्ता अधिकारों के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनां श्रक्तूबर. 1979, को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशन से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कित निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक अप से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- अदर अधिनियम, या धन- अदर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों अधीतः— 1. श्री पुष्पिन्दर सिंह पुत्र श्री सतिन्द्र सिंह निवासी 90, सेक्टर 8-ए०, चण्डीगढ।

(भ्रन्तरक)

3. श्री गुरूदेव सिंह पुत्र श्री श्रजमेर सिंह व श्री बलदेव सिंह पुत्र श्री शाम सिंह निषासी ब्री०-3 सिविल लाईन, परस राम नगर, भटिण्डा।

(भ्रन्तरिती)

 श्री करिमन्द्र सिंह, वकील 1654, सेक्टर 7-सी०, चण्डीगढ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

 श्रीमती प्रीतम कौर, एस० सी० भ्रो० 93/35-सी०, चण्डीगढ़।

> (वह व्यक्ति, जिसके बारे में स्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पित्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग एस० सी० श्रो० 93, सेक्टर 35-सी०, चण्डीगढ़ (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी चण्डी-गढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या संख्या नं० 1454, श्रक्तूबर, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द्र, सक्षम प्राधिकारी सहायुक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) ऋर्णन रेंज,लुधियाना।

दिनांक: 18-6-1980

माहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

म्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, लुधियाना,

लुधियाना, दिनांक 18 जून 1980

सं० सी० एच० डी० 268/79-80:---- ग्रतः मृक्षे सुखदेव भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इपके परवाल 'उक्त ग्रंधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व हे प्रजीत अजम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/- चाये से मुख्य ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 70, है तथा जो सेक्टर 33-ए०, चण्डीगढ़, में स्थित है (ग्री इससे उपाबद्ध ग्रन् सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कक्त श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़, में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक भ्रक्तूबर 1979, को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुरप्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाः करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरः (ग्रन्सरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तर पागा गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविष्ठ रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (५) यन्तरणां हु^६ िनमो प्राप को बागत उक्त पशि-निगम, के प्रधीन कर दो के अनारक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी भाषा प्राप्त श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय हर श्रीधितियम, 1922 (1922 का 11) या उनन श्रीधितियम, या धनकर श्रीधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अत्र, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उनत प्रविनियम को धारा 269-म को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल ग्यमितयों, अर्थात्:---

- सरदार प्रजीत सिंह कंग पुत्र श्री ग्रमर सिंह कंग मकान नं० 106, सेन्टर 7 ए०, चण्डीगढ़। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री सतपाल सेठी व श्री ग्रशीक कुमार सेठी पुत श्री देहरामल सेठी निवासी 3403, सेक्टर 27-धी०, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मक्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रवोह्स्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण: -- -इपमें प्रपुक्त शब्दों पौर पदों का, जो उक्त स्रोध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रथें होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 70, सेक्टर 33-ए०, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्त्रीकर्ता श्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1648 श्रक्त्वर, 1979 में दर्ज है)।

> मुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, प्रलधियाना

तारीख: 18-6-1980

मोहरः

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यीलय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 18 जून 1980

सं० सी० एच० डी०/279/79-80:--यन० मझे मुखदेव चन्द,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से भ्रधिक है

श्रोर जिसकी सं ० रिहायणी प्लाट नं० 1150, है तथा जो सेक्टर 34-सी०, चण्डीगढ़, में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़, में, रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़, में, रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908

(1908 का 16) के प्रधीन, तारीख प्रक्तूबर, 1979 को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (श्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के नायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्ह भारतीय ग्राय-कर ग्रीधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधिनियम, या धन-कर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत:, अब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-थ की उपन्नारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, श्रशीत :---

- मेजर जगरूप सिंह बराड़ पुत्र श्री श्रीतम सिंह बराड़ निवासी मिकाम नं० 163, सेन्टर-9, चण्डीगढ़। (स्रन्तरक)
- 2. श्री करतार सिंह पुत्र श्री पूरन सिंह (2) श्रीमती हरदियाल कौर पत्नी श्री करतार सिंह निवासी मकान गं० 2830, सेक्टर 22-सी०, चण्डीगढ़। श्रव 1150/34-सी, चण्डीगढ़)। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायसी प्लाट नं० 1150, सेक्टर 34-सी०, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रक्षिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1662, श्रक्तुबर, 1979 में दर्ज हैं)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रामकर झायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लिधियाना

तारीख: 18-6-1980

प्रकप आई॰ टी॰ एत० एस०---

आयकर प्रश्निनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, लिधयाना

ल्धियाना, दिनांक 18 जून, 1980

सं० सी० एच० डी०/270/79-80:---श्रतः मझे सुखैदेव चन्दः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार महय 25.000/- द० से अधिक है

मूल्य 25,000/- र० से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 294, है तथा जो सेक्टर 33ए०, चण्डीगढ़ में स्थित है (शौर इससे उपाबद्ध श्रनसूची
में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री कर्सा श्रधिकारी के
कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908
(1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रक्तूबर, 1979,
को पूर्वोक्त सम्पित के उतित बाजार मृत्य से कम के
दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे मह शिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पित
का उचित बाजार पृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है और भन्तरक
(अन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य

से उपत अन्तरम लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं

किया गया है।~~

- (क) भन्तरण मे बुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अभीन कर वेने के अन्तरक के दायिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 37) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जता, धव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, भें, उक्त धिधनियम की धारा 266-व की उपधारा (1) अधीम निम्नलिखित व्यक्तियों, त्रयीत् :---

- 1. मेजर गुरबचन सिंह पुत्र श्री वीदार मिंह निवासी गांव, डाकवाना नन्दा चीर जिला होशियारपुर द्वारा उग जनरन, श्रद्धारनी श्रीमती सन्त कीर पत्नी श्री वाणदेव सिंह मार्फत एस० सी० ग्रो० नं० 139-141, सेक्टर 17-सी०, चण्डीगढ़। (श्रन्तरक)
- श्री वाशवेष सिंह बिन्द्रा पुत्त श्री मूल सिंह बिन्द्रा मार्फत नीलम सिनेमा, सेक्टर-17, चण्डीगढ़। (श्रन्तरिती)

को यह तूबना गारो हरह पूर्वीकत सम्पत्ति के **धर्जन** के लिए हार्यनिहिंदां करना हूं।

उक्त मन्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी पान्नेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी ल से 30 दिन की अविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त हीती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजनत में प्रकाशन का तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पाम निष्ठित में निष् जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त गम्बों और पदों का, जो उक्त धिवितयम के सम्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस धम्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लार्ट नं० 294, सेक्टर 33-ए०, चण्डीगढ़। (जायाव जसा कि रजिस्ट्रीकत्त प्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1650, श्रक्तुबर, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्चन रेंज,लुधियाना

तारीख: 18-6-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एत० एस०-----ग्रायकर ग्रीविनयम, 1961 (1881 का 43) की घारा
269 घ(1) के भ्राधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सन्नायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज लुधियाना,

ल्धियाना, दिनांक 18 जून 1980

सं० के० एच० ग्रार.०/28/79-80:—-ग्रतः मुझे मुखदेव चन्दः

आयकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्चात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की झारा 269 ख के अधीत सज़म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- ७पए से भिवक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 786, है तथा जो फेस-VJ, क्षेत्रफल 500 वर्ग गज, मोहाली में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीक्त्ती श्रिधकारी के कार्यालय, खरड़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक अक्तूबर, 1979,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐते दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निश्चित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) सन्तरण ने तुर्द किसी भाग की बाबत, उक्त श्रक्षितियम के प्रभीत कर देने के यन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी पाय या किसी घन या प्रस्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय साय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्थिका के लिए;

नतः, अब, उनः। अधिनियमं की बारा 26 ५-० कं सनुनरण में, में, उन्त अिनियमं की धारा 26 ५-व की नपबारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यन्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री नाजिर सिंह गांव मोहाली जिला रोपड़। (ग्रन्तरक)
- श्री भीषम कुमार, श्रीमती कृष्णा कुमारी प्लाट नं० 786, फेम-VI, मोहाली।

(अन्तरिती)

को यह सुचनः चारी करके पूर्वीक्त नव्यक्ति के प्रजेत के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाकीप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की धारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी क्यन्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की प्रविध, जो भी भवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजपत में प्रकाशन को सारीख से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष रिश्तो प्रत्य अपत्रित द्वारा, अबोहस्ताश्वरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त गर्थ्यों भौर पर्यो का, जो उन्त धिनियम के धन्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं धर्म होगा जो इस धन्याय में दिया गया है।

अमुसुची

प्लाट नं० 786, फेस,-VI क्षेत्रफल 500 वर्ग गज, मोहाली (जायदाद जैंसा कि रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी खरड़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 3254, श्रक्तूबर, 1979 में दर्ज हैं)।

> मृखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 18-6-1980

प्रकप भाई। टी० एत। एस।--

आयकर प्रश्नितियम, 1961 (1981 का 43) की आरा 269-व (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भागुक्त (मिरीसण)

म्रर्जन रेंज; लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 जून 1080

निदेण सं० सी० एच० डी०/257/79-80:—-ग्रतः मुझे सुखदेव चन्द,

प्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् 'उन्द मिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-पा के मजीन मधीन माधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु॰ से मिधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 142, है नथा जो निकटर 36 ए०, चण्डीगढ़, में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़, में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 के 16) के अधीन, दिनांक अक्तूबर, 1979, को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिणत से श्रिधक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, खबत स्थितियम, के धधीन कर देने के घन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविद्या के लिए; धोर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त प्रविनियम की बारा 269-थ की अवधारा (1) के ग्राधीन, जिन्निविधितयों, अर्थात् :-

- 1. श्री परमजीत सिंह सिविया पुत्र श्री श्रवतार सिंह सीविय द्वारा जनरल पावर ग्राफ अटारनी श्री सतपाल सिंह सीविया पुत्र श्री श्रवतार सिंह निवासी गांव रामगढ़ सीविया, डाकखाना नाथोवाल जिला लुधियाना (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती कुसुम गुप्ता पत्नी श्री तरसेम राज गुप्ता मकान नं० 3237 सेक्टर 21-डी०, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी सरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के सिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उन्त तम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्त्र में कोई भी आक्षेप 1--

- (क) इस पूजना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की धनिष्ठिया तत्सम्बन्धी क्यन्तिमों पर सूजना की तामील से 30 दिन की घनिष्ठ, को भी धनिष्ठ बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूजीकत क्यन्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस यूचना के राजपत्न में प्रकाशन की नारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबब किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगें।

स्पट्टीकरण:--ध्वर्ने प्रयुवत शब्दों भीर पदों का, बो उनत द्यक्षितियम के धन्याय 20-क में परिनाधित हैं, यहां घर्ष होगा, जो उस धन्याय में विया गया है।

प्रनुसूची

प्लाट में 142, सेक्टर 36-ए०, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के चण्डीगढ़ के अधिकारी के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1578, श्रक्तूबर, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

दिनांबः: 18 जून 1980

परूप आई • टी • एन • एस० ------

भायकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की बारा 26% व (1) के समीत सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना,

लुधियाना, दिनांक 18 जून, 1980

निदोश सं० सी० एच० औ०/261/79-80:—-- प्रतः मुझे सुखदेव चन्द,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित म्रुय 25,080/-रुषये से घष्टिक है ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1045 है तथा जो सेक्टर 36-सी०, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में भौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़, में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख श्रक्तूबर, 1979 को पूर्वोक्त समात्ता के उचित काजार मूल्य से कम वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुक्ते यह विष्यास करने का कारण है जि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधि∗ है और अन्तरह (ग्रन्सरकों) और धन्तरिकी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे उन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल, निभ्नलिशित उद्देश्य ने उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर रेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने से सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर धिवित्यम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर धिवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब उत्रत अधिनियम की भारा 269ना के धनु-सरण में, में, उत्रत अधिनियम की भारा 269न्म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— मेजर रुपिन्द्र सिंह बराड़ पुत्र श्री हरबन्स सिंह वराड़ द्वारा उसकी श्रदारनी श्रीमती देवेन्द्र कौर सेठी पत्नी श्री जसपाल सिंह सेठी, मकान नं० 211, सेक्टर 35-ए०, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती कमलजीत चौहान पत्नी श्री एस० एम० ॄचौहान 12 सी० सेक्टर-12, पी० जी० श्राई०, चण्डीगढ़। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी सा से 45 विम की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 विन के भीतर जनत स्थावर सम्पत्ति में हित आदि किसी भन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वढटी हरगः -- इन ने प्रयुक्त जन्दा और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के घड्याव 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याव में दिया गया है।

अनुसूची

ण्लाट नं० 1045 सेक्टर 36-सी०, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रोकर्ता ग्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1616, भ्रण्तूबर, 1979 में दर्ज हैं)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैंन रोंज, लुधियाना।

ता**रीख**: 18 जून 1980

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

धायकर भ्रिषिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के भ्रष्टीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, लुधियाना,

लुधियाना, दिनांक 18 जून, 1980

सं० सी० एच० डी०/266/79-80:—- मतः मुझे सुखदेव चन्द,

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के भिन्नीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से भिन्न है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 1700, है तथा जो सेक्टर 33-डीं , चण्डीगढ़, में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री कर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रक्तूबर, 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कन के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एंदि हि ययापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्धरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धव, उक्त श्रविनियम, की धारा 269-ग के धनुतरण में, उक्त श्रविनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों धर्यात् :—— 10—146GI/80

- श्री जगजीत सिंह सन्धु पुत्र श्री बलवन्त सिंह सन्धु द्वारा स्पैशल पावर श्राफ श्रटारनी श्री हेमराज, 129-130, जी बलाक हरी नगर, देहली। (श्रन्तरक)
- 2. श्री बाल कृष्ण पुत्र श्री कर्म चन्द धीमान रेलवे रोड, मोरिण्डा, जिला रोपड़ा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उन्त ग्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

ण्लाट नं 1700, सेक्टर 33-डी०, चण्डीगढ़। (जायधाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं 1646, श्रक्तूबर, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, सुधियाना।

तारीख: मोहर: प्ररूप आईव टी० एन० एस०--

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 जून, 1980

सं० सी० एच० डी०/277/79-80:—-ग्रतः मुझे सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है।

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 324, है तथा जो सेक्टर 33 ए०, चण्डीगढ़, में स्थित है (ग्रीर इससे उपबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णात है), रजिस्ट्री कर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़, में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधित्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक ग्रवत्वर, 1979, को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सूनिधा के लिए; बाए√या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. कर्नल जोगिन्द्र सिंह पुत्र श्री राम सिंह चीफ इंजी-नियर, परोजेख्ट स्वास्तिक मार्फत 99 ए० पी० श्रो०, द्वारा उसकी स्पैंगल पावर श्राफ श्रटारनी श्री प्यारा सिंह पुत्र श्री हाक्म सिंह मकान नं० 115, सेक्टर 21 ए०, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती करतार कार पत्ना श्री प्यारा सिंह निवासी, मकान नं० 115, सेक्टर 21 ए०, चण्डीगढ़। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के दृष्णपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसिस में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हु^त, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची]

प्लाट नं० 324 सेक्टर 33-ए०, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1660, ग्रक्तूबर, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्दः, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीखः मोहरः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रामकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना,

भायकर भिर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिर्मित्यम' कहा गया है), की भारा 269-ख के भ्रधीत मक्षम अधिकारी की, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपए से भ्रधिक है

र जिनकी मंठ प्नाट नंठ 1272, है तथा जो सेक्टर 34-सीठ, चण्डीगढ़, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणि है), रजिस्ट्री कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़, में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1979, की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एक्त से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रवाह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से तुई किसी आय की बाबत, उक्त धिवियम के धन्नीन कर देने के धन्तरक के शिवरव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय वा किसी धन या धन्य धारितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रीविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीविनियम, या धन-कर ग्रीविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया चया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उनत अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उनत अधिनियम की धारा 269भ की उपधारा 1 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:

- मेजर सुरिन्द्र मोहन माहना द्वारा श्री सुरिन्द्र सिंह, मकान नं० 1168, सेक्टर 22-बी०, चण्डीगढ़। (अन्तरक)
- 2. सर्व श्री स्वरूप सिंह व मुरजीत सिंह निवासी एस० सी० एफ० नं० 42, सेक्टर 21-सी०, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के अर्थन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की शविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा; अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्राच्छोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त प्रविनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अब होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 1272, सेक्टर 34-सी०, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1680, प्रक्तूबर, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखाः मोहरः प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक <mark>श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> श्रर्जन रेंज, भोपाल,

भोपाल, दिनांक 5 जून, 1980

सं० ग्राई० ए० सी०/एक/ वी० भोपाल 80-81 1614:----ग्रतः मृक्षे, सतीशचन्द्र,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- द॰ से मिधक है

भौर जिसकी सं० मकान है तथा जो रतलाम में स्थित है भीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भौर पूर्ण के रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय रतलाम में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, 27 श्रक्तूबर, 1979,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत ने प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्वप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में स्विधा के लिए;

ग्रतः भन, उनत समिनियम, की घारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उनत प्रक्षिनियम की घारा 269-म की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत :--- (1) श्री राम सहाय पुत्र श्री भांगी लाल खण्डेलवाल
 (2) श्री जगदीश प्रसाद पुत्र श्री राम सहाय खन्डेलवाल निवासी स्टेशन रोड, महात्मा गांधी मार्ग, रतलाम।

(ग्रन्तरक)

2. श्री महासे भ्रली पुत्र हाजीगुलाम, ग्रली बोहरा मोहल्ला चांवनी चौक, बारबल, रतलाम।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यशिक्ष्यां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकादन की तररीख से 45 दिन की अविक्षिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविक्षि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोह्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिक्षित्यम के मध्याय 20-क में परिचाषित है, वही मर्थ होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

प्रमुखी

मकान नं 146, स्टेशन रोड, रतलाम।

सतीम चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज भोपाल,

तारीखाः 5-6-1980

मोहरः

प्ररूप आई ० टी ० एन ० एस ० -

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजंन रेंज भोपाल.

भोपाल, दिनांक 5 जुन 1980

सं० भ्राई० ए० सी०/एक्बी०/भोपाल 80-81/1615:----भतः मुझे सतीश चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० मकान है तथा जो सागर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सागर में रिजस्ट्रीकरण्ये श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 16 श्रक्तूबर 1979,

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से प्रुद्ध किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा का लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन वा अन्य कास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अख, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नित्खित व्यक्तियों अर्थात्:---

- 1. (1) श्री बलवन्त राम पुत्र श्री लाला कैंदारनाथ
- (2) श्री सुशील कुमार पुत्र श्री बलवन्त राम निवासी भगवान गंज, सागर।

(ग्रन्तरक)

2. श्री ग्रानिल कुमार पुत्र स्वः श्री हरीण चन्द्र ग्रग्रवाल निवासी भगवान गंज वार्ड, सागर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा ग्या ही।

बन्ध्ची

मकान नं० 202 स्थित प्लाट नं० 58/6, पैट्रोल पम्प के पास, भगवान गंज, सागर।

> सतीश चन्द्र, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपास

तारीख: 5-6-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भावकर ग्रजिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के ग्रयीन सूचमा

मार्ट सरकार

कार्यावय, सहायक आयक्षर मायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जून 1980

निदेण सं० श्राई० ए० सी०/एक्वी भोपाल 80-81/1616:----ग्रतः मुझे संतीशचन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्चात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन संजय प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंगलि जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान है तथा जो सागर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण के रूप से व्यणित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय, सागर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 17 ग्रक्तूवर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्वापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिशत से प्रधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) भौर भन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल तिन्नितियां उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (स) अन्तरण से हुई किसी साम की बाबत उनत सकि। नियम के समीन कर देने के सम्तरक के बायिएक में समी करने या उससे दचने में सुविधा के सिए; मीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी जन या अन्य पास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त पंधिनियम, या धन-कर भंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः भाग, उक्त अधिनियम, की खारा 260-व के बनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 260-व की:उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिबित व्यक्तियों, प्रचांत् :--- (1) श्री बलवन्त राम पुत्र श्री लाला कैंदार नाथ
 (2) श्री सुशील कुमार पुत्र श्री बलवन्त राम प्रग्नवाल निवासी भगवान गंज, सागर।

(ग्रन्तरक)

 श्री राजेन्द्र कुमार पुत्र स्व०श्री बांकेलाल प्रग्रवाल निवासी भगवान गंज, सागर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उबत सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की प्रविध्या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध्न, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपत्ति में हित-श्रद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वस्त्रीकरण: --इसमें प्रयुक्त सन्दों घीर पदों का, जो छक्त घांचित्रम के घष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस घटनाय में दिया गया है।

प्रनुसूची

मकान नं० 202 का भागस्थित प्लाट नं० 58/6, पैद्वील पम्प के पास, भगवान गंज, सागर। $^{\circ}$

सतीणचन्द्र, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 5-6-1980

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० ए०--

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायानिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जून, 1980

निर्देश सं० श्रार्ड० ए० सी०/एक्बी/भोपाल 80-81/1617---भ्रतः मुझेस तीशचन्द्र

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन गक्षम प्रधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो राजाखेडी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण किय से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय सागर में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन \$8-10-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से विश्व है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिब्रत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1. (1) श्रीमती शान्ती देवी पत्नी श्री खिदमत राय
 - (2) श्रीमती सन्तोप रानी पत्नी श्री विश्वामित्र व
 - (3) श्री ग्रंशोक कुमार पुत्रश्री खिदमत राय सभी निवासी सदर बाजार सागर। (ग्रन्तरक)
- 2. देहली तम्बाकू एण्ड उद्योग प्रा० लि० सागर द्वारा बाबूराओ। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वता के राजएत में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

कृषि भूमि नं० 244 ह० न० 77 स्थित राजाखेडी सागर।

सतीय चन्द्र सक्षम प्राधिकारी सहायुक आयकर आयुक्त, (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 5-6-1980।

माहरः

प्रकप आई• टी• एन० एस•—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रक्तन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जून, 1980

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल 80-81/1618 --म्रतः मुझे सतीशचन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो राजखंडी में स्थित है (श्रीर इससे उपबंध धनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी के कार्यालय सागर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 25-10-79 को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके खरमान प्रतिफल से, एसे खरमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक ख्रम से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त मिन्न नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्नृतिशित् व्यक्तिस्थें मृथ्तिः—

 श्री विश्वामित पुत्र श्री कृपाराम उर्फ कृपामंकर निवासी सदर बाजार, सागर।

(ग्रन्तरक)

 वेहली तम्बाकू एण्ड उद्योग प्रा० लि० सागर द्वारा श्री बाबू राव।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्तु सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

अनुसूचीं

कृषि भूमि नं० 244 ह० नं० 77/समेत राजाखेडी, सागर।

सतीण चन्द्र सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, भोवाल

तारीख: 5-6-1980

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्अन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जून 1980

निर्देश सं० श्राई० ऐ० सी०/एक्बी/भोपाल 80-81/1619 श्रतः मुझे सतीगचन्द्र

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो राजखेडी में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय सागर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 23-10-79 को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उत्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया क्षे:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एंमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर जिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूरिया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्निक्षित व्यक्तियों अधीतः——
11—146G1/80

 श्री खिदमत राम पुत्र श्री क्रुवाराम निवासी सदर बाजार, सागर।

(ग्रन्तरक)

2. देहली तम्बाक् एंड उद्योग प्रा० लि० मागर, द्वारा श्री बाबूराय।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शत्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्त्ची

कृषि भूमि नं० 244 ह० नं० 77 स्थित रजाखेडी, सागर।

सतीशचन्द्र, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, भोपान

तारीख: 5-6-1980

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जून, 1980

निर्देश सं० म्राई०ऐ०सी०/एक्यी/भोपाल 80-81/1620--म्रतः मुझे सतीशचन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रु. से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो कोलगवां में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय सतना में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 12-10-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमें दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्षय से उक्त अन्तरण निखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी क्षाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) के अधीन निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात्:--

- श्री राज पाल सिंह पुत्र श्री लाला दर्शन सिंह बधैल निवासी बाह्मणगवां तह० रघुराज नगर, सतना। (श्रन्तरक)
- श्री धरम दास पुत्र श्री मंगत राम निवासी वाई नं० 15, सतना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्र**नु**सूची

भूमि का भाग खसरा नं० 27/1, कोलगर्वा धार्ड नं० 10 स्थित सतना रीवा रोड, सतना ।

संतीशचन्द्र सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, भोपाल

तारीख: 5 जून, 1980 +

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जून, 1980

निर्देश सं० भाई० ए० सी०/एक्बी/भोपाल 80-81/1621--श्रतः मुझे सतीशचन्द्र,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 263- ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान भूमि (भाग) है, तथा जी कोलगवा सें स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रतुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सतना में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 12-10-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्श्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती, (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- फल निम्निसिश्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त औंध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आयु या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवं, अवंत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, अवंत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

- शी राजपाल सिंह पुत्र श्री लाला वर्गन सिंह बधैल निवासी बाह्मणगवा तहसील रचुराज नगर, सतना। (अन्तरक)
- 2. श्री शोभ राज पुत्र श्री भगत राम निवासी बार्ड नं० र्ह्मा 5, सतना।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-->

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्ठित व्यक्ति व्यक्ति योक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस में 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित मों हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया नया है।

वन्त्वी

भूमि का भाग खा० नं० 27/1, कोलगवां वार्ड नं० 10 स्थित सतनारीवारोड, सतना।

सतीशचन्द्र, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज, भोपाल

ता**रीख**: 5-6-1980।

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जून 1980

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल 80-81/1622:— ग्रतः मुझे सतीणचन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर संपन्ति जिसका उष्मित बाजार मृत्य 25.000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो कोलगवां में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सतना में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 12-10-1979

को पूर्यांक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रवमान प्रतिफल से, ऐसे श्रवमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण म, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधित्ः—

 श्री राजपाल सिंह पुत्र श्री दर्शन सिंह बधैल निवासी बाह्मणगवां तह० रघुराज नगर, सतना।

(ग्रन्तरक)

2. श्री माधव दास पुत्र श्री श्रङ्तमल निवासी वार्ड नं० 15, सतना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर जक्त स्थायर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पव्यक्तिरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का भाग खा० नं० 27/1 कोलगवां वार्ड नं० 10 स्थित सतना रीवा रोड, सतना ।

सतीमचन्द्र मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 5-6-1980

प्रकृष भारत ही । एन० एम०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1981 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल,दिनांक 5 जून, 1980

निर्देण सं० ग्राई० ए० सी०/एक्बी/भोपाल 80-81/1623 --ग्रतः मुझे सतीशचन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-ख के घंघीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका उक्ति बाजार मृह्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, तथा जो डूमरपारा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय विलासपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम

1908 (1908 का 16) के अधीन 4-10-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्च ह
प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (प्रन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त धन्तरण
लिखित में वास्तनिक रूप से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्रांव की बंबत उक्त ग्रांशिनयम के ग्रांशिन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के निष्; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या घण्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दारा अकट नहीं किया गया व्याया किया जाता चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उब्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-च की उद्यादा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थातः--

- 1. श्री जसवन्त लाल शाह पुत्न श्री माधों जी शाह (जैन) निवासी 15-बलैंटणा एवेन्यू मैलापुर, मद्रास-4। (अन्तरक)
- श्री क्याम मुन्दर पुत्रश्री नानक चन्द्र अग्रवाल निवासी नया बाराहार जिला बिलासपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्रार्थेप :---

- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी का से: 45 दिन की अविधि या तस्तम्बन्धी म्यक्तियों पर-सूचना की तारी का से 30 दिन की भविधि, जो भी-भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ म्यक्तियों में पे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रवीहंस्ताक्षरी के. पास लिखित सें किए जा सकेंगे।

स्पब्टोकरण: --इतमें प्रपृक्त शब्दों और पत्रों का, जो उन्न अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिमाधित हैं, बही मर्य होगा जी उस अध्याय में विवा गया है।

भ्रनुसूची

भ्मि स्थित इमरपारा तह० सक्ती जिला बिलासपुर।

सर्तीमचन्द्र, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज, भोपाल

तारीख: 5-6-1980

प्र**क्षप आई०** टी• एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 5 जून 1980

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्बी/भोपाल 80-81/1624---भराः मध्ये सतीशचन्त्र,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र॰ से प्रधिक है

और जिसकी भूमि है, तथा जो इमरपारा में स्थित है (श्रीर इससे उनाबक्क अनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय विलासपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्राधीन 4-10-1979

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह गतिशा से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिरव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और;
- (व) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: अब, उक्त प्रधिनियम, की द्वारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) -के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—

- श्री जसवन्ती लाल णाह पुत्र श्री माधो लाल जी शाह (जैन) निवासी 15-बलैंग्या एवेन्यू, मैलापुर, मद्रास-4 (ग्रन्तरक)
- 2. श्री प्रहलाद पुत्र श्री हरद्वारी मल अप्रवाल निवासी नया बाराद्वार तह० सकती जिला बिलासपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रार्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्वब्दी ऋष्ण :-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस ग्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि स्थित बुमरपारा तह० सक्ती जिला—विलासपूर।

सतीशचन्द्र, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोषाख्य

तारीख: 5-6-1980

प्ररूप बाई• डी•एन• एस•----

आयकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्रण)

ग्रर्जनरेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जुन 1980

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्वी/भोपार्ल 80-81/1625:---ग्रतः मुझे सतीशचन्त्र

आयकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (त्रिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 268- ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूण्य 25000/- क्यए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो बूमरपारा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय बिलासपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रीध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 4-10-79

नियम, 1908 (1908 का 16) के अधान 4-10-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के सिये प्रस्तरित की नई है और पृश्च यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छ ह प्रतिशत सें
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और घग्तरिती
(प्रग्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया क्या
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उका अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत, खक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अग्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; ग्रीर/या
- (■) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम को धारा 289-ग के प्रनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 239-घ की उपद्यारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री जसवन्ती लाल गाह पुत्र श्री माधो जी गाह (जैन) निवासी 15-वलैय्या एवेन्य्, मैलापुर, मदास-4 (ग्रन्तरक)
- 2. श्री गौरी शंकर पुत्र श्री नानकचन्द अग्रवाल निवासी नपा बाराद्वार तह० सकती, जिला बिलासपुर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की घर्वीय था तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की घर्वीय, को भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीयत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक द किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताकारी के पास सिकात में किए जा सकेंगे।

स्पटिशासरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जो उक्त मिन्न नियम के भ्रष्ट्याय 20न्त में परिभाषित हैं, वहीं मुक्त होगा, जो उस अध्वाय में दिया गया है।

अनुसूची

भ्मि स्थित डूमरपारातह० सक्ती जिला बिलासपुर।

सतीशचन्द्र, सक्षम प्राधिकारी सर्गयक द्यायकर द्रायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 5-6-1980

प्ररूप स्राई० टी० एन० एस०----

याय हर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल भोपाल,दिनांक 5जून 1980

निर्देण सं० म्राई० ऐ० सी०/एक्बी/भोपाल 80-81/ 1626:—म्रतः मुझे सतीशचन्द्र,

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपये से अधिक है,

भीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो सागर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सागर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 13-12-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित बहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी उसके या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धनकर श्रीधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनाएँ श्रन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या खिणाने में सुविधा के लिए;

धतः प्रव, उनतं अधिनियमं नी धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन. निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- श्री राता कुलर शमशेर बहादुर पुत्र प्रिन्स खड़क शमशेर जंग बहादुर निवासी सिविल लाइन नं० 5, सागर। (ग्रन्तरक)
- श्री दत्तातस्य पुत्र स्व० श्री सीताराम देवसकर निवासी परकोटा वार्ड देवसकर टाइपिंग इन्सिटचृट सागर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंन के लिए कार्यनाहियां मुख्क करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेण :---

- (क) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारी ख स 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद किसी श्रन्य व्यक्ति हारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पदशीकरणः ---इतने प्रयुक्त शब्दों प्रौर पदों हा, जो उक्त श्रिष्ठिक नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही सर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मकान नं ० 109 काफी हाउस के पास, सिविल लाइन, सागर।

> सतीशचन्द्र, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, भोगाल

तारीख: 5-6-1980

प्रकाश्चाई० टी० एन० एस०→→ --

भ्रायकर स्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ध (1) के श्रश्रीन सुभना

भारत सरकार

कार्या<mark>लय, सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> ग्रर्जन रोंज, भोषाल

भोपाल, दिनांक 5 जून 1980

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्बी/भोषाल 80-81/1627— ग्रतः मुझे सतीशचन्द्र,

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मृत्य 25,000/- रुपये से ग्रधिक है श्रौर जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रौर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-10-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के दृष्यभान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल रेर. ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और भन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नक्षिक्षित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण ने हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रव, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनु-मरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—— 12—146G1/80 डा० डी० सी० डब्ब्यू० डेविड फिल्चियन कालेज कम्पाउन्ड, इन्दौर।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती कैंगर बाई पत्नी श्री लाभ चन्द जोशी निवासी 89, इमली बाजार, इन्दौर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां मुख्य करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजनल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवज्ञ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: - इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिः नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

मकान नं० 182/2 का भाग स्थित आवरा कम्पाउन्ड, इन्दौर।

सतीशचन्द्र, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायक्षर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 5-6-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जनरेंज, भोपाल

भोपास, दिनांक 6 जून 1980

निर्देश सं० ग्राई० ऐ० सी०/एक्त्री/भोपाल 80-81/1628--ग्रतः मुझे, सतीशचन्द्र,

ब्रायकर ब्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उका ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित अधिक है 25,000/-६पये म्ह्य श्रीर जिसकी सं० मकान (भाग) है,तथा जो इन्दौर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 11-10-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूरुय से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह शिष्टवास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का खिचत बाजार मूख्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भ्रधिक है भीर श्रन्तरक (ग्रन्तरकों) श्रौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के जिए तय नाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के श्रशीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-भरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-**ष की** उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथित:---

- डी० सी० खब्स्यू० डेविड निवासी क्रिश्चियन कालेज कम्पाउन्ड, इन्दौर। (श्रन्तरक)
- श्री कमला शंकर पुत्र श्री लाभचन्द जोशी निवासी 89, इमली बाजार, इन्दौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:⊶-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित म किए जा सकेंगे।

स्पब्धो करण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों स्रीर पर्दों का, जो उक्त स्रिध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 182/2 का भाग स्थित जावरा कम्पाउन्ड, इन्दौर।

> सतीशचन्द्र, मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज, भीपाल

तारीख: 6-6-1980

प्ररूप पार्विक टीक एनक एमक----

कायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सच्कार

कार्यालय, सहायक भायकर मामुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जून 1980

निर्देश सं० ग्राई०ऐ० सी०/एक्बी/भोपाल 80-81/1629---ग्रतः मुझे, सतीशचन्द्र,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है); को धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उवित्र बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दीर में स्थित है (और इससे उपबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, इन्दीर में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 30-11-79

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान अतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा अवोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरवतान अतिकल से, ऐसे दूरयमान अतिफल का परद्र अतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलितित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कर से कथित नहीं किया गया है:---
 - (क) अन्तरण से तुई किसी आय की बाबत, धवत अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी आयका किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने वें सुविधा के लिए।

अतः अन, उन्त प्रधिनियम नी घारा 269ना ने बनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269व की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 1. (1) श्रीमती लीलावती व्यास पत्नी स्व० श्री लोक नाथ व्यास (2) श्री अनुल कुमार व्यास पुत्न स्व० श्री लोकनाथ व्यास दोनों निवासी 23, श्रीनगर ऐनेक्स, इन्दौर (3) श्री शरदचन्द व्यास पुत्र स्व० श्री लोक नाथ व्यास निवासी 7-ओल्ड पलासिया इन्दौर ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री राज कुमार जैन पुत्रश्री रतन लाल जैन निवासी 42-सर सिरेमल बापना मार्ग, इन्दौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रशंकत सम्पत्ति के **प्रंत के लिए** कार्यंत्राहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सन्त्रस्थ में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की उशीख से 45 दिन की अवधि, या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होतो हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहकताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः प्रमुष्ट प्रवृक्त प्रव्हों घीर पहीं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गथा है ।

ग्रनुसूची

मकान नं 270 स्थित सर सिरेमल बापना मार्ग, इन्दौर।

सतीशचन्द्र सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल

नारीखा: 6-6-1980

प्ररूप धाई० डी॰ एन॰ एन॰---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के प्रधीत स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरोक्षण)

<mark>श्रर्जन रेंज,</mark> भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जून 1980

माय तर मीयितियम, 1931 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पर तात् 'उनत मिलियम' कहा गया है), की झारा 269-ख के अधीत सभम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्बस्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 18-10-1979

को नूर्रीक्त सम्मति के इश्विशासार मूल्य से कन के द्रश्वनान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर पन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरितो (भन्तरितियों) के बीच ऐसे पन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नसिखित उद्देश्य से उका धन्तरण निखित में वास्त्रिक रूप से कांचत नहीं किया गया है ।——

- (क) अन्तरण से हुई किया आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के भग्नीत कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के किए;

अतः भव, उपन प्रक्षिनियम की बारा 269-म के समुखरण में, में, उपत प्रविनियम की बारा 269-म की उपवास (1) सन्नीन निम्मलिखित व्यक्तियों, स्वातः ----

- श्री मुश्न्द्र बी० काले, निवासी 2/7, साउथ नुकोगंज, इन्दौर। (ग्रन्तरक)
- 2. स्प्रीचुअल रिजनरेशन मोमेन्ट फाउन्डेशन आफ इन्डिया, शंकराचार्य नगर, ऋषिकेण (उ०प्र०) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने प्यॉक्न सम्पति के अर्जन के लिए कार्यनादिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अधिया नस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को भविष, जो भी अपित बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीं विश्वविद्यों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (ब) इस भूबना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के मीतर उनत स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रकोहस्ता करी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्रकडो हरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों मौर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

मकान बियरिंग नं० 2/1, साउथ तुकोगंज, इन्दौर।

सतीश चन्द्र सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरो**क्षण)** श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-6-1980

प्ररूप प्राई • टी • एन • एस • — आयकर अक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जून 1980

निर्देश सं० श्राई० ऐ० सी० /एक्वी/भोपाल 80-81/1631 —श्रनः मुझे सतीशचन्द्र

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का डारण है जि स्थावर प्रस्ति, जित्तका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है और जिसकी मं० मकान है, तथा जो रायपुर में ∤स्थित है (ग्रौर इससे जायक प्रवस्ती में श्रीर पर्ण कर्य से विणित है) रिजस्टी-

इससे जापबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 14-11-1979

पूर्वीकत नम्मिक के उत्वित बाजार मूल्य ने कम के दृश्यमान प्रतिफल के जिए अन्तरित की गई है और नुझे यह विश्वास करने का कारण है कि गा शिक्त का नम्मित का उवित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, देव दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच देवे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त यन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त ग्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में किमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी कि ते आर या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अम्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रनः, ग्रवः, उक्त धींधनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) भ्रशोक कुमार पुत्र श्री भावनदास (2) श्रीमती द्वारका बाई विधवा पत्नी श्री भावनदास घाहूजा निवासी राम सागर पारा, रायपुर।

(ग्रन्तरक)

2. श्री संजय कुमार व श्री मनोज कुमार दोनों पुत्र श्री श्री किशोर कुमार श्राहूजा निवासी राम सागर पारा, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपन में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित से किये जा सकेंगे।

स्पब्दी हरण: ---इममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि -नियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 21/634व 21/635 (भाग) स्थित प्लाट नं० 7/2, रामसागर पारा, रायपुर।

सतीशचन्द्र सक्षम प्राधिकारी तक्ष्म प्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-6-1980

प्रकृप काई • टी • एन • इस • ----

श्रायकर विधितियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रतीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सद्दावक यायकर आयुक्त (गिरीक्षक)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जून 1980

निर्देश सं० ग्राई० ऐ० सी०/एक्वी/भोपाल 80-81/1632--श्रतः मझे सतीगचन्द्र

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राविकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25000/-रु से शिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो रामपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपबद्ध ग्रनसूची में ग्रीर पूर्ण के रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय रामपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 3ब12-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत अधिक है घौर पन्तरक (अंतरकों) और पन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, से निम्निलिखत उद्देश्य से अन्तर अन्तरण जिखित में बास्तविक रूप से कावन नहीं किया गया है ।---

- (क) अन्तरण से हुई किसी व्याय की बाबत, उक्त अधि-नियम के धन्नी कर देने के घन्तरक के वायिए में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भाय भारितवाँ की, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत भिश्चिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

स्रा: अब, उक्त अधिनियम की बारा 269-ग के स्ननुसरण में, मैं, उक्त स्रधिनियम की धारा 269-घ की **उपबारा (1) के** अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, स्रथीत :—

 डा० जयन्त भालेराव पुत्र डा० चन्द्र शेखर भालेराव, गोल्स वर्गस ईलीनियस (श्रमरीका) द्वारा श्री चन्द्र शेखर भालेराव।

(भ्रन्तरक)

 मेसर्स खेमराज नेमी चन्द द्वारा पार्टनरश्री विमल चन्दं, गंजपारा, रामपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त मंपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धर्याय तत्संबंधी क्यवित्यों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की घर्यात, जो भी धर्याध बाद में सभाष्त्र होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्सियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इन भूचना के राजयत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण: ---इसम प्रवृक्त शब्दों सोर पदों का, यो उक्त धिविमयम के अध्याय 20-क सें परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

दो मंजिला मकान स्थित प्लाट नं० 29, चौबे कालोनी, राजेन्द्रनगर, रामपुर।

> सतीणचन्द्र सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-6-1980

प्रकाशकाई • टी • एव • एस०----

आयकर अविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

269-च (1) के धन्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल,दिनांक 6जून 1980

निर्देश सं० ग्रार्थ० ए० सी०/एक्वी/भोपाल 80-81/1633---ग्रतः, मुझे, सतीणचन्द्रो

आत., मुझ, ततायपण विकास सामान करा का 43) (असे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रक्षितियम' कहा गया है), की धारा 269-स के प्रचीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उपित बाजार मूस्य 25,090/- इन से प्रक्षिक है

भीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो राजनन्दगांव में स्थित है (श्रीर इससे उपवब अनमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकरी के कार्यांलय राजनन्दगांव में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीत 10-12-79 को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का अजित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत अधिक है और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के ध्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में क्यी करने था उच्छे बचने में स्विधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या प्रस्य आहितयों को जिन्हें भारतीय प्रायकर ग्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनामं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, दिपाने में मुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-ग के क्यूसरण में, में, उक्त अधिनियम की बारा 269-च की छप-आरा (1) के अजीन, निम्तिविज्ञ व्यक्तियों, अर्थात् ।—— श्री मोहम्मद इ ब्राहिम्हीन पुत्र हाजी सिराजुदीन निवासी राजनन्दगांत्र ।

(ग्रन्तर्क)

 मेसर्स छोटे लाल केशवराम द्वारा पार्टनर श्री कान्ती भाई, राजनन्दगांव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त समाति के अर्जन के निए कार्यवाहियाँ करता है।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की वारीख से 4.5 दिन की धर्वाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की वामीज से 3.0 दिन की धर्वाध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना कें राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद किसी अन्य स्मनित द्वारा अधोहस्ताकारी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पडटोक्सरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनयम के श्रव्याय 20-क में वरिभाषित है, वहीं गर्च होगा, जो उस श्रव्याय में विया गया है।

अनुसूची

गृह् सम्पत्ति स्थित खसरा नं० 2060/2 कामटी लाईन, राजनन्दगांव।

> सतीशचन्द्र सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-6-1980

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

द्यायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 6 जून 1980

निर्देश सं० आई० ऐ० सी० एक्बी भोषाल 80-81/1634---अतः मुझे सतीशचन्द्र

श्रायकर श्रिष्ठिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त श्रिष्ठिनयम' कहा गया है), की झारा 269-ख के श्रिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिष्ठक है

श्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो राजनन्दगांव में स्थित है (श्रीर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजनन्द गांव में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 10-12-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठ-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम, की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा(1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रयीत्:---

- श्री मोहम्मद यकीनुद्दीन पुत्र हाजी सिराजुद्दीन निवासी राजनन्दर्गात ।
 - (भ्रन्तरक)
- मेसर्स छोटे लाल केशवराम द्वारा पार्टनर श्री कान्ती भाई निवासी राजनन्दगांव।

(ग्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जेन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त श्रिधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयं होगा नी उस प्रश्याय में दिया गका है।

श्रनुसूची

गृह सम्पत्ति स्थित खसरा नं० 2060/2, कामठी लाईन, राजनन्दगांव ।

> सतीणचन्द्र सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6ब6-1980

प्ररूप **आई**० टी० एन० एस०---

अध्यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालग, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जनक्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जून 1980

निर्देश सं० म्राई० ऐ० सी०/एक्टी/भोपाल 80-81/1635— म्रतः मुझे सतीशचन्द्र

आयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ॰ से अधिक है और जिसकी

सं० मकान है, तथा जो रायपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्न के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय रायपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 14-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उजित बाजार मूल्य से कम के बृथ्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यंगपूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और भग्तरक (भग्तरकों) भौर धन्तरिती (धन्तरितीं) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखन उद्देश्य से उकत प्रस्तरण लिखन में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबस, जक्त भाषा-नियम के भाषीन कर देने के भन्तरक के दायित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/मा
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य मास्तियां को, जिन्हें भारतीय मायकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या मनकर मिनियम, या मनकर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्वं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

मत: भव, उन्त प्रधिनियम की भारा 269-ग के प्रमुक्तरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के प्रधीन निम्निविधार व्यक्तियों, अर्थात्: -13—146GI/80

 श्री द्यशोक कुमार श्रह आ पुत्र श्री भवन दास श्रहजा निवासी रामसागर पारा, रायपुर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री किशोर कुमार पुत्रश्री निवल दास ग्रह्जा निवासी राम सागर पारा, रायपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजंत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

ह्वव्हीकरण :--इसमें प्रयुक्त शक्दों श्रीर पदों का, जो छक्त श्रीधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं वही य्यं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

म्यूनिसिपल मकान नं० 21/627 का भाग स्थित प्लाट नं० 7/2, रामसागर-पारा, रायपुर ।

सतीस चनद्र, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-6-1980

मोहरः

प्रकृप प्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰-

प्रायकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा, 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सन्नायक आयक्षर नायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, विनांक 6 जून 1980

निर्देश संर्जुन्नाई० ऐ० सी०/एक्वी/भोपाल 80-81/1636— स्रतः मुझे सतीशचनद्र,

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन मजन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- • से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं मकान है, तथा जो मुडवाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, मुख्याड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन 23-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और पन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, तिम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण, निश्चित में वास्त्रविश्व कर ने इसित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी प्राय की बावत, उक्त ग्राधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के श्रिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी याय या किसी धन या घर्य धास्तिकों को जिन्हें भारतीय धाय-कर घिषित्यम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर घिषित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए चा, क्रियाने में सुविधा के लिए;

भटः भव, उक्त भविनियम की धारा 269-ग के भनुतरण में, में, उक्त प्रविनियम की धारा 269-म की उपकारा (1) के सभीन, निम्नशिक्ति व्यक्तियों, भवाँद:--- श्री वीरानन्द जौधवानी, पुत्र श्री धरमदास जौधवानी निवासी सिविल लाइन्स, कटनी ।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती पटोल बाई पत्नी श्री लखमनदास निवासी मालवीय गंज, मुख्याङा ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवादियां गुरू करता है।

उन्त सम्पत्ति ने अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूबना के राजपक्ष में प्रकाशन की लारीक से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों अर सूचना की तामील से 30 दिन की भविभ, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक के किसी अन्य स्थिति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जासकेंगे।

स्पन्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दोका, जो उनत श्रीध-नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

मकाम मं० 113, सावरकर वार्ड, मुख्याडा।

सतीश**चन्द्र,** स**क्षम प्राधिकारी** सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारी**ख**: 6-6-1980

प्रकप धाई० टी० एन० एस०---

भावकर मधिनियम, 1961 (1981 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जून 1980

षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रुपए से प्रधिक हैं,

भीर जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो इन्बीर में स्थित है (श्रीर इससे उपवद्ध ध्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 29-10-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उकित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम अतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अवित बाजार मूल्य, धसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है भीर धन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (प्रशारितियों) के बीच ऐसे प्रशारन के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रश्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से तुई किसी धाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में क्रमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अध्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए वा, छिपाने में सुविधा के सिए;

अंतः धन, उनत प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा, 269-थ की उपधारा (1) के प्रधीन, मिन्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्।— श्रीश्रीधर पुत्रश्री राम कुमार भ्रग्नवाल निवासी 27, मोरसली गली, इन्दौर।

(भ्रन्तरक)

श्री सुभाष चन्द्र पुत्र श्री लक्ष्मी नारायन निवासी
 27/5, शक्कर बाजार इन्दौर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुबना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी खसे 45ं दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोह्स्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त प्रश्नितियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 27/5 का भाग स्थित मोरसली गली, इन्दौर।

सतीशचन्द्र सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-6-1980

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भीषाल

भोपाल, दिनांक 6 जून 1980

निर्देश सं० श्राई० ऐ० सी०/एक्बी/भोगोल 80-81/1638---श्रतः सुझे सतीशचन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सम्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर नंगति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- ए० से अधिक है

भीर जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित हैं (भीर इससे उपबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रोकर्ती अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-10-1979 को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उनके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के किए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्निक्षित उद्देश्य से उनत अन्तरण कि खित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, खकत अधिनियम के अधीन कर देने के भ्रम्तरक के वायित्व में कमी करने या अससे सकते में सुविधा के लिए; भौर/मा
- (च) ऐसी किसी गाय या किसी घन या अग्य भाक्तियों को जिन्हें भायकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम, या धनकर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना वाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

त्रतः प्रव, उना अधिनियम, की घारा 269-ए के धनुसरण में, में, उकत प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, श्रवीत् 1 श्री श्रीधर पुत्र श्री राम कुमार ग्रप्रवाल निवासी 27, मोरसली गली, इन्दौर।

(भ्रन्तरक)

 श्री महेश चन्द पुत्र श्री लक्ष्मी नारायण निवासी 27/5, शक्कर बाजार, इन्दौर।

(ग्रन्तरिती)

को मह सुचना जारी करके पूर्वीक्त संम्पाल के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भ्रविध या तस्सम्बन्धी क्यवितयों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी
 भन्नियं बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 भ्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिलबढ़ किसी पन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्ष्वों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिणाणित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

मकान नं० 27/5 का भाग स्थित मोरसली गली, इन्दौर।

सतीशचन्त्र सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर स्नायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, भोपाल

तारीखा: 6-6-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एत• एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के मधीन सूचना]

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जूनः 1980

निर्वेश सं० श्राई० ऐ० सी०/एक्बी/भोपाल 80-81/1639 ---श्रतः मुक्ते सतीगचन्त्र,

आयकर शिवितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त प्रधितियम' कहा क्या है), की धारा 269-व के घडीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/- व्यये से अधिक हैं भीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बांजत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की नई है और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिसत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पाखह प्रतिशत प्रक्षिक है और अन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल तिमन्तिलिखत उद्देश्य से उक्त बन्तरक लिखत में बास्तिक कर से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अग्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, चकत श्रविक नियम, के ध्रधीन कर देने के धन्तरक के वाशित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविक्षा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के सिए;

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 में के धनुसरण में, में, छक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:——

- श्रीमती लिलता बाई जोगी पस्ती स्व० श्री नन्द लाल ुजी जोगी निवासी 8/1, न्यू पलासिया, इन्दौर। (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती शकुन्तला देवी जैन परिन श्री सूरजमल जैन निवासी 146, कंघन बाग, इन्दौर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कायवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उका स्थायर संपत्ति में हिनबद्ध किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्सीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उक्त श्रक्षितियम के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा जो उन श्रध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मकान नं ० 8/1, न्यू पलासिया, इन्दीर।

सतीमाचन्त्र सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-6-1980

प्ररूप माई०टी०एन० एस०----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जून 1980

निर्देश सं० आई० ऐ० सी०/एक्की/भोपाल 80-81/1640 ---अतः मुझे सतीशचन्द्र,

श्रायकर ग्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त ग्रीधनियम' कहा गया है) की धारा 269-खा के भ्राधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र॰ से भ्रीधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन 20-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्तक दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भन्नि-नियम के भन्नीन कर देने के भन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी भन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भश्चिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत भश्चिनियम, या भन-कर श्रश्चिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, खिनाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रत्र, उनतः ग्रधिनियम, नौ भारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उनत ग्रधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के व्यक्तियों, ग्रमीतः--- श्री भगवानंदासं पुतं श्री बृजमोहम अग्रवाल निवासी 419 महारमा गांधी मार्ग, इन्दौर।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती गीता बाई पत्नि श्री लण्मी नारायण निवासी 177, तिलक पथ, इन्दौर ।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (खं) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा स्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पडटीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रीधिनियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकास मं 304 का भाग स्थित जवाहर मार्ग, इन्दौर।

सतीशचन्द्र सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, भौपाल

तारीखाः 6-6-1980

प्ररूप आई ० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंग क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जून, 1980

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु० से अधिक है

भीर जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (भीर इससे उपबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 31-10-79

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से एसे इष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिशा का लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः--- श्री जजमोहन पुत्र श्री भींदू राम निवासी 419, महात्मां गांधी मार्ग, इन्दौर ।

(म्रन्तरक)

2. श्री सतानन्द पुत्रश्री लक्ष्मी नारायण निवासी 417, तिसक पथ, इन्दौर।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनसची

मकान नं 304 का भाग स्थित जवाहर मार्ग, इन्दौर।

सतीशवन्त्र सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज भोपाल

तारी**व** : 6-6-1980

प्ररूप गाई० टी० एत० एम०----

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के भिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजेंन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जून 1980

निर्देश सं अधाई० ए० सी०/एक्टी/भोपाल/80-81/4642---स्रतः मुझे, सतीश चन्द्र

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25000/-रुपए से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो जबलपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण ध्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन, तारीख 3 ध्रवतुबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पग्द्रह प्रतिशत से भ्रधिक है भौर श्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भौर भ्रन्तरित (भ्रन्तरितयों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरक से हुई किसो ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधि-नियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, ग्रीर/या;
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी घन या ग्रन्थ श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर ध्रिधनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ध्रिधनियम, या धन-कर ध्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ध्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 289-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, रिम्निनिवार व्यक्तियों, प्रयातः -- श्री बलवंत सिंह पुत्र श्री नगीना सिंह निवासी 1342, मदन महल, जबलपुर।

(श्रन्तरक)

- 2. (1) श्री प्रितीपाल सिंह।
 - (2) श्री दर्शन सिंह।
 - (3) श्री कुलदीप सिंह पुत श्री मोहर सिंह सभी निवासी म० न० 1341 से 1344, मदन महल, जबलपुर।

(ग्रन्तरिको)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनन मध्यति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रथं होगा जो उस श्रष्टवाय में विया गया है।

अनुसूची

मकान नं॰ 1341, 1342, 1343 व 1344 स्थित मदन महल, जबलपुर।

> सतीश चन्द्र सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीष: 12-6-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जून 1980

निर्देश सं० श्राई० ए.०सी०/एक्वी/भोपाल/ 80-81/ 1643----श्रतः मुझे, सतीश चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम पाधि हारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिक्ता उचित बाजार मून्य 25,000/ इपये से अधिक है

भीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो जबलपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 29-10-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रिकल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान श्रिकल से एसे दृश्यमान श्रिकल के पन्द्रह प्रतिगत से श्रिक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम वा धनकर अधिनियम वा धनकर अधिनियम वा धनकर अधिनियम वा भारती जिया पा पा वा किया अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थातः— श्री भ्राविल फिरोज पुत्र श्री एफ० एस० दारूवाला निवासी 525, भरतीपुर, जबलपुर।

(ऋ∘तरक)

 श्री रमेश चन्द्र व विनोद कुमार दोनों पुत्र श्री अज लाल सहाय निवासी 862, बाई का अगीचा, जबलपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूवना के राजपन्न में प्रकाशन को तारी खसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का जो उक्त प्रधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रार्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान नं० 918 मरहाताल ओमती, घंटा **घर** के पास, जबलपुर।

> सतीश चन्द्र सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीखा: 12-6-1980

मोहर:

14-146 GI/80

प्ररूप आई. टी. एन्. एस्.-----

क्ष्मकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपास, दिनांक 12 जून 1980

निर्देश सं० श्राई०ऐ०सी०/एक्बी/भोपाल/80-81/1644---यतः मुझे, सतीण चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो रीवा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय रीवा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 15 ग्रम्तुबर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध को उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—— श्रीमती मुलोचन लुकंड निवासी गंगा बिहार, किंग्स सर्किल, बाम्बे।

(म्रन्तरक)

2. श्रीमती पदमावती नीतूमल लुकंड सागर कुंज, जलगांव। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्या में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धोकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि एरिया 59,750 वर्गफुट स्थित धोधर, रीवा।

सतीश चिन्द्र सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त, (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, भोपाल

तारीखः: 12-6-1980

प्ररूप धाई० टी॰ एत॰ एत॰---

मायकर ग्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के घडीन चुनमा

भारत सरकार

कार्यासय, बहायक भावकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जून 1980

निर्देश सं० ग्राई०ऐ०सी०/एक्वी/भोपाल/80-81/1645—यत मुझे, सतीश चन्द्र

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- २० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो रीवा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय रीवा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15 अक्तूबर 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रत् प्रतिक्रत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कांचत नहीं किया गया है।—

- े(क) ग्रस्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त भाधितियम के श्रधीत कर देने के ग्रन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में तुविधा के जिए; भौर/या
 - (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी वह या भन्य थास्तियों का, जिन्हों भारतीय प्रायक्तर प्रधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या भन-कर धिंभनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त श्रविनियम की धारा 289-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रविनियम की धारा 289-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात्:— श्रीमती प्रेमलता चन्दनमल लुकंड निवासी जी० एस० टी० आई० रोड़, इन्दौर।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती पदमावती नीतूमल लुकंड सागर कुंज, जलगांव।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई की बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खा से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो जनत प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

प्रमुखी

भूमि एरिया 59,750 वग फुट स्थित धोधर, रीवा।

सनीण चन्द्र सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 12-6-1980

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

सायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रजन क्षेत्र , भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जून 1980

निर्देश सं० ग्राई० एसी/एक्बी/भोपाल/80-81/1646---ग्रतः मुझे सतीश चन्द्र,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के श्रिधीन सक्षम श्रिधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— र॰ से श्रिधक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 27 ग्रक्तूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यनान प्रतिफन से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफन का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरक से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ध्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, वा धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

धतः ग्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती माया रानी पत्नी श्री विलोकी नाथ भागव निवासी 11/3, राज भोहल्ला, इन्दौर।

(भ्रन्तरक)

- (1) श्री णंकर लाल पुत्र श्री नारायण दास गांधी निवासी 45, राज मोहल्ला, इन्दौर।
 - (2) श्री सुरेण चन्द्र पुत्र श्री कन्हैय्या लाल गोयल निवासी 13/3, स्तेहलता गंज, इन्दौर। (ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के <mark>धर्जन</mark> के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उन्न सम्मति के प्रार्वन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बड़ी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान बियरिंग नं० 11/3, स्थित मनोरमा गंज, इन्दौर।

> सती श चन्द्र सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाळ

तारीख: 12-6-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०———
ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के ग्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जून 1980

निर्देश सं० ग्राई०ए०सी०/एनवी/भोपाल/80-81/1647— यतः मुझे सतीश चन्द्र,

ष्मायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्नत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रिधिक है और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिन्द्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्द्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, नारीख 5 ग्रक्तूवर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाम प्रतिफल निम्नलिखित उद्देशों। उसा अन्तरम निश्वा में वास्तविक एव ने कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण में हुई किसी धाय की बाबत उक्त श्रिष्ट-नियम, के श्रधीत कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी फिसी म्राय या किसी धन या म्रन्य म्नास्तियों को, जिन्हें भारतीय म्नाय हर म्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रिधिनियम, या धनकर म्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ म्नत्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्:——

- 1. श्री बल्लभ दास नागर पुत्र श्री मन्नालाल जी नागर निवासी 212 यशवंत गंज एम० जी० रोड़, इन्दौर। (श्रन्तरक)
- 2. श्री केवल यादव पुत्र श्री शिवदर्शन यादव निवासी 8/1, सदर बाजार इन्दौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्राणणत की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की भ्रविध, जो भी अवधि बाद मैं समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्धी हरण: -- -इ ति प्रयुक्त शब्दीं खीर पदों हा, जो उक्त खिछ-नियम के अध्याय 20 ह में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान बियरिंग नं० 8/1, स्थित सदर बाजार, इन्दौर।

> सतीण चन्द्र सक्षम अधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, भोषाल

तारीख: 12-6-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जून 1980

ान हैंग सं० ऋ*। है एसी |* एक्बी | भोगाल | 80-81 | 1648- -- अतः मुझे सतीय चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ध्रीर जिनकी सं० प्राप्त है, तथा जो खालियर में स्थित है (ग्रीर इसन उनावड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), राजेस्ट्रीकर्ता ग्रीक्कारी के कार्यालय खालियर में राजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन, तारीख 10 ग्राक्त्वर 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गटा था किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविक्षा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्री बाबू राम सिंह कुणवाह आफेस इस्चार्ज दसंत । श्री र गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यापित, ग्रालियर।

(अन्तरदः)

 श्रांसिती प्रेमलता पितन श्री श्रोमप्रकाण मल्होत्रा निवासी कासिम खांका बाड़ा दाल बाजार, लण्कर। (श्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम , के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुमुची

्ताट तं रता एरिया 4000 वर्षेषुट स्थित सिन्धिया कत्या विद्यालय, म्वालियर।

> सतीश चन्द्र सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीखा: 12-6-1980

प्र**क्ष भाई० टी० एत० ए**त०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धास 269-थ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार कार्याजय, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांवः 12 जून 1980

निर्देग सं० प्रार्ड स्ती/एक्की/भोपाल 80-81/1649—अतः मुझे सतीश जन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रुपये से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है (भ्रौर इमने उपावद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 10 भ्रमतूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छिनत बाजार मूल्य, उसके दृष्यभान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठ-नियम के श्रिष्ठीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या भ्रन्य म्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत ।--- श्राबः क्रिब्र्सम निह्कुणवाह आफिस इंचार्ज बसंत बिह्र गृह निर्माण नड्कारी संस्था मर्यादित, जनक गंग, ग्वानियर।

(भ्रन्तरकः)

2. श्रीमती पृष्टमा देवी पहित श्री नारायण दाम गुण्ता निवासी 32, लक्ष्मी बाई कालोनी, खालियर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां मुक्क करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के सम्बन्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्त स्थावर सम्मत्ति में हिसबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रष्टोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 23-क में परिभाषित है, जहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अमु सूची

प्लाद तं० 5 रहबा 6000 वर्गफुट स्थित मिन्धिया धन्या विद्यालय, ग्वालियर।

> सतीश चन्द्र, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षक) श्रर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 12-6-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०- ----

भ्रायकर श्रिप्तितयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर मायुक्त (निरीक्रण)

श्चर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुन 1980

निर्देश सं० प्रार्डण्मी/एक्की/भोषाल 80-81/1650—अतः मुझे सतीश चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'खन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्नास करने का कारण है कि स्थावर मन्त्रति, जिमका इजित बाजार मृत्य 25,000/- इ० से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है (स्रोर इसमे उपावद्ध स्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ती स्रधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में रिजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 10 स्रक्तूबर 1979

पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में लास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्सरण से तुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त ग्राधिनियम, की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-थ की उपघारा (1) धीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— श्री बाबू राम सिंह कुणवाह, श्राफिस इन्चार्ज बसन्त विहार गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादत, ग्वालियर।

(अन्तरकः)

 श्री श्रशोक गुप्ता पुत्र श्री काशी राम गुप्ता निवासी लक्ष्मी बाई कालोनी ग्वालियर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाद्वियां शुरू करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई मी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साध्दी करण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो आयकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्ताट नं० 7 माप 6000 वर्गफुट स्थित सिन्धिया कन्या विद्यालय, खालियर।

> सतीण चन्द्र, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 12-6-1980

प्रकप गाईं । टी • एन • एस •----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 259-च (1) के संधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याचय, सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णनक्षेत्र, भोपाल भोपाल,दिनांकः 13 जून 1980

निर्देश मं० अहर्र मी/एक्जी/भोपाल 80-81/1651---अतः मुझे मतीश चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण दैकि स्थावर संपत्ति, जिसका खिनत बाजार मूल्य 25,000/-छ • से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान है, तथा जो मुंडवाड़ा में स्थित है (श्रौर इसने उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीहर्ता प्रधिकारी के कार्यालय मुंडवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण प्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 4 श्रक्तूबर 1979

को पूर्वोवत मम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की मई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो का सम्पत्ति का खिनत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्द्रह प्रतिशत भिष्ठक है भीर अन्तरक (भग्तरकों) और अन्तरिती (भग्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से खनत प्रश्वरण निखित में वास्तिबिक कप से कथित नहीं किया गया है '---

- (क) प्रकारण से हुई किसी पान की बाबत उक्त आधि-निमम के प्रधीन कर देने के प्रकारक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविद्या के लिए; और या
- (खः ऐसी फिसी पाय या किसी बन या अथ्य ब्रास्तियों की, जिन्हें भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना वाहिए वा, कियाने में मुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की बारा 269-म की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थार्:---

- 1. (1) श्री जीवन दास
 - (2) श्री विजय कुमार पुत्र राम मनोहर।
 - (3) श्री वल्लभ दास
 - (4) श्रीमती देवका बाई वि० परिन श्री राम मनोहर।
 - (5) श्री छंग लाल पुत्र श्री चतुरभुज।
 - (6) श्रीमती परमा बाई वि० पत्नि श्री चतुरभुज
 - (7) श्री परमानन्द पुत्र श्री द्वारका प्रसाद।
 - (8) श्रीमती कस्तूरी बाई वि०पत्नि श्री द्वारका प्रसाद सभी निवासी रझुनाथ गंज, मुड़ंबाडा। (श्रन्तरक)
- 2. मैसर्स पटैल स्टोन लाडम किं० कटनी द्वारा पार्टनर श्री बैजनाथ प्रमाद तिलक वार्ड , मुंडवाड़ा। (श्रन्तरिती)

को य<mark>ह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पित के अर्जन</mark> के लिए कार्यवाहियाँ गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी भाषाप :---

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामीस से 30 दिन की धविधि, जो भी धविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितबद्ध किसीं मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्तासरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त ग्रन्तों मीर पदों का, जो उन्त प्रधिनियम के धश्याय 20-क में परिभाषित है, बही धर्य होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

समात्ति स्थित नन्दीपारा यार्ड, नं० व० 493, मुंडवाड़ा।

मतीश चन्द्र, सक्षम प्राज्ञिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जनरेंजू भोपाल

नारीखा: 13-6-1980

प्ररूप धाई० टी० एन०एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांकः 13 जून 1980

निर्देश सं अपर्करण अतीर /एक्की/भोषाल/80-81/1652----यतः मुझे, सतीम चन्द्र

भायकर आधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रजीन सजन प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि धावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो मुंडवाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीक्षर्ता श्रीधकारी के कार्यालय मुंडवाड़ा में रिजस्ट्रीक्षरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधिन, तारीख 4 श्रक्तूबर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संगत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह अतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिणों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफत कि निनिति । उद्देश ो उक्त प्रनरण निश्चित में बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाथित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (ख) एसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुखिद्या के लिए;

भतः भव, उनत श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उन्हां श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन, निश्नलिखित अ्यक्तियों, श्रधीत :---

- 1. (1) श्रीजीवन दास
 - (2) श्री वल्लभ दाम
 - (3) श्री विजय कुमार पुत्र श्री मनोहर
 - (4) श्रीमती देवका बाई पत्नि राम मनोहर
 - (5) श्री छंगेलाल पुत्र र्श्वा चनुरभुज
 - (6) श्रीमती परभा बाई वि० पत्नि श्री चितुरभुज
 - (7) श्री परमानन्द पुत्र द्वारका प्रमाद
 - (8) श्रीमती कस्तूरी बाई वि० पत्नी श्री द्वारका प्रनाद सभी निवासी रघुनाथ गंज, मुंडवाड़ा । (श्रन्तरक)
- 2 श्री मीता राम दुबे पत्नी श्री ब्रारका प्रसाद दुबे निवासी केलवारा खुर्द, मुंडवाड़ा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन। की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रद्धोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्राधिनियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मधानि स्थित नन्दीपारा वार्डनं० व० ४९३, मुंडवाड़ा।

मतीश चन्द्र सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) यर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 13-6-1980

प्रकृप भाई । टी । एन । एस ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन क्षूपना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, भोषाल

भोपाल, दिनांक 17 जून 1980

निर्देश सं० ग्राईएसी/एक्ट्री/भोगाल/80-81/1653----ग्रतः मुझे, विजय माथुर,

धायकर धिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वान् 'उनन प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान है, तथा जो लक्कर में स्थित है (ग्रौर इसने उपायद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, खालियर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, 18 ग्रवतुबर 1979

को पूर्वोंकत सम्पति के जिसत बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का जिसत बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के प्रमाह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (मन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित जहेंक्य से उनत सन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त चिन नियम के धारीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क) एसी किसी माय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधिनियम, या धनकर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में युविधा के सिए;

प्रतः यन, उक्त प्रधिनियम की बारा 269 में के प्रमुखरन में, में, उक्त प्रथिनियम की धारा 269 क की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवीत:—— मैसर्भ मोती लाल अप्रवाल मिल्स प्रा० लि० विरला नगर, ग्वालियर।

(ग्रन्तरक)

2. श्री राम पुत्र श्री गुलाबचन्द मित्तल निवासी 31/63, डीडवाना श्रोली लक्कर, ग्वालियर।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त मन्पत्ति के प्रजेन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त क्थायर संपत्ति में
 हितबद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्कोकरण:--- इसमें प्रयुक्त शक्कों भौर पदों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20का में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा को अस अध्याव में दिया गया है।

मनुसम्रो

तीन मंजिला मकान बियरिंग नं० 31/63, डीडधाना भ्रोली, लश्कर, ग्वालियर।

विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त, (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, भोपाल,

तारीख: 17-6-1980

प्रकप धाई • ही • एत • एस •----

आयकर समितम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के सभीन सुचना

भारत सरकार

कार्याचय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीकण) भ्रजन क्षेत्र, भोषाल

भोपाल, दिनांक 17 जून 1980

निर्वेश सं० ग्राईएसी/एक्वी/भोपाल 80-81/1654—म्प्रतः मुक्के, विजय माथुर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात 'उन्तर घिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्पावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ए० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं भकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन,तारीख 15 श्रक्तूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृष्यमान प्रतिकल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके सृष्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से धिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कवित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई फिसी धाय की वाबस, उनत प्रसिनियम के घंधीन कर देने के धन्तरक के वाबित्व में कमी करने या उससे सचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयन्कर घिष्टिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्टिनयम, या धन-कर घिष्टिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: धव, उनत घधिनियम की वारा 269-ग के घनुसरक में, में, उनत प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के खग्रीन, निम्मिकित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- डा० गनेश राम कालूराम पुरानिक सी०-70, फर्टी-लाइजर सिटी रामागुन्डम (आ०प्र०)। (ध्रन्तरक)
- श्री महेन्द्र सिंह चान्द सिंह, 48, विद्या नगर कालोनी इन्दौर, वर्तमान 58, विश्वनूपुरी कालोनी, इन्दौर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की घविष्ठ या ततसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अविधि, जो भी घविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना ने राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितब इ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहक्ताक्षरी ने पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्ष-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही धर्य होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूचो

मकान नं० 58, विष्नुपुरी कालोनी, इन्दौर।

विजय माथुर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 17-6-1980

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269य (1) के बाधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोगाल

भोपाल, विनांक 17 जून 1980

निर्देश सं० ग्राईएसी/एक्बी/भोपाल 80-81/1655——यतः मुझे, विजय माथुर

धायकर प्रशिविषम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रशिविषम' कहा गया है); की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मृख्य 25,000/-द से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो भोपाल में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भोपाल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 6 श्रक्तुबर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है घोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्धह प्रतिशत से घिक है धीर मन्तरक (झन्तरकों) मोर अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गय। प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से उन्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गय। है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अस्ति-नियम के मर्घान कर देने के ग्रन्तरक के धामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी पाय या किसी घन या बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय घायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं फिया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए;

ग्रा', अंग, उत्त अधिनियम की धारा 269-म के अनु-सरग में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः-- 1. श्री म्रानिल कुमार व श्री सतीश कुमार दोनों पुत्र श्री हर प्रसाद दुबे निवासी सोमवारा, परिगट, सिन्धी मार्केट, भोपाल।

(भ्रन्तरक)

 श्री सुरेण कुमार पुत्न श्री सीताराम साहू निवासी नेहरू रोड़, जवाहर चौक, जुमेराती, भोपाल। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भी तर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे

स्वश्टोकरण: च्समें प्रयुक्त शब्दों शौर पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के अध्याय 20 क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान का भ्राधा भाग स्थित सिन्धी मार्केट रोड़,सोमवारा, भोपाल।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जनरेंज, भोपास

तारीख: 17-6-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 जून 1980

निर्देश सं० प्राई/ऐसी/एक्बी/भोपाल 80-81/1656—यतः मुझे, विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकीं सं० मकान (भाग) है, तथा जो भोपाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल में राजिस्ट्रीकरण श्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5 श्रक्तूबर 1979

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिक्तित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में वास्तविक क्ष से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह ने भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीतिखित व्यक्तियों नर्धात्:—— श्री अनिल कुमार व सतीश चन्द्र दोनों पुत्र श्री हर प्रसाद दुवे निवासी सोमवारा सिन्धी मार्केट, भोपाल।

(भ्रन्तरक)

 श्री सुरेन्द्र कुमार पुल श्री सीताराम साहू निवासी जवाहर चौक, जुमेराती, भोपाल।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिंग कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित मों हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी -पास लिखित मों किए जा सकागे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्योका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में विय गया है।

मम्स्वी

मकान का भ्राधा भाग स्थित सिन्धी मार्केट रोड़, सोमवारा, भोपाल।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपा

तारीख: 17-6-1980

प्ररूप आई∙ टी∙ एत∙ एस∙—--

आयकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ग्रिवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 17 जून 1980

निर्देश सं० ग्राई०ए०सी०/एक्वी०/भोपाल/80-82/1657— यतः मुझे विजय माथर,

धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रिधीन सम्मान प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क्पए से ग्रिधिक है

भीर जिसकी सं ज्लाट है, जो उज्जैन में स्थित है (श्रीर इससे उपबद्ध श्रनुभूची में श्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय उज्जैन में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 18 श्रक्तूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के वृत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और ग्रंतरक (ग्रन्तरकों) भौर श्रन्तरिती (शंतरितीयों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पत्था गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त श्रम्तरण निक्दित में शस्त्रविष्ठ रूप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधितियम के प्रचीन कर देने के भन्तरक के याधित्य में कमी करते या उसमे बजने में भृतिधा के लिए और/था;
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य भारितमों की, जिन्हें भारतीय प्रायक्तर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती श्वारा भक्त नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुणिया के लिए;

अत:, शब, उत्त प्रीवित्यन की बारा 269-ग के सनुसर्थ में में, उनत श्राब्यनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अजीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधातः—— श्री हरि लाल ग्रात्मज श्री मूल शंकर भाई देसाई निवासी फी गंज, उज्जैन।

(भ्रन्तरक)

 मैसर्स राधे ध्याम बाबूलाल दौलतगंज, उज्जैन। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उपत सम्पत्ति के श्रार्वन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध
 किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास
 निश्चित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पदों का, जो उभक्ष प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित है, वही अर्थ होगा जो उस घध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्ल(ट नं० 59 माप 2475 वर्ग फुट स्थित क्षीरसागर, उज्जैन।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 17-6-1980

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०--

भायकर धिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 13 मई 1980

निर्वेश सं० III-398/म्रर्जन/80-81 — यतः मुझे ज्योतीन्द्र नाथ

धायकर धिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ र॰ से धिक है

श्रीर जिसकी सं० बसीका नं० 5594 दिनांक 17-10-79 है, तथा जो फुसारों में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय बेरमों में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन, तारीख 17 श्रक्तुबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छिन्ति बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तिरत की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रीवक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रौर भन्तिरती (श्रन्तिरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी ग्राय की वाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में 'कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या ग्रन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-घ की उपघारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयति :---

- कुमारी प्रतीमा मिह पुत्री रामेश्वर सिंह साकिन— फुमारो, पोस्ट—डोड़ी, बेरमो, जिला-गिरिडिह (भ्रन्तरक)
- 2 श्रीमती कमला देवी श्रग्नवाला पत्नी श्री सावर लाल श्रग्नवाला सा० फुसारो, पोस्ट०—ढोड़ी, बेरमो, जिला-गिरिडिह।

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त गड्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तिमंजला मकान जिसका बसीका नम्बर 5594 दिनांक 17-10-79 में विणित है तथा जो श्रवर निबंधक बेरमो के द्वारा निबंधित है।

> ज्योतीन्द्र नाथ सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन परिक्षेत्र, बिहार, पटना।

तारीखा: 13-5-1980

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 6 जून 1980

निर्देश सं० III-412/मर्जन/80-81—यतः मुझे ज्योतीन्द्र नाथ,

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० वार्ड नं० 12 हो० नं० 151 है, तथा जो मौजा श्याम गंज, जिला संथाल प्रगना में स्थित है (ग्रीर इससे उपलब्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय देवघर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख 31 ग्रक्तूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की वाबन, खक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय गा किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित वास्तियों, श्रर्यात् :--16—141G1/80

- (1) श्री भगवती प्रसाद दुभवाला पुत्र सोहन लाल दुध-वाला
 - (2) श्री पप्पू दुधवाला नाबालिग पुत्र भगवती प्रसाद दूधवाला।
 - (3) श्रीमती चम्पावती देवी धर्मपत्नी भगवती प्रसाद दूधवाला।
 - (4) श्री महेन्द्र कुमार नाम्यानी पुत्र भगवती प्रसाद दुधवाला निवासी 5/ए मुल्का राम बाबू स्ट्रीट कलकत्ता।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती बीना देवी जौजा चाज प्र० केणरी देवघर संथाल प्रगना।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोचन सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी श्रविधि बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीयत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वेंगे।

स्पन्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो छक्त श्रिश्चित्यम के श्रद्ध्याय-20क में परिभाषित है, बही श्रश्नें होगा जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अनु सूची

एक तिहाई मकान का हिस्सा जो मौजा ग्याम गंज जिला देवघर में स्थित है श्रीर जो पूर्ण रूप से वसीका नं० 3530 दिनांक 31-10-79 में वर्णित है और जिला श्रवर निबंधक देवघर में पंजीकृत है।

> ेज्योतीन्द्र नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेक्ष बिहार, पटना

तारीख: 6-6-1980

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर प्रायुक्त (निरोक्षण) भ्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना

पटना, दिनांक 6 जून 1980

निर्देण सं० III-414/प्रार्जन/80-81—यतः ज्योतीन्द्र नाथ प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन गक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपये से ध्रधिक है भीर जिसकी सं० वार्ड नं० 12 हो० नं० 151 है, तथा जो मौजा ग्यामगंज, जिला संथाल प्रगना में स्थित है (श्रीर इसमे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्याक्षय देवघर में रजिस्ट्रीकरण श्रधियिनियम, 1908 (108 का 16) के श्रधीन, तारीख 31 श्रवतूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है धौर अन्तरक (प्रत्तरकों) धौर अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरम के तिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरम लिखा में वास्तविह रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से दुई किसी श्राम की बाबत उक्त श्रिधि-नियम, के श्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में मुनिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिजिनियम, का धनकर ग्रिखिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

ग्रन्थ, ग्रन, उनन प्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-मरण में, में, जना प्रधिनियम की बारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्निनां का कार्यक्तियों, प्रयान :---

- (1) श्री भगवती प्रसाद दुधवाला पुत्र सोहन लाल दुधवाला।
 - (2) श्री पप्पू दुधवाला नाबालिंग पुत्र भगवती प्रसाद दुधवाला।
 - (3) श्रीमती जम्पावती देवी पत्नी भगवती प्रसाद द्धवाला।
 - (4) श्री महेन्द्र कुमार नायानी पुत्न भगवती प्रसाद दुधवलाला निवासी 5/ए मुल्काराम बाबू बाबू स्ट्रीट , कलकत्ता।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती कांती देवी जौजा महाबीर प्रसाद केवारी देवधर, जिला संथाल प्रगना।

(ग्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सुबना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर नम्मति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पत्नीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पदों का, जो उक्त धिष्ठ-नियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक तिहाई मकान का हिस्सा जो मौजा प्रयास गंज जिला देवचर में स्थित है भौर जो पूर्ण रूप से बसीका नं० 3532 दिनांक 31-10-79 में वर्णित है और जिला श्रवर निबंधक देवघर में पंजीकृत है।

> ज्योतीन्द्र नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन परिक्षत्न, बिहार, पटना ।

तारीच : 6-6-1980

प्ररूप धाई ० टी ० एन ० एस ०--

म्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्भन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 6 जून 1980

निर्देश सं० III-413/प्रर्जन/80-81—-यतः मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ,

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मिधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के मिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रिकि है

श्रीर जिसकी संव्वार्ड नंव 12 होल्डिंग नंव 151 है, तथा जो मौजा श्याम गंज, जिला संथाल प्रगता में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय देवघर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 156) के श्रीधीन, तारीख 31 श्रम्तूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया मया प्रतिफत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिष्ठिनयम, के प्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिधनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुसिधा के लिए;

अतः अब, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-च की उपभारा (1) के भिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात्:--

- (1) श्री भगवती प्रसाद दुधवाला पुत्र सोहनलाल दुधवाला।
 - (2) श्री पप्पू दुधवाला पुत्र श्री भगवती प्रसाद बुधवाला।
 - (3) श्रीमती जम्पावती देवी नाथानी धर्मपत्नी श्री भगवती प्रसाद बुधवाला।
 - (4) श्री महेन्द्र कुमार नाथानी पुन्न श्री भगवती प्रसाद दुधवाला निवासी 5/ए, मुत्का बाबू स्ट्रीट, कलकत्ता।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती राज कुमारी देवी धर्मपत्नी स्री रामदास केशरी, रामीगंज जिला बर्दवान (प०वं०)।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो
 भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पति में
 हितबब किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो छक्त श्रिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो छस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसची

एक तिहाई मकान का हिस्सा जो मौजा श्याम गंज जिला देवघर, में स्थित है श्रीर जो पूर्ण रूप से वनसीका नं० 3531 विनांक 31-10-1979 में विणित है श्रीर जिला श्रवर निबंधक देवघर में पंजीकृत है।

> ज्योतीन्त्र नाथ सक्षम प्रविकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार,पटना

तारीख: 6-6-1980

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज-II, ग्रष्टमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 6 जून 1980

निर्देश सं०/III-415/80-81- अतः मुझे ज्योतेन्द्रनाथ, शायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसमें (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र० से श्रधिक है

श्रीर जिसकी संबदस्तायेज संब 7997 दिनांक 10-10-79 में वर्णित है तथा जो जिला रांची में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय रांची में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई हैं प्रौर मुझे यह निश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्राधक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्नविक ह्वा से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसो आप को बाबत, उक्त ग्रधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ध्राय या किसी धन या ग्रन्थ ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर घ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ध्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

धतः अब, उक्त प्रधितियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधितियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. ग्रायीत्:—— श्रमल कुमार बनर्जी पुत्र स्व० एम० एन० बनर्जी सा० -84-ए राजा राजवल्लभ स्ट्रीट, कलकत्ता-3 वर्तमान पता सरकुलर रोड़, रांची ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री उदय कुमार श्रग्नवाल पुक्त श्री भगवान दास श्रग्नवाल सा० रांजू रोड़, रांची।

(भ्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के <mark>प्रज</mark>ंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्नाक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों भौर पदों का, जो 'जक्त श्रिधितियम', के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन माप मकान जो रांची में स्थित है। जिसाक विधरण दस्तावेज सं० 7997 दिनांक 10-10-79 में पूर्णतया वर्णित है। उस का पंजीकृपन जिला भ्रवर निवंधक रांची में हुआ है।

> ज्योतीन्द्र नाथ सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन परिक्षेत्र बिहार, पटना।

नारीख: 6-6-1980

प्ररूप भाई। टी० एन० एस०——

भायकर भिविनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 2698 (1) के भीषीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भाषुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना,दिनांक 6 जून 1980

निर्देश स० III-416/म्रर्जन/80-81—यतः मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ,

श्वायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० खाता नं० 24, प्लाट नं० 252 श्रादि है, तथा जो जि० धनबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचो में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिट्टीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय धनबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 31-10-79

को पूर्णोक्स सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्षन के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्णोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्ष्त से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्ष्त का पन्नह प्रतिक्षत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाय। गया प्रतिकृत निम्नलिक्ति उदृश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ब्रान्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देते के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या धन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिंपाने में सुविधा के लिए;

मत: ग्रंथ, उक्त श्रीवित्यम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, छक्त ग्रीवित्यम की घारा 269-य की उपधारा (1) के ग्रधीत निम्नलिखित अ्यक्तिमों, अर्थात्ः---

- 1. भो राजोत्र सोंबो पुत्र श्रो त्रेमलाल सोंबो, श्रीमती परियोदा कुमार जीजे श्री के कुमार,श्री प्रेमलाल सोंधी पुत्र नन्दलाल सोंबी, नई दिल्ली-17। (श्रन्तरक)
- 2. श्री नन्द किशोर गुप्ता पुत्र श्री सभीराम गुप्ता सा० छाताटांड, केन्दुग्राडीह, जिला धनवाद। (ग्रन्तरिती)

को यह यूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्तिके श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर छन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उका ग्रीध-नियम, के ग्रध्यात 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

प्रनुसूची

जमीन मय मकान जो जिला धनबाद में स्थित है जिसका विवरण दस्तावेज सं० 7839 दिनांक 31-10-79 में पूर्णतया विजत है । उसका पंजीयन जिला श्रवर निवंधक धनबाद में हुश्चा है।

> ज्योतीन्द्र नाथ सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजीन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 6-6-1980

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुम्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 6 जून 1980

निर्देश सं । III-418/ग्रर्जन/80-81---यतः मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० खाता नं० 34, प्लाटनं० 1050 एवं 2878 श्रादि है तथा जो सा० धोवाटांड जि० धनबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय धनबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 11 अवतूबर 1979

को पूर्वांक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवृक रूप से क्रियुत नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियन, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था स्टिपाने में सुनिया के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-मु की उपधारा (1) के जुधीन निम्मा लिखिल व्यक्तित्वौं, अर्थाक्ः— श्रीमती मनीबेन पोपट लाल चौहान जौजे श्री पोपट लाल मनजी चौहान सा० टेलीफोन एक्सचेंज रोड, धनबाद।

(ग्रन्तरक)

2. श्री संवर प्रसाद अग्रवाल पृष्त श्री बालक राम अग्रवाल चार्टेड एकाउनटेंट सा०——झरिया जिला धनबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के कुर्जमु के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (य) इस स्वनः क राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्केंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विवा ग्या ही।

अनुसूची

रकबा 13 कट्ठा जमीन जो सां धोवाटांड जिला धनबाद में स्थित है। जिसका विवरण दस्तावेज सं 7318 दिनांक 11-10-79 में पूर्णतया वर्णित है। जो जिला भ्रवर निबंधक धनबाद में पंजीकृत है।

> ज्योतीन्द्र नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र बिहार, पटना

तारीख: 6-6-1980

मोहरः

प्ररूप नाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना
पटना, दिनक 6 जून 1980

निर्देश सं० $\widetilde{\Pi}$ -417/ग्रर्जन/80-81—यतः मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ,

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० खाता नं० 24, प्लाट नं० 252 ग्रांदि धनबाद जिला में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय धनबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 31 ग्रवसुबर 1979

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आफ्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों अभृति:---

- 1. श्रीमती शीला मेहता, जौजे श्री जी० सी० मेहता ग्रार० 550 शंकर रोड, नई दिल्ली-110001। (श्रन्तरक)
- 2. श्री विनोद कुमार गुप्ता पुत्न श्री मुनी राम गुप्ता, सा० छाताटांड केन्दुआडीह, जिला धनबाद। (स्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा:
- (स) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्यव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रकबा 6 कट्ठा जमीन मय मकान जो धनबाद में स्थित है। जिसका विवरण दस्तावेज सं० 7840 दिनांक 31-10-79 में पूर्णनया वर्णित है। यह जिला प्रवर निबंधक धनबाद में पंजीकृत है।

> ज्योतीन्द्र नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 6-6-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर भ्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 19 श्रप्रैल 1980

निर्देश सं० ए० एम० वी० /29/79-80—- ग्रतः मुझे, गो० सी० गोपाल

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु॰ से धिषक है

ष्ट्रौर जिसकी सं० भूमि 14 कनाल 16 मरले (895 वर्ग गज) है तथा जो पट्टी जाटान प्रम्बाला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण च्प से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, श्रम्बाला में. रिजर्ट्री करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तिरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रग्तरण के लिए तय पाया ग्राया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रग्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कवित महीं किया गया है:—

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठितयम के श्रष्ठीन कर देने के श्रुम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिधनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः ग्रत्र, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—

- (1) श्री नसीव सिंह पुत श्री हरनाम सिंह निवासी अम्बाना शहर (अन्तरक)
- (2) श्री बसन्त सिंह पृत श्री ग्रजीत सिंह निवासी श्रम्बाला शहर
- (2) मैसर्स पंजू शाह पूरन चन्द श्रम्बाला शहर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीस्य से
 45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत में प्रकासन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टोकरण:--इसमें प्रबुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्ष होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पति 14 कनाल 16 मरले भूमि जो कि पट्टी जाटान श्रम्बाला में स्थित है तथा ज्यादा विवरण रजिस्ट्री कर्त्ता श्रम्बाला के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 4026 दिनांक 22-11-1979 में दिया गया है।

> गो० सी० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जेस रेंज, रहोतक

तारीख: 19-4-1980

संघ लोक सेवा ग्रायग

नोटिस

राष्ट्रीय रक्षा भकादमी परीक्षा, विसम्बर 1980

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1980

सं० फा० 7/2/80 प० I (ख) — राष्ट्रीय रक्षा ध्रकावमी के थल सेता, नौ सेना तथा वायु सेना स्कंधों में प्रवेश हेतु जुलाई, 1981 से प्रारम्भ होने वाले 66वें सब के लिए संघ लोक सेवा मायोग द्वारा 28 विसम्बर, 1980 से एक परीक्षा ध्रायोजित की जाएगी।

इस परीक्षा के परिणाम के ग्राधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की ग्रनुमानित संख्या 300 (थल सेना के लिए 195, नौ सेना के लिए 39 ग्रौर वायु सेना के लिए 66) होगी।

प्रायोग द्वारा आयोजित होने वाली लिखित परीक्षा तथा उसके बाद सेवा चयन बोर्ड द्वारा लिखित परीक्षा में योग्यता प्राप्त उम्मीव-वारों के लिए आयोजित बौद्धिक भौर व्यक्तित्व परीक्षण के परिणाम के आधार पर उपर्युक्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जाएगा। (क) परीक्षा की प्रणाली स्तर और पाठ्यचर्या (ख) श्रकादमी में प्रवेश हेतु शारीरिक क्षमता स्तर तथा (ग) भारतीय सेना श्रकादमी नौ सेना श्रकादमी में प्रवेश ,पाने वाले उम्मीदवारों की सेश आवि की संक्षिप्त सुवना के सम्बन्ध में क्रमंश: परिणिष्ट I, II और III में विस्तार से समझाया गया है।

नोट:—-परीक्षा के सभी विषयों के प्रश्न पत्नों में कैवल वस्तुपरक प्रश्न ही होंगे। नमूने के प्रश्नों सहित घन्य विवरण के लिए क्रुप्या परिणिष्ट V में उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका देख लें।

2. परीक्षा के केन्द्र :——महमवाबाद, हलाहाबाद, बंगलौर, भोगल, बम्बई, कलकता, चण्डीगढ़, कोवीन, कटक, दिल्ली, दिसार (गोहाटी), हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, लखनऊ, मद्रास, नागर, पणजी (गोप्रा), पटियाला, पटना, पोर्ट ब्लेयर, णिलांग शिमला, श्रीनगर, ग्रौर विवेदम ।

3 पत्नता की मर्तेः

(क) राष्ट्रिकताः

उम्मीदवार या तो

- (i) भारत का नागरिक हो; या
- (ii) भूटान की प्रजाहो; या
- (iii) नेपाल की प्रजा हो, या
- (iv) भारत में स्थायी रूप से रहने के इरादे से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत ग्राया हुआ तिब्बती गरणार्थी, हो; या
- (v) भारतीय मूल का व्यक्ति हो जो भारत में स्थायी रूप से रहने के उद्देश्य से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, पूर्वी अफीकी देश जैसे कीनिया, उगांडा तथा

तंजानिया का संयुक्त गणराज्य या जांबिया, मलावी जेरे तथा इथियोपिया और वियतनाम से प्रव्रजन कर ग्राया हो।

परन्तु उपर्युक्त वर्ग (iii), (i^v), ग्रीर (^v) के श्रन्तर्गत ग्राने वाला उम्मीदवार ऐसा व्यक्ति हो जिसकी भारत सरकार ने पावता प्रमाण-पन्न प्रवान किया हो।

पर नेपाल के गोरिखा उम्मीदवारों के लिए यह पाक्षता प्रमाण पद्म ग्रावक्यक नहीं होगा।

जिस उम्मीदवार के लिए यह पासता प्रमाण-पक्ष आवश्यक होगा, उसको इस गर्त पर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है भौर अकादमी या शाला में भी, जैसी भी स्थिति हो, प्रवेश दिया जा सकता है कि बाद में भारत सरकार से वह उक्त प्रमाण-पन्न प्राप्त करे।

नोट:— जन्म की तारीख केवल वही मान्य होगी जो मट्रिकुलेशन/हायर सेकेण्डरी या समकक्ष परीक्षा, प्रमाण-पन्न में लिखी गई हो ।

(ग) शैक्षिक योग्यताएं—राज्य शिक्षा बोर्ड या मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय की हायर सेकेण्डरी परीक्षा या समकक्ष । वे उम्मीदवार भी पात हैं जिन्होंने स्कूली शिक्षा की 10+2 प्रणाली के मंतर्गत 11वीं कक्षा की परीक्षा पास कर ली है।

ऐसे उम्मीक्वार भी भावेदन कर सकते हैं जिन्होंने श्रभी हायर सेकेण्डरी या समकक्ष परीक्षा या स्कूली णिक्षा की 10+2 प्रणाली के भंतर्गत 11वीं परीक्षा पास करनी है।

से० च० बोर्ड के साक्षारकार में झहुँता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों को 20 जन, 1981 तक झपने हायर सेकेण्डरी या समकक्ष प्रमाण-पन्न मूल रूप में सेना मुख्यालय/झार०टी० जी० 6[एस० पी० (ए०)], वेस्ट ब्लाक III, झार० के० पुरम, नई दिल्ली-110022 को प्रस्तुत करने होंगे। ऐसा न करने पर उनकी उम्मीदवारी रह कर दी जाएगी। ऐसे मामलों में जहां बोर्ड/विश्वविद्यालय के द्वारा अभी तक प्रमाण-पन्न जारी नहीं किए गए हों, शिक्षा संस्थाओं के प्रधानचार्य के द्वारा दिए गए मूल प्रमाण-पन्न भी आयोग को स्वीकार्य होंगे। ऐसे प्रमाण-पन्नों की प्रमाणित सत्य प्रतिलिपियां स्वीकार नहीं की जाएंगी।

भपवाद की परिस्थितियों में भायोग किसी ऐसे उम्मीदवार को इस नियम में निर्धारित योग्यताओं में से किसी से युक्त न होने पर, भी शैक्षिक रूप से योग्य मान सकता है बगर्ते कि एसके पास ऐसी योग्यताएं हों जिनका स्तर, भायोग के विचार से उसे इस परीक्षा में प्रवेश देना उचित ठहराता हो।

नोट 1:-वे छम्मीववार, जिन्हें हायर सेकेण्डरी या समकक्ष परीक्षा में प्रभी श्रहेंता प्राप्त करनी है ग्रीर जिनको संघ लोक सेवा ग्रायोग की परीक्षा में बैठने की म्रानुमति दे दी है, नोट कर लें कि उसको दी गई यह विशेष छूट है। उन्हें हायर सेकेण्डरी या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण निर्धारित सारीख तक प्रस्तुन करना है भ्रौर बोर्ड/विषयविद्यालय परीक्षा के देर से आयोजित किए जाने, परिणाम घोषणा में, विलम्ब या श्रन्य किसी कारण से इस तारीख को श्रौर श्रागे बढ़ाने से सम्बद्ध किसी भी श्रनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

नीट 2: - जो उम्मीडवार रक्षा मंत्रालय द्वारा रक्षा सेवाफों में किसी प्रकार के कमीशन से श्रपवर्णित है, वे इस परीक्षा में प्रवेश के पान नहीं होंगे। श्रगर प्रवेश दे दिया गया तो उनकी उम्भीदवारी रह की जाएगी।

- 4. मावेदन के साथ देय गुल्क:— क् 28.00 (म्रनुसुचितं जातियों/म्रनुभूचितं जन जातियों के लिए क 7.00)। जिन मावेदन-पन्नों के साथ यह निर्धारित गुल्क नहीं भेजा जाएगा, उनको एक म श्रस्त्रीकार कर दिया जाएगा।
- 5. महरू से छूट:--(1) श्रायोग, यदि चाहे तो निर्धारित गुहरू से छूट दे सर्हा है जब उनको इस बात का श्रायवासन हो कि आवेदरू भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से बस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है जो 1-1-1964 श्रीर 25-3-1971 के बीच की श्रविध में भारत में प्रश्नजन कर श्राया है या वह बर्मा से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति है जो 1-6-1963 को या उसके बाद भारत से प्रश्नजन कर श्रया है या वह श्रीलंका से वस्तुतः प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है जो श्रवनूत्र र 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के धन्तगंत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत में श्राया है या श्राने बादा है श्रीर निर्धारित गल्क देने की स्थित में नहीं है।
- (2) यत सेना के जूनियर कमीशन्ड ग्रफ्सरों, नान-कमीशन्ड ग्रफ्सरों तथा श्रन्य रैंकों श्रीर भारतीय नौ सेना तथा भारतीय वायु सेना के समकक्ष रैंकों के बच्चों श्रीर थल सेना के भूलपूर्व जूनियर कमीशन्ड श्रफ्सरों, भूतपूर्व नान-कमीशन्ड श्रफ्सरों तथा भूतपूर्व श्रन्य रैंकों श्रीर भारतीय नौ सेना तथा भारतीय वायु सेना के समकक्ष रैंकों के बच्चों की उस स्थिति में निर्धारित शुह्क देने की जरूरत नहीं होगी जब वे निम्नलिखित शर्ते पूरी कर देते हैं; श्रक्षीत्:—
 - (i) वे मिलिट्री स्कूलों (पहले किंग जाजें के स्कलों के नाम से जात)/सैनिक स्कूल सोसाइटी द्वारा चलाए जा रहे सैनिक स्कलों में शिक्षा पा रहे हैं, और
 - (ii) धनके अविदन सम्बद स्कूल के प्रिसिपल द्वारा इस अनुसंसा के साथ अग्रियत कर दिए जाता है कि उनके लिखित प्रश्न पत्नों में कुल अंकों के कम से कम 30 प्रतिगत शंक प्राप्त करने की श्राशा है।
- 6. प्रावेदन हैं किया जाए:—केयल राष्ट्रीय रक्षा प्रकादमी परोक्षा दिमम्बर 1980 के लिए निर्वारित प्रयत्न में छने हुए प्रावेदान्यत ही लिए जाएंगे जो इस परीक्षा के नोटिस के साथ लो हुए हैं। ग्रावेदन-गत्न भर कर सचित, संव लोक सेवा

अप्योग, धौतपुर हाउस, निहादेल्ली -110011 को भेजे जाने चाहिएं। श्रावेदन प्रयत्न श्रीर परीक्षा के पूरे विवरण विस्त स्थानीं से प्राप्त किए जा सकते हैं:---

- (i) संब लोक रेजा श्रायोग के सचिव को दो रूपए मनीआईर या नई दिल्ली प्रधान डाक्ष्यर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आईर ब्रारा भेज कर सचिव, संघ लोक संवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के यहां से डाक द्वारा।
- (ii) दो रुपए नकद देकर भ्रायोग के कार्यालय के धाउंटर पर;
- (iii) निकटतम भर्ती कार्यालय, मिलिटरी एरिया/सब-एरिया मुख्यालय, वायु सैनिक चयन केन्द्रों एन० सी० सी० एकक तथा नौ सेना प्रतिष्ठानों के यहां से निःगुल्क।

सभी उम्मीदवारों को, चाहे वे पहले से ही सरकारी नौकरी में हों, या सरकारी स्वामिन्व वाले श्रीस्थोगिक उपक्रमों या इसी प्रकार के संगठनों में काम कर रहे हों या गैर सरकारी संस्थानों में नियुक्त हों, श्रायोग को सीधे श्रावेदन-पत्न भेजने चाहिएं। श्रगर किसी उम्मीदवार ने प्रमा श्रावेदन-पत्न श्रपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो श्रीर वह संघ लोक सेवा श्रायोग में देर से पहुंचे तो उप श्रावेदन-पत्न पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता की श्राखिरी तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्षित पहले से सरकारी नौकरी में, श्राक्षस्मिक या द्वैतिक दर कर्मचारी से इत्तर स्थायी या श्रस्थायी हैसियत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहे हैं, उन्हें यह परिवनन (श्रंडरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित का से ग्राने कार्यालय/विभाग के श्रध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए शाबेदन दिया है।

जो उम्मीदवार सगस्त्र सेना में सेतारत हैं, उन्हें श्रपने श्रावेदन-पत्र श्रपने कमांडिंग ग्राफिसर को प्रस्तुत करने चाहिएं जो पृष्ठांहन (श्रावेदन-पत्न के भाग 'ख' के श्रनुलार) को पूरा करके आयोग को श्रप्रेषित करेंगे।

नोट:--भारतीय नौवेना के नानिक (बाल तथा कारीगर प्रशिक्ष सहित (पहली तरजीह भारतीय नौ सेना को दें। उनके श्रावेदनों पर तभी विचार होगा जब वे कृमान श्रकसर द्वारा विधिवत् श्रनुशासित कर दिए जाते हैं।

राष्ट्रीय इंडियन मिलिटरी कालिज (पहले मैनिक स्कल के नाम से जात), देहरादून के कैडेटों, मिलिटरी स्कूलों (पहले विग जार्ज के स्कूलों के नाम में जात) तथा सैनिक स्कूल गांत पड़ी द्वारा चंताए जा रहे सैनिक एकलों के विद्याधियों को कालिज/स्कूल के जिमियल के माध्यम से अपने श्रावेदन-पन भेजने वाहिए।

- यायोग के कार्यालय में क्रावेदन की प्राप्ति की श्रंतिम तारीख:- →
 - (i) भारत में रहने वाले उम्मीदवारों से 8 सितम्बर, 1980।
 - (ii) विदेश में, अंडमान में, निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप में, असम में, मेघालय में, अरुणाचल प्रदेश में, मिजोरम में, मणिपुर में, नागालैंड में, क्षिपुरा में, सिक्किम में, या जस्म तथा घणमीर राज्य के लहाख़ डिबीजन में रहते वाले उम्मीदवारों से 22 सितम्बर, 1980।

8. प्रतेख जो अविदन के साथ प्रस्तुत हों।

(क) सभी उम्मीदवारों द्वारा:----

(i) だ。 (ग्रनुसूचित जातियों/श्रनुसूचित 28.00वत∹ज≀सियों के उम्मीदवारों के निए रु० का शुल्: मन्त्रिव, जो लोक भवा अवयोग को नई दिल्ली प्रधान डाक वर पर देग रेखांकित भारतीय पोस्टल स्नाडर के जरिए या सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग के नाम भारतीय स्टेट बैंक, मुख्य शाखा, नई दिल्ली पर देय भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी शाखा से जारी किए गए बैंग ड्राफ्ट के जरिए।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को चाहिये कि वे अपने यहां के भारत के उच्च आयुक्त, राजवूत या विदेश स्थित ब्रोशिश, जभी भी दिवति हो, के कार्यालय में निर्धारित शुल्क जभा करें, जिसमें वह "051 लोक सेवा आयोग —-परीक्षा शुल्क" के लेखा शीर्ष में जमा हो जाए और उसकी रसीद आवेदन-पन्न के साथ भेज दें।

- (ii) उपस्थिति पन्नाः (आवेदन-पंत्र के गाथ संलग्न) विधिवत् भरा हुन्ना।
- (iii) उत्तारकार के हाल ही के पासपोर्ट श्राकार (लगभग 5 सें० मी०×7 सें० मी०) के फोटो की एक जैमी दो प्रतियां जिनके ऊपरी हिस्से पर उम्मीदवार के हस्ताक्षर विधिवत् श्रंकित हों।

फोटो की एक प्रति आवेदन-पन्न के प्रथम पृष्ठ पर भौर दूजरी प्रति उपस्थिति पत्नक पर निर्मारित स्थान पर चिपका देनी चाहिए।

- (iv) लगभग 17.5 सें० मी०×27.5 सें० मी० ग्र∶हार के दो बिना टिकट लगे लिफाफे, जिन पर ग्रापका पता लिखा हुआ हो।
- (ख) अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन-जातियों के उत्मदिशारों द्वाराः—-प्रनुसूचित जाति/अनुसूचित जन-जाति का हाने के दावे है नावर्षन भें जहां उम्मीदिवार या उसके माता-िता (ा जीवित माता या पिता) ग्राम तौर पर रहते हों, उसे जिले के किसी सक्षम प्राधिकारी (ममाण-पक्ष के नी चे

जिल्लिखित) परिशिष्ट IV में दिए गए प्रपन्न में लिए गए प्रमाण-पन्न भी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिथि।

- (ग) शुल्क से छूट चाहने वाले उम्मीदवारों के द्वारा :- --
- (i) किसी जिला श्रिधिकारी या राजपिलत श्रिधिकारी या संसद या राज्य विधान मंडल के सवस्य से लिए गए प्रमाणपत्र की श्रिभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिधि जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि उम्मीदवार निर्धारित मुला देने की स्थिति में नहीं है।
- (ii) बस्तुतः विस्थापित/प्रत्यावितित व्यक्ति होने के दावे के समर्थन में निम्नलिखित प्राधिकारियों से लिए गए प्रमाण-पन्न की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

(क) भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान सं विस्थापित व्यक्ति

(i) दंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों या विभिन्न राज्यों के राहत शिविरों का शिविर वसाईट।

श्रथवा

(ii) उस इलाके का जिला मैजिस्ट्रेट जहां पर वह, फिलहाल रह रहा हो।

प्रथवा

(iii) भ्रपने जिले के णरणार्थी पुनर्वास का प्रभारी भ्रति-रिक्त जिला मैंजिस्ट्रेट।

ग्रधवी

(iv) सब-डिविजनल ग्राफसर ग्रापने ग्राधीनस्थ सब-डिवीजन की सीमा तक।

श्रथवा

- (४) शरणार्थी पुनर्वासन उपायुक्त, पश्चिम बंगाल/निदेशकः (पूनर्वासन), कलकत्ता।
- (ख) श्रीलंका से प्रत्यावर्तितः— श्रीलंका में भारत का उच्चायोग।
- (ग) बर्मा से प्रत्यावितः— भारतीय राजदूतावास, रंगून या उस इक्षाके का जिला मैजिस्ट्रेट जहां पर वह रह रहा हो।
- 9. शुल्क की वापसी—-श्रावेदन के साथ श्रायोग को श्रदा किया गया शुल्क वापस करने के किसी श्रनुरोध पर नीचे की परिस्थितियों को छोड़कर विचार नहीं किया जा सकता श्रीर न वह किसी दूसरी परीक्षा या चयन के लिए सुरक्षित रखाजा सकता:---
 - (i) जिस उम्मीदार ने निर्धारित शुल्क दे दिया है, पर जिसको भायोग ने परीक्षा में बैठने नहीं दिया, उसको रू० 15.00 (भ्रनुसूचित आतियों/भ्रनुसूचित जन- जातियों के उम्मीदवारों के मामले में रू० 4.00) वापस कर दिया जाएगा। परन्तु भ्रगर कोई भ्रादेदन या सूचना प्राप्त होने पर भ्रस्वीकार कर दिया गया हो दि उम्मीदवार हायर सेकेण्डरी या समकक्ष परीक्षा में भ्रनुत्तीणं हुमा है या हायर सेकेण्डरी या समकक्ष परीक्षा में

- परीक्षा में उतीर्ण होने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत नहीं कर पाएगा तो उसके लिए शुल्क की वापसी मंजूर नहीं की जाएगी।
- (ii) जो उम्मीदवार जून, 1980 की राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा में बैठा हो और उस परीक्षा के परिणाम के आधार पर किसी पाठ्यकम के लिए उसका नाम अनुशंसित हुआ हो तो उनके मामले में रु० 28.00 (अनुसूचित जातियों/ अनुसूचित जन-जातियों के मामले में रु० 7.00) का शुल्क वापस दिया जा सकता है, पर यह जरूरी है कि दिसम्बर, 1980 की राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी रइ कराने और शुल्क वापस पाने के लिये उस उम्मीदवार का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 15 फरवरी, 1981 को या उससे पहले पहुंच जाए।
- 10. ब्रावेदन प्राप्ति की सूचना—इस परीक्षा के लिए निर्धारित फार्म में मिले सभी श्रावेदनों के पहुंचने की सूचना भजी जाएगी। अगर किसी उम्मीदवार को प्रपने ब्रावेदन पहुंचने की सूचना इस परीक्षा के ब्रावेदन पहुंचने की ब्रावेदन तारीख से एक महीने के ब्रावेद न मिले तो उसको प्राप्ति-सूचना पाने के लिये तत्काल ब्रायोग से संपर्क करना चाहिए।
- 11. श्रावेदन का परिणाम अगर किसी उम्मीदधार को अपने आवेदन के परिणाम की सूचना परीक्षा शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक आयोग से प्राप्त न हुई तो उसे परिणाम की जानकारी के लिए आयोग से तरकाल संपर्क करना चाहिए। अगर इस बात का पालन नहीं हुआ, तो उम्मीदबार अपने मामले में विचार किए जाने के अधिकार से वंचित हो जाएगा।
- 12 प्रीक्षा में प्रवेश किसी उम्मीदवार की पात्तता या प्रवातता के संबंध में संघ लोक सेवा ब्रायोग का निर्णय ब्रन्तिम होगा। श्रायोग से प्राप्त प्रवेश प्रमाण-पन्न के बिना किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
- 13. कदाचार के दोषी उम्मीदवारों के खिलाफ कार्रवाई:—
 उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे धावेदन-पत्न
 भरते समय कोई गलत विवरण न दें भीर न किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाएं। उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी
 दी जाती है कि उनके द्वारा प्रस्तुत किसी प्रलेख या उनकी
 ग्राभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि में किसी भी हालत में वे
 किसी तरह का संगोधन या परिवर्तन या कोई फेर-बदल न
 करें भीर न फेर-बदल किए गए/गढ़े हुए प्रलेख को वे प्रस्तुत
 करें। ग्रगर इस प्रकार के वो या अधिक प्रलेखों में या उनकी
 अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों में कोई ग्रगुद्धि या ग्रसंगित
 हो तो इस ग्रसंगित के बारे में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना
 चाहिए।

जो उम्मीदवार आयोग द्वारा निम्नांकित कदाचार का दोषी घोषित होता है या हो चुका:—

- (i) किसी प्रकार से भ्रपनी उम्मीदवारी का समर्थ प्राप्त करना: या
- (ii) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना; या
- (iii) भ्रापने स्थान पर किसी दूसरे को प्रस्तुत करना; या
- (iv) जाली प्रलेख या फेर-बदल किए गये प्रलेख प्रस्तुत करना; या
- (v) भ्रशुद्ध या भ्रसत्य वक्तव्य देना या महत्वपूर्ण सूचना को छिपाकर रखना; या
- (vi) परीक्षा के लिए ग्रपनी उम्मीदवारी के संबंध में किसी ग्रानियमित या श्रनुचित लाभ उठाने का प्रयास करना; या
- (vii) परीक्षा के समय भ्रनुचित तरीके श्रपनाए हों; या
- (viii) उत्तर पुस्तिका (श्री) पर असंगत बातें लिखी हों जो श्रश्लील भाषा या श्रभद्र आशय की हों; या
 - (ix) परीक्षा भवन में ग्रौर किसी प्रकार का दुर्व्यवहार किया हो; या
 - (x) परीक्षा चलाने के लिए श्रायोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या श्रन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो; या
- (xi) ऊपर के खण्डों में उल्लिखित सभी या किसी कदाचार की भ्रोर प्रवत्त होना या श्रायोग को उत्तेजित करना।

वह प्रपने को दण्ड ग्रभियोजन का शिकार बनाने, के ग्रतिरिकः-

(क) वह जिस परीक्षा का उम्मीदवार है, उसके ितए भायोग द्वारा भयोग्य ठहराया जा सकता है।

ग्रथवा

- (ख) (i) श्रायोग द्वारा उनकी किसी भी परीक्षा या चयन के लिए;
 - (ii) केन्द्र सरकार द्वारा उनके अधीन किसी नियुक्ति के लिए स्थायी रूप से या कुछ निदिष्ट ग्रवधि के लिए ग्रपवर्जित किया जा सकता है; ग्रीर
- (ग) ग्रगर वह पहले से संरकारी नौकरी में हो तो उचित नियमों के श्रनुसार श्रनुशासनिक कार्रवाई का पास होगा।

14 मूल प्रमाण-पन्नों का प्रस्तुतीकरण

जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणामों के ग्राधार पर से० च० बोर्ड के साक्षात्कार में ग्रहेता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें साक्षात्कार के तुरंत बाद ग्रपनी ग्रायु तथा गीक्षक योग्यताम्रों मादि के समर्थन में म्रथने मूल प्रमाण पत्न सेना मुख्यालय, म्रार० टी० जी० 6 (एस० पी०) (ए०), बेस्ट ब्लाक III, म्रार० के० पुरम, नई दिल्ली –110022 को प्रस्तुत करने होंगे।

15. भावेदन के संबंध में पत्न-स्यवहार :--म्रावेदन के संबंध में किसी सभी पत्न-स्यवहार सिचव, संघ लोक सेवा भायोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पते पर करना चाहिए भीर उसमें निम्नांकित विवरण श्रवण्य होना चाहिए।

- (1) परीक्षा का नाम।
- (2) परीक्षा का वर्ष ग्रौर महीना।
- (3) रोल नम्बर या जन्म की तारीख (ग्रगर रोल नम्बर नहीं मिला हो) ।
- (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा श्रौर साफ लिखा हुआ)।
- (5) पत्र-व्यवहार का पता, जैसा ग्रावेदन-पत्न में दिया है।

ध्यान दें (i) — जिन पत्नों में ऊपर का ब्यौरा नहीं होगा, हो सकता है, उनपर कोई कार्रवाईन हो।

ध्यान दें:— (ii) यदि किसी परीक्षा की समाप्ति के बाद किसी उम्मीदवार को पत्न/पत्नादि प्राप्त होता है तथा इसमें उसका पूरा नाम घौर घनुक्रमांक नहीं दिया गया है तो उस पर ध्यान नहीं दिया जाएगा घौर उस पर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

16. पते में परिवर्तन:—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उनके प्रावेदन-पत्न में दिय पते पर भेज जाने वाले पत्न ग्रादि ग्रावश्यक होने पर उसके नीचे पते पर भिजवा दिये जाएं। पते में जो भी परिवर्तन हो उसे ऊपर के पैरा 15 में उल्लिखित विवरण के साथ ग्रायोग को यथाशीझ सूचित कर देना चाहिए।

सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिय ग्रायोग द्वारा अनुशंसित उम्मीदवारों ने श्रगर परीक्षा के लिय ग्रावेदन करने के बाद श्रपना पता बदल लिया हो तो उनको चाहिए कि परीक्षा के लिखत भाग के परिणाम घोषित हो जाते ही ग्रपना नया बता तत्काल सेना मुख्यालय, ए० जी० ग्रांच रिकृटिंग, 6 (एस० पी०) (ए) वेस्ट ब्लाक 3, विग-1 रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 को सूचित कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार इन ग्रनुदेशों का पालन नहीं करेगा घह सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिय सम्मन पत्न न मिलने पर श्रपने मामले में विचार किय जाने के वावे से वंचित हो जाएगा।

यद्यपि प्राधिकारी इस प्रकार के परिवर्तन पर पूरा-पूरा ध्यान देने का प्रयत्न करते हैं, फिर भी इस संबंध में वे ग्रपने ऊपर कोई जिम्मेदारी नहीं ले सकते। 17. कि खित पर क्षा में योध्य उपमीद्यारों के साक्षातकार के संबंध में पूछताछ: — जिन छम्मीद्यारों के नाम सेवा चयन बोर्ड के साक्षातकार के लिये अनुशंसित हैं उनको अपने साक्षा-त्कार के संबंध में सभी पूछताछ धौर अनुरोध सोधे सेना मुख्यालय, ए० जी० बांच, रिकूटिंग, 6 (एस० पी०) (ए) बेस्ट ब्लाक 3, विग-1, राम इण्णापुरम, नई दिल्ली-110022 के पते पर लिखने चाहिएं।

उम्मीदगरों को साक्षात्कार के लिये भेजे गये समन-पत्न द्वारा सूचित की गई तारीख को सेवा चयन बोर्ड के समक्ष साक्षात्कार हेतु रिपोर्ट करनी है। साक्षात्कार को स्थगित करने से सम्बद्ध मनुरोध पर केवल प्रपवादात्मक परिस्थितियों में श्रौर प्रशासनिक सुविधा को ध्यान में रखकर ही विचार किया जाएगा जिसके लिये निर्णायक प्राधिकरण सेना मुख्या-लय होगा।

जिन उम्मीदवारों के नाम संघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा जारी की गई श्रंतिम योग्यता-सूची में हैं यदि उनके पहले दिये गये पते में कोई परिवर्तन हुआ हो तो उनको श्रपने नवीनतम पते की सूचना मुख्यालय, ए० जी० बांच, रिक्रूटिंग 6(एस० पी०) (ए) वेस्ट ब्लाक 3 विंग 1, रामकृष्णापुरम, नई विल्ली-110022 को वे देनी चाहिए ताकि सेना मुख्यालय द्वारा जारी किये गये कार्यभार संभालने के श्रमुवेश उन्हें समय पर मिल सकें। यदि ऐसा नहीं किया गया तो कार्यभार संभालने के श्रमुवेश उम्मीदवारों की होगी।

18. लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा, योग्यताप्राप्त उम्मीदवारों का साक्षात्कार, श्रंतिम परिणाम की घोषणा
भीर श्रंतिम रूप से योग्य पाए गए उम्मीदवारों का प्रशिक्षण
पाठ्यक्रम में प्रवेश :— संघ लोक सेवा श्रायोग, लिखित
परीक्षा में भ्रायोग के निर्णय पर निर्धारित न्यूनतम श्रहंक
श्रंक प्राप्त करने वाल उम्मीदवारों की एक सूची तैयार करेगा।
ये उम्मीदवार बौद्धिक तथा व्यक्तित्व परीक्षणों के लिये
सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होंगे जहां थल सेना/
नौसेना उम्मीदवारों की श्रधिकारी क्षमता तथा वायुसेना
के उम्मीदवारों का पाइलट एप्टीच्यूड परीक्षण तथा श्रधिकारी
क्षमता का निर्धारण किया जाएगा। इस परीक्षण में श्रधिक
से अधिक 900 श्रंक प्राप्त किए जा सकते हैं।

उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होकर अपनी ही जोखिम पर वहां के परीक्षणों में शामिल होंगे और सेवा चयन बोर्ड में उनका जो परीक्षण होता है उसके दौरान या उसके फलस्वरूप अगर उनको कोई चोट पहुंचती है तो उसके लिये सरकार की बोर से कोई क्षति पूर्ति या सहायता पाने के वे हकदार नहीं होंगे, चाहे वह किसी व्यक्ति की लापरवाही से हो या दूसरे किसी कारण से हो। उम्मीदवारों के माता-पिता या अभिभावकों को इस बाशय के एक प्रमाण-पत्न पर हस्ताक्षर करने होंगे।

स्वीकृति हेतु, थल सेना/नौ सेना के उम्मीदवारों को (i) लिखित परीक्षा सथा (ii) श्रधिकारी क्षमता परीक्षणों

में अलग-अलग न्युनतम अर्हक अंश प्राप्त करने होंगे जो कि आयोग द्वारा, उनके निर्णय के अनुसार, निश्चित किये जायेंगे श्रौर वायुं सेना के उम्मोदवारों को (i) लिखित परीक्षा, (ii) श्रधिकारी क्षमता परीक्षण तथा (iii) पाइंलट एप्टीच्यूट परीक्षण में श्रलग-श्रलग न्यूनतम श्रर्हक श्रंक प्राप्त करने होंगे जो कि श्रायोग द्वारा, उनके निर्णय के श्रनुसार, निश्चित किये जायेंगे। इन गर्ती पर ग्रर्हता प्राप्त उम्मीदवारों को उनके द्वारा जिखित परीक्षा तथा सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों में प्राप्त कुल ग्रंकों के ग्राधार पर योग्यता के ग्रंतिम क्रम में दो ग्रलग-ग्रलग सूचियों में --एक थल सेना तथा नौसेना के लिये ग्रौर दूसरी वायुसेना के लिये--रखा जाएना । जो उम्मीदवार सेना के सभी श्रंगों के लिये श्रर्हता प्राप्त कर लेते हैं उचका नाम दोनों योग्यता-सूचियों में होगा। राष्ट्रीय रक्षा धकादमी के थल सेना तथा नौसेना के विगों में प्रवेश के लिये श्रांतिम चयन थल सेना तथा नौसेना की योग्यता-सूची में से रिक्तियों की संख्या को देखते हुए योग्यता के कम से किया जाएगा धौर वायुसेना विंग में प्रवेश के लिये प्रांतिम चयन वायुसेना की योग्यता सूची में से रिक्तियों की संख्या की देखते हुए योग्यता के ऋम से किया जाएगा जो मारीरिक स्वस्थता और श्रन्य सभी बातों में छनयुक्तता के आधार पर होगा । जिन उम्मीदवारों के नाम दोनों योग्यता सुचियों में हैं उन पर दोनों सुचियों में चयन हेत् विचार उनके वरीयता क्रम को देखते हुए होगा ग्रौर उनके एक सूची से भ्रांतिम रूप से चुन लिये जाने पर दूसरी सूची से उनका नाम रह कर दिया जाएगा।

ध्यान दें :- वायुसेना के प्रत्येक उम्मीदबार का पाइलट एप्टीच्यूट परीक्षण केवल एक बार किया जाता है । प्रतः उसके द्वारा प्रथम परीक्षण में प्राप्त ग्रेड वायुसेनां चयन बोर्ड के सामने वाद में होने वाले प्रत्येक साक्षात्कार में स्वीकार किया जाएगा । जो उम्मीदवार पाइलट एप्टीच्यूट के प्रथम परीक्षण में ग्रसफल हो जाता है वह राष्ट्रीय रक्षा ग्रकादमी परीक्षण के वायु सेना विंग या जनरल इ्यूटीज (पाइलट) म्रांच या नेवल एग्रर ए० भार० एम० में प्रवेश के लिये ग्राबेदन नहीं कर सकता।

जिन उम्मीदवारों का किसी पिछले रा० र० ग्रकादमी कोर्स में पाइलट एप्टीच्यूट परीक्षण हो गया हो ग्रौर उन्हें उसमें ग्रईता प्राप्त कर लेने की सूचना मिल गई हो तो उन्हें इस परीक्षा के केवल वायुसेना विंग के लिये ही श्रपना श्रावेदन करना चाहिए।

ध्रलग-श्रलग उम्मीदवारों को परीक्षा के परिणाम किस रूप में ध्रौर किस प्रकार सूचित किये जाएं, इस बात का निर्णय श्रायोग ध्रपने श्राप करेगा ध्रौर परिणाम के संबंध में उम्मीदवारों से कोई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा।

परीक्षा में सफल होने मान्न से अकादमी में प्रवेश का कोई अधिकार नहीं मिलेगा । उम्मीदवार को नियुक्ति प्राधि-कारी को संतुष्ट करना होगा कि वह अकादमी में प्रवेश के लिये सभी तरह से उपयुक्त हैं। 19. प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिये प्रनर्हताएं :— जो उम्मीदवार राष्ट्रीय रक्षा श्रकादमी के किसी पहले कोर्स में प्रवेश पा चुके थे पर श्रधिकारी में श्रपेक्षित लक्षणों के श्रभाव के कारण या श्रनुशासनिक श्राधार पर वहां से निकाल दिये गये थे, उनको श्रकादमी में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

किन्तु जिन उम्मीदवारों को ग्रहनस्थ्यता के ग्राधार पर पहले राष्ट्रीय रक्षा ग्रकादमी से वापस ले लिया गया हो या जिन्होंने भ्रपनी इच्छा से उक्त ग्रकादमी छोड़ दी हो उन्हें ग्रकादमी में प्रवेश मिल सकता है बगर्ते कि वे स्वास्थ्य तथा ग्रन्य निर्धारित गर्ते पूरी करते हों।

20. राष्ट्रीय रक्षा श्रकावमी या श्रफसर ट्रेनिंग स्कूल में प्रशिक्षण के वौरान विवाह पर प्रतिबंध:— उम्मीववारों को इस बात का वचन देना है कि जब तक उनका सारा प्रशिक्षण पूरा नहीं होगा, तब तक वे शादी नहीं करेंगे। जो उम्मीववार श्रपने धावेदन की तारीख के बाव शादी कर लेता है, उसको प्रशिक्षण के लिये जुना नहीं जाएगा, चाहे वह इस परीक्षा में या श्रगली किसी परीक्षा में भले ही सफल हो। जो उम्मीदवार प्रशिक्षण काल में शादी कर लेगा, उसे वापस भेजा जाएगा और उस पर सरकार ने जो पैसा खर्च किया है, वह सब उससे वसूल किया जाएगा।

21 नियमावली श्रीर प्रश्न-पत्नों से युक्त पुस्तिकायें :--राष्ट्रीय रक्षा प्रकादमी, दिसम्बर, 1977 से इस परीक्षा की योजना म सम्मिलित सभी प्रक्त-पत्नों में "वस्तु परक" प्रकार के प्रश्नों का ग्रारम्भ होने से इस परीक्षा की नियमा-वली भौर प्रश्न-पत्नों से युक्त पुस्तिकाओं का मुद्रण बन्द शर दिया गथा है। किन्तु मई, 1977 में ली गई राष्ट्रीय रक्षा प्रकादमी परिक्षा सहित पिछली परीक्षाध्रों के नियमों भौर प्रश्न-पत्नों से युक्त पुस्तिकाओं का प्रतियों की बिकी प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली-110054 के द्वारा की जाती है और उन्हें यहां से मेल भाईर द्वारा सीधे अथवा नकद भगतान ब्रारा प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल, रिवोली सिनेमा के मामने, एम्पोरियम बिल्डिंग "सी" ब्लाक बाबा खड़ग सिंह गार्ग, नई दल्ली-110001, (ii) प्रकाणन शाखा, उद्यं,म भवन, नई दिल्ली-110001 के बिकी काउन्टर श्रीर (iii) गवर्नमेंट ग्राफ इण्डिया बुक डिपो, 8, के० एस० राय रोड़, कलकत्ता-700001 से भी केवल नकद भगतांग करके खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकार्य विभिन्त गुफास्सल नगरी में भारत सरकार के प्रकाशन एजेन्टों से प्राप्त की जा सकती हैं।

22. बौद्धिक परीक्षण संबंधी सूचना:—रक्षा मंद्रालय (मनोवैज्ञानिक प्रमुसंधान निर्देशालय) ने 'सेगा प्रपत्न बोर्डी में उम्मीदवारों का बौद्धिक परीक्षण उपलब्धियों का प्रक्रियन' (ए स्टडी श्राफ इन्टलीजेंस टेस्ट कोर्स झाफ केंडिडेट्न एट सिवसेज सेलेक्शन बोर्डस्)शीर्षक वाली पुस्तक प्रकाणित की है। इस पुस्तक को प्रकाशित करने का उद्देश्य यह है कि उम्मीदवार सेवा प्यन बोर्ड के बौद्धिक परीक्षणों के स्वरूप ग्रीर स्वभाव सेपरिचित हो जाए।

यह पुरुतक समृत्य प्रकाशन है और उपर्युक्त पैरा 21 में बताए गए स्थानों से मिल सकती है।

> क्रार० एस० श्रह्लुबालिया उप सचिव

प{रक्षपट--I

(परीक्षा की योजना और पाट्य विवरण)

(क) परीक्षा की योजना

 लिखित परीक्षा के विषय, नियत समय तथा प्रत्येक विषय के श्रधिकतम श्रंक निम्नलिखित होंगे:—

	विषय	समय	श्रधिकतम श्रक
1. शंग्रेजी		2 घंटे	250
2. गणित—प्रक	न-पक्ष I	2 घंटे	125
प्रश्न-पत्न]]	•	2 घंटे	125
3. सामान्य झान (विज्ञान) प्रकृत पन्न II	प्रज्न-पत्न I (कामक्तिक	2 घंटे	200
श्रध्ययत, गूग मामले) कुल	ेत तथा सामा	मक 2 घंटे	200
			900

- 2. सभी विषयों के प्रण्न-पत्नों में कैवल वस्तुपरक प्रश्न ही होंगे। नमूने के प्रश्नों सहित श्रन्य विवरण के लिये कृपया परिशिष्ट V में उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका देख लें।
- प्रश्न-पत्नों में जहां भी धायण्यक होगा, केवल तोल धीर माप की मीटरी पत्नि से संबंधित प्रश्नों को ही पूछा जाएगा।
- 4. उम्मीदनारों की प्रश्न-पत्नों के उत्तर ग्रपने हाथ से लिखने चाहिएं। किसी भी हालत में उन्हें प्रश्न-पत्नों के उत्तर लिखने के लिये लिखने वाले की सहायता सुलभ नहीं की जायेगी।
- 5. परीक्षा के एक या सभी विषयों के अर्हक अंकों का निर्धारण आयोग की विवक्षा पर है।
 - केवल मतही ज्ञान के लिये श्रंक नहीं दिये जाएंगे।

(ख) परीक्षा का पाठ्य-विवरण

भ्रंग्रेजी

प्रका पत इस प्रकार रें। बताया जाएगा कि जिससे उम्मीटबार की अंगेजी शाषा को समझने तथा उसे सही ग्रीर मृहावरेदार ढ़ंग से लिखने की योग्यता की जांच की जा सके। इसमें उम्मीदबार के व्याकरण, मुहाबरे तथा प्रयोगों संबंधी ज्ञान की जांच के किये भी प्रक्रन शाकिल विये जाएंग। प्रक्रन-पत्न में साराण या सार लेखन के किये भी गद्यांश सामान्यतः रखा अस्ता।

ग णित

प्रश्न-पन्न 1

श्रंक गणित

संख्या पद्धतियां—-धनपूर्ण संख्यायों, पूर्णांक, गारिमेय श्रौर वास्तविक संख्यायों, मूल संश्रियायों—-जोड़, घटाना, गुणन श्रौर विभाजन, वर्ग मूल, दशमलव भिन्न।

एकिक विधि-समय तथा दूरी, समय तथा कार्य, प्रतिशतता-साधारण तथा चक्रवृद्धि ब्याज में ग्रनुप्रयोग, लाभ तथा हानि, ग्रनुपात ग्रौर समानुपात विचरण।

प्रारम्भिक संख्या सिद्धांत :— विभाजन की कलन विधि, प्रभाज्य ग्रीर भाज्य संख्यायें 1, 2, 3, 4, 5, 9 ग्रीर 11 द्वारा विभाज्यता के परीक्षण ग्रपवर्त्य ग्रीर गुणन खण्ड । गुण खंडन प्रमेय। महत्तम समापवर्तक तथा लबुतम समापवर्त्य, यूक्लिड की कलन विधि।

म्राधार 10 तक लघुगणक, लघुगणक के नियम लघु-गणकीय सारणियों का प्रयोग।

बीज गणित

श्रीधारभूत संक्रियायें: साधारण गुणनखंड । शेष फल प्रमेय, बहुपदों का महत्तम समापवर्तक श्रीर लघुत्तम समापवर्त्य द्विधात समीकरणों का हल, इसके मूलों श्रीर गुणांकों के बीच सम्बन्ध। (केवल वास्तिवक मूल विचार किया जाए)। दो श्रजात राशियों में युगपत् समीकरण विश्लेषण श्रीर ग्राफ संबंधी हल। प्रायोगिक प्रश्न जिनसे दो चरों में दो युगपत रेखिक समीकरण बनते हैं या एक चर में दिधात समीकरण तया उनके हल, समुच्चय भाषा तथा समुच्चय, श्रंकन पद्धित, परिमेय व्यंजक तथा सप्रतिबन्ध तरसमक धातांक नियम। विक्रोणामिति:

ज्या imes, कोटिज्या imes स्पर्श रेखा imes जब $0^\circ \leqslant imes \leqslant$ 90 $^\circ$ ।

ज्या \times , शटिज्या \times , स्पर्श रेखा \times का मान क्योंकि \times — 0° , 30° , 45° , 60° , भैर 90° , सरल क्रिकोणणमिक्तीय तत्समक।

त्रिकोणमितोय सारणियों का प्रयोग। ऊंचाइयों भ्रौर दूरियों के सरल कोश।

प्रक्त-पत्न--[[

ज्यामिति

रेखा भ्रीर कोण, समतल भ्रीर समतल श्राकृति । निम्न-लिखित पर प्रमेय:---

- (i) किसी बिन्दु पर कोणों के गुण-धर्म,
- (ii) समांतर रेखायें,

- (iii) किसी क्रिभुज की भुजाएं श्रौर कोण,
- (iv) त्रिभुजों की सर्वांगसमता,
- (v) समक्ष्य स्त्रिभुज,
- (vi) माध्यिकान्नों ग्रीर शीर्ष लम्बों का संगमन,
- (vii) समांतर चर्तुभजों, ध्रायत श्रौर वर्ग के कोणों, भुजाओं के विकर्णों के गुण धर्म,
- (viii) वृत्त श्रौर उसके गुण धर्म जिसमें, स्पर्श रेखा तथा श्रभिलम्ब भी शामिल है।
- (ix) स्थानिक संघक।

विस्तार कलन

वर्गी, श्रायतों, समान्तर चतुर्भुजों, त्रिभुजों ग्रीर वृत्तों के क्षेत्र-फल। उन श्राकृतियों के क्षेत्रफल जी आकृतियों में विभाजित की जा सकती है। (क्षेत्रशही) घनामों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा श्रायतन/ लम्ब वृत्तीय शंकुश्रों भीर बैलनों का पार्श्व-पृष्ठ तथा श्रायतन/ गोलकों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा श्रायतन। सौद्धियकी

संािं अकीय तथ्यों का संग्रहण तथा सारणीयन। श्रालेखी निरूपण-बारम्बारता बहुभुज, श्रायश चित्र, शलाका चार्ट, पाई चार्ट ग्रादि।

भ्रपरिष्कृत और समूहित भ्रांकड़ों का पचिकलन माध्य।

सामान्य ज्ञान

दो प्रश्न पत्न होंगे।

प्रश्न पत्न (i) :---इसमें भौतिकी, रसायन मौर सामान्य विज्ञान होगा; मौर

प्रकापत्र (ii):--इसमें सामाजिक प्रध्ययन, भूगोल ग्रौर सामाजिक मामले होंगे।

इन प्रश्न पत्नों में शामिल किये गये विषयों का क्षेत्र निम्निखित पाठ्य विवरण पर प्राधारित होगा। उल्लिखित विषयांगों को, सर्वांग नहीं मान लेना चाहिए तथा इसी प्रकार के ऐसे विषयांगों पर भी प्रश्न पूछे जा सकते हैं जिनका पाठ्य-विवरण में उल्लेख नहीं किया गया है। उम्मीदवारों के उत्तरों से प्रश्नों को बोधगम्य हंग से समझने की मेघा भीर ज्ञान का पता लगना चाहिए।

प्रश्त-पत्न-1

विज्ञान

सामान्य विज्ञान प्रश्न पत्र-1 में निम्नलिखित पाठ्य-विवरण शामिल होगा---

(क) द्रव्य के भौतिक गुण धर्म तथा स्थितियां, संहति, भार, ग्रायुतन, घनत्व तथा विशिष्ट गुरुत्वाकर्षणः। ग्राक-मिडीज का नियम, दाब, वायुदाब मापी।

विंब की गति। वेग ग्रीर त्वरण। न्यूटन के गति नियम। बल भीर संवेगी। बल समान्तरचतुर्भुज। पिंड का स्थायित्व ग्रीर संतुलन। गुरुत्वाकर्षण कार्य, शक्ति ग्रीर छर्जा का प्रारम्भिक ज्ञान।

ऊष्मा का प्रभाव। तापमान का नाप ग्रौर ऊष्मा। स्थिति परिवर्तन ग्रौर गुप्त ऊष्मा। ऊष्मा ग्रभिगमन विधिया।

ध्वनि तरंगे श्रीर उनके गुणधर्म। सरल बाद्य यंत्र।

प्रकास का ऋजुरेखीय संचरण। परावर्तन श्रौर श्रपवर्तन। गोलीय वर्षण श्रौर लन्सेज, मानव नेत्र।

प्राक्तिक तथा कृत्रिम चुम्बक। चुम्बक के गुणधर्म। पृथ्वी चुम्बक के रूप में।

स्थैतिक तथा धारा विद्युत्। चालक तथा प्रभालक। स्रोम नियम। साधारण विद्युत् परिपथ। धारा के तापन, प्रकाश तथा चुम्बकीय प्रभाव। वैद्युत् शक्ति के माप। प्राथमिक स्रीर गौड़ सेल। एक्स-रे के उपयोग।

निम्नलिखित के कार्य संचालन के सामान्य सिद्धांत:

सरल लोलक। सरल घिरनी, साइफन, उत्तोलक, गुब्बारा पम्प। हाइड्रोमीटर, प्रेशर कुकर, धर्मस फ्लास्क, ग्रामोफोन, टेलीग्राफ, टेलीफोन, पैरिस्कोप, टैलीस्कोप, माइक्रोस्कोप, नाविक दिक्सूचक, तड़िस चालक सुरक्षा फ्यूज।

(ख) भौतिक तथा रासायिनक परिवर्तन तस्व। मिश्रण तथा यौगिक। प्रतीत सूत्र श्रौर सरल रास।यिनक समीकरण। रासायिनक संयोग के नियम (समस्याश्रों को छोड़कर) वायु श्रौर जल के रासायिनक गुण धर्म।

हाइड्रोजन, माक्सीजन, नाइट्रोजन, कार्बन डाइम्राक्साइड की रचना श्रीर गुण धर्मे। म्राक्सीकर श्रीर भ्रपचयन।

ग्रम्ल, क्षारक ग्रीर लवण।

कार्बन-भिन्न रूप।

. पर्वरक---प्राकृतिक श्रौर कृत्निम।

साबुन, कांच, स्याही, कागज, सीमेंट, पेंट, वियासलाई भौर गन पाऊडर जैसे पदार्थों को तैयार करने के लिये प्रयुक्त सामग्री।

परमाणु की रचना, परमाणु तुल्यमान भौर ग्रजुभार भ्रनुभाग, संयोजकता का प्रारम्भिक शान।

(ग) जड़ श्रीर चेतन में श्रन्तर। जीव कोणिकाश्रों, जीव दृष्य श्रीर अंतकों का ग्राधार। वनस्पति श्रीर प्राणियों में वृद्धि श्रीर जनन।

मानव शरीर श्रौर इसके महत्वपूर्ण श्रंगों का प्रारम्भिक ज्ञान।

सामान्य महामारियो, उनके कारण तथा रोकने के उपाय। खाद्य--मनुष्य के लिये ऊर्जा का स्रोत। खाद्य का संघटन।

संसुलित ग्राहार।

सौर परिवार; उल्का धौर धूमकेतुं। ग्रहण। प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों की उपलब्धियां।

टिप्पणी:--इस प्रश्न पल के म्रधिकतम मंकों से सामान्यतया भाग (क), (ख) भौर (घ) के लिये कमशः 50 प्रतिशत, 30 प्रतिशत श्रीर 20 प्रतिशत श्रंक होंगे।

प्रश्न पत्र-II

(सामाजिक ग्रध्ययन, भूगोल ग्रीर सामयिक मामले)। सामान्य ज्ञान प्रश्न-पन्न में निम्नलिखित पाठ्य विवरण शामिल होगा:—

(क) भारतीय इतिहास का मोटे तौर पर सर्वेक्षण तथा संस्कृति श्रौर सभ्यता की विशेष जानकारी।

भारत का स्वतंत्रता ग्रांदोलन।

भारतीय संविधान श्रौर प्रणासन का प्रारम्भिक श्रष्टययन।

भारत की पंचवर्षीय योजनाम्रों, पंचायती राज, सहकारी समितियों और सामुदायिक विकास की प्रारम्भिक जानकारी।

भूदान, सर्वोदय, राष्ट्रीय एकता श्रौर कल्याणकारी राज्य। महात्मा गांधी के मूल उपवेश।

श्राधुनिक विषय को प्रभावित करने वाली शक्तियां, पुनर्जागरण। श्रन्वेषण श्रौर खोज श्रमरीका का स्थाधीनता संग्राम। फ्रांसीसी क्रांति, श्रौद्योगिक क्रांति, रूसी क्रांति। समाज पर विज्ञान श्रौर प्रौद्योगिकी का प्रभाव।

एक विषय की संकल्पना, संयुक्त राष्ट्र। पंचशील, लोक-तंत्र, समाजवाद, साम्यवाद, वर्तमान विषय में भारत का योगदान।

(ख) पृथ्वी, इसकी आकृति और आकार, प्रक्षांश और रेखांश। समय। संकल्पना। ग्रंतर्राष्ट्रीय तारीख रेखा। पृथ्वी की गतियां और उसके प्रभाव। पृथ्वी का उद्भव, चट्टानें और उनका वर्गीकरण।

भ्रपक्षय--रासायनिक श्रौर भौतिक। भूचाल तथा ज्वाला मुखी।

महासागर धारायें ग्रौर जज्यार भाटे।

वायुमंडल श्रीर इसका संघटन। तापमान श्रीर वायु-मण्डलीय दाव, भूमंडलीय पवन, चक्रवात श्रीर प्रतिचक्रवात स्रार्द्रता। द्रवण श्रीर घर्षण। जलवायु के प्रकार।

विश्व के प्रमुख प्राकृतिक क्षेत्र।

भारत का क्षेत्रीय भूगोल—जलवायु, प्राक्कृतिक वनस्पति, खनिज भीर शक्ति साधन, कृषि भीर भौद्योगिक कार्यकलापों के स्थान भीर वितरण।

महत्वपूर्ण समुद्री पत्तन, भारत के मुख्य समुद्री, भू ग्रौर वायु मार्ग। भारत के ग्रायात ग्रौर निर्यात की मुख्य मवें।

(ग) हाल ही के वर्षों में भारत में हुई महत्वपूर्ण घटनाग्रों की जानकारी। सामयिक महत्वपूर्ण विश्व घटनायें।

महत्वपूर्ण व्यक्ति—भारतीय श्रीर श्रन्तर्राष्ट्रीय। इनमें सांस्कृतिक कार्य-कलापों श्रीर खेल कूद से संबंधित महस्वपूर्ण व्यक्ति भी शामिल हैं।

8--146GI/80

टिप्पणी:—इस प्रश्न पत्न के श्रधिकतम श्रंकों में से सामान्य-तथा भाग (क), (ख) श्रौर (ग) के लिये क्रमश: 40 प्रतिणत, 40 प्रतिणत श्रौर 20 प्रतिणत श्रंक होंगे।

बुद्धिः तथा व्यक्तित्व परीक्षण

उम्मीदवारों की बुनियादी बुद्धि की जांच करने के लिये साक्षात्कार के म्रतिरिक्त मौखिक तथा लिखित बुद्धि परीक्षा ली जाएगी। उनके प्रुप परीक्षण भी किये जाएंगे। जैसे प्रुप परिचर्चा, प्रुप योजना बहिरंग प्रुप कार्यकलाप तथा उन्हें निर्दिष्ट विषयों पर संक्षिप्त व्याख्यान देने के लिये कहा जाएगा। ये सभी परीक्षण उम्मीदवारों की मेघाशक्ति की जांच के लिये हैं। मोटे तौर पर ये परीक्षण वास्तम में न केवल उसके बौद्धिक गुणों की जांच के लिये हैं भ्रपितु इनसे उसकी सामाजिक विशेषताभी तथा सामयिक घटनाभों के प्रति दिलचस्पी का भी पता चलेगा।

परिशिष्ट-II

राष्ट्रीय रक्षा श्रकावमी में प्रवेश के लिये शारीरिक मानक सम्बंधी मुख्य बातें।

दिप्पणी:-- उम्मीदवारों को निर्धारित स्वस्थ्यता मानक के
ग्रनुसार गारीरिक रूप से स्वस्थ होना
चाहिए। स्वस्थता संबंधी मानक नीचे
बताए गए हैं।

बहुत से प्रहेताप्राप्त उम्मीदवार बाद में ग्रस्थस्थता के ग्राधार पर ग्रस्वी:कृत कर दिये जाते हैं। ग्रतः उम्मीदवारों के ग्रपने हित के लिये सलाह दी जाती है कि ग्रन्त में निराशा से बचने के लिये उन्हें ग्रपना ग्रावेदन-पन्न भेजने से पहले ग्रपने स्वास्थ की जांच करा लेनी चाहिए।

सेवा चयन बोर्ड द्वारा अनुशंसित बहुत से उपयुक्त उम्मीदवारों की स्वास्थ परीक्षा सेना के डाक्टरों के बोर्ड द्वारा की जाएगी। जो उम्मीदवार मेडिकल बोर्ड द्वारा स्वस्थ घोषित नहीं किया जाएगा उसको अकादमी या स्कूल में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। सेना के डाक्टरों के बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा कर लिये जाने का अर्थ यह नहीं होगा या नहीं निकाला जाएगा कि उम्मीदवार फ्रांतिम रूप से चुन लिया गया है। मेडिकल बोर्ड की कार्यवाही गुप्त होती है जिसको किसी को नहीं बताया जा सकता। अनुपयुक्त प्रस्थायी रूप से अनुपयुक्त घोषित उम्मीदवारों का परिणाम उन्हें स्वस्थता प्रमाण-पन्न तथा अपील प्रस्तुत करने की कार्यविध के साथ सूचित कर दिया जाता है। मेडिकल बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा मेडिकल बोर्ड के परिणाम से सम्बद्ध कोई अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा।

थल सेना के लिये उम्मीदवारों के ग्रंपने हित में परामर्श है कि यदि उनकी दृष्टि ग्रंपेक्षित स्तर की न हो तो सेवा चयन बोर्ड द्वारा साक्षाश्कार/स्वास्थ्य परीक्षा हेतु बुलाए जाने पर उन्हें भ्रपने साथ संशोधक ऐनक लानी चाहिये।

- 1. राष्ट्रीय रक्षा श्रकादमी में प्रवेश के लिये उस उम्मीदवार को ही योग्य समझा जाएगा जिसका शारीरिक श्रौर मानसिक स्वास्थ्य बिल्कुल ठीक होगा श्रौर जिसमें कोई ऐसी श्रशक्तता नहीं होगी जिससे कुशलतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की संभावना हो।
- 2. किन्तु निम्निलिखित बानों के संबंध में तसल्ली कर ली जाएगी:—
 - (क) कमजोर शरीर गठन, श्रपूर्ण विकास, गम्भीर क्रचना या स्थलता तो नहीं है।
 - (ख) हिंडुयों श्रौर संधियों का कुविकास तो नहीं हुआ है श्रौर उनमें किसी प्रकार की क्षीणता तो नहीं हो गई है।
- टिप्पणी (i) ग्रह्मविधित ग्रैंब पणुका वाले उम्मीदवार को भी स्वस्य माना जा सकता है, यदि उसमें उक्त रोग के लक्षण न हों। तथापि चिकित्सा बोर्ड का कार्यवाही में इस दोष का उल्लेख छोटी-मोटी ग्रशक्तता के रूप में कर दिया जाएगा।
- टिप्पणी (iⁱ) णरीर का कुविकास तो नहीं हुन्ना है इसके लिए रीढ़ की हड्डी का एक्स-रे किया जायेगा।
 - (ग) बोलने में तो बाधा नहीं पड़ती है।
 - (घ) सिर की रचना में तो दोष नहीं है या क्लोपड़ी की हड्डी टूटने या दबने से विरूपता तो नहीं ग्रा गई हैं।
 - (ङ) कम मुनाई तो नहीं पड़ता है। कोई कान बह तो नहीं रहा है या रोग ग्रस्त तो नहीं है। टिम्पैनिक मम्ब्रेन में कच्चा जख्म तो नहीं है या उग्र या पुराना मध्य कर्ण शोध के चिक्न तो नहीं है या श्रामूल या संशोधित श्रामण कर्ण मल श्रापरेशन तो नहीं हुआ है।
- टिप्पणी: ---यदि कान के पर्दे का छेद पूरी तरह से भर गया हो, इस को ग्रीर क्षति न पहुंची हो तथा सुनाई ठीक पडता हो तो इस अवस्था को थल सेना के लिए उम्मीदयार को स्वीकार करने में बाधक नहीं समझना चाहिए।
 - (च) नाक की हड्डी या उपास्थि का कोई रोग तो नहीं है या नोज पालिक्स तो नहीं है झथवा नासाग्रमनी या सहायक कोटरो का कोई रोग तो नहीं है।
- दिप्पणी:--- (i) नासा पट के छोटे अ**लक्षणी उनकात**ज छोद के कारण उम्मीदवार को एक दम ग्रस्वीकृत नहीं किया जाएगा वरन् ऐसे

- मामलों को कर्णंविज्ञान सलाहकः।र के पास भेजा जाएगा।
- िटिपणी:——(ii) जंभिका विवरण संबंधी पुष्टि के लिए
 निदानार्थ गह्नार संवेधन केवल ध्रपील किये
 गए मामलों में ही किया जाए। कि किसी
 प्रारंभिक परीक्षण के दौरान नेमी कार्य
 के रूप में। प्रारंभिक परीक्षण के दौरान
 तो विकिरण विज्ञान संबंधी परीक्षण
 यदि निर्दिष्ट किया गया हो, करना ही
 पर्याप्त होगा।
 - (छ) तपेदिक या अन्य रोगों के कारण गर्दन या शरीर के अन्य भागों की ग्रंथियां बढ़ी हुई तो नहीं हैं और थाइराइड ग्रंथियां सामान्य हैं।
- टिन्गणो: ---तपेदिक की ग्रंथियों को हटाने के लिए किए गए आपरेशन के निशान उम्मीदवार की ग्रस्वीकृति का कारण नहीं बन सकते हैं बशर्ते कि गत 5 वर्षों में सिक्रय रोग न हुआ हो तथा छाती लाक्षणिक जांच तथा एक्स-रे करने पर रोग मुक्त पाई जाए।
 - (ज) गले, तालू, टांसिल या मसूड़ों का कोई रोग नहीं हैं तथा किसी भी चिंबुकीय संधियों की सामान्य किया पर प्रभाव डालने वाली कोई बीमारी या चोट तो नहीं हैं।
- टिप्पणो:---यदि बारबार टौंसिल शोथ होने का कोई वृत्त न हो तो टौंसिलों की ग्रातिवृद्धि ग्रस्वीकृति का] कारण नहीं होती।
 - (द्य) हृदय तथा रक्त वाहिकाश्चों का किया संबंधी या श्रंग रोग के लक्षण तो नहीं हैंं।
 - (ङा) फेंफड़ों की तपेदिक या इस बीमारी का पूर्वावत् का फेंफड़ों की कोई जीर्ण बीमारी का कोई प्रमाण तो नहीं है।
 - (ट) जिगर श्रौर तिल्ली की किसी विलक्षणता सहित पाषक तन्त्र के किसी रोग का चिह्न तो नहीं है श्रौर स्पर्श परीक्षण में उदरीय कोमलता न हो।
 - (ठ) बंक्षण हरिनया (जिसकी सत्य चिकित्सा न की गई हो), या उसकी ग्रामंका हो ग्रस्वीकृति का कारण होगा।
- टिप्पणी:--जिनका हर्निया का श्रापरेणन हो चुका है उन्हें गारीरिक रूप से स्वस्थ माना जाएगा बगर्ते कि:
 - (i) ग्रापरेणन हुए एक वर्ष व्यतीत हो गया हो। इसके लिए उम्मीदगर को लिखित प्रमाण प्रस्तुत करना होगा।
 - (ii) पेट की पेशीसमूह सामान्यतया ठीक है; ग्रीर

- (iii) हर्निया की पुनरावृत्ति नहीं हुई है, या इसकी शल्य चिकित्सा से संबंधित कोई उलझन पैदा नहीं हुई।
- (ङ) हाइड्रोसिल या निश्चित वेरिकोसील या जन-नेंद्रियों का भ्रत्य कोई रोग या खरागी तो नहीं है।
- टिप्पणी: (i.) यदि हाइड्रोसिल के ग्रापरेशन के बाद कोई रज्जु भौर श्रण्ड्यन्थियों की विलक्षणताएं नहों और फाइलें—-रियासिस का प्रमाण नहों तो उम्मीदवार को स्वीकार कर लिया जाएगा।
 - (ii) यदि एक भ्रोर की अन्तः उदरीय भ्रण्डग्रान्थ आरोही हो तो इस आधार पर उम्मीदवार को अस्वीकार नहीं किया जाता बशतें कि दूसरी भ्रण्डग्रान्थ सामान्य हो तथा इस आरोही भण्डग्रान्थ के कारण कोई गारीरिक या मनोवैज्ञानिक कुप्रभाव न हो। यदि आरोही भ्रण्डग्रान्थ वंक्षण नलिका में अथवा उदरीय वलय में इकी हो श्रौर श्रापरेशन से ठीक न हो सकती हो तो इस स्थित में उम्मीदवार को स्थीकार नहीं किया जाएगा।
 - (क) फिस्टला ग्रौर या गुर्वा का विदर या बवासीर के मस्से तो नहीं हैं।
 - (ण) गुर्दों की कोई बीमारी तो नहीं। ग्लूकोजमेह या एल≆यमिन मेह के सभी रोगी ग्रस्वीयृत यःर दिए जाएंगे।
 - (त) ग्रस्थायी ग्रथवा मामूली क्षत-चिह्नों को छोड़कर कोई ऐसा चर्म रोग तो नहीं है जिसके प्रसाद ग्रयवा स्थिति के कारण उम्मीदवार में ग्रशक्तता या बहुत ग्रधिक कुरूपता आगई हो या ग्राने की संभावना हो। उस उम्मीदवार को इसी ग्राधार पर ग्रस्वीकार कर दिया जाएगा।
 - (थ) कोई सिकिय गुप्त या जन्मजात रिजत रोग तो नहीं है।
 - (द) उन्मोदवार या उसके परिवार में मानसिक रोग का कोई पूर्व वृत का प्रमाण तो नहीं है। जिन उन्नोदवारों को मिर्गी आती हो, जिनका पेशाब बैसे ही या नींद में निकल जाता हो उन्हें स्वीकार नहीं किया जाएगा।
 - (ध) भेंगापन या घांखा या पलकों की कोई एसी विकृति तो नहीं जिसके बढ़ने या धुवारा होने का खतरा हो सकता है।
 - (न) सक्तिय रोहे (ट्रेकोमा) या इसकी जटिलताएं तथा भनुप्रभाव तो नहीं है।

टिप्पणी:---इलाज के लिये श्रापरेशन प्रवेश से पूर्व करवाये जाएं। श्रन्तिम रूप से स्वीकार किये जाने की गारन्टी नहीं थी जाती है तथा उम्मीद-वारों को यह स्पष्टतया समझ लेना चाहिए कि क्या श्रापरेशन बांछनीय है या श्रावश्यक है, इस बात का निर्णय उनके निजी चिकित्सा सलाहकार को ही करना है। श्रापरेशन के परिणाम श्रथवा किसी श्रीर खर्चे का दायित्य सरकार श्रपने ऊपर नहीं लेगी।

3. कद, वजन तथा छाती के नापों के लिये मानक:—— _(क) कद:

- (i) उम्मीदवार के कद की नाप उसे मापदण्ड के सामने दोनों पैर मिलाकर खड़ा करके ली जाएगी। उस समय धजन एड़ियों पर होना चाहिए पंजे पर या पांच के बाहरी पार्श्वी पर नहीं। वह बिना ग्रकड़े इस प्रकार सीधा खड़ा होगा कि उसकी एड़ियां, पिड लियां, नितम्ब कन्धे मापवंड के साथ लगे होंगे, उसकी ठोड़ी नीचे की स्रोर रखो जाएगी ताकि सिर का स्तर भाड़ी छड़ के नीचे भ्रा जाए। कद सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा। 0.5 सें० मी० की उपेक्षा की जाएगी। 0.5 सेंटीमीटर को इसी रूप में रिकार्ड किया जाएगा तथा 0.6 सेंटीमीटर या इससे भ्रधिक को एक सेंटीमीटर के रूप में रिकार्ड किया जाएगा।
- (ii) उम्मीदवार के लिये न्यूनतम स्वीकार्य 157.5 सेंटीमीटर (नौसेना के लिये 157 सेंटीमीटर) है किन्तु गोरखा, नेपाली, श्रासामी, गढ़वाली, उम्मीदवारों के लिये 5.0 सेंटीमीटर कम किया जा सकता है। मणिपुर, नेका, श्रष्टणाचल प्रदेश, मेघालय श्रौर मिजोरम नागालैण्ड श्रौर लिपुरा के नौसेना के उम्मीदवारों के मामले में न्यूनतम कद 5 सेंटीमीटर श्रौर लक्षद्वीप के उम्मीदवारों के मामले में कद 2 सेंटीमीटर कम कर दिया जाएगा।

टिप्पणी:- कद में 2.5 सेंटीमीटर (नौसेना के लिये 5 सेंटीमीटर) तक की छट उन मामलों में दी जा सकती है जहां चिकित्सा बोर्ड इस बात का प्रमाण-पत्न दे कि उम्मीदवार के बढ़ने की संभावना है तथा प्रशिक्षण पूरा होने तक अपेक्षित मानक तक पहुंच जाएगा। इसके अलावा भारतीय नौसेना के कैंडिटों के लिये जिनकी आयु 18 वर्ष से कम न हो आनुपातिक छूट दी जा सकती है

(iii) केवल बायु सेनाः पाइलटं के रूप में प्रशिक्षण हेतु विशेष अवक्षायों की पूर्ति के लिए न्यूनतम कद 162.5। सें जिल्होगा। टांग की लम्बाई, जांध की लम्बाई और बैटने पर कद का माप निम्न प्रकार होगा:

टांग की लम्बाई	न्यूनतम	99.0 सें० मी०
	अधिकतम	120.0 सें० मी०
जांघकी लम्बाई	अधिकतम	64.0 सें० मी०
बैठने पर कद	न्यूनतम	81.50 सें० मी०
	अधिकतम	96.90 सें० मी०

टिप्पणी:—-िकसी उम्मीदवार की कम श्रायु के कारण कद में 5 सें० मी० तक, टांग की लम्बाई में 2.5 सें० मी० (न्यूनतम) तह तक श्रीर बैठने पर कद में 1 सें० मी० न्यूनतम तक की छूट दी जा सकती है बार्लों कि चिकित्सा बोर्ड इस बात का प्रमाण पक्ष दे कि उम्मीदवार की बढ़ने की संभावना है तथा राष्ट्रीय रक्षा श्रकादमी में प्रतिक्षण पूरा होने तक श्रपेक्षित मानक तक पहुंच जाएगा।

(ख) बजन: -- उम्मीदवार का बजन पूरी तरह से कपड़े उतार कर या केवल जां घए के साथ लिया जाएगा। बजन करते समय 1/2 किलोग्राम के भिन्न को रिकार्ड नहीं किया जाएगा। ग्रायु, कद श्रौर श्रौसत वजन विषयक परस्पर संबंधित सारणी में निर्देश के लिये दी जा रही है: --

भ्रायु भ्रवधि	15-16	16-17	17-18
कद (सेंटीमीटर)	वजन किलोग्राम	यजन किलोग्राम	वजन किलोग्राम
157.00	43.5	45.0	47.0
160.00	45.0	46.5	48.0
162.00	46.5	48.0	50.0
165.00	48.0	50.0	52.0
167.50	49.0	51.0	53.0
170.00	51.0	52.5	55.0
173.00	52.5	54.5	57.0
175.00	54.0	56.0	59.0
178.00	56.0	58.0	61.0
180.00	58.5	60.0	63,0
183.00	61.0	62.5	65.0

(ii) कद तथा म्रायु के संबंध में ठीक वजन का ठीक-ठीक मानक निश्चय करना संभव नहीं है। म्रतः परस्पर संबंधी सारणी केवल निर्देशिका मान्न है तथा सभी मामलों में इसे लागू नहीं किया जा सकता है। सारणी में दिये गये भौसत वजन से 10 प्रतिशत (नौसेना के लिये 6 किलोगाम कम ज्यादा) होने पर उसे बजन की सामान्य सीमा के अन्तर्गत माना जाता है। ऐसा भी हो सकता है, कि कुछ व्यक्तियों का बजन उपयुक्त मानक से अधिक हो किन्तु शरीर के सामान्य गठन की दृष्टि से वे हर प्रकार से योग्य हों। ऐसे व्यक्तियों के अधिक बजन का कारण भारी हाड़ियों और पेशियों का विकास हो सकता है न कि मोटापा। इसी प्रकार जिनका वजन मानक से कम हो उसके बारे में भी उपर्युक्त सारणी के मानकों का पूरी तरह से पलन की अपेक्षा उनका सामान्य शरीर गठन और आनुपातिक विकास ही कसौटी होना चाहिए।

(ग) खाती:--छाती पूरी तरह ग्रानुपातिक तथा भली प्रकार विकसित होती चाहिए ग्रौर फैलाने पर न्युनतम फैलाव 5.0 सेंटीमीटर होनी चाहिए। उम्मीदवार की छाती का माप लेते समय उसे इस प्रकार सीधा खड़ा किया जाए कि उसके पांव जुड़े हों और उसकी बाहें सिर से ऊपर छठी हों। फीते को छाती के गिर्द इस प्रकार लगाया जाएगा कि पीछे की घोर इसका ऊपरी किनारा असफलकों (शोल्डर ब्लेड) के निम्न कोणों (इन्फीरियर एंगिल्स) के साथ लगा रहे और इसका निचला किनारा सामने भूचकों के ऊपरी भाग से लगा रहे। फिर बाहों को नीचे किया जाएगा भीर इन्हें गरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा किन्तू साथ इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कंधे ऊंचे उठे या पीछे की और झुके न हों ताकि फीता अपने स्थान से हटने न पाए। ग्रब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिये कहा जाएगा। श्रीर छाती का ग्रधिकतम श्रीर न्युनतम फैलाव सावधानी से लिख लिया जाएगा। ग्रधिकतम तथा न्यनतम फैलाव सेंटीमीष्टरों में रिकार्ड किया जाएगा। नाप को रिकार्ड करते समय 0.5 सें० मीटर से कम के दशमलब भिन्न को छोड़ दिया जाएगा। लेकिन 0.5 सेंटीमीटर को 0.5 सेंटोमीटर रिकार्ड किया जाएगा भ्रौर 0.6 सेंटीमीटर से प्रधिक को एक सेंटीमीटर के रूप में रिकार्ड किया जाएगा ।

वायु सेना के लिये : सभी उम्मीदवारों की रीढ़ की हड्डी का एक्स-रे लिया जाएगा श्रीरयदि उसमें नीचे दी गई श्रसामान्यताएं पाई गई तों उम्मीदवार को अस्वीकृत किया जा सकता है:—

- (i) कौंब विधि के द्वारा 7° से ग्रधिक स्कोलियोसिस
- $/(i_1)$ एस० वी० 1 के ग्रांसाबा ग्रायुक्ड में रुदंड
- (iii) एस० वी० 5 का एकपक्षीय व्रिकास्थि संयोजन
- (iv) श्यूरमन रोग, श्यूरमन संधि, कशेरुकासन्धिग्रह या कशेरू काग्रंसर्यण
- (v) ग्रन्य कोई विशिष्ट मेरुदण्ड रोग, वायु सेना प्रवेश के लिये सभी उम्मीदवारों का ई० सी० जी० किया जाएगा, जिसमें विशिष्ट ग्रसमान्यतायें होंगी उन्हें ग्रस्वीकृत कर दिया जाएगा।

टिप्पणी:--छाती का एक्स-रे ग्रनिवार्य है।

4 दातों की हालत

इस बात को सुनिध्चित कर लेना चाहिए कि खबाने का काम ग्रन्थी तरह करने के लिये प्राकृतिक तथा मजबूत बांत काफी संख्या में हैं।

- (क) स्वीकृत होने के लिये यह ग्रावश्यक है कि उम्मीदवार ने दातों के लिये कम से कम 14 प्वाइंट प्राप्त किए हों। किसी व्यक्ति के दांतों की हालत का पता लगाने के लिये परस्पर ग्रन्छी तरह सटे श्रीर दूसरे जबड़े के ग्रनुरूप दांतों के लिये निम्न प्रकार के प्वाइंट दिये जायेंगे:—
 - (i) बीच के काटने वाले दांत, बगल के काटने वाले दांत, रदनक प्रथम तथा द्वितीय, छोटी दाढ़ तथा कम विकसित तृतीय बड़ी दाढ़ प्रत्येक के लिये एक-एक प्वाइंट।
 - (ii) प्रथम तथा द्वितीय बड़ी दाढ़ तथा पूर्णतया विकसित तृतीय बड़ी दाढ़ के लिये दो प्वाइंट।

पूरे 32 दांत होने पर कुल 22 प्वाइंट दिये जाएंगे।

- (ख) प्रत्येक जबड़े के निम्न लिखित दांत एक दूसरे से इस प्रकार सटे हुए हो कि उनसे श्रच्छी तरह काम लिया जा सके;
 - (i) श्रागें के 6 में से 4 दांत।
 - (i^i) पीछे के 10 में से 6 दांता।
- (ग) तीत्र पायरिया वाले उम्मीववारों को स्वीकार नहीं किया जाएगा। जिस उम्मीदवार का पायरिया दांत ग्रधिकारी की राय में बिना दांत निकाले श्रच्छा किया जा सकता हो उसे स्वीकार किया जा सकता है।

5. दुष्टिमानक

(क) दृष्टि तीक्षणता

मानक-I श्रम्छी श्रांख खराब श्रांख

तूर वृष्टि

श्रम्था श्राख खराब श्राख वी०-6/6 श्रिवी-6/9 चश्मा लगाकर 6/6 तक मानक-II

प्रज्ञो प्रांख खराव प्रांख

दूर दृष्टिता (चश्मा लगाकर) 6/6 6/9

निकट दृष्टि (मायोपया) जिससे व्यक्त अबिन्दुकता (एस्टि-टिज्म) सम्मिलित हैं—2.5 डी॰ से प्रधिक नहीं। (नौ सेना के मामले में .5 डी॰)।

दीर्घ दृष्टि (हाइपर मैट्रोपिया) जिसमें श्रविन्दुकता (एस्टिगमेटिज्म मैनीफैस्ट) सम्मिलित है 3.5 डी० से श्रिषक नहीं। टिप्पणी:---1 फंडस तथा मीडिया स्वस्थ तथा सामान्य सीमा में होने चाहिए।

- 2 वर्धमान मायो रेटिना के सूचक विद्रियस या कोरिया-रेटिना के भ्रनावश्यक व्यपजनन चिह्न न हों।
- 3 ब्रिनेस्री (बाइनोकुलर) दृष्टि श्रम्छी होनी चाहिए (दोनों ग्रांखों में संयोजन शक्ति ग्रीर पूर्ण दृष्टि क्षेत्र)।
- 4 ऐसा कोई श्रांगिक रोग नहीं होना चाहिए जिसके प्रकोपन तथा खराब होने की संभा-वना है।

(खा) रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान:

जो उम्मीदवार ध्रधोपरिभाषित न्यूनतम वर्ण भ्रवगम मानक सी० पी०-3 (सदोष सुरक्षा) न रखते हों उन्हें ग्रयोग्य माना जाएगा।

सी० पी०-3 (सवोष सुरक्षा) --उम्मीवनार इस योग्य हों कि वे 1.5 मीटर की दूरी से सफेद लाल संकेत और हरे संकेत रंगों को ठीक प्रकार से पहचान सकें जैसा कि मार्टिन लैटर्न में दिखाया गया है या इशिहारा बुक/टोकियो मैडिकल कालेज बुक की भ्रपेक्षित प्लैटों को पढ़ सकें।

(ग) सेनाम्रों के लिये म्रपेक्षायें

थल सेना दृष्टि मानक II (न्यूनतम मानक)

नौसेना (1) दृष्टि मानक 1 — कार्यपालक शाखा के उम्मीदबार चश्मा नहीं पहन सकते हैं परन्तु यदि नौसेना मुख्यालय प्रनुमित दे तो कुछ सीमित संख्या तक प्रन्यथा उम्मीदवारों के संबंध में इन मानकों में छूट दी जा सकती है। इंजीनियरी, विद्युत् श्रीर पूर्ति तथा सनिवालय शाखाश्रों के लिये दृष्टि मानक 6/18, 6/38 चश्मा लगाकर दोनों स्रांखों के लिये 6/6 है।

(ii) विशेष भ्रपेक्षायें:

सामान्यतया नौ सेना की सभी शाखाओं के कैडेटों/
डायरेक्ट एन्टी ग्रफसरों की राग्नि दृष्दि तीक्षणता के वास्ते
नेमी तौर पर डेला कासा की जांच नहीं की जाएगी श्रौर
स्वास्थ्य परीक्षा के समय इनसे निम्नलिखित प्रमाण पन्न देने
के लिये कहा जाएगा जो मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट के साथ
नत्थी कर दिया जाएगा:—

"मैं प्रमाणित करता हूं कि मुझे रतींधी नहीं है ग्रीर जहां तक मेरी जानकारी है मेरे परिवार के किसी सबस्य को भी जन्म से रतींधी नहीं है"।

ह० उम्मीदवार

चिकित्सा ग्रधिकारी के प्रति हस्ताक्षर

किन्तु जिन उम्मीदवारों में शुष्काक्षिपाक (बीरोप्येल्मिया) पिगमैट्री भ्रपिककास/कोरियारेटिना में विचलन, भ्रपसामान्य, परितारिका भीर उनके लक्षण होने का संवेह होना लेकिन

वो भ्रन्यथा हर प्रकार से स्वस्थ होंगे उनकी विस्तृत राजि दुष्टि तीक्षणता जांच सामान्य तौर पर की जाएगी। रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान मानक 1---एम० एल० टी० (मार्टिन लालटेन परीक्षण) नेत्र विचलन प्रवृत्ति नेक्ष विचलन प्रवृत्ति मेडोन्स राड बिगटैस्ट के साथ (बशर्ते कि अभिसरण दोष तथा ग्रन्य रोग लक्षण न हो) निम्नलिखित से अच्छी नहीं होनी चाहिए:--(क) 6 मीटर की दूरी से एक्सीफोरिया 8 प्रिज्म हायोप्टर इंसोफोरिया ৪ সিড্র डायोप्टर 1 प्रिज्म हाइपरफोरिया डायोप्टर (ख) 30 सें० मी० की दूरी से इंसोफोरिया ६ प्रिज्म डायोप्टर एक्सोफोरिया 16 प्रिजम डायोप्टर हाइपरफोरिया 1 प्रिज्म डायोप्टर दूर दिष्टता की सीमा (होमाद्रोपिना के भ्रन्तर्गत) सही स्रांख दूर दृष्टिता 1.5 डायोप्टर साधारण दीर्ध दृष्टिता वैषम्य 0.75 संयुक्त दीर्ध दुष्टिता दीर्ध दृष्टिता मैरिडियम का वैषम्य । दोष 1.5 डायोप्टर से श्रधिक नहीं होना चाहिए। इसमें से 0.75 डायोप्टर से अधिक दृष्टि वैषम्य के कारण नहीं होनी चाहिए। दूर दुष्टिता सबसे खराब प्रांख 2.5 डायोप्टरस साधारण दूर दृष्टिता वैषम्य 🛚 1.5 डायोप्ट्रस संयुक्त दूर दृष्टिता वैषम्य दूर दृष्टिता वैषम्य दोष 2.5 डायोप्ट्रस से मधिक नहीं होना चाहिए, इसमें से 1.0 डायोप्ट्रस से ग्रधिक दृष्टि वैषम्य के कारण नहीं होनी चाहिए। निकट दृष्टि (मायोपिया)—िकसी भीएक मरेडियम में 0.5 डायोप्ट्रस से श्रधिकनहीं होना चाहिए। द्विनेत्री दृष्टि:--उम्मीदवार की द्विनेत्री दृष्टि ठीक होनी चाहिए। (दोनों आंखों में पयुजन फैकल्टी और पूर्ण दृष्टि क्षेत्र होना चाहिए)। वायु सेना (i) दृष्टिमानक । चम्मा नहीं लगाना है। (ii) विशेष श्रवेक्षाएं व्यक्त दूर दृष्टिता 2,00

डी० से ग्रिधिक

होनी चनहिए।

नेस्न पेशी संतुलन

मडास्क राड परीक्षण से नेज विचलन प्रवृत्ति निम्नलिखित से प्रधिक नहीं होनी चाहिए।

(क) 6 मीटर की दूरी से		
ए ग्सो फोरिया	6 प्रि ज्य	डायोप्टर
इंसोफोरिया	6 प्रिज्म	डायोप्टर
हाइपरफोरिया	1 प्रिज्म	डायोप्टर

(खा) 33 सें० मी० की	दूरी	से,	ğ	
् ए क्सोफोरिया			16 प्रिज्म	डायोप्टर
इंसोफोरिया			6 प्रिज्म	डायोप्टर
हाइपरफोरिया			1 प्रिज्म	श्रायोप्टर
निकट दृष्टि			शून्य	
ग्रबिन्दु कता			+0.75	
•			डी० सी०	एल० आई०

द्विनेत दृष्टि: --- द्विनेत्री दृष्टि ठीक होनी चाहिए। (आयाम भौर गहराई के साथ संयोजन स्टीरियोपसिस)। रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान-मानक ! एम० एस० टी०

6. श्रवण मानक

श्रवण परीक्षा वाक् परीक्षण द्वारा की जाएगी। जहां भ्रावण्यक होगा श्रव्यता मापी (भ्राडियोमैट्रिक) रिकार्ड भी ले लिए जाएंगे।

- (क) बाक् परीक्षा: उम्मीदवार को जो एक उचित ढंग से शांत कमरे में परीक्षक की ग्रीर पीठ करके 610 सेंटीमीटर की दूरी पर खड़ा हो प्रत्येक कान से फुसफुसाहट की ग्रावाज सुनाई पड़नी चाहिए। परीक्षक को भ्रवशिष्ट वायु से फुसफुसाना चाहिए: ग्रयीत् वह साधारण निश्वास ग्रन्त में लेगा।
- (ख) श्रव्यता मितिक परीक्षण:—250 एव० जैड० और 4000 एव० जैड० के बीच ग्रावृत्तियों में श्रव्यतामितक कमी + 10 उँसिवल से ग्रिधिक नहीं होनी चाहिए । श्रव्यता ग्रालेख का मूल्यांकन करते समय श्रव्यता माणी की ग्राधार रेखा के शून्य को ग्रीर जिन वातावरणीय र व ग्रवस्थाओं में श्रव्यता ग्रालेख प्राप्त किया गया है उनको ध्यान में रखा जाना चाहिए ग्रीर किसी वायु सेना कर्ण-नासिकाकंठ विशेषज्ञ की श्रनुशंसाग्रों पर विनिर्विष्ट मानक से थोड़ा-वहुत विचलन नजर श्रन्दाज किना जा सकता है।

7 नेमी श्राधारित ६० ६० जी०—वायुसेना हेतु सभी उम्मीदवारों की ६० ६० जी० परीक्षा की जाएगी। विशिष्ट अपसमगन्यतया रखने वालों को श्रस्वीकृत कर दिया जाएगा।

परिशिष्ट III

(सेवा भादि का संक्षिप्त विवरण)

- भकादमी में भर्ती होने से पूर्व माता पिता या संरक्षक को निम्मलिखित प्रमाण पक्षों पर हस्ताक्षर करने होंगे:—
- (क) इस ग्रागय का प्रमाण पन्न कि वह यह समझता है कि किसी प्रशिक्षण के दौरान या उसके परिणामस्वरूप

यदि उसे कोई चोट लग जाये या ऊपर निर्दिष्ट किसी कारण से या प्रन्यथा श्रावश्यक किसी सर्जिकल श्रापरेशन या संवेदनाहरक दवा के परिणामस्वरूप उसमें कोई णारीरिक श्रावतता श्रा जाने या उसकी मृत्यु हो जाने पर वह या उसके वैध उत्तराधिकारी को सरकार के विरुद्ध किसी मुग्नावजे या ग्रन्य प्रकार की राहस का दावा करने का इक न होगा।

- (ख) इस माशय का बंध-पत्न कि यदि किसी ऐसे कारण से जो उसके नियंत्रण में समझे जाते हैं, उम्मीदवार पाठ्यक्रम पूरा होने से पहले वापस श्राना चाहता है या कमीशन श्रस्वीकार कर देता है तो उस पर शिक्षा शुल्क, मोजन, वस्त्र पर किए गए व्यय तथा दिए गए वेतन और भक्ते की कुल राशि या उतनी राशि जो सरकार निश्चित करे, उसे वापस करनी होगी।
- 2. भ्रावास, पुस्तकों, वधीं, बोर्डिंग भौर चिकित्सा सहित प्रशिक्षण के खर्च को सरकार वहन करेगी। उम्मीदवार के माता-पिता या संरक्षक से यह ब्राशा की जाती है कि उम्मीव-वार का जेब खर्च वे खुद बर्दाश्त करेंगे। सामान्यतया इन खर्चों के 40.00 रुपये से ग्रधिक होने की संभावना नहीं है। यदि किसी कैंडेट के माता पिता या संरक्षक इस खर्च को भी पूरा या भ्रांशिक रूप में बर्दाश्त करने में ग्रसमर्थ हों तो पहले और दूसरे वर्ष के लिये रु० 40.00 तक भौर राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में तीसरे वर्ष के प्रशिक्षण के लिये रु० 45.00 श्रीर थल सेना/नौसेना/वायुसेना प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों में ग्रागे विशिष्ट प्रशिक्षण के लिये रू० 55.00 तक सरकार द्वारा विसीय सहायता दी जा सकती है। लेकिन जिन उम्मीदवारों के माता पिता या संरक्षक की मासिक ग्राय रु० 450.00 या इससे ग्रधिक हो, वे इस विसीय सहायता के पान नहीं होंगे। वित्तीय सहायता की पात्रता निर्धारित करने के लिये ग्रचल सम्पत्तियों ग्रौर सभी साधनों से होने वाली ग्राय का भी ध्यान रखा जाएगा।

यदि उम्मीदवार के माता-पिता/संरक्षक सरकार से किसी प्रकार की वित्तीय सहायता प्राप्त करने के इच्छुक हों तो उन्हें श्रपने पुत्न/संरक्षति के राष्ट्रीय रक्षा श्रकादमी में प्रशिक्षण के लिये श्रंतिम रूप से चुने जाने के तुरन्त बाद अपने जिले के जिला मैजिस्ट्रेट के माध्यम से एक श्रावेदन पस देना चाहिए जिसे जिला मैजिस्ट्रेट श्रपनी श्रनुशंसा सहित राष्ट्रीय रक्षा श्रकादमी, खड़कवासला पुणे (411023) के कमांडेंट को श्रमेषित कर देगा।

3. श्रकाक्ष्मी में प्रशिक्षण के लिये श्रंतिम रूप से चुने गए उम्मीदवारों को श्राने पर, कर्माडेंट राष्ट्रीय रक्षा श्रकादमी के पास निम्नलिखित राशि जमा करनी होगी:——

(क) प्रति मास 40.00 रु० के हिसाब रु० से पांच महीने का जैब खर्च 200.00 (ख) बस्त्र तथा उपस्कर की मदों के लिए 650.00

जोड़ 850.00

उम्मीववारों को विसीय सहायता मंजूर हो जाने पर उपर्युक्त राशि में से नीचे लिखी राशि वापस कर दी जाएगी

- (क) 40.00 रु० प्रति माह के हिसाब रु० से पांच महीने का जेब खर्च 200.00
- (ख) वस्त्र तथा उपस्करों की मदों के लिए लगभग 475:00
- 4. राष्ट्रीय रक्षा प्रकादमी में निम्नलिखित छात्रवृत्तियां उपलब्ध हैं---

(1) परशु राम भाख पटवर्क्षन छात्रवृत्ति:--

यह छात्रवृत्ति महाराष्ट्र तथा कर्नाटक के कैंडेटों को श्री जाती है जिनके माता पिता की आय सभी साधनों से रू० 350.00 तथा रू० 500.00 के बीच हो। छात्रवृत्ति की राशि सरकारी वित्तीय सहायता के बराबर होगी। जब तक कैंडेट राष्ट्रीय रक्षा ध्रकादमी या ग्रन्य कमीशन पूर्व प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों में रहेगा तब तक के लिये वह प्राप्य होगी किन्तु गर्त यह है कि कैंडेट का व्यवहार ग्रच्छा रहे ग्रीर वह संतोषजनक प्रगति करता रहे ग्रीर उसके माता पिता की ग्राय निर्धारित सीमा से कम रहे। जिन कैंडेटों को यह छात्रवृत्ति दी जाएगी।

(2) कर्नल केडिस फॉक मैमोरियल छात्रवृत्ति:--

यह छालवृत्ति 360.00 रु० प्रति वर्ष की है। भौर छस मराठा कैंडेट को द्री जाती है जो भूतपूर्व सैनिक का पुल हो वह छातवृत्ति, सरकार से प्राप्त वित्तीय सहायता के श्रतिरिक्त होगी।

(3) कुंग्रर सिंह मैमोरियल छात्रवृत्ति :---

दो छात्रवृत्तियां उन वो कैडेटों को प्रवान की जाती हैं जिन्हें बिहार के उम्मीदवारों में उच्चतम स्थान प्राप्त हो। प्रत्येक छात्रवृत्ति 37.00 रु० प्रति मास की है तथा प्रधिकतम चार वर्ष के लिये राष्ट्रीय रक्षा प्रकादमी खड़कवासला में प्रशिक्षण के दौरान तथा उसके बाद भारतीय सेना अकादमी वेहरादून तथा वायु सेना पलाइंग कालेज तथा नौसेना प्रकादमी कोचीन में जहां कैडेटों को प्रशिक्षण के लिये राष्ट्रीय रक्षा अकादमी प्रशिक्षण पूर्ण करने पर भेजा जाएगा, ही जाती रहेगी। छात्रवृत्ति तभी मिलती रहेगी जबकि कैडेट उपर्युक्त संस्थाओं में प्रच्छी प्रगति करता रहे।

- (4) प्रसम सरकार छात्रवृत्तियां दो छात्रवृत्तियां प्रसम के कैंडेटों को प्रदान की जाएंगी । प्रत्येक छात्रवृत्ति 30.00 रु० प्रतिमास की होगी तथा जब तक छात्र राष्ट्रीय रक्षा प्रकादमी में रहेगा उसे मिलती रहेगी । छात्रवृत्ति प्रसम के दो सर्वोत्तम कैंडेटों को उनके माता-पिता की ग्राय पर घ्यान दिये बिना प्रदान की जाएंगी। जिन कैंडेटों को यह छात्रवृत्ति प्रदान की जायंगी उन्हें सरकार की ग्रोर से ग्रन्य वित्तीय सहायता प्रदान नहीं की जाएगी।
- (5) उत्तर प्रदेश सरकार छात्रवृत्तियां: वो छात्र-वृत्तियां 30.00 रु० प्रतिमास की तथा 400.00 रुपये

की परिधान वृक्ति उत्तर प्रदेश सरकार के दो कैंग्रेटों की योग्यता तथा भ्राय के श्राधार पर राष्ट्रीय रक्षा भ्रकादमी में सन्तोषणनक प्रगति करने पर तीन वर्ष के लिये दी जायेगी। जिन कैंग्रेटों को यह छात्रवृक्तियां मिलेंगी उन्हें श्रन्य प्रकार की विक्तीय सहायता सरकार से नहीं मिलेगी।

- (6) केरल सरकार छात्रवृत्तिः पूरे वर्ष के लिये कि 480 की एक योग्यता छात्रवृत्ति रा० र० प्रकादमी में प्रशिक्षण की पूरी ग्रविध के लिये केरल राज्य सरकार द्वारा उस कैंडेट को दी जाती है जो केरल राज्य का ग्रिध-वासी निवासी हो श्रीर जो रा० र० श्रकादमी हेतु ग्रिखल भारतीय स० लो० से० श्रा० प्रत्येक प्रवेश परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त कर लेता है, भले ही उसने वह परीक्षा राष्ट्रीय भारतीय सेवा कालिज से या भारत भर में किसी सैनिक स्कूल से उत्तीर्ण की हो। ऐसा करते समय कैंडेट के पिता/सरक्षक की ग्राधिक स्थित पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता है।
- (7) बिहारी लाल मंदाकिनी पुरस्कार: यह 500.00 रु० का नकद पुरस्कार सर्वोत्तम बंगाली लड़के को ग्रकादमी से प्रत्येक कोर्स के लिये मिलता है। ग्रावेदन प्रपन्न कमांग्रेट राष्ट्रीय रक्षा श्रकादमी से मिलते हैं।
- (8) उड़ीसा सरकार छात्रवृत्तियां :— तीन छात्र वृत्तियां एक थल सेना, एक नौ सेना तथा एक वायु सेना के कैंडेट के लिये प्रत्येक 80.00 रु० प्रति मास के हिसाब से उड़ीसा सरकार द्वारा उन कैंडेटों को दी जायेगी जो उड़ीस राज्य के स्यायी निवासी हैं। इनमें से दो छात्रवृत्तियां कडेटों की योग्यता तथा आय साधन के आधार पर दी जाएंगी। जिनके माता पिता या श्रिभावक की श्राय ० 5,00 प्रतिवर्ष से श्रिधक न हो तथा तीसरी छात्रवृत्ति बिना उसके माता पिता या श्रिभावकों को श्राय को ध्यान में रखते हुए मर्वोत्तम कैंडेटों को दी जायेगी।
- (9) पश्चिमी बंगाल सरकार छात्रवृत्ति:—निम्नलिखित वर्गों की छात्रवृत्तियां पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा उन कैंडेटों को दी जायेंगी जो पश्चिमी बंगाल के स्थार्ड निवासी हैं:—
- (क) वर्ग 1:—तीन छात्रवृत्तियां— (थल सेना, नौसेना तथा वायु सेना के लिये एक एक) 360.00 रुपये प्रति वर्ष पहले ग्रीर दूसरे वर्ष के लिये ग्रीर ग्रकादमी में तिसरे वर्ष के लिये तथा विशेष प्रशिक्षण संस्था में चौथे वर्ष के लिये 480.00 रुपये तथा इसके ग्रातिरिक्त 400.00 रुपये परिधान वृत्ति। यह उन कैंडेटों को वी जायेगी जो अकादमी में कोई ग्रन्य छात्रवृत्ति पाने के पात नहीं ह।
- (ख) वर्ग 2:---तीन छालवृत्तियां 100 रुपये प्रतिवर्ष एक मृक्त सरहारी वित्तीय सहायता के प्रतिरिक्त दी जायेगी।
- (10) पायलट प्रफसर गुरमीत सिंह खेवी मैमोरियल छात्रवृत्ति :— ६० 420 प्रतिमास की छात्रवृत्ति ऐसे कैंडेट की दी जाती है जो वायु सेना कडेटों के चौथे सह के अन्त में योग्यता में सर्वोक्षम होगा। यह एक वर्ष की अवधि के

लिये होगी। पांचवे और छठे सन्न के दौरान यह छान्नवृत्ति बन्द कर दी जायेगी यदि प्राप्तकर्ता रेलीगेड कर दिया गया हो या इसके प्राप्त करने की प्रविध में छोड़ कर चला गया हो। जो कैंडेस इस प्रकार की पहले से ही कोई योग्यता छान्नवृत्ति या बित्तीय सहायता ले रहा है, उसे यह छान्नवृत्ति नहीं दी जायेगी।

- (11) हिमाचल प्रदेश सरकार छात्रवृत्तियाँ: हिमाचल प्रदेश के कैंडेटों को चार छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जायेंगी। प्रशिक्षण के प्रथम दो वर्षों के लिये छात्रवृत्तियां 30.00 क्राये प्रतिमास तथा प्रशिक्षण के तीसरे वर्ष के लिये 40.00 क्राये प्रतिमास मिलेगी। यह छात्रवृत्ति उन कैंडेटों को मिलेगी जिनके माता पिता की मासिक ग्राय 500.00 रुपये प्रतिमास से कम होगी। जो कैंडेट सरकार से वित्तोय सहायता ले रहा हो उसे छात्रवृत्ति नहीं मिलेगी।
- (12) तमिलनाडु सरकार की छाल्लवृत्तिः तमिलनाडु सरकार ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रति कोर्स 30 रु० प्रा० मा० की एक छाल्लवृत्ति तथा साथ में 400 रु० सरुजा भत्ता (कैंडेट के प्रणिक्षण की पूरी अवधि के दौरान केवल एक बार) देना शुरू किया है जो उस कैंडेट को दिया जाएगा जो तमिलनाडु राज्य का हो तथा जिसके अभिभावक/संरक्षक की मासिक आय 500 रु० से अधिक न हो। पाल कैंडेट आना आवेदन, कमांडेंट राष्ट्रीय रक्षा अकादमीको वहां पहुंचने पर प्रस्तुत कर सकते हैं।

इन छात्रवृत्तियों की शर्त राष्ट्रीय रक्षा ग्रकावमी, खड़क-वासजा पुणे (411023) से प्राप्त की जा सकती है।

- 5. चुने हुए उम्मीववारों के श्रकादमी में श्राने के बाद तत्काल उनके लिये निम्नलिखित विषयों में एक प्रार-मिभक परीक्षा होगी।
 - (क) ग्रंग्रेजी
 - (ख) गणित
 - (ग) विज्ञान
 - (झ) हिड्दी
- (क), (ख) तथा (ग) के लिये परीक्षा का स्तर भारतीय विश्वविद्यालय या हायर सैकेंडरी शिक्षा बोर्ड की द्यर मैकेंडरी परीक्षा के स्तर से ऊंचा नहीं होगा। (घ) पर लिखित विषय की परीक्षा में यह जांचा जाएगा कि उन्मोद्यार को श्रकादमी में भर्ती होने के समय हिन्दी का फितना ज्ञान है।

श्रतः उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि प्रतियोगिता परीक्षा के उपरान्त श्रष्ठययन के लिये उदासीन न हो जायें। प्रशिक्षण

6. तीनों सेनाम्नों मर्थात् थल सेना, नौसेना मौर वायु सेना के लिये चुने गये उम्मीदवारों को तीन वर्ष के लिये शैक्षित तथा शारीरिक दोनों प्रकार का प्रारम्भिक प्रशिक्षण रण्डोय रक्षा म्रकादमी में दिया जाता है जो एक सर्व सेना संस्था है। पर्ते ढाई वर्ष का प्रशिक्षण तीनों सनाम्रों के लिये गमाम है। सफन होने पर कैंडेटों को जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यान्य, दिल्ली द्वारा बीठ एसठ-सीठ/बीठ एठ डिग्री प्रदान की जाएगी।

- 7. र.प्ट्रीय रक्षा फ्रक्तात्मी में पास होते के बाद थल सेता कैंडेट भारतीय राता क्राक्टमी, देहरादून में, नौसेना कैंडट कैंडेटों के प्रशिक्षण पोत में और वायु सेना कैंड्ट ई० एफ० एस० विदार जायेंगे।
- 8. भारतीय सना ग्रकादमी में सेना कैंडेटों को 'जेन्टल-मैंन कैंडेट' कहा जाता है श्रीर उन्हें एक वर्ष तक कड़ा प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे इन्फैन्ट्री के उप यूनिटों का नेतृश्व करने योग्य श्रफसर बन सकें। प्रशिक्षण सफलता से पूरा करने के बाद जैन्टलमैंन कैंडेटों को उनके शेष (Shape) गारीरिक दृष्टि से योग्य होने पर सेकिन्ड लेफ्टिनेन्ट के पद पर स्थाई कंमीशन दिया जाता है।
- 9. नौंदेना कैडेटों के राष्ट्रीय रक्षा ग्रमादमी में पास होने पर उन्हें नौनेना की कार्यपालक इंजीनियरों, बिजली ग्रार शाखाओं के लिये चुना जाता है। उन्हें छः महीने के लिये कैडेट पशिप्तग-नीत पर ममुदी प्रणिक्षण दिया जाता है। जिपे लफनता पूर्वक पूरा करने पर उन्हें मिडिशापमैन रैंक में पदोक्षत किया जाता है। संबद्ध शाखा में 6 महीने तक ग्राग प्रणिक्षण पाने के बाद उन्हें कार्यकारी तथा लेफ्टिनेन्ट के रैंक में पदोक्षत किया जाता है।
- 10. वायुसेना कैंडेटों को हवाई उड़ान का छेढ़ वर्ष का प्रिक्षण प्रियम दिया जाता है। तथापि उन्हें एक वर्ष का प्रिक्षण पूरा होने पर अनितम रूप से पाइलट अफसर के रूप में कमिणन प्रदान किया जाता है इसके बाव छः महीने का प्रिक्षण मकजतः पूर्वक पूरा करने पर उन्हें एक वर्ष की अवधि के लिये परिवीक्षा पर स्थाई रूप से कमीशन अफलर के रूप में समाप्त कर दिया जाता है।

सेवा की शतें

11. थल सेना ग्राधिकारी

(i) वेतन

रैंक	वेतनमान
सेभिष्ड लेफिटनेन्ट	रुपये
लेपिडनेन्ट	750790
	830950
कॅंप्टन	11001550
मेजर	1450-1800
लेफ्टिनेन्ट कर्नल (चयन द्वारा)	17501950
लेक्टिनेन्ट कर्नल (समय वेतनमान) कर्नल ब्रिमेडियर	1900 नियत
	1950-2175
	2200-2400
मेजर जनरल	2500-125/2
2.02	2750
लेपिटनेस्ट जनरल 19—(46GI/80	३००० प्रतिमास

(ii) योग्यता वेतन ग्रीर ग्रनुदान

लेपिटनेन्ट कर्नल और उससे नीचे के रैंक के कुछ निर्धारित योग्यता रखने नाले अधिकारी भ्रपनी योग्यताओं के आधार पर 1600/- रु०, 2400/- रु०, 4500/- रु० श्रयवा 6,000/- रु० के एकगण्त श्रनुदान के हकदार हैं। उड़ान प्रणिक्षक (वर्ग 'ख') 70/- रु० की दर पर योग्यता वेतन के श्रधिकारी होंगे।

(iii) भत्ते

वेतन के भ्रतिरिक्त श्रफसरों को इस समय निम्नलिखित भन्ने मिलते हैं:--

- (क) सिविलियन राजपितत श्रफसरों पर समय-समय पर लागू दरों श्रौर शर्तों के श्रनुसार ही इन्हें भी नगर प्रतिकर तथा मंहगाई भक्ते दिये जाते हैं।
- (ख) रु० 50/- प्रतिमास की दर से किट ग्रनुरक्षण भत्ता।
- (ग) भारत के बाहर सेवा करने पर ही प्रवास भत्ता मिलेगा। यह विदेश भन्ते की तदनुरूपी एकल दर का 25% से 40% तक होगा।
- (घ) नियुक्ति भत्ताः जब विवाहित श्रफसरों को ऐसे स्थानों पर तैनात किया जाता है जहां परिवार सहित नहीं रहा जा सकता है तब श्रफसर 70/- रु० प्रतिमास की दर से नियुक्ति भत्ता प्राप्त करने के हकदार होते हैं।
- (छ) सज्जा भत्ता: प्रारम्भिक सज्जा भत्ता रु० 1400/-है। प्रथम कमीशन की तारीख से रु० 1200/-की दर से प्रत्येक सात वर्षवे बादएक नए सज्जे भत्ते के दावे का भुगतान किया जा सकता है।

(iv) तैनाती

थक्ष सेना ग्रफसर भारत में या विदेण में कहीं भी तैनात किये जा सकते हैं।

(v) पदोन्नतियां

(क) स्थाई पदोन्नति

उच्चतर रैंकों पर स्थाई पदोश्चति के लिये निस्निपिखित सेवा सीमाऐं हैं:--

समय वेतनमान से लिपिटनेन्ट 2 वर्ष कमीणन प्राप्त सेवा कैप्टन 6 वर्ष कमीणन प्राप्त सेवा मेजर 13 वर्ष कमीणन प्राप्त सेवा मेजर केलिपटनेन्ट कर्नल यदि चयन बारा पदोन्नति न हुई हो 25 वर्ष कमीणन प्राप्त सेवा च्यन द्वारा लिपिटनेन्ट कर्नल 16 वर्ष कमीणन प्राप्त सेवा कर्नल 20 वर्ष कमीणन प्राप्त सेवा

त्रिगेडियर	23 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर जनरल	25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेका
लेफ् <mark>टिनेन्ट जनरल</mark>	28 वर्षकमी शन प्राप्त मेवा
अनर ल	कोई प्रतिबन्ध नहीं।

(ख) कार्यकारी पदोन्नति

निम्नलिखित न्युनतम सेवा सीमाएं पूरी करने पर, श्रफसर उच्चतर रैंकों पर कार्यकारी पदोन्नति के लिये पात होंगे बणर्ते कि रिक्तियां उपलब्ध हों:--3 वर्ष कैप्टन 6 वर्ष मेजर 61/_र वर्ष लेपिटनेन्ट कर्नल कर्नल 8 है वर्ष **ब्रिगेडियर** 12 वर्ष मेजर जनरल 20 वर्ष लेपिटनेस्ट जनरल 25 वर्ष

12 नौसेना अर्फसर

(i) वेतन

रंक

	/—— — —————	<u> </u>
	सामान्य सेवा न	ो सेना विमानन श्रोर पनडुब्बी
	मासिक रु०	मासिक रु०
मि ड िशपमैन	560	560
कार्यकारी सब लेपिटनेन्ट	750	825
सब लेपिटनेन्ट	830-870	910-950
लेपिटनेन्ट	1100-1450	1200-1550
लेपिटनेन्ट कमांइर	1550-1800	1650-1800
कर्माडर	1800-1950	1800-1950
कैप्टन	कौमोडोर की ट	•
रियर एडमिरल	2500-125/2	-2750
वाइस एडमिरल	3000/- प्रतिम	ास

वैतनमान

कुछ निर्धारित योग्यतायें रखने वाले कमांडर श्रीर उसके नीचे के रैंक के श्रक्सर को श्रपनी योग्यताश्रों के श्राधार पर 1600/- ह०, 2400- ह०, 4500/- ह० या 6000/- ह० के एकम्ण्य श्रनुदान के हकदार हैं।

(ii) भत्ते

नौसेना विमानन ग्रफंसर उड़ान भक्ता के लिये उन्हीं दरों तथा मतों के श्रधीन होने जो वायु सेना श्रफसरों के श्रनुरूपी रैंकों के लिये लागु हैं। नौसेना श्रफसर समकक्ष रैक में थल सेना श्रफसरों को मिलने वाले भत्ते के लिये भी हकदार है। इसके श्रंतिरिक्त उन्हें हार्ड लाइंग मनी, पनडुब्बी भत्ता, पनडुब्बी वेतन श्रीर गोता वेतन जैसे विशेष रियायनें भी दी जानी हैं।

(iii) पदोन्नतियां

(क) मूल पदीन्नित

उच्चतर रैंकों पर कार्यकारी पदोश्नतियां देने के लिये निम्नलिखित सेवा सीमायें हैं:--

समय वेतनमान द्वारा	
सब लेफ्टिनेन्ट	1 वर्ष
लेपिटनेन्ट	3 वर्ष (वरिष्ठता लाभ/जंबती
	के ग्राधीन)
लेपिटनेन्ट कमोडर	लेपिटनेन्ट के रूप में 8 वर्ष
	को वरिष्ठता
कमांडर	2.4 वर्ष की कमीर्शन प्राप्त
7713	
	सेवा (यदि चयन ब्रारा पदो-
	न्नति नहीं हुई है)।
चयन द्वारा	
कमांडर कार्य पालक शाखा	लेपिटनेन्ट कमाण्डर के रूप में

	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
चयन द्वारा	
कर्मांडर कार्य पालक शाखा	लेपिटनेन्ट कमाण्डर के रूप में
	2-8 वर्ष की वरिष्ठता।
कमांडर इंजीनियरी शाखां	लेपिटनेन्ट कमांडर के रूप में
	2-10 वर्ष की वरिष्ठता।
कमाण्डर विद्युत् शाखा	लेपिटनेस्ट कमांडर के रूप में
	2-10 वंर्ष की वरिष्ठता।
कैंप्टन	कर्माडर के रूप में 4 वर्ष की
	वरिष्ठता ।

रियर एडमिरल ेा कोई प्रतिबन्ध नहीं। बाइस एडमिरल कोई प्रतिबन्ध नहीं।

(ख) कार्यकारी पदोन्नति

लेफ्टिनेन्ट कमाण्डर के रैंक को छोड़कर जिसके लिये किसी श्रफसर की लेफ्टिनेन्ट के रूप में 6 वर्ष की वरिष्ठता होनी चाहिए, नौसेना की कार्यकारी पदोश्रति के लिये कोई सेवा सीमा नहीं है।

13. वायु सेना श्रफसर

(i) धेतन

रेंक	वेतनमान रुपये
—————————————————————————————————————	825-865
फ्लाइंग श्रफ्सर	910-1030
पक्षाइंग लेफ्टिनेंट	1300-1550
स्वाड्रन लीडर	1650-1800
विंग कमीडर (चयन)	1750-1950
विंग कमांडर (समय वैतनमान)	1 9 0 0 नियत

·	
ग्रुप केंप्टन	1950-2175
एयर कमांग्रर	2200-2400
एवर बाइस मार्शन की० सी० ए० एस०	
एण्ड ए० फ्रो० एस० सी इन सी	3250
एयर चीफ मार्शल (सी० ए० एस०)	4000

(ii) **म**ते

उड़ान भता⊶उड़ान माखा (पायलट ग्रौर नेवीमेटर) माखाश्रों के ग्रफसर निम्नलिखित दर पर उड़ान भत्ता लेने के पान्न हैं:---

> प्रतिमास कु०

विंग कमांडर तक 375 ग्रुप कुंद्रन ग्रीर एयर कमांडर 333.33 एयर वाइस मार्शन ग्रीर उससे ऊपर 300

(iii) योग्यता वेतन/प्रनुदानः—निम्नलिखित दरों पर उन उड़ान शाखा अकसरों को प्राप्य जिनके पास निर्धारित योग्यतायें हैं:---

योग्यता वेतन

रु० 100/- प्र० मा० या रु० 70/- प्र० मा०

ह० ह०

योग्यता स्रनुदान

6000/- रु० 4500/-2400/- या 1600/-

(iv) पदोन्नतियां

(क) मूल पदोन्नति

उच्चतर रैंकों पर मूल पदोन्नाति के लिये निम्नलिखित सेवा सीमायें हैं:---

समय बेतनमान द्वारा

पताइंग ग्रफसर 1 वर्ष की कमीणन प्राप्त सेवा पताइंग लेफ्टिनेन्ट 5 वर्ष की कमीणन प्राप्त सेवा स्ववाडून लीडर 11 वर्ष की कमीणन प्राप्त सेवा विगक्तमांडर यदि चयन द्वारा पदोन्नति न हुई हो तो 24 वर्ष की कमी-शन प्राप्त सेवा पूरी कर ली हो।

चियन द्वारा

विग कमांडर— 16 वर्ष कुल कमीणन प्राप्त सेवा गिनी जाएगी।

ग्रुप कैंप्टन— 22 वर्ष — बही—

एयर कमोडोर— 24 वर्ष — बही—

एयर वाइम मार्गल— 26 वर्ष — वही—

एयर मार्गल— 28 वर्ष — बही—

(ख) कार्यकारी पदोश्वति

ग्राफनरी की कार्यकारी पदोन्नति के लिये ग्रापेक्षित न्यून-तम सेवा सीमा इस प्रकार है:---पलाइंग लेफ्टिनेन्ट 2 वर्ष 5 वर्ष स्क्वाडून सीडर 6 वर्ष (स्क्वाडून लीडर के विंग कमांडर रैंक में एक वर्ष की सेवा के बाद)। 11 वर्ष (विंग कमांडर ध्रौर एयर कमोडोर ग्रुप कैप्टन के रूप में 3 वर्ष की सेवा के बाद)। एयर बाइस मार्शल (विंग कमांडर, ग्रुप केंप्टन भ्रौर एयर कमोडोर के रैंकों में 5* वर्ष की सेवा के बाद)। 23 वर्ष एयर मार्शल

*खंडित ग्रवधियों को गामिल करके

14. सेवा निवृत्ति लाभ

पेन्शन, उपदान भ्रौर कैंजुएल्टी पेंशनी श्रवार्ड समय-समय पर लागू नियमों के श्रनुसार स्वीकार्य होंगे।

15. **छु**ट्टी

समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार छुट्टी स्वीकार्य होगी।

परिशिष्ट IV

भारत सरकार के श्रधीन पदों पर नियुक्ति हेतु ग्रावेदन करने वाले श्रनुस्चित जातियों श्रौर श्रनुस्चित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पत्य का फार्म:

प्रमाणित किया जाता है कि श्री : * * * * सुपूत्र श्री '''' जो मंडल*···· राज्य/संघ* राज्य क्षोत्रके निवासी हैं। •••••जाति के है जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति के रूप में मान्यता दी गई है:---(ग्रनुसूचित जातियां) ग्रादेश, 1950* संविधान (भ्रनुसूचित जन जातियाँ) म्रादेश, 1950* संविधान संविधान (श्रनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951* (भ्रनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य संविधान ब्रादेश, 1951* t

[अनुसूचित जातियां श्रोर अनुसूचित जन जातियां सूचितां (प्राणोधन) श्रादेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन श्रधि-ति । 1930, ग्रांच पुनर्गठन श्रधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेग राज्य श्रधिनियम, 1970 श्रोर उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुन-गंठन) श्रधिनियम 1971 श्रोर अनुसूचित जातियां तथा अनु-सूचित गत जातियां श्रादेश (संशोधन) श्रधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित)

संविधान (जन्मू और काश्मीर) श्रनुसूचित जातियां श्रादेश, 1956*

संविधान (श्रंडनाम और निकोबार द्वीपसमूह) श्रनुसूचित जन नितियो अदिण, 1959 श्रनुसूचित जातियो तथा श्रनुसूचित जन जानिया श्रादेश (संशोधन) श्रिधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित*

पंतिपात (१४२ प्रौर नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेग, 1962*

संविधात (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1962*

संविधात (छड़ेनरी) अनुस्वित जातियां भादेश, 1964* संविधात (प्रनुद्वित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) श्रादेश, 1967*

संविधान (गोपा, दसन, ग्रीर दियू) श्रनुसूचित जातिया ग्रादेश, 1968 भ

संविधाः (गोधाः, दमन ग्रीर दियु) ग्रनुसूचित जन जातियां ग्रादेण, 1968

संवित्रात (नागालेंड) अनुसूचित जन जातियां आदेश. 1970*

2. श्री श्रीर/या* उनका परिवार श्रामतौर स गांव/कस्वा*..... राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र*.... राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र राज्य क्षेत्र राज्य क्षेत्र राज्य क्षेत्र

(कार्यालय की मोहर के लाख)

तारीखः

*जो शब्द लागू न हों उन्हें रूपया काट दें।

नोट: - -पहां ''ग्राम तौर से रहता है" का ग्रर्थ वहीं होगा जो ''रिप्रेजेंटेशन ग्राफ दि पीपुत्स एक्ट, 1950'' की धारा 20 में है।

**जाति/जन जाति का प्रमाण-पन्न जारी करने के लिये सक्षम भ्रिधिकारी । (i) जिला मैजिस्ट्रेट/भ्रतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलेक्टर/ डिल्टी कमिश्नर/एडीशनल डिल्टी कमिश्नर/डिप्टी कलैक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/ सिटी मैजिस्ट्रेट/†सब डिविजनल मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/एग्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा ग्रमिस्टेंट कमिश्नर।

†(प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम ग्रीहदे का नहीं)।

- (ii) चीफ प्रैसीडेन्सी मैजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट/प्रैसीडेन्सी मैजिस्ट्रेट।
- (iii) रेवेन्यू भ्रफसर जिनका श्रोहदा तहसीलदार से कम न हो।
- (iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल श्रकसर जहां उम्मी-दवार श्रीर/या उसका परिवार श्राम तौर से रहता है।
- (v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेबलपमेंट श्रफसर (लक्षद्वीप)।

परिभिष्ट V

संघ लोक सेवा श्रापोग

उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका

क. वस्तु परक परीक्षण

ग्राप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं, उनकी "वस्तुपरक परीक्षण" कहा जाता है। इस प्रकार के परीक्षण में ग्रापकी उत्तर फैलाकर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसकी ग्रागे प्रश्नांश कहा जाएगा) के लिये कई संभाव्य उत्तर दिए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक के लिये एक उत्तर (जिसकी ग्रागे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) ग्रापको चुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

ख. परीक्षण का स्वरूप

प्रश्न पत्न 'परीक्षण पुस्तिका के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में कम संख्या 1, 2, 3....के कम से प्रश्नांश होंगे। हर प्रश्नांश के नीचे a, b, c, कम में संभावित प्रत्युत्तर लिखे होंगे। आपका काम प्रत्येक प्रश्न के लिये एक सही या यदि एक से अधिक प्रत्युत्तर सही हैं तो उनमें से सर्वोत्तम प्रत्युत्तर का चुनाय करना होगा (अन्त में दिए गए नम्ने के प्रश्नांण देख लें)। किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रश्नांण के लिये आपको एक ही प्रत्युत्तर का चुनाय करना होगा। यदि आप एक से अधिक चुन लेते हैं तो अपका उत्तर गन्नत माना जाएगा। ग. उत्तर देने की विधि

उत्तर देने के लिये ग्रापको अलग से एक जत्तर पत्रक परीक्षा भवन में दिया जाएगा। ग्रापको अपने उत्तर इस उत्तर पक्षक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पक्षक को छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर जांचे नहीं जाएंगे।

उत्तर पत्नक (लमूला संलक्ष्म) म प्रश्नाशों की संख्यायं 1 के 20 तक बार खण्डों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांश के लागने a, b, c, d, e,के प्रमसं प्रत्युक्तर छणे होंगे। परीक्षण पुरितका के प्रत्येक प्रश्नाण को पढ़ लेने प्रांत यह निर्णय करने के बाद कि कीन सा प्रत्युक्तर गही या सर्वोक्तम है आपको उस प्रत्युक्तर के प्रधार की दर्शने वाले आयत को पेन्किय से काला बनाकर उसे प्रकित कर देला है, जैसा कि संल्यन उत्तर पत्नक के नमूने पर दिखाया गया है। उत्तर पत्नक के आयत को काला बनाने के लिए स्पाही का प्रयोग नहीं करना चाहिए

 "can cbn cen cen

 "can cbn cen

 "can cbn cen

 "can cbn cen

इसलिये यह जरूरी है कि प्रश्तांशों के उत्तरों के लिये केवल अच्छी किस्प की एच० बी० पेंसिल (पेंसिलें) ही लाएं और उन्हींका प्रयोग करें।

- 2. अगर आपने गलत निषान लगाया है, तो उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर का निषान लगा दें। इसके लिए आप अपने साथ एक रखड़ भी लाएं।
- 3. उत्तर पत्नक का उपयोग करते समय कोई ऐसी प्रसावधानी न हो जिससे वह खराब हो जाए या उसमें मोड़ व सलबट शादि पड़ जाएं और यह टेका हो जाए।

घ कुछ मह्त्वपूर्ण नियम

- गुआपको परीक्षा आपम्भ करने के लिए निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा ग्रीर पहुंचते ही ग्रपला स्थान ग्रहण करना होगा।
- परीक्षण शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
- परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।
- 4. परीक्षा मनाप्त होने के बाद, परीक्षण पुस्तिका श्रीर उत्तर पत्रक पर्यवेक्षक को सौंप दें। श्रापको परीक्षण पुस्तिका परीक्ष-भवन से बाहर ले जाने की श्रनुमति नहीं है। इन नियमों का उल्लंघन करने पर कड़ा दण्ड दिया जाएगा।
- 5. उत्तर पत्नक पर नियत स्थान पर परीक्षा/परीक्षण का नाम, अपना रोल नम्बर, केन्द्र, विषय, परीक्षण की तारीख और परीक्षण पुस्तिका की क्रम संख्या स्याही से साफ-माफ लिखें। उत्तर पत्नक पर ग्राप कहीं भी श्रपना नाप न लिखें।

- 6. परीक्षण पुस्तिका में दिये गये सभी प्रमुद्धेश प्रापकी साघधानी से पढ़ने हैं। इसलिये संभव है कि इन प्रमुदेशों का साघधानी से पासन न करने से प्रापके नंबर कम हो जाएं। श्रगर उत्तर पत्तक पर कोई प्रविष्टि संदिश्व हैं, तो उस प्रश्नाण के लिये श्रापकों कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षण को दिये गये श्रमुदेशों का पासन करें। जब पर्यवेक्षण किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को श्रारम्भ या समाप्त करने को देने। उनके श्रमदेशों का तत्काल पासन करें।
- 7. श्राप अपना प्रवेश प्रमाण-पत साथ लाएं श्रापकी श्रापने साथ एक एवं बीठ वेलिल, एक रबंड, एक पेंसिल शार्पनर श्रीर नीली या काली स्याही वाली कलम भी लानी होगी। शापको यह भी सलाह दी जाती है कि स्राप प्रपने साथ एक क्लिप बोर्ड या हाई बोर्ड या काई बोर्ड भी लाएं जिस पर कुछ भी न लिखा हो । यदि श्रापको दी कुई मेज की सतह समतल नहीं है तो इसकी सलह समतल होने के कारण ग्रापको परीक्षण पुरितका में उत्तर श्रंकित करने में मुविधा होगी। श्रापको परीक्षा भवन में कोई कच्चा कागज या कागज का टकड़ा, पैमाना या फ्रारेखण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। कच्चे काम के लिये प्रापको एक प्रलग कागज दिया जाएगा । प्राप कच्चा काम शुरू करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम, ग्रथना रोल नम्बर और नारीख लिखें घौर परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे श्रपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को पास कर दें।

क विशेष अनुदेश

जब प्राप परीक्षा भवन में प्रपने स्थान पर बैठ जाते हैं तब निरीक्षक में प्रापकों उत्तर पवक मिलेगा। उत्तर पवक पर प्रोक्षित सूचना प्रपनी कलम से भर हैं। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक प्रापकों परीक्षण पुस्तिका देंगे। जैसे ही प्रापको परीक्षण पुस्तिका मिल जाए, तुरन्त प्राप देख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है प्रौर सील लगी हुई है। श्रन्यथा, उसे बदलवा लें। जब यह हो जाए तब आपको उत्तर पत्रक के सम्बन्ध खाने में प्रपनी परीक्षण-पस्तिका की कम संख्या लिखनी होगी।

च. कुछ उपयोगी सुझाव

यग्रिय इस परीक्षण का उद्देश्य श्रापकी गति की श्रपेक्षा शुद्धता को जांचना है, फिर भी यह जरुरी है कि आप अपने समय का दक्षता से उपयोग करें। संतुलन के साथ श्राप जितनी जल्दी श्रागे बढ़ सकते हैं बढ़ें, पर लापरवाही न हो। श्रगर श्राप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते हों तो चिन्ता न करें। श्रापकों जो प्रश्न श्रत्यंत कठिन मालूम पड़ें, उन पर समय व्यर्थं न करें। दूसरे प्रश्नों की श्रोर बढ़ें श्रीर उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नों के भ्रंक समान होंगे। सभी प्रश्नों के उत्तर दें। ग्रापके द्वारा श्रंकित सही प्रत्युत्तरों की संख्या के ग्राधार पर ग्रापको श्रंक दिये जायेंगे। गलन उत्तरों के लिये भ्रंक नहीं काटे जाएंगे।

छ परीक्षण का समापन

जैसे ही पर्यवेक्षक ग्रापको लिखना बन्द करने को कहे ग्राप लिखना बन्द कर दें।

जब अ।पका उत्तर लिखना समाप्त हो जाए तब आप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक निरीक्षक भ्रापके यहां भ्राकर अ।पकी परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक भ्रीर कच्चा काम करने के लिए पत्रक न ले जाएं भीर अ।पको "हाल" छोड़ने की भ्रनुमित न दें। भ्रापको परीक्षण-पुस्तिका भ्रीर उत्तर पत्रक भ्रीर कच्चा कार्य करने के लिये पत्रक परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की भ्रनुमित नहीं है।

नमूने के प्रश्न

- तौर्य त्रंग के पतन के लिये निम्बलिखित कारणों में से कौन-पा उत्तरदायी नहीं हैं।?
 - (a) प्रजोक के उत्तराधिकारी सबके सब कमजोर थे।
 - (b) ग्रशोक के बाद साम्राज्य का विभाजन हुमा।
 - (७) उत्तरी सीमा पर प्रभावशाली सुरक्षा की व्यवस्था नहीं हुई।
 - (ু) श्रशोकोत्तर युग मैं कार्मिक रिक्तता थी।
 - 2. संसदीय स्वरूप की सरकार में
 - (a) विधायिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायीं है।
 - (b) विधायिका कार्यपालिका के प्रति उत्तरदायी है।

- (c) कार्यपालिका विधायिका के प्रति उत्तरवासी है।
- (d) न्त्रायपालिका विधायिका के प्रति **उत्तरदा**यी है।
- (e) कार्यपालिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी। 3. पाठणाला के छात्र के लिये पाठ्येत्तर कार्यकलाप का मुख्य प्रयोजन।
 - (a) विकास की सुविधा प्रदान करना है।
 - (b) भ्रनुशासन की समस्याभ्रों की रोकथाम है।
 - (c) नियत कक्षा कार्य में राहत देना है।
- (d) शिक्षा के कार्यक्रम में विकल्प देता है। 4. सूर्य के सबसे निकट ग्रह है:

शुक्र **बृ**हस्पति मंगल बुध

- 5. वन ग्रौर बाढ़ के पारस्परिक संबंध को निम्मलिखित में से कौन सा विवरण स्पष्ट करता है?
- (a) पेड़ पौधे जितने अधिक होते हैं मिट्टी का क्षरण जतना अधिक होता है जिससे बाढ़ होती है।
- ('5) पेड़ नौबे जितने कम होते हैं नदियां उतनी ही गाद से भरो होती हैं जिससे बाढ़ होती हैं।
- (c) पेड़ नौधे जितने अधिक होते हैं नदियां उतनों ही कम गाद में भरो होती हैं जिससे बाढ़ रोकी जाती है।
- (d) पेड़ पौधे जितने कम होते हैं उतनी ही धीमी गित से बर्फ पिघल जाती है जिससे बाढ़ रोकी जाती है।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 3rd June 1980.

No. A. 35011/1/79-Admn.II —The Secretary, Union Public Commission, hereby appoints Shri J. S. Sawhney a permanent Section Officer of CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate on an ad-hoc basis as Section officer (Special-Examination Scrutiny and Coordination) in the Commission's office for the period from 4-6-80 to 3-9-80, or until further orders whichever is earlier.

2. On his appointment to the post of Section Officer (Special-Examination Scrutiny and Coordination), the pay of Shri J. S. Sawhney will be regulated in terms of the Ministry of Finance, Department of Expenditure O. M. No. F. 10 (24)-E. III/60 dated 4-5-1961, as amended from time to time.

S. BALACHANDRAN

Under Secy.

for Secy.

Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 2nd June 1980

No. A. 32013/3/79-Admn. I—In continuation of Union Public Service Commission Notification of even number dated 27-11-79, 11-1-80 and 2-6-80 the President is pleased to appoint Shri B. D.s Gupta, a permanent Grade I officer of the CSS cadre of Union Public Service Commission to efficiate in the Selection grade of CSS as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission on ad-hoc basis for a further period of three months w. e. f. 3rd April, 1980 or until further order, whichever is earlier.

The 3rd June 1980

No. A. 19014/1/80-Admn.1—The President is pleased to appoint Shri H. V. Lalringa an officer of the Indian Administrative Service (M&T: 1972) to the post of Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission, with effect from the forenoon of 27th May, 1980 until further orders.

S. BALACHANDRAN

Under Secy.

Union Public Serivce Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 7th June, 1980

No. 10 RCT 2.—The Director Central Vigilance Commission hereby appoints Shri K. L. Ahuja, a permanent Assistant of this Commission as Section Officer in an officiating expacity with effect from 31-5-80 to 28-8-80 or until further orders, whichever is earlier.

K. L. MALHOTRA Under Secy. for Director

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL & AR CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION.

New Delhi, the 18th June 1980

No. A 19036/5/80. Ad V.—Director, Central Bureau of Ineffect vestigation and Inspr. Gener: 1 of Police, Special Police Establishment is pleased to appoint Shri R. P. Vashi an Inspector on deputation from Gujarat State to the rank of Dy. Supdt, of Police in the Central Bureau of Investigation with effect from the forenoon of 22-5-80

Q. L. GROVER Administrative Officer (E)

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110011, the 16 June 1980

No. O. II. 1198/74-Estt.—The President is pleased to relieve Shri N. K. Bhat, Dy. S. P. of 2 Battalion, CRPF w. c. f. the afternoon of 12.5.1980 on expiry of one month's notice under rule 5 (i) of the CCS (TS) rules, 1965.

K. R. K. PRASAD Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi, the 16th June 1980

No. E-16014/3/13/15/73-Pers—On repatriation to his parent office, Shri R. Seshadri relinquished the charge of the post of Asstt-Comdt, CISF Gp. HQrs Madras w. e. f. the afternoon 21st May, 1980.

On transfer from Trg. Res/(S/Zone) at MPT Madras Shri R. Seshadri assumed the charge of the post of Asstt. Comdt CISF Gp. HQrs Madras w. e. f. the same date.

No. E-16013(1)/2/76-Pers—On his appointment as Inspector-Goneral (HQrs), CISF, New Delhi. Shri I. M. Mahajan relinquished the charge of the post of Dy. IG (Int) CISF HQrs, New Delhi with effect from the afternoon on 7th June, 1980.

No. E-38013(3) /1/79-Pers—On transfer from Bokaro, Shrl S. B. Chaudhary assumed the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, Farakka Barrage Project, Farakka with effect from the forenoon of 13th May, 80.

No. E-16013(1)/3/80-Pers—The President is pleased appoint to Shri I. M. Mahajan IPS (MT-1953), to the post of Inspector-General (HQrs) CISF, New Delhi with effect from the afternoon of 7th June, 1980.

PARKASH SINGH Asst. Inspector-General (Pers) CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, 17th June 1980

No. 11/8/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Dr. M.G. Deshpande, an officer belonging to the Maharashtra Civil Service as Deputy Director of Census Operations, in the Office of the Director of Census Operations, Maharashtra, Bombay by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 14th April 1980, until further orders.

- 2. The headquarter of Shri Deshpande will be at Satara.
- 3. This issues in Supersession of this office notification No. 11/8/80-Ad.I dated 8-5-80.

No. 11/102/79-Ad. I—The President is pleased to appoint Shri S. P. Grover Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Registrar General, India, New Delhi as Deputy Director of Census Operations, in the office of the Director of Census Operations, Punjab, Chandigarh, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period of one year with effect from the forenoon of 14th April, 1980, or till the post is filled on regular basis, whichever period is shorter.

- 2. The headquarters of Shri Grover will be at Chandigarh,
- 3. The above-mentioned ad-hoc appointment will not bestow upon Shri Grover any claim for regular appointment to the grade of Deputy Director of Census Operations. The Services rendered by him on ad-hoc basis will not count for the purpose of senicrity in the grade of

Deputy Director of Census Operations nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned adhoe appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

4. This issues in supersession of this office notification No. 11/102/79-Ad.I, dated 5-5-30.

No. 11/31/80-Ad. 1 -The President is pleased to appoint Shri P. V. Gopala Rab, an Officer belonging to the Andhra Pradesh Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of the Census Operations, Andhra Pradesh, Hyderabad, by transfer on deputation, with effect from the afternoon of 27th May, 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Gopala Rao will be at Guntur.

No. 11/125/79-Ad. I—The President is pleased to appoint Shri L. K. Chaturvedi, an Officer belonging to the Rajasthan Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Rajasthan, Jaipur by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 28th May, 1980, until further orders.

The headquarter of Shri L. K. Chaturvedi will be at Udaipur.

No. 11/15/80-A.I.—The President is pleased to appoint Shri H. J. Siddalingappa, an Officer belonging to the Karnataka Civil Service as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Karnataka, Bangalore by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 2nd June, 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Siddalingappa will be at Mysore.

No. 11/31/80-Ad. I—The President is pleased to appoint Shri K. S. Rudramurthy, an Officer belonging to the Andhra Pradesh Civil Service, as Deputy Director of Census Operations, in the office of the Director of Census Operations, Andhra Pradesh, Hyderabad by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 29th May, 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Rudramurthy will be at Tirupati.

No. 11/31/80-Ad. I—The President is pleased to appoint Shri S. Satyanarayana Naidu, an officer belonging to the Andhra Pradesh Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Andhra Pradesh, Hyderabad, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 29th May, 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Naidu will be at Khammam.

P. PADMANABHA Registrar General

LABOUR BUREAU

Simle, the 10th July 1980

No. 23/3/80-CPI.—The All India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base 1960=100 increased by seven points to reach 382 (three hundred and eighty two) during the month of May, 1980.—Converted to base 1949=100 the index for the months of May, 1980 works out to 464 (four hundred and saxty four).

A. S. BHARADWAJ
Joint Director
Labour Bureau

MINISTRY OF ITINANCE (DEPTT. OF E.A.) INDIA SECURITY PRESS Nasik Road, the 19th June 1980

No. 434/A—The undersigned hereby appoints Shri P.D. Jadhay, Sectional officer, Currency Note Press, Nasik Road (Class-

III-Non-Gazetted), to officiate as Administrative officer, India Security Press (Class II Gazetted) in the revised scale of pay Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 on an ad-boc basis with effect from the forenoon of 7-6-80 to 6-12-80 or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier against the vacancy caused due to repatriation of Shri Satya Bhushan, Ad. O. to his parent department.

N. RAMAMURTHY St. Dy General Manager

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES

New Delhi-2, the 19th June 1980

No. Admn. I/O.O.No.137—Shri R. K. Bishnoi a permanent Section officer as officiating Audit officer of this office has retired voluntarily from service of the Government of India, with effect from 1-6-1980 (F. N.) after completion of more than 20 years of qualifying service in terms of G.I., Ministry of H.A. O. M. No. 25013/7/77-Estt. (A) dated 26-8-1977/F.R.56(K).

2. Shri Bishnoi entered Government service on 24-9-1954 and his date of birth is 2.7.1930.

Sd/- ILLEGIBLE
Joint Director of Audit (Admn)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF ACCOUNTS (POSTAL) Kapurthala, the 16 June 1980 NOTICE

O. M. No. Admn/Avi/Discip/Balram Krishan/476—Shri Balram Krishan son of Shri Lachhman Das previously Junior Accountant of this office had been on unauthorised absence since 1-9-79 and failed to acknowledge receipt of any of the memoranda issued to him at his known addresses. After following necessary disciplinary proceedings under the departmental rules, it was decided to remove him from service w.e.f. 9-5-80 forenoon and the order of removal from service was sent to him at his available addresses. As the registered covers containing the order of removal of the official from service sent to him at the available addresses have been received back un-delievered, it is hereby notified that Shri Bulram Krishan stands removed from service w.e.f. 9-5-80 forenoon.

S.R. HIREMATH Director of Accounts (Postal) Kapurthala-144601,

MINISTRY OF DEFENCE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 13th June 1980

No. 10/80/A/E-1(NG)/80--The D. G. O. F. is pleased to appoint Shri Deo Narain Tewari, Assistant as Hindi officer (Group 'B' Gazetted) at the pay of Rs.650/- P.M. in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-40-1200/- with effect from 26-5-80 against the post sanctioned under Ministry of Defence letter No. 5(3)/76/IV/D/Fy. 1) dated 6.8.77.

- 2. The above appointment is on ad-hoc basis and is subject to regularisation on framing of Recruitment Rules for the post.
- 3. Shri Tewari has assumed higher duties as Hindl officer with effect from 26-5-80

D. P. CHAKRAVARTI ADG/Admin.

for Director General, Ordnance Factories.

DEPARTMENT OF DEFENCE PRODUCTION INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

DIRECTORATE GENERAL ORDNANCE FACTORIES

Calcutta, the 13th June 1980

No. 40/80/G-The President is pleased to accept the resignation of Shri A. C. Pillai, Pmt. Deputy Mennger, w.e.f. 1st May 1976 (FN).

This Die. Genl. Notification No. 10/80/G dated 12th March. 1980 is hereby cancelled.

V. K. MEHTA.

Assit, Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERECE AND CIVIL SUPPLIES (DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 9th June 1980.

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 1/2/80-Admn. (G)/3744—The President is pleased to appoint Shri M. L. Jayant, permanent efficer of the Section Officer's grade of the CSS and Controller of Imports and Exports to officiate in Grade I of that Service and as Dy. Chief Cornoller of Imports and Exports in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi for the period from 18-3-80 to 11-6-80.

2. The above appointment of Shri M. L. Jayant in Grade 1 of the CSS and as Deputy Chief Controller of Imports and Exports is subject to the final decision of the Hon'ble Stpicme Court in Writ Petition No. 626-630 of 1979 by S. S. Shaima and others versus Union of India.

> MANI NARAYANSWAMI Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPERTMENT OF INDUSTRIAL DVELOPMENT)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 18 June 1980

No. 12(363)/62-Admn. (G) Vol. II.- Shri J. K. Syal has relinquished charge of the post of Asstt. Director (Gr.1)(Mechanical) in the Extension Centre, Meerut, with affect from the afternnoon of 17th March, 1980

The services of Shri J. K. Syal are placed at the disposal of Dadra & Nagar Haveli Administration with effect from the 17th March, 1980 (A.N.) as General Manager, District Industries Centre,

> M. P. GUPTA Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 11th June 1980

No. A.-1/1(1154)/177/80.—On his reversion to the post of Superintendent, Shri Manohar Lal J. Tahiliani, officiating Assistant Director (Gr.II) in the office of the Director of Supplies (Tax.). Bombay, relinquished charge of his post on the forenoon of 28-5-1980.

K. KISHORE

Deputy Director (Administration) for Director General, Supplies & Disposals

20-146GI/80

ADMINISTRATION SECTION A-6 New Delhi, the 17 June 1980

No. A. 17011/177/80.A6.—Shri R.N. Dutta, Junior Field officer in the office of Director of Supplies an Disposals, Bombay has been promoted to officiate on ad-hoc basis as Assistant inspecting officer (Met). in the office of the Director of Inspection (Met) Jamshedpur with effect from the forenoon of 19th May. 1980 and until further orders.

No. A. 17011/178/80.A6.—Shri A.N. Sangameswaran, Junior Field officer in the office of Director of Supplies and Disposals., Bombay has been promoted to officiate on ad-hoc basis as Assistant Inspecting officer (Met) in the office of the Director of Inspection (Met)., Jamshedpur with effect from the forenoon of 19th May, 1980 and until further orders.

P. D. SETH

Dy. Director Admn.

FOR Director General of Supplies & Disposals

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 7th June 1980

No. E-11(7)—In this Department's Notification No. E-11(7) dated the 11th July 1969, under Class 3 Division 1, add "POWEX 80% after the entry "POLAR SPECIAL GELATINE".

No. E-11(7)—In this Department's Notification No. E-11(7) dated the 11th July 1969, under Class-2 NITRATE MIX FURE add "INDOCOAL-1(HD)" before the entry "INDOCOAL-3".

I. N. MURTY Chief Controller of Explosives

MINISTRY OF STEEL & MINES DEPARTMENT OF MINES INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur Horible the 18th June, 80

No. FA.19012(51)/72-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint Shri B. Vithal Rao, Assistant Mining Geologist to the post of Junior Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 16th May, 1980,

> S. V. ALI Head of Office

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 13th June 1980

No.4546B/A-31013/AME/79-19C--The following officers are confirmed in the grade of Assistant Mechanical Engineer (Group 'B', Gazetted of (in the scale of pay) Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in the Geological Survey of India with effect from 15-7-1976. Geological Survey of

- 1. Shri Hans Raj Chawla,
- Shri T. Pundarikakshudu.

The 17th June 1980

No.4651B/A.32013(AO)78-80/19A-The following Superintendents. Geological Survey of India are appointed on promotion as Administrative officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB 35-880-40-1000-EB-40-1200/-in a temporary capacity with effect from the date shown against each, until furtier orders.

Name

Date of Appointment

1. Shri B. K. Majumder

21-4-1980 (F. N.)

2. Shri M. R. Ramachandran 7-5-1980 (F.N.)

No. 4683B/2181(KBR)/19B-On his being permanently absorbed in the Bharat Gold Mines Ltd. Shri K. B. Rao resigned

from the post of Assistant Chemist in the Geological Survey of India with effect from the afternoon of 18-2-1978.

The 19 June 1980

No. 4711B/A-32013/AO/78-80/19A—Shri N. C. Sarkar, Superintendent Geological Survey of India is appointed on promotion as Administrative officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the foreneon of the 16-5-1980, until further orders.

No. 4730B/2181(MLM)/19B- On his being permanently absorbed in the Mineral Exploration Corporation Ltd. Shri M. L. Mittal, resigned from the post of Assistant Chemist in Geological Survey of India with effect from the afternoon 19-9-1979.

V. S. KRISHNASWAMY Director General

SURVEY OF INDIA SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 19 June 1980

No. C.5630/724-SOS(A).—Shri D. Dhanasekharan, Stores Assistant (Sel. Gde.) is appointed to officiate as Assistant Stores Officer (GCS Group 'B' post) in Southen Circle, Survey of India, Bangalore, on adhoc basis, in the scale of pay of Rs. 550-25-750-EB-30-900 with effect from 12th May 1980.

K. L. KHOSLA
(Major General)
Surveyor General of India
(Appointing Authority)

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 19th June 1980

No. F. 20(C-2)-1/61-A.1:— Shri B. R. Sharma, Superintendent is appointed to officiate as Administrative officer (Group B Gazetted) on purely ad-hoc basis with effect from the forenoon of the 16th June, 1980 and until further orders (vice Shri B.S. Kalra, Administrative officer proceeded on leave). This id-hoc appointment will not confer any right of claim for regular appointment and will not count for the purpose of seniority and for eligibility for promotion to next higher grade.

His pay is fixed @Rs. 880/-p.m in the scale or Rs. 840-40-1000-EB-40-1200.

Sd/- illegible Director of Archives

ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 12th June 1980

No. 1/1/79-SII(Vol.II): Director General, All India Radio, hereby appoints Shri S. Govindaswamy, Accountant, All India Radio, Madras to officiate las Administrative Officer, AIR, Vijayawada with effect from 19-5-80.

The 17th June 1980

No. 1/2/80-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri P. S. Doraiswamy, Asstt. Cost Accounts Officer Admiral Supdt. Naval Dockyard Bombay to officiate cost Accounts Officer, Central Sales Unit Commercial Broadcasting Service, All India Radio, Bombay, with effect from 1-5-80.

S. V. SESHADRI Deputy Director of Admn. for Director General.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES New Delhi, the 18th June 1980

No. A-12026/30/78(RHTC)Admn.l.—Shri Shingara Singh relinquished the charge of the post of Administrative efficer, Rural HealthTraining Centre, Najafgerh with effect from the afternoon of the 17th March, 1980.

S. L. KUTHIALA Peputy Director Admn.

KRISHI MANRALAYA

(KRISHI AUR SAHAKARITA VIBHAG)

VISTAR NIDESHALAYA

New Delhi-23, the 13th June 1980

No. F. 2.- 1/79-Estt.(I)—The ad-hoc appointment of Shri O. P. Gupta in the post of Assistant Editor (Hindi) is further extended with effect from 7-6-80 to 6-12-80 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

B. N. CHADHA Director Administration

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 17th June 1980

No. A. 19023/1/80.A-III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri M.C. Johri is appointed to officiate as Marketing officer (Group I) in this Directorate at Abohar with effect from 26-5-80 (Forenoen), until further orders

B. L. MANIHAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser
to the Govt. of India

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY (NUCLEAR FUEL COMPLEX)

Hyderabad-500762, the 14th June 1980

No. PAR:0704:3039.—The Chief Executive, Nuclear Fue Complex, appoints Sri M. M. Nair, temporary Upper Diviso Clerk to officiate as Asst. Personnel Officer, on ad-hoc bas in Nuclear Fuel Complex, from 30-5-1980 to 30-6-198 vice Sri M. Balakrishnan, Assistant Personnel Office proceeded on leave.

The 15th June 1980

No. NFC: PAR-3303: 3072—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri M. Sriramulu, Section officer in the office of the Accountant General, Andhra Assistant Accounts officer, (Rs. 650-960), in the Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, on deputation basis, with effect from May, 31, 1980 (AN), until further orders.

P. S. R. MURTY Administrative Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the June 1980

No. AMD-1/23/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division Department of Atomic Energy, hereby appoints Shri N. S. R. Krishna Badari, as Scientific officer /Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of April 11, 1980 until further orders.

The 19th June 1980

No. AMD-1/23/80-Adm.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoint Shri Kiran Kumar Achar as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of May, 5, 1980 until further orders.

M. S. RAO Sr. Administrative & Accounts officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 17 June 1980

No. A38019/1/19/77-E.I.—The undermentioned officers of India Metrorological Department retired from the Government service on the dates mentioned against their names on attaining the age of superannuation.

Name	Designation	Date of re- tirement
Gurbachan h	Meteorologist Gr. I	31-5-1980(AN)
V. Venka- alam	Meteorologist Gr. 1	31-5-1980(AN)
G.D'Souza	Meteorologist Gr. II	31-3-1980(AN)
M.T. tia	Asstt.Meteorologist	29-2-1980(AN)
B. G. Lele	Asstt. Meteorologist	31-3-1980(AN)
B. Sankar-	Asstt.Meteorologist	31-3-1980(AN)
V. Surya	Assit.Meteorologist	31-5-1980(AN)
	Gurbachan h V. Venka- alam G.D'Souza M.T. tia B. G. Lele B. Sankar-	Gurbachan Meteorologist Gr. I h V. Venka- alam G.D'Souza Meteorologist Gr. II M.T. Asstt.Meteorologist ia B. G. Lele Asstt. Meteorologist B. Sankar- Asstt.Meteorologist

K. MUKHARJEE

Meteorologist

for Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 18th June 1980

No. A. 31011/1/78-EC: — The President is pleased to appoint the undermentioned four officers in substantive capacity in the grade of Communication Officer in the Civil Aviation Department with effect from 1-7-1978:—

S.No.	Name	Station of posting	
1. Shri .	J. C. Das	Aeronautical Communication tion, Calcutta.	Sta-
2. Shri	D.V. S. Dahiya	Aeronautical Communication Station, Agartala.	
3. Shri l	B. M. Brari	Regional Controller of Communi- cation Calcutta Airport, Calcutta.	
4. Shri	Umesh Kumar	Aeronautical Commustation, Civil Aerodromenasi.	nication , Vara-

R. N. DAS

Assistant Director of Administration

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Bombay, 400012 the May 1980

F. No. II/3E-6/80—The following Selection Grade Inspectors have on promotion assumed charge as officiating Supdts. of Contral Excise Grade 'B' in Bombay-II Central Excise Collectorate with effect from the dates shown against their names.

S.No. Name	Date of assumption of charge
 Shri B. C. Relwani 	17-11-1979 A. N.
2. Shri S. B. Mangoli	16-11-1979 F. N.
3, Shri R. S. Dube.	20-11-1979 F. N.

V. K. GUPTA COLLECTOR CENTRAL EXCISE BOMBAY-II

DIRECTOR OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 18th June 1980

No. 20/80 Shri Z.B. Nagarkar, lately posted as Assistant Collector Customs, Bombay Customs House on transfer to the Headquarters office of the Directorate of Inspection and Audit, Customs and Central Excise, New Delhi Vide Department of Revenue Order No. 60/80 (F.No. A 22012/9/80-Ad. II) dated 12-5-80, assumed Charge of the post of Inspecting officer (Customs & Central Excise) Group 'A' on 9-6-80 (Forenoon).

The 19th June 1980

No. 16.'80.—Shri Satish Kumar Arora, on being nominated by the U.P.S.C. has been appointed as Superintendent Central Excise Group 'B' (Mechanical Engineering) in the Scale of Rs. 650—30—740—35—810— EB —35—880—40—1000— EB 40—1200 in the Headquarters Office of the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise at New Delhi and assumed charge of the post on 23-5-80 (Forenoon).

K. L. REKHI Director of Inspection

CENTRAL RAILWAY

Bombay, the 18th June 1980

No. HPB/220/G/I/S—The following officers are confirmed in the Senior Scale of Stores Department on this Railway with effect from the date shown against each ;—

S.No. Name of the Officer.	Present Designation.	Date from which confirmed in S.S
I. Shri Dulal Dutt	Additional C.O.S. on Eastern Railway	16-10-76
2. "A. S. Mahadevan	Addl.C.O.S.(C) HQ	1-1-1977
3. "Sukh Dev	Dy.C.O.S. Retired	1-7-1978
4. "H.R. Ramanujam	Dy. C.O.S. on S.C.Rail	way 1-8-1978

A. K. CHAKRAVARTI General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANY

In the matter of the Companies Act, 1956 and M/s Utben Laboratories Private Limited

Cuttack, the 13 June 1980

No. S.O. 625-613(2)—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Utben Laboratories Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

D. K. PAL Rigistrar of Companies, Orissa

Gwalior, the 16th June 1980

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of M/s. Banmore Engineering Industries Private Limited.

No. 1383/R/2409—Notice is, hereby, given pursuant to subsection (3) Section of 560 of the Companies Act, 1956 that at

the expiration of three months from the date of publication hereof, the name of M/s. Banmore Engineering Industries Frivate Limited, Gwalior unless cause in shown to the contrary, will be struck off the REGISTER and the said company will be dissolved.

S. X. Saxena Registrar of Companies Madhya Pradesh, Gwalior

OFFICE OF THE COMMISSONER OF INCOME TAX

New Delhi, the 12 June 1980

No. JUR./DLI-II/80-81/8301—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) & (2) of section 124 of I.T. Act, 1961 (43 of 1961) C.I.T., Delhi-II New Delhi hereby directs that the I.T.O., Distt.X(11) shall have concurrent jurisdiction with the I.T.O. Distt. VIII(13), New Delhi (alphabets A to H in respect of persons/ cases assessed/assessable by I.T.O., Distt. VIII (13), excepting the cases assigned u/s 127 or which may, hereafter be assigned.

For the purpose of facilitating the performance of the functions C.I.T., Delhi-II also authorises the I. A. C., Range-IV-E to pass wuch orders as contemplated in sub-section (2) of the section 124 of the I. T. Act, 1961.

This notification shall take effect from 16-6-1980

No. JUR-DLI-II/80-81/8452—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf the Commissioner of Income tax, Delhi-JI, New Delhi hereby directs that the Income tax wards/Circles mentioned in column 2 shall stand merged with Wards/Circles mentioned in column 3 of the Schedule herein below. As a consequence the cases of the merged ward will revert back to the Wards to which it has merged.

SCHEDULE

SI. No.	Name of the ward merged	Name of the ward where merged
1. Specia	al Circle-X	Special Circle-VI
2. Distt.	VIII(3)	Distt, V(11)
3. Distt.	VIII(5)	Distt. V(12)

This notification shall take effect from 16-6-1980.

N. S. RAGHAVAN COMMISSIONER OF INCOME TAX DELHI-II: NEW DELHI.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 19th April 1980

Ref. No. AMB/29/79-80—Whereas, 1, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

and measuring 14K-16M (8950 sq. yards) situated at Patti Jatan (Ambala) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the anid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Nasib Singh s/o Shri Harnam Singh R/o Ambala City.

(Transferor)

- (2) I. Shri Basant Singh s/o Shri Ajit Singh R/o Ambala City.
- (2) M/s. Panju Shah Puran Chand, Ambala City.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the taid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 14K-16M (8950 sq. yards) situated at Patti Jatan (Ambala) and as mentioned more in the sale deed registered at No. 4026 dated 22-11-79 with the Sub-Registrar, Ambala.

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Rohtak,

Date: 19-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1980

Ref. No. AR-II/2866-12/No. 79—Whereas, I, A. H. TEJALE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

CTS No. 1633, S. No. 316, H. No. 1 situated

at Bandra (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1980) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 7-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any insome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Vasant Sunderii

(Transferor)

(2) Smt. Meena S. Raheja, Manohar T. Ahuja, Partners of Vasant Enterprises.

(Transferee)

(3) Shri Babubhai Danji, Vasudev Ramchandra Barve, Mohanlal Kisshanchand and Ramdas Damodar (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-2383/78/Bom and registered on 7-11-1979 with the Sub-Registrar, Bombay.

A. H. TEJALE Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax, Acquisition Rang-II, Bombay.

Date: 3-6-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGF-III, BOMBAY Bombay, the 16th June 1980

Ref. No. AR-III/AP. 347/79-80—Whereas, I, P. L. ROONGTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 19, H. No. 2 (pt), S. No. 52, H. No. 1B,

21 (pt). & 23 (pt). situated at Mohille (and more fully described (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 2-11-79 Document No. R-92/73

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kapaldev Mehra, Jitendrapal Mehra, Subhashchandra Mehra, Pradeep Mehra & Rajesh Mehra

(Transferor)

(2) Rajesh Dying & Bleaching Works Pvt. Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. H-92/73 as registered on 2-11-79 with the Sub-Registrar, Bombay

P. L. ROONGTA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range III,
Bombay

Date: 16-6-80

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, 17th June 1980

Rcf. No. AR-I/AP. 314/80-81—Whereas I, P. L. ROONGTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing Plot No- 84, Scheme No. 58 situated at Worli (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 28-11-79 Document No. Bom. 1445/79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following peersons, namely:—

- (1) Shri Narayanan Investment Trust Pvt. Ltd.
 (Transferor)
- (2) Love Grove Premises Co-op. Society Ltd. (Transferee)
- (3) Members of the Society
 (Person in occup, tion of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chater XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Oced No. Bom, 1445/79 as registered on 28-11-79 with the Sub-Registrar-Bombay.

P. L. ROONGTA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Bombay.

Date: 17-6-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- -----

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 17th June, 1980

Ref. No. AR-1/AP. 316/90-81—Whereas, I.P.L. ROONGTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No CS, No. 1/479, 6/479 situated at Lower Purel (and morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1980) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 28-11-1979 Document No. M 459/74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afroesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
21—146GI/20

(1) (1) Ramnath Sadanand Mhatre (2) Bhalchandra Harishankar (3) Rangnath Bhikoba Desai (4) Mahesh Khanderao Mantri

(Transferor)

(2) Bharat Barrel & Drum Manufacturing Co. Pvt. Ltd. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. M459/74 Bombay as registered on 8-11-1979 with the Sub-registrar, Bombay.

P. 1. ROONGTA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1,
Bombay.

Date: 17-6-1980

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, BOMBAY.

Bombay, the 17th June 1980

Ref. No. AR-11/2874-2/Oct. 79.—Whereas, I A.H. TEJALE being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 284, H. No. 15 C. T. S. 1006, situated at Bandra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bombay on 24-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Roserio Fernandes

(Fransferor)

(2) Meena Akhtar Rizvi

(Transferec)

(3) 1. Safina D'Souza
2. M. D'Silva
3. J. F. D'Souza
4. Pashin Perreira
5. D. Cardoza
6. G.P. Taveri
7. Kali Prasad Gupta
9. Avelino Fernandes
10. Alice Ferreira

9, Avelino Fernandes 10 11, F. M. Pova 12 13, Marshal D'Souza 14

12. Joseph Xavier14. Patrech Fernandes

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 350/79 and registered on 24-10-1979 with the joint Sub-registrar, Bandra, Bombay.

A. H. TEJALE,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
Bombay.

Date: 17-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 17th June, 1980

Ref. No. AR-II/2875-3/Oct. 79--Whereas, I A. H. TEJALE being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/~

and bearing No. No. 284, H. No. 19 & 21 CTS No. 994, 1007, 1008, 1010 situated at Bandra (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 24-10 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Luisa Pereira

(Transferor)

(2) Meena Akhtar Rizvi

(Transferee)

(3) 1. Mrs. Alice Percira

2. Mr. M. Povo 4. Mrs. Pauline Tavaris

3. Mr. Aveline Fernandes 5. Mr. Sarshal J. D'Souza 7. Mr. Joseph Xavier

6, Mrs. Theresa D'Souza 8, Mr. Camillo Alphonso

9. Mr. A.B. Fernandes 11. Mr. C. Coleso

10. Mr. Joseph Rozeon 12. Mr. Patrick Ferna

13. Nicholas Mascarnhas 14. Percy Lobo

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered deed No. 850/79 registered on 24-10-1979 with the Joint Sub-registrar, Bandra, Bombay.

A. H. TEJALE, Competent Authority.

Commissioner of Income-tax, Inspecting Assit. Acqusition Range-II,

Bombay.

Date: 17-6-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 24th May 1980

Ref. No. 620/Acq/Kanpur/79-80—Whereas, I, S.K. BHATNAGAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 5-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than bifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Badri Pd Awasthi, Karta, Kamal Kumar Awasthi, Kamal Kishore, Kamal Pd Awasthi sons of Sri Chandra Bhan Awasthi r/o 50/115, 59/8, 59/60, 59/115 Birhena Road, Nachgha, Kanpur

(Transferors)

(2) Smt. Daya Wati w/o Ramraksh Pal, Smt. Manju Devi w/o Sri Jai Narain, Sri Ram s/o Ramraksh Pal 21/55 Etawah Bazar, Kanpur

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property measuring 199 Sr Yds No. 59/18, Nachghar, Kanpur.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux,
Acquisition Range,
Kanpur.

Date: 24-5-1980

PORM ITNS-

(1) Smt. Shakuntla Rani w/o Ramchandra r/o 62/22 Block No. 7, Govind Nagar, Kanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Prem Sagar s/o Mangal Singh r/o 124A/251 Govind Nagar, Kanpur.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 24th May 1980

Ref. No. 627/Acq/Kanpur/79-80—Whereas, I, S. K. BHATNAGAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 8-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property No. 125/U/18 Govindnagar, Kanpur.

S. K. BHATNAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur,

Date: 24-5-1980

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 24th May, 1980

Ref. No. 824/Acg/Etmadpur/79-80-Whereas, I, S. K. BHATNAGAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Etmadpur on 19-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act In respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Shri Kanhia Lal s/o Pritam Das 32/147 Basawan Gali Kala Muhal, Agra. (Transferor)
- (2) Shri Mehndi Ratta Associates, Shikohabad Distt. Mainpuri through Shri Har Prakash Mehndi Ratta Partner, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a periof of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 1926 Sq. Yds, Village Narapach Pargana Etmadpur Distt, Agra.

> S. K. BHATNAGAR. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range. Kanpur.

Date: 24-5-1980

PART III--SEC. I]

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 24th May, 1980

Ref. No. 825/Acq/Etmadpur/79-80—Whereas, I, S. K. BHATNAGAR

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS

PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1980) in the office of the Registering Officer at Etmadpur on 19-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Daulat Ram s/o Sri Pritam Das 632/147 Basawangali Kala Mahal Distt. Agra

(Transferor)

(2) Shri Mehndi Ratta Associates Shikshabad Distt.
Mainpuri through Shri Har Pd Mehndi Ratta partner
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 1874 Sq. Yds V. Narapach Pagargana Etmadpur Distt. Agra Khasra No. 4176.

S. K, BHATNAGAR, Competent Autholity, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 24-5-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 24th May, 1980

Rcf. No. 832/Aligarh/79-80—Whereas, 1, S. K. BHATNAGAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aligarh on 27-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating at the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,

(1) Dr. Prem Dayal Jain s/o Indra Sen Jain r/o 101/A, Ravindra Puri Varanasi, Dr. Pradeep Jain s/o Prem Dayal Jain r/o 101/A, Ravindra Puri, Varanasi.

(Transferors)

(2) Shri Saha Maqbool Alam s/o Saha Mahmood Alam r/o Kadri Bagh, Debai, Bullandsahar and two brothers Saha Magbool Alam and Saha Masoor Alam.

(Transferess)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 15 Biswa 11 Biswansi Khasra No. 306 Village Dodhpur Distt. Aligarh.

S. K. BHATNAGAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 24-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

KANPUR

Kanpur, the 29th May 1980

Ref. No. 1154A/Mussoorie/79-80 -- Whereas I, S. K. BHATNAGAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay, on 30-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

22-146GI/80

 Shri M/S. Shamsher Bros, P. Ltd., Park Road, Gandhi Juhu, Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Manohar Lal Rawat R/O Kulri Bazar Mussorie Distt. Dehradun

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4040 Sq Mtr known as Violet Bank Estate Shanta Villa Mussoorie Distt Dehradun.

S. K. BHATNAGAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur.

Date: 29-5-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 29th May 1980

Ref. No. 1177-A/Dehradun/79-80-Whereas, I, S. K. BHATNAGAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at

AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the offic of the Registering Officer at Dehradun on 25-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Ratan Lal Sharma, Jitendra Nath Sharma,
 Mool Chand Sharma sons of Sri Nand Lal Sharma
 Hardwar Road, Dehradun.

(Transferor)

(2) Shri Rameshwar Dayal, Ashok Kumar, Mohan Lal Radhey Shiam sons of L. Bishambar Dayal, Suresh Kumar s/o Banwari Lal Vik snagar Pargana Pachhwa Distt, Dehradun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property No. 41, Hardwar Road Dehradun.

S. K. BHATNAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur.

Date: 29-5-1980

Sea':

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th June, 1980

Ref. No. Acq/1093-A/Meerut/79-80—Whereas, I, S. K. BHATNAGAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 4-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Nand Lal, s/o Shri Jagdish Rai,
 r/o 72, Dariyaganj, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Anoop Singhal & Shri Anant Singhal and Shri Ajeet Singhal, sons of Shri A.S. Singhal, r/o New Prempuri, Railway Road, Moorut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land No. 19-A situated at Gurunanak Colony, near Prempuri Petrol Pump, Delhi Road, Meerut, sold for Rs. 34,666/-, whose fair market value exceeds more than 15% of the apparent consideration.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur.

Date: 12-6-80

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th June 1980

Ref. No. Acq/1190-A/Meerut/79-80 Whereas, I, S. K. BHATNAGAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and hearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 19-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- Smt. Kamla Devi, w/o Lute Shri Shiv Prakah Advocate & Shri Anil Prakash s/o Shri Shiv Prakash, r/o 240, South End Road, Meerut.
 - (Transferor)
- (2) Shri Mohd. Asad Khan, s/o Shri Mohd. Ismail Khan r/o 226, Ismail Nagar, Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property No. 384, situated at Khairnagar, Meerut, sold for Rs. 40,000/- whose fair market value exceeds more than $15\frac{9}{10}$ of the apparent consideration.

S. K. BHATNAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur.

Date: 12-6-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th June, 1980

Ref. No. 1214-A/Bulandshaher/79-80—Whereas, I, S. K. BHATNAGAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

number AS PER SCHEDULE situated at AS

PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulandshaher on 30-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Raghubir Singh Chowdhary, s/o Shri Daula Singh, r/o iVill: Salamatpur, Parg: & Teh: Anoop Shaher, Distt. Bulandshaher.

(Transferor)

(2) Smt. Chhaya Gupta, Shri Charan Gupta, Kumari Raju Gupta, d/o Shri Charan Gupta, r/o Mohalla Kothala, Distt. Bulandshaher.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Plot of land situated at Bulandshaher, sold for Rs. 1,49,900/- whose fair market value exceeds more than 15% of the apparent consideration.

S. K. BHATNAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur.

Date: 12-6-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th June, 1980

Ref. No. 1195-A/Mccrut/79-80---Whereas, I, S. K. BHATNAGAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

number AS PER SCHEDULE situated at AS SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 31-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26°D of the said A., & the following personnamely:—

(1) Shri Budh Singh, s/o Shri Chaturbhuj, r/o Mahmoodpur, Teh: Hapur, Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Smt. Hukmiya Devi, w/o Shri Mukhtiyar Singh, r/o B. 1. Bazar, Lal Kurti, Meerut Cantt.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 307, situated at Jaman Mohalla, B. I. Bazar, Lal Kurti, Meerut Cantt., sold for Rs. 65,000/whose fair market value exceeds more than 15% of the apparent consideration.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 12-6-80

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE LUCKNOW

Lucknow, the 18th April, 1980 Ref. No. L-30/Acq.—Whereas, I, A.S. BISEN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and house bearing No. 545 B/20 including land measuring 2100 Sq. Ft. situated at Mahanagar, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred under the Registration Act, 1908(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 11-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following person, namely:—

- (1) Smt. Lakshmi Sharma—Guardian for minor sons Rupendra Upadhyaya & Anup Upadhyaya
 - (Transferor)
- (2) Smt. Lakshmi Sharma

(Transferee)

- (3) Above sellers. (person in occupation of the property)
- (4) Sari Smt Km. -do- (person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house No. 545 B/20 including land measuring 2100 Sq. ft. situated at Mahanagar, Lucknow and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 5505 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 11-10-1979.

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Date: 18-4-1980

FORM ITNS----

(1) Shri Dwarka Nath Neb

(Transferor)

(2) Smt Kallo Devi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Dwarka Nath Neb (person in eccup tion of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

GOVERNMENT OF INDIA

may be made in writing to the undersigned---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Lucknow, the 12th May, 1980

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in

that Chapter.

Ref. No. DIR No. K-92/Acq.—Whereas, I,A.S. BISFN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and and bearing House No. 278 (235 Sq. Mtrs.) situated at K-toh-r Allahabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Allahabad on 15-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A double storeyed building No. 278 situate at Khuldabad, Distt. Allahabad (measuring 235 Sq. Mtrs) and all that description of the property which is mentioned in Form 370 No. 4546 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Allahabad, on 15-10-1979.

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 21st May, 1980

Ref. No. GIR No. S-190/Acq. Whearas I, A.S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. 92, Darbhanga Castel Compound situated at Aliahabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Allahabad on 11-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

23-146/70

 Shri (1) Shiv Narain Chaudhari (2) Surya Narain Chaudhuri (3) Chandra Narain Chaudhari

(Transferee)

 Shri (1) Sohan Lal (2) Jagdish Kumar (3) Narendra Kumar (4) Vinod Kumar

(Transferee)

3. Above sellers

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. 92, Darbhanga Castle Compound, Allahabad, area—167 Sq. Mtrs. and all that description of the property which is mentioned in form 37G No. 4469 and the sale deed which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Allahabad on 11-10-1979.

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Date: 21-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 22nd May, 1980

Ref. No. GIR No. U-25/Acq.—Whereas I, A.S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Hause No. 161/29 situated at Kashiraj Nagar, Katghar, Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Allahabad on 10-10-1979

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Shri Ganga Prasad

(Transferor)

- 2. Shri (1) Umanath Singh (2) Balanath Singh
 - (3) Bholanath Singh
 - (4) Smt. Godawari Devi

(Transferce)

3, Above seller.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

A house No. 161/29 situated at Kashiraj Nagar, Katghar, Allahabad and all that description of the property which is mentioned in the form 370 No. 4421 and the sale deed which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Allahabad, on 10-10-1979.

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissiner of Income-tax
Acquisiton Range,
Lucknow.

Date: 22-5-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 30th May 1980

Ref. No. GIR No. G-43/Acq.—Whereas, I A.S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Pucca House including land situated Mohilla Cosain Tola, Mirzapur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mirzapur on 26-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inltiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Dev Vrat Tripathi
 - (Transferor)
- 2. Gulab Chand Seth (Transferee)
- Shri Murlidhar Goenka (2) Mahabir Pd Goenka (Tenant) and the above purchaser
 - (Person in occupation of the property)
- 4. (1) Smt. Geeta Devi Goenka
 - (2) Mahadev Pd Goenka (Person whom the undersigned know to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One pucca house including Jand situated at Mohilla-Gosain Tola, Mirzapur, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and the form 37G No. 4626 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Mirzapur, on 26-10-79.

A.S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Date: 30-5-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 30th May, 1980

Ref. No. 8-44/Acq.—Whereas, I, A.S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing House No. 127-B-1, situated at Civil Lines, Bareilly. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bareilly on 28-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- 1. (1) Major Dewan Rajindra Lal Nanda
 - (2) Dewan Vimal Kumar

(Transferor)

2. Shri Girish Oberai

(Transferec)

3. Shri Somnath Oberai (Tenant) and above soller.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 127-B-1 situate at Civil Lines, Bareilly, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37 G. No. 6077, which both have been registered in the office of the Sub-Registrar, Bareilly, on 28-11-79

A. S. BİSEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incom-tax
Acquistion Range,
Lucknow.

Date: 30-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

BHUBANESWAR

Bhubaneswar-9, the 20th May 1980

Ref. No. 1/80-81/IAC/(R)/BBS—Wheareas, I, B. MISRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. situated at Tulsipur, Cuttack (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Cuttack on 15-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Dipak Kumar Basu,
 S/o Shri Krishna Kumar Basu, Cantonment Road,
 Cuttack

(Transferor)

 Smt. Pritibala Devi W/o Shri Bhikari Charan Behera, Tulsipur, Cuttack.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by an other person interested in the said immovuble property, within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with building at Mauza Tulsipur, Cuttack bearing Khata No. 5/1, Plot No. 959 (Part) Stithlban AO. 248 under the jurisdiction of District Sub-Registrar, Cuttack and registered by Sale Deed No. 6261, at 15-10-79.

B. MISHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhubaneswar-9

Date: 20-6-80

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 18th June 1980

No. DBS 60-79-80—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 4 Bighas 16 Biswas with building of Poultry Farm

situated at V. Gajipur P.O. Dhukali S. Teh. Dera Bassi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Dera Bassi in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infleen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transicree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Rajpal Singh Dhindsa s/o Sh. Iqbal Singh Dhindsa & Sh. Iqbal Singh Dhindsa s/o Sh. Ujaggar Singh, r/o H. No. 1601, Sector 33-D, Chandigarh
 Transferor
- (2) M/s Manraj Poultry Farm through Smt. Rajinder Kaur w/o Shri Devinder Singh, r/o H. No. 1132, Sector 8-C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (with building) measuring 4 Bighas 16 Biswas at Gajipur S. Teh. Dera Bassi.

(The property as mentioned in the Sale Deed No. 779 of 10/79 of the Registering Authority, Dera Bassi).

R.B.L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA.

Date: 18-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,

Ludhiana, the 18th June 1980

No. DBS/61/79-80—Whereas I, Sukhdev Chand, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Leal measuring 3 bights 4 biswas with Building of Poultry Farm

situated at Gajipur, S. Teh. Dera Bassi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bora Bassi in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Rajpal Singh S/o Sh. Iqbal Singh, & Iqbal Singh S/o Sh. Ujaggar Singh, R/o . Gajipur, S. Teh. Dera Bassi now t/o 1601, Sector 35-D, Chandigath.
- (2) M/s, Navin Poultary Farm through Sh. Devinder Singh S/o Shri Haris Singh, R/o V. Gajipur, S. Tch. Dera Bassi.

 New Kothi No. 1132, Sector 8-C, Chandigarh (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 bighas 4 biswas at V. Ghajipur S. Teh Dera Bassi.

(The property as mentioned in the with Building of poultry Farm sal deed No. 780 October, 1979 of the Registering Authority, Dera Bassi).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 18-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 18th June 1980

No. DHR/24-A/79-80 --Whereas, I, Sukhdev Chand, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. A House situated on Malerkotla-Dhuri Road, situated at Dhuri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Dhuri in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Prabhat Kumari W/o Sh. Shree Niwas r/o Dhuri (Transferor)
- (2) Dr. Om Kumar Pabbi w/o Dr. Vinod Kumari Pabbi , r/o Pathshala Road, Dhuri.

(Transfree)

(3) Sh. Subash
Sh. Balbir s/o Smt. Sham Wati, s/r Dealers r/o Maler-kotla—Dhuri
Road, Dhuri
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house situated in Malerkotla- Dhuri Road, Mandi Dhuri. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 2995 of October, 1979 of the Resistering Authority, Dhuri).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
LUDHIANA

Date: 18-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 18th June 1980

No. CHD/284/79-80—Whereas I, Sukhdev Chand. being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Residential Plot No. 330 (measuring 1356:3 sq. yds) with Annexe built on it

situated at Sector 33 A, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the propert yas aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

24-146 G1/80

- (1) Col. Gardas Singh S/o Late S. Harnan Singh, resident of A/I, Sujan Singh Park, New Delhi (Fransferor)
- (2) Dr. Ranjit Sigh S/o Dr. Bhag Singh & Mrs. Devinder Kaur W/o Dr. Ranjit Singh r/o 142. Singlewell Road Gravesend Kent. Egland through their general attorncy Shri Balwant Singh Giani S/o Late S. Harnam Singh r/o L-329, Model Town Ludhiana. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 330 (with Annexe built on it) in Sector 33-A, Chandigerh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1667 of October, 1979 of the Regsistering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
LUDHJANA

Date: 18-6-1980

Scal:

FORM ITNS ---

OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

TFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 18th June 1980

No. CHD/260/79-80—Whereas I, Sukhdev Chand, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and hearing Plot No. 1368, (Measuring 3433,91 sq. yds.) situated at kector 34-C, Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in Ocgober, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Jacome-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Major S.S. Sohi S/o Sh. Gurnam Singh, Ro House 566, Mota Sngh Nagar, Jullundur City

(Transferor)

(2) Shri Raj Pal S/o Shri Sadari Lal resident of House No. 77, Sector 5: Chandigarh.

(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1388 Sector 34-C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1615 of October, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, LUDHIANA

Date : 18-6-1980 Sea¹ :

CARI III—DEC, I]

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 18th June 1980

Ref. No. CHD/276/79-80—Whereas I, Sukhdev Chand, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Farm House with Agrl. land measuring 8 kanals 9 marlas situated at Mani Majra, (U.T. Chandigarh)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri K. Narinder Pal Singh, Farm House, Mani Majra, (Chandigarh U.T.). (Transferor)
- (2) Smt. Swarnjit Kaur, Farm House, Mani Majra (Chandigarh U.T.). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Farm House with Agrl, land measring 8 Kanal 9 marlas at Mani Majrai (Chandigarh U.T.).

(The property as mentioned in the sale deed No. 1659 of October, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
LUDHIANA

Date: 18-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 18th June 1980

No. CHD/252/79-80—Whereas I, Sukhdev Chand, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No 1665, (Measuring 528 ·13 sq. yds) situated at Sector 33-D, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen were cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Major Ajmer Singh Barach S/o Sh. Rachhpal Singh, Block D/2, House No. 112, Janakpuri New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Parshotam Lal Kochhar S/o Sh. Hari Kochhar R/o 46/Sector 19A, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 1665 at Sector 33D, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1493 of 10/79 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV GHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
LUDHIANA

Date: 18-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 18th June 1980

No. CHD/296/79-80- Whereas I, Sukhdev Chand, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. S.C.O. 111-112-113, Septor 17-B, (15% share) situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) S.nt. Krishna Kashyap w/o Sh. Das Raj through General attorney Sh. Avinash Chander S/o Sh. Hira Lal Aggarwal r/o H. No. 1085, Sector 8-C, Chandigarh, (Transferor)
- (2) 1. Sh. Mehanga Ram S/o Sh. Ajit Singh r/o Kothi No. 24, Sector 3, Chandigarh.
 - 2. Smt. Surinder Kaur W/o Sh. Ajit Singh Kothi No. 24, Sector 3, Chandigarh.
 - Mohan Singh S/o Sh. Ajit Singh Vill. P.O. 3. Sh. Atholi Distt. Kapurthala.
 - 4. Sh. Chanan Singh S/o Sh. Dalip Singh V. P.O. Chak Hakim Distt. Kapurthala (P.O. Nangal Nangal Majra),
 - 5. Sh. Amrik Singh S/o Dalip Singh V.P. O. Chak Hakim Distt. Kapurthala (P.O. Nangal Majra).
 - 6. Sh. Sucha Singh S/o Sh. Ram Singh r/o V. Anwaria, Farm 7, Distt. Rampur (U.P.)
 - 7. Sh. Kirpal Singh s/o Ram Singh r/o V Anwari, Farm 7 Distt.Rampur (U. P. (Transfree)
- (3) I Sa. Balraj Singh of M/s Onkar Enterprises, r/o SCO
 - No. 9-10, Sector 17-B, Chandigarh.

 2 M/s United House r/o SCO. No. 111-112-113, Sector 17-B, Chandigarh. (Person in occupation of the Property).
- (4) 1. Sham Sander Gupta (Karta of HUF) S/o Sh. De Raj Aggarwal 26, Sector 8-A, Chandigarh.
 2. Sh. Deppak Gupta S/o Raj Kumar Gupta r/o 26 Sector 8-A, Chandigarh.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCO 111-112-113, situated in Sector 17-B, Chandigarh. (15% Share).

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1713 of October, 1979 of the Resistering Authority, Chandigarh).

> Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax

Acquisition Range LUDHIANA

Date: 18-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 18th June 1980

No. CHD/283/79-80—Whereas I, Sukhdev Chand, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Residential Plot No. 2504 situated at Sector 35 D, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

*t Chandigarh in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of anv income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Group Capt D. Yadav S/o Sh. R.N. Yadav, r/o 89, Lodhi Estate, New Delhi through his general power of attroney Brig Balbir Singh S/o Sh. Gopal Singh House No. 150, Sector 9A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Bhupinder Singh Grewal, Bhalinder Singh Grawal, Manvir Singh Grewal all sons of Brig. Balbir Singh Grewal, Through Their Mothere Smt. So Saurinder Jeet Grewal, r/o 3058-19 D Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 2504, Sector 35 D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1666 of October, 1979 of the Registering Authority Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 18-6-1980

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 18th June 1980

No. CHD/278/79-80—Whereas I, Sukhdev Chand, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Residential Plot No. 3062 situated at Sector 35 D, Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigath in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer at agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely .—

- (1) Shri Om Parkash Sethis S/o Shri Hukam Chand Sethi, R/o Street No. 8, Abohar. (Transferor)
- (2) Smt. Parvati Wd/o Late Sh. Sətnam Dass Kataria r/o House No. 1388, gandhi Nagar, Fezilka at present at House No. 3062, Sector 35 D, Chandigarh. (Transferce)
- (3) Shri K.K. Goyal,
 Excutive Engineer (Design)
 Thind Dam Project, Sector 17, Chandigarh
 2 Sh. B.K. Rai r/o H. No. 3062 Sector 35-D,
 Chandigarh.
 (Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 3062, sector 35 D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1661 of October, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspeting Assistant Commissioner of Income-Tax
LUD!IIANA

Date: 18-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 18th June 1980

No. CHD/280/79-80—Whereas I, Sukhdev Chand, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential Plot No. 1402 situated at Sector 33 C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1951 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Brig, J.S. Patheja S/o Shri Gurcharan Singh House No. No. 10, Maneek Jit Mehta Road, Punc.

(Transferor)

(2) Dr. Mrs. Rajinder Kaur Mathoda and Ferminor son-Sh. Ranjit Singh Mathoda through their G/A Sh. Gurdial Singh Mathoda, Gurdwara Road, Kharar (Distt. Ropar).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1402, Sector 33 C, Chandigarh, to (The roperty as mentioned in the Regn Deed No. 1663 of October, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
LUDHIANA

Date: 18-6-1980

Se al :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHJANA

Ludhiana, the 18t: June 1980

No. PTA/300/79-80--Whereas I, Sukhdev Chand, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot of land measuring 9 bighas 6 biswas (i.e. 9800 sq yds.) situated at Dukhniwaran Road, near Railway Station, Patiala (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec ter the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeshaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

25-146GI/80

- (1) Shri Narinder Singh Phoolka S/o (Sh. Niranjan Singh through power of attorney Sh. Harpal Singh Dhillon, Sto. Sh. Gobinder Singh, R/o Khothi No.-13, A-I, Govi. Quarters, Modern Town, Patiala.
 (Transferor)
- (2) M/₅ Surhind Khannna Transport (P) Limited through Managing Director Sh. Ajit Singh, Head Office, Surhind.
 - 1. Shri Kartar Singh S/o Sh. Gobinder Singh,
 - 2. Sh. Narian Singh S/o Sh. Buta Singh,
 - 3. Shri Ajmer Singh S/o Sh Kishan Singh,
 - 4. Shri Ajmer Singh S/o Sh. Kishan Singh,
 - 5. Shri Darshan Singh S/o Sh. Tarlok Singh,
 - 6. Shri Amrik Singh S/o Sh. Kishan Singh,
 - 7. Smt. Inderjit Kaur W/o Sh. Darshan Singh,
 - 8. Shri Sohan Singh S/o Sh. Dharam Singh,
 - 9. Sh. Meharbam Singh S/o Shri Kapur Singh,
 - 10. Sh. Jaswant Singh S/o Sh. Tota Singh,
 - 11. Sh. Sahah Singh S/o Sh. Meharban Singh,
 - 12. Sh. Kulbir Singh S/o Sh. Jaswant Singh,
 - 13. Smt. Tripit Kaur W/o Sh. Jeswant Singh.
 - 14. Sh. Jagbir Singh S/o Sh. Jaswant Singh,
 - 15. Sh. Paramjit Singh S/o. Sh. Rajwant Singh,
 - 16. Smt. Tejinder Kaur W/o Sh Manmohan Singh,
 - Sh. Daljit Singh S/o Sh. Meharban Singh C/o Shri Harpal Singh Dhillon, S/o Gobinder Singh, Echli No. 12, A.J. Gout, Quarters, Modern Town, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land masuring 9 highas 6 biswas i.e. 9800 sq. yds.) situated at Dukhnjwaran Road. Near Railway Sation Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3641 of October, 1979 of the Registering Authority Patiala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 18-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 18th June 1980

No CHD/292/79-80—Whereas I, Sukhdev Chand, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 112 Share in SCO site 3013-3014, Sector 22-D, situated at Chandigarh

(and more fully described in the schedule annexed hereto,) has been transferred under the Registering Officer at Chandigarh in November, 1979

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Mrs. Shashi Bansal, Wo Sh. Ashok Bansal r/o SCF 23/18-C, Chandigarh.

(Trausferor)

1. Sh. Sohan Lal Pathak S/o Sh. Bansi Lal Pathak,
 2. Sh. Pawan Kumar Pathak S/o Sh. Sohan Lal Pathak,
 3. Sh. Raman Kumar Pathak S/o Sh. Sohan Lal Pathak,
 all r/o H. No. 2120, Sector 22-D, Chandigarh.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

112 Share in SCO site No. 3013-3014, situated in Sector 22-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1687 of November, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 18-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

> GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

> > Ludhiana, the 18th June 1980

No. CHD/291/79-80—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. H. No. 102, Sector 8-A, situated at Chandigarh

(and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) 1. Shri Balbir Sigah Khera
 - 2. Sh. Shamsher Singh Khera S/o Sh. Late Dr. Hira Singh, Shersher singh khera.
 - Smt. Charanjit Kaur W/o Late Kundan Singh Khera for self and General Attorney of her Son.
 Sh. Amarjit Singh Khera &

 - 5. Sh. Surjit Singh Khera, ss/o Sh. Late Kundan Singh Khera all c/o Sh. Balbir Singh Khera r/o H. No. 7, Manjit Mcth Type 4, Gov. Flat, Siti Fortroad, New Delhi.

(2) Shri Harvinder Singh Gill & Dr. Parkash Singh Gill ss/o Sh. Harbhajan Singh Gill (H.U.F) R/o H. No. 2027, Sector 21-C, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 102, situated in Sector 8-A, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 1686 of November, 1979 of the Registering Authority Chandigarh.)

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 18-6-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA Ludhiana, the 18th June 1980

No. CHD/258/79-80 Whereas I, Sukhdey Chand, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Plot No. 1254 Sector 34-C, situated at Chandigarh,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namety:—

(1) Maj. K.K. Bhargava S/o Sh. S.D. Bhargava r/o---H. No. 43, RT Bargaid c/o 56 APO.

(Transferor)

(2) Smt. Amarjit Kaur W/o Sh. Gurcharan Singh Virk, r/o Vill, Kassim Bhatti Distt, Faridkot, Now H. No. 1072 sector 37-B, Chandigarh.

(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1254 situated in Sector 34-C, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 1586 of October, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 18-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA Ludhiana, the 18th June 1980

No. CHD/286/79-80 -Whereas I, SVKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Residential Plot No. 1265,

situated at Sector 34 C, Chandigarh,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Chandigarh in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Fl.Lt. Vijay Kumar S/o Shri Om Parkash, r/o 13/16, Western Extention Area, Karol Bagh, New Delhi-5, through his special power of attorney Sh. Bharpur Singh S/o Ujaggar Singh R/o House No. 1265, Sector 34-C, Chandigarh.

(Transfero

(2) Mrs. Mohinderwant Kaur W/o Shri Ujaggar Singh, r/o 1265. Sector 34-C Chandigarh.

(Transfree)

(3) Shri A.C. Kaushal R/o 1265 Sector 34-C, Chandigarh.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1265, Sector 34-C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1669 of October 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 18-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Manohar Singh S/o Shri Chhatar Singh H. No. 45, Sector 15-A, Chandigarh, through his Attorney Shri Govind Ram S/o Shri Nand Lal R/o H. No. 45 Sector, 15-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Usha W/o Shri Govind Ram r/o H. No. 45, Sector 15-A, Chandigarh.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 18th June 1980

No. CHD/293/79-80-Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 3243, Sector 15-D,

situated at Chandigarh

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1979

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3243 situated in Sector 15-D, Chandigarh. (The Property as mentioned in the Registered Deed No. 1709 of November, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 18-6-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, 18th June 1980

No. CHD/255/79-80:—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 1/3rd share in S.C.O. No. 45,

situated at Sector 31 D, Chandigarh

(and more fully described in the schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ashok Kumar S/o Shri Jagdamba Parshad R/o House No. 2157, Sector 19 C, Chandigarh through his general lawful attornoy Shri Rameshwar Datt Sharma S/o Shri Ramjidass Sharma, r/o House No. 2157, Sector 19 C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Ramji Dass Sharma S/o Shri R.R. Sharma, House No. 2157, Sector 19 C, Chandigarh

(Transfree)

(3) Super Bazar, 45/31-C, Chandigarh

(Person in occupation of the Property.)

(4) 1. Shri Ramshwer Datt S/o Ramji Dass
2. Miss Vishnu Sharma D/o Vidya Parkash r/o 2157,
19 C, Chandigarh.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in SCO No. 45, Sector 31 D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1517 of October, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of (Income-Tax
Acquisition Range-II
LUDHIANA

Date: 18-6-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 18th June 1980

Ref. No. CHD/281/79-80—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Residential Plot No. 3119,

situated at Sector 35 D, Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed horeto), has been transferred under the Regisgtration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigath in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Vishnu Sarup, A-15, Press Enclave, Malwia Nagar Extension, New Delhi.

(Transferor

(2) Shri Devinder Kumar Tayal S/o Shri Roshan Lal resident of House No. 3290, Sector 22 D, Chandigath.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential plot No. 3119, Sector 35 D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1664 of October, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ludhiana

Date: 18-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 18th June 1980

No. CHD/285/79-80—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Residential plot No. 3381

situated at Sector 35-D, Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—26—146 GI/80

(1) Shri Narinder Nath Puri S/o Shri Sham Lal Puri 504L, Model Town Jullundur through his special attorney Shri Joginder Singh S/o Shri Waryam Singh, Nai Abadi, Sirhind (Patiala).

(Transferor)

 Mrs. Jasinderwant Kaur W/o Shri Joginder Singh, Nai Abadi, Sirhind (Patiala).

(Transferce)

(3) 1. Shri Shor Singh

2. S.R. Sharma

3. S.K. Chopra

4. Ram Dev

 Shri Chhottee Lal, all r/o 3381 /35-D, Chandigarh, (Person in occupation of the Property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential plot No. 3381/Sec. 35-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1668 of October, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority
Inappeting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Lucknow

Date 18-6-1980 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhlana, the 18th June 1980

Ref. No. CHD/251/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

SCO 2467-68, Sector 22-C,

situated at Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 oi 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) (i) Shri Raghunath Sahai Choda S/o Shri Shlv Ditta Mal
 (ii) Shri Jiwan Rai Choda S/o Shri Raghunath Sahai,
 r/o H. No. 136/27-A, Chandigarh.

(Transferor)

- (1) 1. Shri Gurdev Singh S/o Shri Kishan Singh,
 - 2. Smt. Nasib Kaur W/o Shri Gurdev Singl,
 - Shri Jagjit Singh (M) S/o Shri Gurdev Singh through his father and natural Guardian Shri Gurdev Singh r/o H. No. 329, Sector 32-A, Chandigarh.

(Transferce)

(3) M/s. V.K. Traders/M/s. V.K. Electric Storage Shri R.L. Bajaj M/s Rajesh Bajaj & Co. Cement Dealers. r/o SCO 2467-68, Sector 22-C, Chandigarh. (Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCO No. 2467-68, situated in Sector 22-C, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 1492 of October 1979 of the Registering Authority, Chandigarh,

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assett. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 18-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhaia, the 18th June 1980

No. CHD/289/79-80—Whereas J, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 3288, Sector 35-D, situated at Chandigarh, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer of Chandigarh in October, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Cpl Joginder Paul Mehta S/o Shri Vaishno Dass Mehta r/o 20/2, New Project Air Force Station, Agra-8 through his Spl. Attorney Smt. Kanchan Rani W/o Shri Sohan Lal r/o 949/11, chowk Passionwala Street Hawali Makhiwali, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Sohan Lal S/o Shri Chuni Lal r/o H. No 949/11, Chowk Passianwala Street Havali Makhiwali Amrisar (Now 3288, Sector 35-D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3288, situated in Sector 35-D, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 1681 of October, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date 18-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 18th June 1980

Ref. No. LDH/444/79-80--Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 28 kanals 17 marlas

situated at Village Giaspura, Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Labhu S/o Shri Nanda S/o Shri Natha R/o Village Giaspura, Teh. & Distt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) M/s Avery Cycle Industries P. Ltd., G. T. Road, Miller Ganj, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 28 Kanals 17 marlas at Giaspura, Ludhiana. (The property as mentioned in the Regn. Deed No.3554 of October, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana.

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 18-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

CENTRAL REVENUE BUILDING ACQUISITION ANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 18th June 1980

Ref. No. AML/109/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land measuring 1 bigha 6 biswas at situated at V. Kuker Majra, S. Tehsil Amloh, Distt. Patiala

(and more fully described in the

schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Amloh in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sadha Ram S/o Shri Başanta Mal, r/o Kukar Majra, S. Teh. Amloh, Distt. Patilala.

(Transferor)

(2) S/Shri Narinder Kumar, Naresh Kumar, Navin Kumar S/o Sh. agan Nath, Mandi Gobindgarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 1 bigha 6 biswas at V. Kukar Majra, S. Teh. Amloh, Distt. Patiala. (The property as mentioned in the sale deed No. 1292 of October, 1979 of the Registering Authority, Amloh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 18 June 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION ANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING Ludhiana, the 18th June 1980

Ref. No. LDH/413/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Land measuring 6 kanals 6 marlas, situated at Sherpur Kalan. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Bakhshish Singh S/o Sh. Bishan Singh, Jodh Singh & Kapoor Singh Ss/o Sh. Lachhman Singh, R/o V. Gisspra, Tch. Ludhiana.

(2) M/s. Hero Cycles Private Limited, Hero Nagar, G.T. Road, Ludhiana through Shri Satya Nand Munjal, Director

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 kanals 6 marlas situated at Sherpur Kalan, Distt. Ludhiana. (The Property as mentioned in the sale deed No. 3292 of October, 79 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 18th June 1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 18th June 1980

Ref. No. CHD/259/79-80-Whereas I, Sukhdev Chand

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Residential Plot No. 1414 situated at Sector 34C, Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh, in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this actice under subsection (1) of Section ?69D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Cipt. R. N. Jauhar S/o Shri Jagan Nath through attorney Shriamar Singh S/o Shri Harnam Singh, r/o House No. 2766, Sector 22C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Sham Singh S/o Shri Harman Singh, r/o. V-Jakarmajra, Teh. Kharar, Distt. Ropar.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residental Plot No. 1414, Sector 34C, Chandigarh (The property as mentioned in the Regn. Deed No. 1607 of October, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh)

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Ludhiana,

Date: 18th June 1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 18th June 1980

Ref. No. PTA/327/79-80.—Whereas, I, Sukhdev Chand, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 3, measuring 503.1/3 Sq. yds. situated Kapoor Colony, Jagdish Ashram Ruraka House (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer 1. at Patiala in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhupinder Singh S/o. Shri Harbans Singh r/o. Mughalwala Tch. Patti Distt. Amritsar Now 10620 Anglesca, Drive Richmond, British Columbia, Canada. through Spl. Attorney Shri D. S. Virk S/o Ajaib Singh Virk Joint Director of Industics, Pb. 3316-19-Dm. Chandigarh.

(Tranferor)

(2) Shri Parduman Singh/So Shri Hardit Singh r/o 138/8, Mohalla Arorian, Patiala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3, measuring 503. 1/3 Sq. yds. situated in Kapur Colony, Jagidish Marg, Rurka house, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3852 of the October, 1979 of the Registering Autho rity, Patiala)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date :18th June 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-, LUDHIANA

Ludhiane, the 18th Jane 1980

Ref. No. NBA/147/79-80/ Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 16K16M

situated at Cantonment Road, Outside Patiala Gate, Nabha (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nabha in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
27—146 GI/80

 Shri Naranjan Singh s/o Shri Waryam Singh s/o Shri Malook Singh r/o Bedians Street, Alohran Gate, Nabha.

(Transferor)

(2) M/s Nabha Ice Factory, Nabha through its Partners Shri Satara Lala s/o, Shri Sohan Lal, Dadar Bazar, Nabha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 16 K 16 M situated at Cantonment Road, Patiala Gate. Nabha.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1650 of October, 1979 of the Registering Authority, Nabha).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 18th June 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 18th June 1980

Ref. No. CHD/271/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing H. No. 595, Sector 10-D, situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as egreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri B. L. Bansal s/o Shri Jugal Kishore
 - (2) Smt. Rattan Kumari w/o Shri B. L. Bansal
 - (3) Shri Yashvir Bansal s/o Shri B. L. Bansal
 - (4) Shri Ashok Bansal s/o Shri B. L. Bunsal all r/o H. No. 17, Sector 10-A, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) (i) Shri Brij Bhupinder Singh s/o Late Shri Mohinder Singh
 - (ii) Smt. Preet Inder Kaur w/o Shri Brij Bhupinder Singh
 - (iii) Master Ayininder Singh (M) s/o Shri Brij Bhupinder Singh

r/o 595, Sector 10-D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 595 situated in Sector 10-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1651 of October, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 18-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Capt. Rabinder Singh s/o Shri Jaswant Singh r/o H. No. 11, Virdi Colony, Raipur (M.P.).

(Transferor)

(2) Shri Swaran Singh s/o Shri Avtar Singh r/o 182, Sector 21-A, Chandigarh.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 18th June 1980,

Ref. No. CHD/327/79-80/—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing Plot No. 190, Sector 33-A,

situated at Chandigarh

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Chandigarh in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 190 situated in Sector 33-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1835 of November, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date; 18-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 18th June 1980

Ref. No. CHD/344/79-80/—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing Plot No. 1111, Sector 36-C, situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Chandigarh in December, 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:—

(1) Lt. Col. Kiran Rai S/o Late Shri Nobat Rai r/o H· Q. Southern Command Pune, through spl Attorney Shri Balbir Singh s/o Ishar Singh r/o H. No. 219/16-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Devinder Kaur Sethi w/o Shri Jaspal Singh Sethi r/o H. No. 211, Sector 35-A, Chandigarh.

(Tranferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1111, situated in Sector 36-C, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 1889 of December, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income
Tax, Acquisition Range, LUDHIANA.

Date: 18-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 18th June 1980

Ref. No CHD/334/79-80/ —Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Incornetax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 1538, Sector 34-D,

situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Lt. Col. Surinder Singh s/o Shri Nobat Rai r/o Manor Hotel 77, Friends Colony West, New Delhi.

 (Transferor)
- (2) 1. Shri Shamsher Singh.
 - 2. Shri Surinder Paul Singh
 - Shri Paramjit Singh S/o Gurdial Singh r/o H. No. 2340, Sector 35-C, Chandigarh.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1538, situated in Sector 34-D, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 1867 of November, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 18-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 18th June 1980

Ref. No. CHD/249/79-80/—Whereas, J, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe

th at the immovable property having a fair market value excending Rs. 25,000/- and bearing

No. share SCO No. 93, Sector 35-C, situated at Chandig rath (and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandig with in October, 1979

for an appa vent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the a, operent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration fo, v such transfer as agreed to between the parties bas not the consideration the said instrument of transfer with the consideration which is less than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the a, operating the property as aforesaid exceeds the appearance of the property as aforesaid exceeds the a, operating the property as aforesaid exceeds the angle of the property as aforesaid exceeds the a, operating the property as aforesaid exceeds the angle of the angle of the property as aforesaid exceeds the angle of the property as a second the angle of th

- (a) facilita dng the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/sor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Pushpinder Singh s/o Sh. Satinder Singh r/o 90, Sector 8-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Gurdev Singh s/o Sh. Ajmer Singh and

Sh. Baldev Singh s/o Sh. Sham Singh r/o B-3, Civil Lines Paras Ram Nagar, Bhatinda.

(Transferee)

(3) Sh. Karaminder Singh, Advocate, r/o 1654, Sector 7-C, Chandigarh. (Person in occupation of the Proparty)

(4) Smt. Pritam Kaur S.C.O. 93 Sector 35-G Chandigarh, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Share of SCO 93, Sector 35-C, Chandigarh)

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1454, October, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date: 18-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 18th June 1980

Ref. No. CHD/268/79-80—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Plot No. 70, Sector 33-A, situated at Chandgarh (and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S. Ajit Singh Kang s/o Sh. Amar Singh Kang, r/o H. No. 106, Sector 8-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Sat Pal Sethi and Sh. Ashok Kumar Sethi ss/o Sh. Dhera Mal Sethi r/o 3403, Sector 27-D, Chandigarh.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 70 in Sector 33-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1648 of October, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date: 18-6-1980

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RNAGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 18th June 1980

Ref. No. CHD/279/79-80 —hereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Residential Plot No. 1150, Sector 34-C, situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of an yincome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Major Jagroop Singh Brar s/o Sh. Pritam Singh Brar, r/o H. No. 163, Sector 9, Chandigarh.
 - (Transferor)
- (2) (1) Sh. Kartar Singh s/o Sh. Puran Singh,
 (2) Smt. Hardial Kaur w/o Sh. Kartar Singh
 r/o H. No. 1150, Sector 34-C, Chandigarh.

(transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same messning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1150 situated in Sector 34-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1662 of October, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date: 18-6-80

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 18th June 1980

Ref. No. CHD/270/79-80.—Whereas 1, SUKIIDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 294, Sector 33-A, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

28-146 GI/8o

(1) Maj. Gurbachan Singh s/o Sh. Didar Singh, r/o Vill. P.O. Nanda Chaur Distt. Hoshiarpur through his General Attorney Smt. Sant Kaur w/o Sh. Washdev Singh Bindra c/o SCO No. 139-141, Sector 17-C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Washdev Singh, Bindra s/o Sh. Mool Singh Bindra c/o Neclam Cinema, Sec. 17, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 294 situated in Sector 33-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1650 of October, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 18-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

ME-

(1) Sh. Nazar Singh r/o Vill. Mohlai Distt. Ropar. (Transferor)

(2) Sh. Bisham Kumar, Mrs. Krishna Kumari Plot No. 786, Phase-VI, Mohali.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 18th June * 1980

Ref. No. KHR/28/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 786, Phase VI, area 500 Sq. yds. situated at Mohali (and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in October, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 786, Phase-VI, measuring 500 Sq. yds. situated in Mohali.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3254 of October, 1979 of the Registering Authority, Kharar.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rang
Ludhiana.

Date: 18-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 18th June 1980

Ref. No. CHD/257/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 142, sector 36-A, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the feir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

- Sh. Paramjit Singh Sibia S/o Sh. Avtar Singh Sibia through general power of Attorney Sh. Satpal Singh Sibia s/o Sh. Avtar Singh,
 R/o Vill. Ramgarh Sibia P. O. Nathowal Distt, Ludhiana.
- (2) Smt. Kusum Gupta w/o Sh. Tarsem Raj Gupta, r/o II. No. 3237, Sector 21-D, Chandigarh.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 142, situated in Sector 36-A, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 1578 of October, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 18-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 18th June 1980

Ref. No. CHD/261/79-80.---Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 1045, Sector 36-G. situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any ranceys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Major Rupinder Singh Brar s/o Sh. Harbans Singh Brar through his attorney Smt. Davinder Kaur Sethi w/o Sh. Jaspal Singh Sethi r/o H. No. 211, Sector 35-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Kamal Jit Chauhan w/o Sh. S. M. Chauhan, 12-C, Sector 12, P.G.I. Chandigath,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1045 situated in Sector 36-C, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 1616 of October, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND, Comtepent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax, Acquisition Range, Ludhiana

Datc: 18-6-1980

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 18th June 1980

Ref. No. CHD/266/79-80.—Wheereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 1700, Sector 33-D. situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sh. Jagjit Singh Sandhu s/o Sh. Balwant Singh Sadhu through Special Power of Attorney Sh. Hem Raj r/o 129-130, G Block Hari Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Balkrishan s/o Sh. Karam Chand Dhiman Railway Road, Morinda Distt. Ropar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from he dae of he publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 1700, situated in Sector 33-D, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 1646 of October, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND, Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 18-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 18th June 1980

Ref. No. CHD/277/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing '***.

Plot No. 324/Sector 33-A, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration

therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as

agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the uprposes of the Indian Lncome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Col. Joginder Singh S/o Sh. Ram Singh Chief Engineer, Project Swastik C/o 99 APO, through his special power of Attorney Sh. Piara Singh s/o Sh. Kakam Singh r/o H. No. 115, Sector 21-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Kartar Haur w/o Sh. Piara Singh r/o H. No. 115, Sector 21-A, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 324 situated in Sector 33-A, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 1660 of October, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 18-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, Dated the 18th June, 19080

Ref. No. CHD/288/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 1272, Sector 34-C, situated at Chandig

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has benn transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering at Chandigarh in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the tnsrafer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Maj. Surinder Mohan Mahna through Sh. Surinder Singh H. No. 1168, Sector 22-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) S/Sh. Sarup Singh and Surjit Singh r/o SCF No. 42, Sector 21-C, Chandigarh.

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1272, situated in Sector 34-C, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered Dedd No. 1680 of October, 1979 of the Registering authority, Chandgarh.)

SUKHDEV CHAND.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 18-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th June 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1614.—Whereas J, SATISH CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House situated at Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Ratlam on 27th Oct. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuant of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri Ram Sahai, S/o Shri Mangilal Khandelwal. (2) Shri Jagdish Prasad, S/o Shri Ram Sahai Khandelwal R/o Mohalla Station Road, Mahatma Gandhi Marg, Ratlam

 (Transferor)
- (2) Shri Mohsin Ali, S/o Haji Gulam Ali Bohra, R/o Mohalla Chandni Chowk Bakhal, Ratlam (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 146, Station Road, Ratlam.

SATISHCHANDRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 5-6-1980

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, EHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th June, 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1615. Whereas I, SATISH CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House situated at Sagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Sagar on 16-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

29-146 GI/80

- Shri Belwant Rai, S/o Shri Lala Kečar Nath,
 Shri Sushil Kumar, S/o Shri Balwant Rai,
 R/o Bhagwan Gani, Sagar.
 - (Transferor)
- (2) Shri Anil Kumar, S/o L/Shri Harishchandia Agrewal, R/o Bhagwanganj Ward, Sager.

 (Transferee)

(Transferee)

Objections, if any, of the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 202 on plot No. 58/6 Near Petrol Pump, Bhagwanganj, Sagar.

SATISHCHANDRA,

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bhopol

Dite: 5-6-1980

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-I

Bhopal, 5th June 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1616.—Whereus I, SATISH CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-House situated and bearing Sagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sagar on 17-10-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) (1) Shri Balwant Rai, S/o Lala Kedarnath
 - (2) Shri Sushilkumar, S/o Balwant Rai Agrawal, R/o Bhagwanganj, Sagar.

(Tr. nsferor)

(2) Shri Rajendrakumar, S/o L/Shri Bankelel, Agrawel, R/o Bhagwanganj, Sagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 202 on Plot No. 58/6, Near Petrol Pemp, Bhagwangani, Sagar.

SATISHCHANDRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-text,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 5-6-1980

FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, 5th June 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1617,---Whereas I, SATJSH CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Agri. Land situated at Raja Khedi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Offices of at sagar on 8-10-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Shanti Devi , W/o Sh. Khidmat Rai
(2) Smt. Suntosh Rani, W/o Sh. Vishwamitra
(3) Shri Ashok Kumur S/o Shri Khidmat Rai, All R/o Sadar Bazar, Sagar.

(2) Delhi Tambacco Uddyog Pvt. Ltd.. Søgør through Shri Babu Rao.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land No. 244, H. No. 77, at Reja Khedi, Sagar.

SATISHCHANDRA,

CompetentAuthority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 5-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, dated 5th June, 1980

No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1618. --Whereas I, SATISH CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural Land situated at Raja Khedi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Sagar on 25-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Vishwamitra, S/o Shri Kriparam, Alias Kripa Shankar
 R/o Sadar Bazar, Sagar
- (2) Delhi Tambacco Udyog Pvt.Ltd., Sagar Through Shri Babu Rao

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land No. 244, H. No.77 at Raja Khedi, sagar

SATISHCHANDRA
Competant Authority
Inspecting Assistnatant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 5-6-1980

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, dated 5th June, 1980

Ref. No. 1AC/ACQ/BPL/80-81/1619.--Whereas I, SATISH CHANDRA

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural Land situated at Raja khedi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer

at Sagar on 23-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said in transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Khidmat Rai, S/o Shri Kripa Ram, R/o Sadar Bazar, Sagar

(Transferor)

(2) Shri Delhi Tambacco Udyog Pvt.Ltd., Sagar, Through Shri Babu Rao

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FART ANATA 1.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land No. 244. H.No. 77, at Raja khedi, Sagar

SATISH CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquiition Range, Bhopal

Date: 5-6-1980

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONNER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th June, 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1620.—Whereas I, SATISH CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,300/and bearing

House(Part) situated at Kolgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Act Satna on 12-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Rajpal Singh, S/o Lala Darshan Singh Baghel,
 R/o Brahmangaon, Teh. Raghuraj Nagar, Satna

(Transferor)

(2) Shri Dharamdas, S/o Shri Mangat Ram, R/o Ward No.15, Satna

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Land Kh.No.27/1, Kolgaon, Ward No. 10 situated on Satna Rewa Road, Satna

SATISH CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-rax,
Acquisition Range. Bhopal

Date: 5-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 5th June, 1980

Ref. No. JAC/ACO/BPL/80-81/1621,—Whereas 1, SATISH **CHANDRA**

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House, Land (Part) situated at Kolgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officet

at Satna on 12-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I

have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Shri Rajpal Singh, S/o Shri Lal Darshan Singh Baghel, R/o Brahman Gaon, Teh. Raghuraj Nagar, Satna (Transferor)
- (2) Shri Shobh Raj, S/o Shri Bhagatram, R/o Ward No.15, Satna

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Land Kh.No.27/1, Kolgaon, Ward No.10, situated on Satna Rewa Road, Satna

> SATISHCHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Date: 5-6-1980

sael:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUSITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, 5th June 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1622, —Whereas I, SATISH CHANDRA

b mg the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immove-able property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot situated at Kol Gaon

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Satna on 12-10-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Rajpul Singh, S/o Shri Darshan Singh, Baghel, R/o Brahman Gaon, Teh.Raghuraj Nagar, Satna (Transferor)
- (2) Shri Madhay Dua S/o Aratmal, R/o Ward No. 15, Satoa

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Land Kh No. 27/1, Kolgaon, Ward No.10, situated on Satna Rewa Road, Satna.

SATISHCHANDRA
Competent Authorty
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 5-6-1980 Se : J:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, 5th June 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1623.—Whereas I, SATISH CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Dumar Para

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bilaspur on 4-10-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

30-146GI-80

 Shri Jaswantilal Shah, S/o Shri Madhoji Shah (Jain) R/o 15 Balaiya Avenue, Mailapur, Madras-4 (Transferor)

(2) Shri Shyam Sundar, S/o Shri Nanakchand Agrawal, R/o Naya Baradwar, District Bilaspur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Dumarpara, Teh. Sakti, District Bilaspur

SATISH CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range. Bhopal

Date: 5-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th June, 1980

Ref. No. IAC/ Λ CQ/BPL/80-31/1624.—Whereas I, SATISH-CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Dumar Para

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bilaspur on 4-10-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jaswantilal Shah, S/o Shri Madhoji Shah (J.n) R/o 15 Balaiya Avenue, Mailapur, Madras-4 (Transferor)
- (2) Shri Prahlad S/o Shri Hardwarimel Agrawal, R/o Naya Baradwar, Teh. Sakti, District Bilaspur (Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Dumarpara, Teh. Sakti, District Bilaspur

SATISHCHANDRA
CompetentAuthority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 5-6-1980

Sc#1:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th June, 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1625.—Whereas I, SATISH-CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated at Dumarpara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilaspur on 4-10-1979,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Jaswantilal Shah, S/o Madhoji Shah (Jain),
 15-Balaiya Avenue, Mailapur, Madras-4
 - (Transferor)
- (2) Shri Gauri Shankar, S/o Shri Nanakchand Agarwal, R/o Naya Baradwar, Teh. Sakti, District Bilaspur (Transferec

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Laud situated at Dumarpara, Tech. Sakti District Bilaspur

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 5-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M,P,

Bhopal, dated 5th June, 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1626.—Whereas I. SATISH CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Sagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sagar on 13-12-1979,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value—of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer—as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Rana Kunjar Shamsher Jang Bahadur, S/o Prince Khadak Shamsher Jang Bahadur, R/o Civil Line No.5, Sagar

(Transferor)

(2) Shri Datatreya, S/o L/Shri Sitaram Deoskar, R/o Parkota Ward, Deoskar Typing Institute, Sagar (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 Jays from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No.109, Near Coffee House, Civil Lines, Sagar

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range. Bhopal

Date: 5-6-1980

Sale:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, dated 5th June, 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1627. —Whereas I, SATISH CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,600/- and bearing No.

House (Part) situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 10-10-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate, proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Dr. D.C.W. Devid, Christian College Compund, Indore

(Transferor)

(2) St. Kesharbai, W/o Shri Labhchand Joshi, R/o 89, Imli Bazar, Indore

(Transferce)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No.182/2, Jaora Compound, Indore.

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 5-6-1980 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (7) Shri D.C.W.Devid,
R/o Christian College Compound, Indore
(Transferor)

(2) Shri Kamla Shankar, S/o Shri Labhchand Joshi, R/o 89-1mli Bazar, Indore

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 6th June, 1980

Ref. No.fAC/ACQ/BPL/80-81/1628,— Whereas I, SATISH CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House (Part) situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Indore on 11-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 182/2, Jaora Compound, Indore

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner Income-tax,
Aquisition Range.Bhopal

Date: 6-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Bhopal, dated 6th June, 1980

Ref. No. 1AC/ACQ/BPL/80-81/1629... Whereas I, SATISH CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House (Pirt) situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Indore on 30-11-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in resect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any thoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. leelavati Vyas, W/o L/Shri Lok Nath Vyas, Shri Atul Kumar Vyas, S/o L/Shri Lok Nath Vyas, both R/o 23-Shrinagar Annex, Indore Shri Sharadehandra Vyas, S/o L/ 3hri Loknath Vyas, R/o 7-Old Palasia, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Raj Kumar Jain, S/o Shri Ratanlal Jain, R/o 12-Sir Siremal Bapna Marg, Indore.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 270, situated at Sir Siremal Bapna Marg, Indore

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Bhopal

Date: 6-6-1980

(1) Shri Surendra B.Kalo, R/o 2/1-South Tukoganj, Indore

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Spiritual Rageneration Move ent Foundation of India, Shanka rachaya Nagar, Rishikesh (UP) (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, dated 6th June, 1980

Rcf. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1630.—Wheseas I, SATISH CHANDRA

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property. having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

at Indore on 18-10-79,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeseid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the Acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No.2/1, South Tukogani, Indore

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhoral

Date: 6-6-80

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, dated 6th June, 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1631.—Whereas I, SATISH CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

house situated at Raipur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 14-11-79,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the persons, namely :---

aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following 31-146GI/80

(1) Shri Ashok Kumar S/o Shri Bhawandas,

Smt. Dwarka Bai, Widow of Shri Bhawandas Ahuja, R/o Ram Sagor Para, Ruipur

(Transferor)

(2) Shri Sunja Kumar & Manoj Kumar both sons of Shri Kishorekumar Ahuja, R/o Ramsagar Para, Raipur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 21/634 D 21/635(Part) on plot No. 7/2, Ramsagar Para, Raipur.

> SATISHCHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acngisition Range. Bhopal

Date: 6-6-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, dated 6th June,1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1632,—Whereas I, SATISH CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 3-12-1979.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. J.yant Bhale Rao, S/o Chandrashekhar Bhale Rao, Gales Bergs illinois (America) through Shri Chandashekhar Bhalerao

(Transferor)

(2) M/s Khe mraj Nemichand through Partner Shri Vimal chand, Ganj Para, Raipur (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double Storeyed House on Plot No.21/Choube Colony, Rajendranagar, Raipur

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 6-6-80

(1) Shri Mobd. Ibrahimuddin, S/o Haji Sirajuddin, R/o Rajnandgaon

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s Chhotelal Keshavram, through Partner Shri Kantibhai, Rajnandgaon

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 6th June, 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1633,—Whereas I, SATISH CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House situated at Rajnandgaon (and more fully descrided in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Rajnandgaon on 10-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property Kh, No. 2060/2 at Kamptee Line, Rajnand-gaon

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Dated: 6-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

R/O Rajnanagaon

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 6th June, 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1634.—Whereas I, SATISH CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House situated at Rajnandgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajnandgaon on 10-12-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mohd, Yakinuddin, S/o Haji Sirajuddin, R/o Rajnandgaon

(Transferor)

(2) M/s Chhoiclal Keshavrani, through Partner Shri Kantibhai, R/o Rajnandgaon

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property on Kh. No. 2060/2 at Kamptee line, Rajnandgaon

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 6-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 6th June, 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1635.—Whereas J, SATISH CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House situated at Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed thereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 14-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ashok Kumar Ahuja, S/o Shri Bhaghwandas Ahuja, R/o Ramsagar Para, Raipur (Transferor)
- (2) Shri Kıshore Kumar, S/o Shri Nichaldas Ahuja, R/o Ramsagar Para, Raipur (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Municipal House No. 21/629 on Plot No. 7/2 at Ramsagar Para, Raipur.

SATISHCHANDRA
Competent Authoritr
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range. Bhopal

Date: 6-6-80 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 6th June 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1636--Whoreas I, SATISH-CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House situated at Mudwada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Mudwada on 23-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Viranand Jodhwani, S/o Shri Dharamdas Jodhwani, R/o Civil Lines, Katni.

(Transferor)

(2) Smt Patol Bai, W/o Shri Lachmandas, R/o Malviya Gani, Mudwada.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 113, Savarkar Ward, Mudwada.

SATISHCHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 6-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME.
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 6th June 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1637-Whereas I, SATISH-CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House (Part) situated at Indore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 29-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shridhar S/o Ram Kumar Agrawal, R/o 27, Morsali Gali, Indore

(Transferor)

(2) Shri Subhashchandra, S/o Shri Laxminarain, R/o 27/5 Shakkar Bazar, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 27/5, Morsali Gali, Indore.

SATISH CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 6-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 6th June 1980

Rcf. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1638— Whereas I, SATISH-CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House (Part) situated at Indore.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Indore on 25-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shridhar S/o Shri Ram Kumar Agrawal, R/o 27, Mars Ii Gali, Indore

(Transferor)

(2) Shri Maheshchand, S/o Shri Laxminarain, R/o 27/5, Shakkar Bazar, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Part of House No. 27/5, Morsali Gali, Indore.

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 6-6-1980,

CHANDRA

FORM ITNS --

(1) Smt. Lalita Bai Joshi, w/o L/Shri Nandlalji Joshi, R/o 8/1 New Palasia, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Shakuntala Devi Jain, W/o Shri Surajmal Jain, R/o 146 Kanchan Bag, Indore

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 6th June 1980

Rof. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1639 -- Whereas I, SATISH-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No House situated Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 31-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 8/1, New Palasia, Indore.

SATISHCHANDRA Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :---32-146QI/80

Date: 6-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 6th June 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1640—Where as I, SATISH CHANDRA

being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House (Part) situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indere on 20-11-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Bhagwandas, S/o Shri Braj Mohan Agrawal, R/o 419 Mahatma Gandhi Marg, Indore

(Transferor)

(2) Smt. Gita Bai, W/o Shri Laxminarayan, R/o 197, Tilak Path, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 304, Jawahar Marg, Indore

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 6-6-1980.

Seal;

 Shri Brai Mohan, S/o Shri Bhondu Ram, R/o 419, Mahatma Gandhi Marg, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Satanand, S/o Shri Laxminarain, R/o 197, Tilak Path, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 6th June 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1641—Whereas I, SATISH-CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House (Part) situated at Indore (and more fully des-

cribed in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore on 31-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fif-

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 304, situated at Jawahar Marg, Indore.

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 6-6-1980.

(1) Shri Balwant Singh, S/o Shri Nagina Singh, R/o 1342, Madan Mahal, Jabalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (1) Shri Pritipal Singh,

Shri Darshan Singh,

(3) Shri Kuldip Singh, S/o Shri Mohar Singh All R/o H. No. 1341 to 1344 Madan Mahal, Jabalpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 12th June 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1642—Whereas I. SATISHCHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 3-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Nos. 1341, 1342, 1343 & 1344, situated at Madan Mahal, Jabalpur.

> SATISHCHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of (Income-tax) Acquisition Range, Bhopal.

Date: 12-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Adil Feroz, S/o Shri E.S. Daruwala, R/o 525 Bhartipur, Jabalpur

(Transferor)

(2) Shri Rameshchandra & Vinodkumar, both sons of Shri Brijlal Shany, R/o 862, Bai Ka Bagicha, Jabalpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 12th June 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1643—Whereas I SATISH-CHANDRA

being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No House situated at Jabalpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of

1908), in the office of the Registering Officer at

Jabalpur on 29-10- 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (2) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning at given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storcyed House No. 918 Marhatal, Omti, near Ghanta Ghar, Jabalpur.

SATISH CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 12th June, 1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhoal, the 12th June 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1644---Wheras I, SATISH-CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land situated at Reva

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rewa on 15-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt Sulochana Lunkad, R/o Ganga Vihar, Kings Circle, Bombay.

(Transferor)

(2) Smt Padmavati Nitumal Lunad, Sagar Kunj, Jalgaon

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 5975 sq. ft. at Ghoghar, Rewa.

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 12-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Premlata Chandanmal Lunkad, R/o G.S.T.I. Road, Indore.

(Transferor)

(2) Smt Padmawati Nitumal Lunkad, Sagar Kunj, Jalgaon,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 12th June 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPO/80-81/1645—Whereas I, SATISH-CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R₃. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Rewa

and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Rewa on 15-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisiton of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Area 59750 sq. ft, at Ghoghar, Rewa.

SATISH CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 12-6-1980

Seal;

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 12th June 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1646—Whereas I SATISH-CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Indorc

(and more fully described in the Schedule anuexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Indore on 27-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt Maya Ran, W/o Shri Trilokinath Bhargava R/9 11/3 Manorama Ganj, Indore.

(Transferor)

 Shri Shankarla! S/o Shri Narayandas Gandhi, R/o 45 Raj Mohalla, Indore.
 Shri Sureshchandra S/o Kanhaiyala! Goya!, R/o 13/3, Snehlata Ganj, Indore

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double Storeyed House bearing No 11/3, Manorama Ganj, Indore.

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal,

Date: 12-6-1980,

Scal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 12th June 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1647—Whereas, I, SATISH CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 5-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

33---146GT/80

 Shei Vallabhdas Nagar S/o Shei Maunalalji Nagar, R/o 212, Yeshwant Ganj, M. G. Road, Indore.

(Transferor)

 Shri Kewal Yadav S/o Shri Shiydarshan Yadav, R/o 8/1, Sadar Bazar, Indore.

(Transforce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double Storeyed House bearing No. 8/1, Sadar Bazar, Indore.

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date 12-6-1980.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 12th June 1980

Rcf. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1648—Whereas I, SATISH-CHANDRA

being the Competent Authority 'r Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1991) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot situated at Gwalior,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gwalior on 10-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Babu Ram Singh Kushwaha, Office-in-Charge, Basant Vihar, Grih Nirman Sahakari Sanstha Maryadit, Gwalior. (Transferor)
- (2) Smt. Prem Lata, W/o Shri Omprakash Malhotra, R/o Kusim Khan Ka Bada,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Dal Bazar, Lashkar,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 7-C, Area 4000 sq. ft. at Scindia Kanya Vidyalaya, Gwalior.

SATISHCHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 12-6-1978

Seal. :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri Babu Ramsingh Kushwaha,
 Office in-charge, Vasant Vihar Griha Nirman Sahakari
 Sanstha Maryadit,
 Janak Ganj, Gwalior.

(Transferor)

(2) Smt Krishna Devi, W/o Shri Nari yandas Gupta, R/o 32 Laxmibai Colony, Gwalior,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIIOPAL

Bhopal, the 12th June 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1649—Whereas I, SATISHCHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot situated at Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gwalior on 10-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 5, area 6000 sq. ft. at Scindia Kanya Vidyalaya, Gwalior.

SATISHCHANDRA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopaj

Date: 12-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 12th June 1980

Ref. No IAC/ACQ/BPL/80-81/1650— Whereas SATISHCHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot situated at Gwalior.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gwalfor on 10-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transferor;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Babu Ram Singh Kushwaha, Office-in -charge, Vasant Vihar Griha Nirman Sahakari Sanstha Maryadit, Gwalior,

(Transferor)

(2) Shri Ashok Gupta, S/o Shri Kashiram Gupta, R/o 8 Laxmibai Colony, Gwafior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the eaid property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No 7 Area 6000 sq. ft. at Seindia Kanya Vidyalaya, Gwalior.

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
[Acquisition Range, Bhopal.

Date 12-6-1980. Seaf.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 13th June 1980

Ref. No IAC/ACQ/BPL/80-81/1651—Whereas, SATISHCHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House situated at Mundwada and more

fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Mundwada on 4-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Jeewandas, (2) Vijay Kumar s/o Ram Manohar (3) Vallabhdas, (4) Smt. Devka Bai, Widow of Sh. Ram Manohar, (5) Shri Chhangelal s/o Shri Chaturbhuj, (6) Smt. Parma Bai, Widow of Chaturbhuj, (7) Parmanand, s/o Dwarka Prasad, (8) Smt. Kasturi Bai widow of Shri Dwarka Prasad, all r/o Raghunath Ganj, Mundwada.

(Transferor)

 M/s. Patel Stone Lime Co., Katni, through Partner Shri Baijnath Prasad, Tilak Ward, Mundwada.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Nandipara Ward, N.B. 493, Mundwada.

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 13-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 13th June 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1652—Whereas I, SATISHCHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No House situated at Mundwada

(and more fully described in

the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registraton Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Mundwada on 4-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I

have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri (1) Jeewandas, (2) Vallabhdas, (3) Vijaykumar, s/o Ram Manohar, (4) Smt. Devka Bai, w/o Ram Manohar, (5) Shri Chhangelal, s/o Chaturbhuj, (6) Smt Parma Bai, Widow of Sh. Chaturbhuj, (7) Parmanand s/o Dwarka Prasad, (8) Smt. Kasturi Bai, Widow of Dwarka Prasad, all R/o Raghunath Ganj, Maudwada.

(Transferor)

(2) Shri Sitaram Dubey, s/o Shri Deviprasad Dubey, R/o Kelwara Khurd, Mundwada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Nandipara Ward, N. B. 493, Mundwada.

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Rang, Bhopal,

Date 13-6-1980.

Seal

(1) M/s Moti_lal Qgrawal Mills Pyt. Ltd., Birla Nagar, Gwalior.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shreeram S/o Gulabchand Mittal R/o 31/63, Didwanoali, Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 17th June 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1653—Whereas I, Vijay Mathur

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Lashkar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gwahor on 18-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three storied house bearing no. 31/63, Didwanoali, Lashkar, Gwalior.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 17-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 17th June, 1980

Ref. No IAC/ACQ/BPL/1980-81/1654—Wherens I, VUAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

house

situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 15-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. Ganeshram Kaluram Puranik, C-70, Fertilizer city, Ramagundam (A.P.)

(Transferor)

(2) Shri Mahendrasingh Chandsingh,48, Vidhyanagar Colony, Indore.at present 58, Vishnupuri Colony, Indore

(Transferce)

Objections, if any, ot the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 58, Vishnupuri Colony, Indore.

VIJAY MATHUR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 17th June, 1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACOUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 17th June 1980

Ref. No IAC/ACQ/BPI /80-81/1655—Whereas I, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No House (Part) situated at Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 6-10-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeside exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

34-146GI/80

- Shri Anil Kumar and Shri Satishkumar both sons of Shri Harprasad Dubey,
 R/o Somwara, Peergate, Sindhi market, Bhopal (Transferor)
- (2) Shri Suresh Kumar s/o Shri Sitaram Sahu, R/o Nehru Road, Jawahar Chowk, Jumerati, Bhopal. (Transforce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hilf portion of a house situated at Sindhi market road, Somwara, Bhopal.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 17th June, 1980.

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 17th June 1980

Ref. No. /AC/ACQ/BPL/1980-81/1656—Where as 1 VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. House (Part) situated at Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 5-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Anil Kumar and Satishchandra both sons of Shri Harprosad Dubey R/o Somwara, Sindhi Market, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Surendra Kumar S/o Shri Sitaram Sahu R/o Jawahar Chowk, Jumerati, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of a house situated at Sindhi Market road, Somwara, Bhopal.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 17-6-1980.

J.

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Harilal s/o Shri Moolshan kerbhai Desai R/o Freeganj, Ujjain.

(Transferor)

(2) M/s Radheyshyam Babulal Daulatganj, Ujjain.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTŢ. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 17th June 1980

Ref. No IAC/ACQ/BPL/80-81/1657—Whereas VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot situtated at Ujjain

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 18-1 -1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 59 Area 2475 Sq. f. situated at Kheersagar, Ujjain.

VIJAY MATHUR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 17-6-1980.

Seal.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 13th May 1980

Ref. No. III-398/ACQ/80-81—Whereas, I, J. NATH being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per deed No. 5594 dated 17-10-1979 situated at Phusaro and more fully described in the schedule annexed hereto) has been trans ferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bermo on 17-10-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Kumari Pratima Singh, D/o Shri Rameshwar At. Phusaro. P. O. Dhoudi, Bermo, Giridih.

(Transferor)

 (2) Shrimati Kamala Devi Agarwalla, W/o Shri Sawar Lal Agarwalla, At. Phusaro,
 P. O. Dhoudi, Bermo, Giridih.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with a three storeyed building as described in deed No. 5594 dated 17-10-1979 registered with the Sub-Registrar, Bermo.

J. NATH

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar Patna

Date: 13-5-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 6th June 1980

Ref. No. III-412/ACQ/80-81—Whereas I. J. NATH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Ward No. 12, Holding No. 151 etc. situated at Mouza Shyamgani, Santhal Parganas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Deoghar on 31-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhagwati Prasad Doodu wala, S/o Sohanlal Doodua-wala (2) Pappu Dooduawala, Minor son of Bhagwati Prasad Dooduawala (3) Champawati Devi, W/o Bhagwati Pd. Dooduawala (4) Mahendra Kumar Nathana, S/o Bhagwati Prasad Dooduawala, Resident of 5A, Muktaram Babu Street, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shrimati Bina Devi, W/o Raj Pd. Keshri, P.O. Deoghar, Dt. Santhal Parganus.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in a house property situated at Shyamgeij Santhal Parganas, more fully described in deed No 3530 dated 31-10-1979 registered with the District Sub-Registrar, Deoghar.

J. NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna

Date: 6-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 6th June 1980

Ref. No. 111-414/ACQ/80-81-Whereas I., J. NATH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Ward No. 12, Holding No. 151 etc. situtated at Mouza Shyam-gani, Santhal Parganas.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Ragistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Deoghar on 31-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian, Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing

(1) Shri Bhagwati Prasad Dooduawala, S/o Sohanlal Dooduawala (2) Pappu Dooduawala, Minor son of Bhagwati Prasad Dooduawala (3) Champawati Devi, W/o Bhagwati Pd. Dooduawala (4) Mahendra Kumar Nathany, S/o Bhagwati Prasad Dooduawala, Resident of 5A, Muktaram Babu Street, Calcutta.

(Transferer)

(2) Shrimati Kanti Debi, W/o, Mahabir Prasad Keshri, At & P.O. Deoghar, Distt. Santhal Parganas. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1f3rd share in a house property situated at Shyamgani, Sant al Parganas more fully described in deed No. 3532 dated 31-10-1979 registered with District Sub-Registrar, Deoghar.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,

Date: 6-6-80 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE PATNA

Paina the 6th June 1980

Ref. No. III 413/ACQ/80-81—Whereas, I J. NATH being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Ward No. 12, Holding No. 151 etc. situated at Mouza Shyamganj, Santhal Parganas.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Deoghar on 31-10-1979.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bhagwati Prasad Dooduawala, S/o Sohanlal Dooduawala (2) Pappu Dooduawala, Minor son of Bhagwati Prasad Doodauwala (3) Champawati Devi Nathany, W/o Bhagwati Prasad Dooduwala (4) Mahendra Kumar Nathany, S/o Bhagwati Pd. Dooduawala Resident of 5A, Muktaram Babu Street, Calcutta. (Transferer)
- Shrimati Raj Kumari Devi, W/o Sri Ramdas Keshari, of Raniganj, Dt. Burdwan (W.B.)
 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3 Kathas 18 Dhurs land with building situated at Mouza Shyamganj, Santhal Parganas, more fully described in deed No. 3531 dated 31-10-1979 registered with the District Sub-Registrar, Deoghar.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisitin Range, Patna

Date: 6-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE PATNA

Patna the 6th June 1980

Ref. No. III-415/ACQ/80-81—Whereas, I. J. NATH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

number given in deed No. 7997 dated 10-10-1979 situated at Ranchi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Ranchi on 10-10-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Amal Kumar Banerjee, S/o Late M.N. Banerjee BResident of 84-A Raja Raj Ballabh, Calcutta-3. At a present Circular Road, Ranchi, 25

(Transferer)

(2) Shri Uday Kumar Agarwal, S/o Shri Bhagwan Das Agarwal, Resident of Rantu Road, Ranchi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with building situtated at Ranchi fully desciribed in deed No. 7997 dated 10-10-1979 registered wit the District Sub-Registrar, Ranchi.

J. NATH,

Comptetent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Patna

Date: 6-6-1980,

Scal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 6th June 1980

Ref. No. III-416/ACQ/80-81 · Whereas, J., J. NATH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Khata No. 24, Plot No. 252 etc. situated at Dhanbad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Dhanbad on 31-10-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income urising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

35-146GI/80

(1) Shri Rajiv Sondhi, S/o Premlal Sondhi, Vrioda Kumar, W/o Shri K. Kumar, Prem Lal Sondhi, S/o Nandlal Sondhi of New Delhi-17.

(Fransferer)

(2) Shri Nand Kishore Gupta, S/o Sabhi Ram Gupta, Chatatand, Kenduadih, Dhanbad.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with building situated at Dhanbad more fully described in deed No. 7839 dated 31-10-1979 registered with the District Sub-Registrar, Dhanbad.

> J. NATH Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 6-6-1980,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RAGE, PATNA

Patna, the 6th June 1980

Ref. No. III-418/ACQ/80—81—Whereas, I., J. NATH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-Khata No. 34, Plot No. 1080 & 2878 etc. situated at Dhanbad

(and nore fully described in the schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhanbad on 11-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) lacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Manibon Popatlal Chuhan, W/o Shri Popat Lal Manji Chauhan, Telephone Exchange Road, Dhanbad.

(Transferor)

(2) Shri Sanwar Prasad Agrawalla, S/o Shri Balak Ram Agarwalla, Chartered Accountant, P. O. Jharia, Dhanbad. (Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

13 Kathas of Ind at Dhowtand, Dhanbad more fully described in deed No. 7318 dated 11-10-1979 registered with the District Sub-Registrar, Dhanbad,

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Bihar, Patna

Date: 6-6-1980.

Seal,

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITON RANGE PATNA

Patna, the 6th June 1980

Ref. N III-417/ Λ CQ/80-81—Whereas, J. J. NATH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Khata No. 24, Plot No. 252 etc. situated at Dhanbad. (and more fully described in the schedule

annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dhanbad on 31-10-979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Sheela Mehta, W/o Shri G.C. Mehta, R 550 Shankar Road, New Delhi-110 060.

(Transferer)

(2) Shri Binod Kumar Gupta, S/o Shri Muni Ram Gupta, Chatatanad, Kenduadih, Dhanbad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6 Kathas of land with building at Dhanbad more fully described in deed No. 7840 dated 31-10-1979 registered with he District Sub-Registrar, Dhanbad.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissiner of Income-tax
Acquisition Range, Patna.

Date: 6-6-1980.

Sea

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION NOTICE

NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION DECEMBER, 1980

New Delhi, the 12th July 1980

No. F 7/2/80-EI(B).—An Examination will be held by the Union Public Service Commission commencing from 28th December, 1980 for admission to the Army, Navy and Air Force Wings of the NDA for the 66th Course commencing in July, 1981.

The approximate number of vacancies to be filled on the results of this examination will be 300 (195 for the Army 39 for Navy and 66 for the Air Force).

Admission to the above course will be made on the results of the written examination to be conducted by the Commission followed by intelligence and personality test by a Services Selection Board of candidates who qualify in the written examination. The details regarding the (a) scheme, and syllabus of the examination, (b) physical standards for admission to the Academy and (c) brief particulars of the service etc. for candidate joining the National Defence Academy are given in Appendices I, II and III respectively.

Note:—THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS OF THE EXAMINATION WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDTAES' INFORMATION MANUAL, AT APPENDIX V.

2. Centres of Examination:—Ahmedabad, Allahabad Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad Jaipur, Jammu, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patiala, Patna, Port Blair, Shillong, Simla, Srinagar and Trivandrum.

3. CONDITIONS OF ELIGIBILITY :---

- (a) Nationality: A candidate must be either: -
 - (i) a ctizen of India, or
 - (ii) a subject of Bhutan, or
 - (iii) a subject of Nepal, or
 - (iv) a 'Fibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
 - (v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, the East African countries of Kenya, Uganda, United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Victnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (iii) (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will not, however, be necessary in the case of candidates who are Gorkha subjects of Nepal.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination and he may also provisionally be admitted to the Academy subject to the necessary certificate being given to him by the Government.

(b) Age limits, sex and marital status:— Unmarried male candidates born not earlier than 2nd January, 1963 and not later than 1st July, 1965 are only eligible.

Note: Date of birth as recorded in Matriculation/Higher Secondary or equivalent examination certificate will only be accepted.

(c) Educational Qualifications:— Higher Secondary Examination of a State Education Board or of a recognised university or equivalent. Candidates who have passed the 11th class examination under the 104-2 Pattern of School Education are also eligible.

Candidates who have yet to pass the Higher Secondary or Fquivalent Examination or the 11th class examination under the 10+2 Pattern of School education can also apply.

Candidates who qualify in the SSB interview will be required to submit Higher Secondary or equivalent certificates in original to Army HQ/Rtg 6(SP)(a), West Block III, R. K. Puram, New Delhi-110022 by 20 June, 1981 failing which their candidature will be cancelled. Certificates in original issued by the Principals of the institutions are also acceptable in cases where Boards/Universities have not yet issued certificates. Certified true copies of such certificates will not be accepted.

In exceptional cases the Commission may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications the standard of which in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

Note 1.—Those candidates who have yet to qualify in the Higher Secondary or equivalent examination and are allowed to appear in the UPSC Examination should note that this is only a special concession given to them. They are required to submit the proof of passing the Higher Secondary or equivalent examination by the prescribed date and no request for extending this date will be entertained on the grounds of late conduct of Board/University Examination, delay in declaration of result or any other ground what-so-ever.

Note 2.—Candidates who are debarred by the Ministry of Defence from holding any type of commission in the Defence services shall not be eligible for admission to the examination and if admitted their candidature will be cancelled.

- 4. FEE 10 BE PAID WITH THE APPLICATION:—Rs. 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates. Applications not accompanied by the prescribed tee will be sumarily rejected.
- 5. REMISSION OF FIEL.—(1) The Commission may, at their discretion, remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1-1-1964 and 25-3-1971 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma who migrated to India on or after 1-6-1963 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka who migrated to India on or after 1-11-1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.
- (2) The children of Junior Commissioned Officers, Non-Commissioned Officers and other ranks of the Army and equivalent ranks in the Indian Navy and the Indian Air Force and children of Ex-Junior Commissioned Officers, Ex-Non-Commissioned Officers and Ex-other ranks of the Army and equivalent ranks in the Indian Navy and Indian Air Force are not required to pay the prescribed fee if they satisfy the following conditions viz.
 - (i) they are studying in the Military School, (formerly known as King George's Schools)/Sainik Schools run by the Sainik Schools Society, and
 - (ii) their applications are forwarded by the Principal of the concerned School with the recommendation that they are expected to secure at least 30 per cent of the aggregate marks of the written papers.
- 6. HOW TO APPLY:—Only printed applications on the from prescribed for the National Defence Academy Examination, December 1980 appended to the Notice will be entertained. Completed applications should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011. Application forms and full particulars of the examination can be had from the following sources:—
 - (i) By post from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by remitting Rs. 2/- by Money Order or by crossed Indian Postal Order payable to Secretary, UPSC at New Delhi G.P.O.
 - (ii) On each payment of Rs. 2/- at the counter in the Commission's Office.
 - (iii) Free of charge from nearest Recruiting Office, Military Area/Sub-Area Headquarters, Airmen's Selection Centres. N.C.C. Units, and Naval Establishments.

All candidates whether already in Government service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government service whether in a permanent or temporary capacity or as work charged employees other than casual or daily rated employees are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

A candidate serving in the Armed Forces must submit his application through his Commanding Officer who will complete the endorsement (vide Section 'B' of the application form) and forward it to the Commission.

Note:— Sailors (including boys and artificer apprentices) of the Indian Navy must give Indian preference. Their applications will be these have been duly recommended by their Commanding Officers.

Cadets of the Rashtriya Indian Military College (previously known as Sainik School) Dehra Dun, students of Military Schools (formerly known as King George's Schools) and Sainik Schools run by the Sainik Schools Society should submit their applications through the Principal of the College/School concerned.

7. I.AST DATE FOR RECEIPT OF APPLICATIONS IN THE COMMISSIONS OFFICE:—

- (i) From candidate in India-8th September, 1980.
- (ii) From candidates abroads, in Andaman and Nicobar Islands, Lakshadweep, Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim or in Ladakh Division of J&K State—22nd September, 1980.

8. DOCUMENTS TO BE SUBMITTED WITH THE APPLICATION.

- (A) By all candidates :-
 - (i) Fee of Rs. 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes/ Scheduled Tribes candidates) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to the account Head "051 Public Service Commission—Examination Fees" and the receipt attached with the application.

- (ii) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled.
- (iii) Two identical copies of recent passport size (5 cm, × 7 cm, approx.) photographs of the candidate duly signed on the front side.

One copy of the photograph should be pasted on the flist page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.

- (iv) Two self-addressed, unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms. \times 27.5 cms.
- (B) By Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates:---

Attested/certified copy of certificate in the form given in Appendix IV from any of the competent authorities (mentioned under the certificate) of the District in which he or his parents (or surviving parent) ordinarily reside, in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe

- (C) By candidates claiming remission of fee: --
 - (i) An attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer or a Member of Parliament of State Legislature certifying that he is not in a position to pay the prescribed fee.

- (ii) An attested/certified copy of certificates from the following authorities in support of his claim to be a bina fide displaced person/repatriate—
- (a) Displaced person from erstwhile East Pakistan
 - Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakarnya Project or of Relief Camps in various States.

OF

- (ii) District Magistrate or the area in which he may, for the time being, be a resident.
- (iii) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in his district. OR
- (iv) Sub-Divisional Officer within the sub division in his charge.

OR

- (v) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.
- (b) Repatriates from Sri Lanka:-

High Commission for India in Sri Lanka.

(c) Repatriates from Burma:-

Embassy of India, Rangoon, or District Magistrate of the area in which the candidate may be resident,

- 9. REFUND OF FEE:—No refund of fee paid to the Commission with the application will be entertained except in the following cases, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection:—
 - (i) A refund of Rs. 15/- (Rs. 4/- in the case of candidates belonging to Scheduled Caste/Scheduled Tribes) will be made to a candidate who had paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application is rejected on receipt of information that the candidate has failed in the Higher Secondary or equivalent examination or will not be able to submit the proof of passing the Higher Secondary or equivalent examination by the prescribed date he will not be allowed refund of fee.
 - (ii) A refund of Rs. 28/- (Rs. 7/- in the case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes) will be allowed in the case of a candidate who took the NDA Examination lune, 1980 and is recommended for admission to any of the courses on the results of that Examination provided his request for cancellation of candidature for the NDA Examination December 1980 and refund of fee is received in the office of the Commission on or before 15th February, 1981.
- 10. ACKNOWLEDGEMENT OF APPLICATIONS:—All applications received in the prescribed form for this examination will be acknowledged. If a candidate does not receive an acknowledgment of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgment.
- 11. RESULT OF APPLICATION:—If a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 12. ADMISSION TO THE EXAMINATION:—The decision of the Union Public Service Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate shall be final. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.
- 13. ACTION AGAINST CANDIDATES FOUND GUILTY OF MISCONDUCT:—Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are folse or suppress any material information in filling in the application form. Candidates are also warned that they should

in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its attested/certified copy submitted by them nor should they submit a tempered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or their attested/certified copies, an explonation regarding the discrepancy should be submitted.

A candidate who is σ_Γ has been declared by the Commission to be guilty of.—

- (i) obtaining support of his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s), or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall, or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations, or
- (xi) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses may in addition to rendering himself liable to crimmal prosecution be liable:—
- (a) to be disqualified by the Commission from the Examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
- (i) by the Commission, from any examination of selection held by them;
- (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

14. ORIGINAL CERTIFICATES—SUBMISSION OF

Candidates who qualify at the SSB interview on the results of the written examination will be required to submit their original certificates in support of their age and educational qualifications etc. to Army HQ, Rtg 6. (SP) (a), West Block III, R. K. Puram, New Delhi-110022, soon after the interview.

- 15. COMMUNICATIONS REGARDING APPLICATIONS.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD JNVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—
 - (1) NAME OF EXAMINATION
 - (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION
 - (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BURTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
 - (4) NAME OF CANDIDATF (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS)
 - (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.(i)—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

- N.B. (ii)—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON
- 16. CHANGE OF ADDRESS.—A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are re-directed if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity giving the particulars mentioned in paragraph 15 above.

CANDIDATES RECOMMENDED BY THE COMMISSION FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD WHO HAVE CHANGED THEIR ADDRESSES SUBSEQUENT TO THE SUBMISSION OF THEIR APPLICATIONS FOR THE EXAMINATION SHOULD IMMEDIATELY AFTER ANNOUNCEMENT OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION NOTIFY THE CHANGED ADDRESS ALSO TO ARMY HEADQUARERS, A.G.S BRANCH RTG., 6(SP) (a) WEST BLOCK 3, WING 1, RAMAKRISHNAPURAM, NEW DELHI-110022. FAILURE TO COMPLY WITH THIS INSTRUCTION WILL DEPRIVE THE CANDIDATE OF ANY CLAIM TO CONSIDERATION IN THE EVENT OF HIS NOT RECEIVING THE SUMMONS LETTER FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD.

Although the authorities make every effort to take account of such changes they cannot accept any responsibility in the matter

17. ENQUIRIES ABOUT INTERVIEW OF CANDIDATES QUALIFYING IN THE WRITTEN EXAMINATION.—Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board should address enquiries or requests if any relating to their interview direct to the Army Headquarters, AG's Branch RTG, 6 (SP) (a) West Block 3, Wing, 1, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022.

Candidates are required to report for SSB interview in the date intimated to them in the call-up letter for interview. Request for postponing interview will only be considered in exceptional circumstances and that too if it is administratively convenient for which Army HQ will be sole deciding authority.

Candidates whose names appear in the final merit list issued by the UPSC must notify their latest address to Army HQ'AG's Branch, Rtg 6 (SP) (a) (i) West Block 3, Wing I Ramakrishnapuram, New Delhi-110022, immediately after publication of the merit list in the newspapers, if there is any change in the address already given so that joining instructions issued by Army HQ reach them in time. In case this is not done, the responsibility of non-receipt of the joining instructions will rest with the candidate.

18. ANNOUNCEMENT OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION, INTERVIEW OF QUALIFIED CANDIDATES, ANNOUNCEMENT OF FINAL RESULTS AND ADMISSION TO THE TRAINING COURSE OF THE FINALLY QUALIFIED CANDIDATES.—The Union Public Service Commission shall prepare a list of candidates who obtain the minimum qualifying marks in the written examination as fixed by the Commission in their discretion. Such candidates shall appear before a Service Selection Board for Intelligence and Personality Tests, where candidates for the Army/Navy will be assessed in officer potentiality and those for the Air Force in Pilot Aptitude Test and officer potentiality. The maximum marks obtainable at these tests are 900.

Candidates will appear before the Services Selection Board and undergo the tests thereat at their own risk and will not be entitled to claim any compensation or other relief, from Government in respect of any injury which they may sustain in the course of or as a result of any of the tests given to them at the Services Selection Board whether due to the negligence of any person or otherwise. Parents or guardians of the candidates will be required to sign a certificate to this effect.

To be acceptable candidates for the Army/Navy should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written

examination, and (ii) officer potentiality tests, as fixed by the Commission in their discretion, and candidates for the Air Force should secure the minimum qualitying marks separately in (i) written examination, (ii) officer potentiality test, and (iii) Pilot Aptitude Test as fixed by the Commission in their discretion. Subject to these conditions the qualified candidates will then be placed in the final order of merit on the basis of total marks secured by them in the written examination, and the Services Selection Board Tests in two separate lists—one for the Army and the Navy and the other for the Air Force. The names of candidates who qualify for all the Services will appear in both the Merit Lists. The final selection for admission to the Army and Naval Wings of the National Defence Academy will be made in order of merit up to the number of vacancies available from the order of merit list for the Army and the Navy and for the Air Force Wing from the order of merit list for the Army and suitability in all other respects. The candidates who are common to both the merit lists will be considered for selection from both the lists with reference to their order of preferences and in the event of their final selection from one list, their names will be cancelled from the other list.

N.B.—EVERY CANDIDATE FOR THE AIR FORCE IS GIVEN PILOT APTITUDE TEST ONLY ONCE. THE GRADES SECURED BY HIM AT THE FIRST TEST WILL. THEREFORE, HOLD GOOD FOR EVERY SUBSEQUENT INTERVIEW HE HAS WITH THE AIR FORCE SELECTION BOARD. A CANDIDATE WHO FAILS IN THE FIRST PILOT APTITUDE TEST CANNOT APPLY FOR ADMISSION TO THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION FOR THE AIR FORCE WING OR GENERAL DUTIFS (PILOT) BRANCH OR NAVAL AIR ARM.

Candidates who have been given the Pilot Aptitude Test for any previous N.D.A. course should submit their applications for this examination for the Air Force Wing only if they have been notified as having qualified in Pilot Aptitude Test.

The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

Success in the examination confers no right of admission to the Academy. A candidate must satisfy the appointing authority that he is suitable in all respects for admission to the Academy.

19. DISQUALIFICATION FOR ADMISSION TO THE TRAINING COURSE.—Candidates who were admitted to an earlier course at the National Defence Academy, but were removed therefrom for lack of officerlike qualities or on disciplinary grounds will not be admitted to the Academy.

Candidates who were previously withdrawn from the National Defence Academy on medical grounds or left the above Academy voluntarily are, however, cligible for admission to the Academy provided they satisfy the medical and other prescribed conditions.

- 20. RESTRICTION ON MARRIAGE DURING TRAINING IN THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY—Condidates must undertake not to marry until they complete their full training. A candidate who marries subsequent to the date of his application, though successful at this or any subsequent examination will not be selected for training. A candidate who marries during training shall be discharged and will be liable to refund all expenditure incurred on him by the Government.
- 21. PAMPHLETS CONTAINING RULES AND QUESTION PAPERS.—With the introduction of objective type questions for all the papers included in the scheme of this examination with effect from the National Defence Academy Examination, December 1977, the printing of pamphlets containing rules and question papers for this examination has been discontinued. However, copies of pamphlets containing rules and question papers of preceding examinations upto National Defence Academy Examination held in May, 1977 are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only

against cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building C' Block, Baba Kharog Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale counter of the Publications Branch at Udyog Bhawan, New Delhi-110001 and (iii) the Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

22. INTELLIGENCE TESTS—INFORMATION ABOUT.—The Ministry of Defence (Directomte of Psychological Research) have published a book with the title "A Study of Intelligence Test Scores of candidates at Services Selection Boards." The purpose of publishing this book is that the candidates should familiarise themselves with the type of Intelligence Tests they are given at the Services Selection Boards.

The book is a priced publication and can be obtained from the sources mentioned in paragraph 21 above.

> R. S. AHLUWALIA, Deputy Secretary

APPENDIX I

(The Scheme and syllablus of the examination)

A. SCHEME OF THE EXAMINATION

1. The subject of the written examination, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject will be as follows:—

	Subject	Duration	Max. Marks
1.	English	2 hours	250
2.	Mathematics—Paper I Paper II	2 hours 2 hours	125 125
3.	General Knowledge-Paper 1. (Science) Paper II (Social Studies, Geo-	2 hours	200
	graphy and Current Events) .	2 hours	200
			900

- 2. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING, SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES, INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.
- 3. In the question papers, wherever necessary, questions involving the Metric System of Weights and Measures only will be set.
- 4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.
- 5. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.
- 6. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

B. SYLLABUS OF THE EXAMINATION

FNGLISH.—The question paper will be designed to test the candidate's understanding of and his power to write English correctly and idiomatically. It will also include questions to test the candidate's knowledge of grammar, idiom and usage.

MATHEMATICS PAPER—I

Arithmetic

Number Systems-Natural numbers, Integers, Rational and Real numbers. Fundamental operations—addition, subtraction. Multiplication, division, Square roots, Decimal fractions.

Unitary method—time and distance, time and work, percentages—applications to simple and compound interest, profit and loss. Ratio and proportion, variation.

Elementary Number Theory-Division algorithm, Prime and composite numbers. Tests of divisibility by 2, 3, 4, 5, 9, and 11. Multiples and factors. Factorisation Theorem, H.C.F. and L.C.M. Luclidean algorithm.

Logarithms to base 10, laws of logarithms, use of logarithmic tables.

Algebra

Basic Operations; simple factors, Remainder Theorem, ILC.F., L.C.M. of polynomials. Solutions of quadratic equations, relation between its roots and coefficients. (Only real roots to be considered). Simultaneous linear equations in two unknowns, analytical and graphical solutions. Practical problems leading to two simultaneous linear equations in two variable or quadratic equations in one variable and their solutions. Set language and set notation. Rational expressions and conditional identities. I awa of indices.

Trigonometry

Sine X, Cosine X, Tangent X when $0^{\circ} \le x \le 90^{\circ}$.

Values of sin x, cos x and tan x, for x=0°, 30°, 45°, 60° and 90°.

Simple trigonometric identities.

Use of trigonometrical tables.

Simple cases of heights and distances.

PAPER II

Geometry

Lines and angles, Plane and plane figures. Theorems on (i) Properties of angles at a point, (ii) Parallel lines, (iii) Sides and angles of a triangle, (iv) Congruency of triangles. (v) Similar triangles, (vi) Concurrence of medians and altitudes. (vii) Properties of angles, sides and diagonals of a parallelogram, rectangle and square, (viii) Circle and its properties including tangents and normals, (ixx) Loci.

Mensuration

Arcus of squares, rectangles, parallelograms, triangle and circles. Areas of figures which can be split up into these figures (Field Book) Surface area and volume of cuboids, lateral surface and volume of right circular cones and cylinders. Surface area and volume of spheres.

Statistics

Collection and tabulation of statistical data. Graphical representation-frequency polygons, histograms, bar charts, pie charts etc.

Calculation of mean of raw and grouped data.

GENERAL KNOWLEDGE

There will be two papers :

Paper I—Comprising Physics, Chemistry and General Science; and

Puper II —Comprising Social Studies Geography and Current Events.

The following syllabus is designed to indicate the scope of the subjects included in these papers. The topics mentioned are not to be regarded as exhaustive; and questions on topics of similar nature not specially mentioned in the syllabus may also be asked. Candidates' answers are expected to show their knowledge and intelligent understanding of the questions.

PAPER I

General knowledge Paper I will comprise the following-

(A) Physical Properties and States of Matter, Mass, Weight, Volume. Density and Specific Gravity. Principle of Archimedes, Pressure Barometer.

Motion of objects. Velocity and Acceleration Newton's I aws of Motion. Force and Momentum. Parallelogram of Forces. Stability and Equilibrium of bodies. Gravitation, elementary ideas of Work, Power and Energy.

Effects of Heat. Measurement of Temperature and Heat. Change of State and Latent Heat. Modes of transference of Heat.

Sound Waves and their properties. Simple musical instru-

Rectilinear propagation of Light, Reflection and refraction Spherical Mirrors and Lenses, Human Eye,

Natural and Artificial Magnets. Properties of a Magnet Earth as a Magnet.

Static and Current Electricity. Conductors and Non-conductors, Ohm's Law. Simple Electrical Circuits. Heating. Lighting and Magnetic effects of Current. Measurement of Flectrical Power. Primary and Secondary Cells. Uses of X-Rays.

General Principles in the working of the following:

Simple Pendulum, Simple Pulleys, Siphon, Levers, Balloon, Pumps, Hydrometer. Pressure Cooker. Thermos Flask, Gramophone, Telegraph, Telephone, Periscope, Telescope, Microscope, Mariner's Compass, Lightning Conductors, Safety Fuses.

(B) Physical and Chemical changes. Elements. Mixtures and Compounds. Symbols. Formulae and simple Chemical Equations. Laws of Chemical Combination (excluding problems). Properties of Air and Water.

Preparation and Properties of Hydrogen, Oxygen, Nitrogen and Carbon dioxide. Oxidation and reduction.

Acids: Bases and Salts.

Carbon-Different forms.

Fertilizers-Natural and Artificial.

Materials used in the preparation of substances like Soap Glass, Ink, Paper, Cement, Paints, Safety Matches and Gun Powder.

Elementary ideas about the Structure of Atom. Atomic Equivalent and Molecular Weights, Valency.

(C) Difference between the living and non-living.

Basis of Life-ells Protoplasm and Tissues.

Growth and Reproduction in Plants and Animals.

Elementary knowledge of Human Body and its important organs.

Common Epidemics, their causes and prevention.

Food—Source of Fnergy for Man. Constituent of food. Balanced Diet.

The Solar System. Meteors and Comets. Eclipses. Achievements of Eminent Scientists.

Note: Out of maximum marks assigned to the paper, questions on Part (A), (B) and (C) will generally carry 50%, 30% and 20% marks respectively.

ΡΛΡΈΚ Π

(SOCIAL STUDIES GEOGRAPHY AND CURRENT EVENTS)

General Knowledge Paper II will comprise the follow-

(A) Λ broad survey of Indian History with emphasis on Culture and Civilisation.

Freedom Movement in India.

Elementary study of Indian Constitution and Administration.

Elementary knowledge of Five Year Plans of India,

Panchayati Raj, Co-operatives and Community Development.

Bhoodan, Sarvodaya, National Integration and Welfare State. Basic teachings of Mahatma Gandhi.

Forces shaping of modern world; Renaissance Exploration and Discovery; War of American Independence. French Revolution. Industrial Revolution, and Russian Revolution. Impact of Science and Technology on Society.

Concept of one World, United Nations, Panchsheel, Democracy, Socialism and Communism. Role of India in the present world.

(B) The Earth, its shape and size. Latitudes and Longitudes. Concept of Time. International Date Line. Movements of Earth and their effects.

Origin of Earth, Rocks and their classification: Weathering—Mechanical and Chemical; Earthquakes and Volcanoes.

Ocean Currents and Tides.

Atmosphere and its composition; Temperature and Atmospheric Pressure; Planetary Winds; Cyclones and Anti-cyclones; Humidity. Condensation and Precipitation; Types of Climate.

Major Natural regions of the world.

Regional Geography of India—Climate. Natural vegetation. Mineral and Power resources; location and distribution of Agricultural and industrial activities.

Important Sca Ports and main sea, land and air routes of India. Main items of Imports and Exports of India.

(C) Knowledge of important events that have happened in India in the recent years,

Current important world events.

Prominent personalities—both Indian and International including those connected with cultural activities and sports.

NOTE: Out of the maximum marks assigned to the paper, question on Parts (A), (B) and (C) will generally carry 40%, 40% and 20% marks respectively.

INTELLIGENCE AND PERSONALITY TFST

In addition to the interview, the candidates will be put to Intelligence Test both verbal and non-verbal designed to assess their basic intelligence. They will also be put to Group Tests, such as group discussions, group planning outdoor group tasks and asked to give brief lectures on specified subjects. All these tests are intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms, this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also his social traits and interests in current affairs.

APPENDIX II

GUIDELINES FOR PHYSICAL STANDARDS FOR ADMISSION TO THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY

NOTE.—CANDIDATES MUST PE PHYSICALLY FIT ACCORDING TO THE PRESCRIBED PHYSICAL STANDARDS. THE STANDARDS OF MEDICAL FITNESS ARE GIVEN BELOW.

A NUMBER OF QUALIFIED CANDIDATES ARE REJECTED SUBSEQUENTLY ON MEDICAL GROUNDS. CANDIDATES ARE THEREFORE. ADVISED IN THEIR OWN INTERESTS TO GET THEMSPLYFS MEDICALLY EXAMINED BEFORE SUBMITTING THEIR APPLICATIONS TO AVOID DISAPPOINTMENT AT THE FINAL STAGE.

A sufficient number of suitable candidates recommended by the Services Selection Board will be medically examined by a Board of Service Doctors, candidate who is not declared fit by the Medical Board will not be admitted to the Academy. The very fact that the Medical Examination has been carried out by a Board of Service Doctors will not mean or imply that the condidate has been finally selected. The 36-146GI/80

proceedings of the Medical Board are confidential and cannot be divulged to any one. The results of candidates declared, unfit/temporarily unfit are intimated to them along with the procedure for submission of fitness certificate and appeal. No request for the results of Medical Board will be entertained by the President of the Medical Board.

Candidates for the Army are advised in their own interest, that if their vision does not come up to the standard they must bring with them their correcting glasses if and when called up for Services Selection Board Interview/Medical Examination.

- 1. To be declared fit for admission to the National Defence Academy a candidate must be in good physical and mental health and free from any disability likely to interfere with the efficient performance of duty.
 - 2. It will however, be ensured that:-
 - (a) there is no evidence of weak constitution, imperfect development, serious malformation or obesity;
 - (b) there is no maldevelopment or impairment of function of the bones or joints;
- Note: (i) A candidate with rudimentary cervical rib in whom there is no signs and symptoms referable to the cervical rib may be considered fit. However, the defect is to be recorded as a minor disability in the medical board proceedings.
- Note: (ii) X-Ray spine will be taken to exclude maldevements.
 - (c) there is no impediment of speech;
 - (d) there is no malformation of the head deformity from fracture or depression of the bones of the skull;
 - (e) there is no impaired hearing, discharge from or disease in either ear, unhealed perforation of the tympanic membrances or signs of acute or chronic suppurative otits-media or evidence of radical or or modified radical mastoid operation.
- Note: A soundly healed perforation without any impairment of the mobility of the drum and without impairment of hearing should not be a bar to acceptance of a candidate for the Army.
 - (f) there is no disease of the bones or cartilages of the nose or nasal polypus or disease of the nasopharynx and accessory sinuses;
- Note: (i) A small symptomatic traumatic perforation of the nassal septum will not be a cause for outright rejection and such cases would be referred to the Adviser Otology.
- Notf: (ii) Diagnostic antrum puncture to confirm Maxillary Sinusitis should be resorted to only in appeal cases and not as a routine in the initial examination when a radiological examination, if indicated, should be adequate.
 - (g) there are no enlarged glands due to tubercular or due to other disease in the neck and other parts of the body and that the thyroid gland is normal.
- Note:—Scars of operations for the removal of tuberculous clands are not a cause for rejection provided that there has been no active disease within the preceding five years and the chest is clinically and radiologically clear.
 - (h) there is no disease of the threat plate tonsils or gums or any disease or injury affecting the normal function of either mandibular joints;
- Note:—Simple hypertronhy of the 'onsils, if there is no history of altacks of tonsillitis is not a cause for rejection.
 - (i) there is no sign of functional or organic disease of the heart and blood vessels;

- (j) there is no evidence of pulmonary tuberculosis or previous history of this disease or any other chronic disease of the lungs;
- (k) there is no evidence of any disease of the digestive system including any abnormality of the liver and spleen; and there is no abdominal tenderness of palnation.
- Inguinal hernia (unoperated) or tendency thereto will be a cause for rejection;
- Nort : In the case of candidates who have been operated for hernia, they may be declared fit provided :
 - (i) one year has clapsed since the operation (documentary proof is to be furnished by the candidate):
 - (ii) general tone of the abdominal musculature is good; and
 - (iii) there has been no recurrence of the hernia or complication connected with the operation.
 - (m) there is no hydrocele or definite vericocele or any other disease or defect of the genital organs.
- Note: -(1) A candidate who has been operated for a hydrocele will be accepted if there are no abnormalities of the cord and testicle and there is no evidence of filariasis;
 - (ii) Undescended intra-abdominal testicle on the one side should not be a bar to acceptance of candidates for commissioning in the Armed Forces provided the other testicle is normal and there is no untoward physical or psychological effect due to the anomaly. Undescended testis retained in the inguinal canal or at the external abdominal ring is, however, a bar to acceptance unless corrected by operation.
 - (n) there is no fistula and/or fissure of the anus or evidence of haemorrhoids;
 - (o) there is no disease of the kidneys. All cases of Glycosuria and Albuminuria will be rejected.
 - (p) there is no disease of the skin, unless temporary or trivial. Sacrs which by their extent or position cause or are likely to cause disability or marked disfigurement are a cause for rejection.
 - (q) there is no active latent or congenital venereal discase;
 - (1) there is no history or evidence of mental disease of the candidate or his family. Candidates suffering from epilepsy, incontinence of urine or entresis will not be accepted.
 - (s) there is no squint or morbid condition of the eye or of the lids which is liable to a risk of aggravation or recurrence; and
 - (t) there is no active trachoma or its complications and sequelae.
- Noti: -Remedial operations are to be performed prior to entry. No guarantee is given of ultimate acceptance and it should be clearly understood by the candidates that the decision whether an operation is desirable or necessary is one to be made by their private medical adviser. The Government will accept no liability regarding the result of operation or any expense incurred.
- 3. Standards for Height, Weight and chest measurements.
- (a) Height—(i) The height of candidates will be measured by making him stand against the standard with his feet together. The weight should be thrown on the heels and not on the toes or outer sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves bottocks and shoulders touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the

horizontal bar; and the height will be recorded in centimetres; decimal fraction lower than 0.5 centimetre will be ignored, 0.5 centimetre will be recorded as such, 0.6 centimetre and above will be recorded as one.

(ii) The minimum acceptable height for a candidate is 157.5 cms. (157 cms. for the Navy) except in case of Gorkhas, Nepalese, Assamese and Garhwalis candidates in whose case the height may be reduced by 5.0 cms. The minimum height of Naval candidates from MANIPUR, NEPA. ARUNACHAL PRADESH, MEGHALAYA, MIZORAM, NAGALAND and TRIPURA may also be reduced by 5.0 cms. and 2 cms. in the case of candidates from LACCADIVES.

Note,—Relaxation of height up to 2.5 cms. (5 cms. for the Navy) may be allowed where the Medical Board certifies that the candidate is likely to grow and come up to the required standard on completion of his training. Further proportional relaxation will be allowed for cadets for Indian Navy who are below 18 years of age.

(iii) Air Force only. To meet the special requirements for training as a Pilot minimum height will be 162.5 cms. Acceptable measurements of leg length, thigh length and sitting height will be as under:—

Leg length	minimum maximum	99.00 cms. 120.00 cms.
Thigh length	maximum	64.00 cms.
Sitting height	muminim	81.50 cms.
	maximum	96.00 cms.

Note: On account of lower age of candidates a margin of upto 5.0 cms in height, 2.5 cms in leg length (minimum) and 1.0 cm in sitting height (minimum) may be given, provided it is certified by the medical board that the candidate is likely to grow and come upto the required standard on completion of training at NDA.

(b) Weight.—(i) Weight will be taken with the candidate fully stripped or with under pants only. In recording weight fraction of half a kg. will not be noted. A correlation table between age, height and average weight is given below for guidance.

Age Period				15-16	1617	1718	
Height (C.M.)		.)	,	Weight Kg.	Weight Kg.	Weight Kg.	
157.00				43 - 5	45.0	47.0	
160 .00				45-0	46 - 5	48.0	
162 -00				46 · 5	48 0	50.0	
165,00				48.0	50.0	52,0	
167.00	,			49 ·0	51 0	53 -0	
170.00				51.0	52.5	55.0	
173 -00				52 - 5	54 · 5	57-0	
175.00	,			54 - 5	56 (0	59-0	
178 -00				56.0	58.0	61.0	
180 -00				58 ·5	60-0	63 -0	
183 -00			-	61 -0	62 - 5	65.0	

- (ii) It is not possible to lay down precise standards for weight in relation to height and age. The correlation table is therefore only a guide and cannot be applied universally. A 10 per cent (±6 kg. for the Navy) departure from the average weight given in the table is to be considered as within normal limits. There may nevertheless be some individuals vho according to the above standard may be overweight but from the general build of the body are fit in every respect. The over-weight in such cases may be due to heavy bones and muscular development and not to obesity. Similarly for those who are under-weight the criteria should be the general build of the body and proportionate development rather than rigid adherence to the standards in the above table.
- (c) Chest—The chest should be well proportioned and well developed with a minimum range of expansion of 5.0 cms. The candidate's chest will be measured by making him stand erect with his feet together, and his arms raised over his head.

The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind, and its lower edge the upper part of the nipples in front. The arms will then be lowered to hang loosely by the side. will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum and minimum expansions of the chest will be carefully noted. The minimum and maximum will then be recorded in cms. decimal fraction lower than 0.5 centimetre will be ignored; 0.5 cm. will be recorded as such and 0.6 centimetre and above will be recorded as one.

For Air Force.—X-Ray spine of all candidates to be taken to detect the following abnormalities which are considered as causes for rejection :

- (i) Scoliosis more than 7° by Cobb's method.
- (ii) Spina Bifida except at Sv 1.
- (iii) Unilateral Sacralization of 1 V 5.
- (iv) Scheuerman's Disease, Scheuerman's Nodes. Spon-dylolysis or Spondylolisthesis.
- (v) Any other significant spinal disease.

ECG of all candidates for entry into Air Force will be taken. Those with specific abnormalities will be rejected.

NOTE: -X-Ray of chest is compulsory.

4. Dental conditions.

It should be ensured that a sufficient number of natural and sound teeth are present for efficient mastication.

- (a) A candidate must have a minimum of 14 dental points to be acceptable. In order to assess the dental condition of an individual points are allotted as under for teeth in good apposition with corresponding teeth in the other jaw,
 - (i) Central incisor, lateral incisor, canine, Ist and 2nd premolars and underdeveloped third molar—1 point each.
 - (ii) Ist and 2nd motar and fully developed third motar --2 points each.

When all 32 teeth are present, there will be a total count of 22 points.

- (b) The following teeth in good functional apposition must be present in each law;
 - (i) any four of the six anteriors,
 - (ii) any six of the ten posteriors,
- (c) Candidates suffering from severe pyorrhoea will be rejected. Where the state of pyorrhoea is such that in the opinion of the dental officer, it can be cured without extraction of teeth, the candidate may be accepted.

5. Visual Standards

(a) Visual acuity

Standard 1

Better Worse cyc cyc Distant Vision . V-6/6 V-6/9 Standard H correctable to 6/6 Distant Vision (corrected) 6/6 6/9

Myopia of not more than -2.5 D including astigmatism (.5 D in case of Navy)

Manifest Hypermetropia of not more than +3.5 D including astigmatism.

- NOTE 1. Fundus and Media to be healthy and within normal
 - 2. No undue degenerative signs of vitreous or chorioretina to be present suggesting progress myoretina.
 - 3. Should possess good binocular vision (fusion facults and full field of vision in both eyes).
 - 4. There should be no organic disease likely to exacerbations or deterioration.

(b) Colour Vision

Candidates who do not possess the minimum colour per-ception standard CP-3 (Defective Safe) defined below will be declared Unfit : -

- CP-3 (Defective Safe) (--Candidates should be able to recognise white, signal red and signal green colours correctly as shown by Martin's Lantern at a distance of 1,5 metres or read the requisite plates of Ishihara Book/Tokyo Medical College Book.
 - (c) Requirements for Services :- -

ARMY-VS (Minimum Standard)

NAVY (i)--Visual Standard I.--No glasses will be worn by cancidates for the Executive Branch but these standards may be relaxed if permitted by Naval Headquatets, for a limited number of otherwise suitable candidates of Engineering and Electrical Branches up to 6/18, 6/36, correctable to 6/6 both eyes with glasses.

(ii) Special requirements

Normally cadets/Direct entry officers for all branches of the Navy will not be tested for Della Casa for Night Vision. Acuity (NVA) as a routine and will be asked to furnish the following certificate at the time of medical examination which will be attached to the Medical board proceedings:—

I hereby certify that to the best of my knowledge there has not been any case of congenital night blindness in our family and I do not suffer from it.

Signature of the candidate

Counter signature of the Medical Officer

However, all cases of suspected Xerophthalmia, Pigmentary degeneration/disturbances of Choric Retina. Abnormal Iris and pupillary conditions who are otherwise fit in all respects, will be subjected to detailed NVA tests in the usual manner.

Colour Perception Standard I MLT. Heterophoria (Martin Lantern test)

Limit of Heterophoria with the Maddox Rod/Wing tests (provided convergence insufficiency and other symptoms are absent) must not exceed;

(a) At 6 metres Exophoria Esophoria Hyperphoria	-		8 prism 8 prism 1 prism	dioptres dioptres dioptre
(b) At 30 cms Esophoria Exophoria	,	•	6 prism 16 prism	dioptres dioptres

dioptre Limits of hypermetropia (Under homatropine) Better Eye

Hypermetropia 1-50 dioptres Simple hypermetropic astigmation . 0.75 dioptre

Compound Hypermetropic astigmatism

Hyperphoria

The error in the more hypermetropic meridian must not exceed 1.5 dioptres of which not more than 0.75 dioptre may b**e** due astigmatism.

Worse eve

1 prism

Hypermetropia . Simple Hypermetropic astigmatism

Compound Hypermetropic astigmatism

2.5 dioptres 1.5 dipotres The error in the more hypermetropic meridian musi not exceed dioptres of which not more than 1-0 dioptre may be due to astigmatism.

Myopia -- Not to exceed 0.5 dioptre many one meridian.

Binocular Vision

The candidate must posses good binocular vision (Fusion faculty and full field of vision in both eyes);—

AIR FORCE (i) V.S.I. . . . No glasses will be worn.

(ii) Special requirements:

Manifest Hypermetropia . . . must not exceed 2-00D Oaular Muscle Balance :

Heterophoria with the Maddox Rod test must not exceed:

(a) at 6 metres . . . Exophoria 6 prism dioptres.

Esophoria 6 prism dioptres 6 prism dioptres 1 prism dioptres 1 prism dioptre.

(b) at 33 cms. . . Exophoria 16 prism

dioptres
Esophoria 6 prism
dioptres
dioptres

Hyperphoria 1 prism dioptre
Myopia —Nil
Astigmatism +0.75 D.cly

Binocular vision—Must possess good binocular vision (fusion and stereopsis with good amplitude and depth).

Colour Perception-Standard I MLT.

6. Hearing standard.

Hearing will be tested by speech test. Where required, audiometric records will also be taken.

(a) Speech Test

The candidate should be able to hear a forced whisper with each ear separately standing with his back to the examiner at a distance of 610 cms. in a reasonable quiet room. The examiner should whisper with the residual air; that is to say at the end of an ordinary expiration.

(b) Audiometric tests

Audiometric loss should not be greater than +10db. in frequencies between 250 Hz and 4000 Hz. In evaluating the audiograms, the base line zero of the audiometer, the environmental noise conditions under which the audiogram has been obtained should be taken into consideration and on the recommendation of an Air Force ENT Specialist minor departures from the stipulated standard may be condoned.

7. Routine basal EEG.—All the candidates for Air Force will be subjected to EEG examination. Those with specific abnormalities will be rejected.

APPENDIX III

(Brief particulars of the Services etc.)

- 1. Before a candidate joins the Academy, the parent or guardian will be required to sign.
 - (a) a certificate to the effect that he fully understands that he or his son or ward shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which his son or ward may sustain in the course of or as a result of the training or where bodily infirmity or death results on the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.
 - (b) A bond to the effect that if for any reasons considered within the control of the candidate he wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission, if offered, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of fuition, food, clothing and pay an dallow-ances received as may be decided upon by Government.
- 2. The cost of training including accommodation, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by

the Government. Parents or guardians of cadets will however, be required to meet their pocket and other private expenses. Normally, these expenses are not likely to exceed Rs. 40.00 p.m. If in any case a cadet's parent or guardian is unable to meet wholly or partly even this expenditure financial assistance up to Rs. 40.00 p.m. or the lat and 2nd years. Rs. 45.00 p.m. for the 3rd year training at NDA and Rs. 55.00 p.m. for further specialist training in Army/Navy/Air Force Training Establishments may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 450.00 p.m. or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all sources are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance.

The parent/guardian of a candidate desirous of having financial assistance from the Government should immediately after his son/ward having been finally selected for training at the National Defence Academy submit an application through the District Magistrate of his District who will forward the application with his recommendation to the Commandant National Defence Academy, KHADAKWASLA, PUNE (411023).

- 3. Candidates finally selected for training at the Academy will be required to deposit the following amount with the Commandant, National Defence Academy, on arrival there:
 - (a) Pocket allowance for five months at Rs. 40.00 per month Rs. 200.00
 - (b) For items of clothing and equipment Rs. 650.00

 Total ... Rs. 850.00

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial aid being sunctioned to them:

- (a) Pocket allowance for five months at Rs. 40.00 per month Rs. 200.00
- (b) For items of clothing and equipment Rs. 475.00 approximately
- 4. The following scholarships are tenable at the National Defence Academy:
- (1) PARSHURAM BHAU PATWARDHAN Scholarship.—This scholarship is granted to boys who belong to MAHARASHTRA AND KARNATAKA and whose parent's income is between Rs. 350.00 and 500.00 per month from all sources. The value of the scholarship is equal to the Government financial assistance. It is admissible for the duration of a Cadets' stay in the National Defence Academy and other Pre-commission training establishments subject to the Cadet's good conduct and satisfactory progress in the training and his parent's income remaining below the prescribed limit. Cadet's who are granted this scholarship, will not be entitled to any other financial assistance from the Government.
- (2) COLONEL KENDAL FRANK MEMORIAL Scholarships.—This scholarship is of the value of Rs. 360.00 per annum and is awarded to a MARATHA cadet who should be the son of an ex-serviceman. The scholarship, is in addition, to any financial assistance from the Government.
- (3) KUFR SINGH MEMORIAL, Scholarships.—Two scholarships, are awarded to two cadets who obtain the highest perition amongst candidates from BIHAR. The value of each scholarship is Rs. 37.00 per mensem tenable for a maximum, period of 4 years during the training at the National Defence Academy Kharakwasla and thereafter at the Indian Military Academy, Dehra Dun and the Air Force Flying College and Naval Academy Cochin where the cadets may be sent for training on completion of their training at the Ns. tional Defence Academy. The scholarships will, however, be continued subject to making good progress at the above institutions.
- (4) ASSAM GOVERNIMENT Scholarships.—Two scholarships will be awarded to the cadets from ASSAM. The value of each scholarship is Rs. 30.00 per mensem and is tenable for the duration of a cadet's stay at the National Defence Academy. The scholarships will be awarded to the two best cadets from ASSAM without any reference to the income

of their parents. The cadets who are granted this scholarship will not be entitled to any other financial assistance from the Government.

- (5) UTTAR PRADESH GOVERNMENT Scholarships.—Two scholarships cach of the value of Rs. 30.00 per month and an outfit stipend of Rs. 400.00 are awarded to two cadets who belong to UTTAR PRADESH on merit-cum-means busing and are tenable for a period of three years subject to satisfactory performance by the cadets at National Defence Academy. Cadets who are granted these Scholarships are not entitled to any other financial assistance from Government.
- (6) KERALA GOVERNMENT Scholarship.—One merit scholarship of the value of Rs. 480/- per annum for the entire period of training at NDA, will be awarded by the State Government of Kerala to a Cadet who is a domiciled resident of the State of KERALA and who secures the first position in the all India UPSC Entrance Examination to NDA rrespective of the fact whether he has passed out from RIMC or from any of the Samik Schools of India. The financial position of a Cadet's father/guardian is not taken into consideration.
- (7) BIHARI LAL MANDAKINI Prize.—This is a cash prize of Rs. 500.00 available for the best BENGALI boy in each Course of the Academy. Application forms are available with the Commandant, National Defence Academy.
- (8) ORISSA GOVERNMENT Scholarships.—These scholarships, one for the Army, one for the Navy and the other for the Air Force of the value of Rs. 80.00 each per month will be awarded by the Government of Orissa to the cadets who are permanent residents of the State of ORISSA. Two of these scholarships will be awarded on the basis of merit-cum-means of the cadets whose parent's or guardian's income does not exceed Rs. 5,000 per annum and the other one will be given to the best cadet irrespective of his parent's or guardian's income.
- (9) WEST BENGAL GOVERNMENT Scholarships.—Following categories of scholarships are awarded by the West Bengal Government to those cadets who are permanent residents of WEST BENGAL:—
 - (a) Catogory 1.—These scholarships, one each for Army, Navy and Air Force at the rate of Rs. 360 per annum during 1st and 2nd years and at the rate of Rs. 480 per annum during the 3rd year at the Academy and 4th year at the specialised training institution, with an initial outfit stipend of Rs. 400 in addition for those cadets who are not eligible for any other scholarships at the Academy.
 - (b) Category 2.—Three scholarships of a lump-sum grant of Rs. 100 per annum in addition to Government financial assistance.
- (10) Pilot Officer GURMEET SINGH BED1 MEMORIAL Scholarship.—One Scholarship of Rs. 420.00 per annum is granted to the cadet who stands highest in the overall order of merit amongst Air Force Cadets at the end of the 4th term. It is for the duration of one year (during 5th and 6th terms), This scholarship will be withdrawn if the recipient is relegated, or withdrawn during the period of its receipts, The Cadet who is already in receipt of any such merit scholarship or financial assistance is not entitled to this scholarship.
- (11) HIMACHAL PRADESH GOVERNMENT Scholarships.—Four scholarships will be awarded to cadets from HIMACHAL PRADESH. The value of each scholarship is Rs. 30,00 per month during the first two years of training and Rs. 48,00 per month during the third year of training These scholarships will be available to those cadets whose parent's income is below Rs. 500,00 per month. No cadet in receipt of financial assistance from the Government will be eligible for the scholarship.
- (12) TAMIL NADU GOVERNMENT Scholarship.—The Government of Tamil Nadu has instituted at NDA one scholarship per course of the value of Rs. 30/- per month plus an outfit allowance of Rs. 400/- (one only during the entire period of cadet's training) to be awarded to a cadet belonging to the State of Tamilnadu whose parent's/guardian's monthly income does not exceed Rs. 500/-. The application by an eligible cadet can be made to the Commandant, National Defence Academy on their arrival.

Terms and conditions governing these scholarships are obtainable from the Commandant. National Defence Academy, KHADAKWASIA, Pune (411023).

- 5. Immediately after the selected candidates join the Academy, a preliminary examination will be held in the following subjects:—
 - (a) English;
 - (b) Mathematics;
 - (c) Science;
 - (d) Hindi.

The standard of the examination in the subjects, at (a) (b) and (c) will not be higher than that of the Higher Secondary Examination of an Indian University or Board of Higher Secondary Education. The paper in the subject at (d) is intended to test the standard attained by the candidate in Hindi at the time of joining the Academy.

Candidates are therefore advised not to neglect their studies after the competitive examination.

TRAINING

- 6. The selected candidates for the three services viz., Army, Navy and Air Force are given preliminary training both academic and physical for a period of 3 years at the National Defence Academy which is an Inter-Service Institution. The training during the first two and a half years is common to the cadets of three wings. The cadets on passing out will be awarded B.Sc./B.A. degree from Jawaharlal Nehru University, Delhi.
- 7. On passing out from the National Defence Academy, Army Cadets go to the Indian Military Academy, Dehra Dun Naval Cadets to the Cadet's Training Ship and Air Force cadets of EFS BIDAR,
- 8. At the I.M.A. Army Cadets are known as Gentlemen Cadets and are given strenuous military training for a period of one year_aimed at turning Officers capable of leading infantry sub-units. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Permanent Commission in the rank of 2nd/Lt, subject to being medically fit in "SHAPE".
- 9. The Naval cadets are selected for the Executive, Engineering and Electrical Branches of the Navy, on passing out from the National Defence Academy and are given sea training on the Cadet Training ship for a period of six months, on successful completion of which they are promoted to the rank of Midshipmen. After a further training of 6 months in the respective branches of which they are allocated they are promoted to the rank of acting Sub-Lieutenants.
- 10. Air Force Cadets receive flying training for a period of 13 years. However, at the end of 1 year of training they are given provisional commission in the rank of Pilot Officer. After successful completion of further training of six months, they are absorbed as permanent commissioned officers on probation for a period of one year.

TERMS AND CONDITIONS OF SERVICE

11. ARMY OFFICERS

(i) PAY

Rank		,	Pay Scale	Rank	Pay	Scale
			Rs.		R	.s.
2nd Licut,			750—790	Lt. Colonel (time scale)	1900	fixed
Lieut .			830—950	Colonel	1950	-2175
Captain			1100—1550	Brigadier	2200	-2400
Major .	-		1450—1800	Major- General	2500- 2750	-125/2 0
Lt. Colonel By Selection			1750 -1950	Lt. General	3800	p.m.

(ii) QUALIFICATION PAY AND GRANT

Officers of the rank of Lt Col and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to a lump-sum grant of

Rs. 1600/-, 2400/-, 4500/- or 6000/-, based on the qualifications held by them. Hying Instructors (Cat 'B') are authorised to qualification pay @ Rs. 70/-,

(iii) ALLOWANCES

In addition to pay, an officer at present receives the following allowances:--

- (a) Compensatory (city) and Dearness Ahowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the civilian Gazetted officers from time to time.
- (b) A kit maintenance allowence of Rs. 50 p.m.
- (c) Expartriation Allowance is admissible when serving outside India. This varies from 25% to 40% of the corresponding single rate of foreign allowance.
- (d) Separation allowance. Married Officers posted to non-family stations are entitled to receive separation allowance of Rs. 70 p.m.
- (c) Outfit Allowance,—Initial outfit allowance is Rs. 1400/-. A fresh outfit allowance @ Rs. 1200/- is payable against claim after every 7 years of effective service commencing from the date of first commission.

(iv) POSTING

Army Officers are liable to serve anywhere in India and abroad.

(v) PROMOTIONS

(a) Substantive Promotion

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks:--

Rv	Time	Seale
D^{V}	1 0700	миис

Lt.	•		•		•	2 years of commissioned service.
Captain	•	٠				6 years of commissioned service
Major					•	13 years of commissioned service
Lt. Col. fro	os Als	aior i	Enati	aramati	dod	
by selecti				in ontic		25 years of commission d
by sciecti	Oti	•	•	•	•	25 years of commissioned service
By Selection	ŧ1					
•						14
Lt, Col,	•	•	'	•	•	16 years of commissioned service
Col,						20 years of commissioned
						service
Brigadio	·r					23 years of commissioned
D. 18.	•	•	•	•		service.
Major (ien.					25 years of commissioned
						service
Lt. Gen						28 years of commissioned
						service
Gen.						No restriction,
~~	-					· ··· i o jui i e ti o i i ,

(b) Acting Promotion:

Officers are eligible for acting promotion to higher ranks on completion of the following minimum service limits subject to availability of vacancies:

Captain	•		3 years
Major .			6 years
Lt. Colonel			61 years
Colonel .			81 years
Brigadier			12 years
Maj. General			20 years
Lt. General			25 years

12. NAVAL OFFICERS

(i) PAY

n t-					P	ay Scales
Rank					General service	Naval Aviations and Submarine
Midshipma	n	,			Rs. p.n 560/-	n. Rs. p.m. 560/-
Ag. Sub Lc	iut.				750/-	825/-
Sub. Licut			,		830/870	910-950
Lieut					1100-1450	1200-1550
Lieut-cdr.					1550-1800	0 1650-1800
Cdr.		_			1800-1950	1800-1950
Captain	-		i	٠	to which	0 1950-2400 ore receives pay entitled accord- lority as Captain
					Rear Adr 125/2	mira12500- 2750
				V	ico Admira	al3000/- p.m.

Qualifications pay/grant is also admissible to-

Officers of the rank of CDR and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to lamp sum grant of Rs. 1600/-, 2400/-, 4500/- or 6000/- based on the qualification held by them.

(ii) ALLOWANCES

Naval Aviation Officers are entited to Flying pay at monthly rates/and under conditions applicable to corresponding ranks for Air Force Officers.

Naval Officers are entitled to other allowances as applicable to Army Officers of equivalent rank. In addition certain special concessions, like hardlying money submarine allowance, submarine pay and diving pay are admissible to them.

(iii) PROMOTIONS

(a) Substantive Promotions

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher rank:

By Time Scale

Sub, Lt.						l year
Lt.	•	J.	•		•	3 years (subject to gain/ forfeiture of seniority)
Lt. Cdr.						8 years seniority as Lt.
Cdr,	•	•	•	•	•	24 years commissioned service (if not promoted by selection).
By Selectio	Ħ					
Cmdr. I	Execut	iv¢ 1	Branch	l		2-8 years of seniority a- Lt. Cdr.
Cmdr. I	agine	erin	g Bran	ich		2-10 years seniority as Lt. Cdr.
Cmdr. I	Electri	cal F	Branch	١.		21-0 years seniority as Lt. Cdr.
Capt.	,					4 years seniority as Cdr.
Rear A	imira.	١.				No restriction
Vice Ac	lmiral					No restriction

(b) Acting Promotion:

There is no service limit for grant of acting promotion in the Navy except to the rank of Lt. Cdr. for which an officer should have attained 6 years seniority as Licutenant.

13. AIR FORCE OFFICER

(i) PAY

Rank	 —	 	 	Pay Scale	_
Plt. Offr. Fg. Offr.	·	,		Rs. . 825-865 . 9101030	_

(1)	(2) Air Vice-Marshal
Flt. Lt.	of Wg. Cdr. Gp. Capt. and Air Cdr.)
Sqn. Ldr.	. 1650—1800 Air Marshal 23 years
Wg. Cdr. (Selection)	. 17501950
Wg, Cdr. (Time Scale)	. 1900 (fixed) Inclusive of brokes period.
Gp. Capt	19502175 14. RETIRING BENEFITS
- 1	2200-2400 Pension gratuity and casualty pensionary award will 1
Air Vice-Marshal	2500, ~2750 admissible in accordance with the rules in force from tin
Air Marshal (VCAS and AOS C in C	10 time.
Air Chief Marshal (CAS)	. 4000
(ii) ALLOWANCES	Leave will be admissible in accordance with the rules force from time to time.
Flying Pay-Officers of the Flying Branch (F	rilots and Navi-
ntors) are entitled to get flying pay at the follow	ring rates:
	Rs. APPENDIX IV
Plt Offr to Wg. Cdre	222.22 mm I he form of the certificate to be produced by Scheduled
Air Vice Marshal & above	. 300 00 p.m Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India
	upposition to posts title of the of the of the
(iii) Qualification Pay/Grant—Admissible to ifficers possessing certain prescribed qualifications below	Ions at the rate This is to certify, that Shri son ofof village/town*
iven below: Qualification pay Rs. 100 p.n	on District / Division*
Qualification Grants Rs. 6.000	/- or Rs. 4500/-
Rs. 2,400	/- or Rs. 1,600/- Scheduled Caste/Scheduled Tribe ¹¹ .
v) PROMOTIONS	under:
(a) Substantive Promotion	the Constitution (Scheduled Castes) Order 1950'
The following are the service limits for the antive promotion to higher ranks ;	grant of sub- the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*
ly Time Scale	the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories
Flying Officer , , 1 year	commissioned Order, 1951*
Fit. Lt 5 years service	commissioned the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territorie
Sqn. I dr) is ((Modification) Order, 1936, the bolifour Reorganisation
years service	Act, 1960, the Punjub Reorganisation Act, 1966 the State Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Are (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Costes a Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976].
By Selection	
	the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Cast reckonable total Order, 1956*
	sioned service.
commis	the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Schedulsioned service. Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes a Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*
commis	reckonable total sioned service. the Constitution (Dadri and Nagar Haveli) Scheduled Cast
	reckonable total Order, 1962* sioned services.
Air Marshal . , , 28 years	the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Trib sioned service. Order, 1962*
b) Acting Promotion	the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Orde
The following are the minimum service lin	nits required for
cting promotion of officers :	the Constitution Scheduled Tribes (Uttar Pradesh) Ord
Fit. L(. , , , , 2 years	1967
Sqn. 1.dr. , , , 5 years	the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Cast
	(After service of Order, 1968* in the rank of
'	(After service of Order, 1968* the Constitution (Gos, Daman and Diu) Scheduled Cast
	in the rank of

(with seal of office)

ofDi		ate",
State		
Union Territory*		
Place		
Date		
	Signature	
	***Designation	

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE—The term "Ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

- Officers competent to issue Castes/Tribes Certificate.
- (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/Ist Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.
 - (Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).
- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
 - (iii) Revenue Officer not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretany to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

APPENDIX V

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION CANDIDATES' INFORMATION MANUAL

A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write detailed answers. For each question (heroinafter referred to as item) several possible answers (heroinafter referred to as responses) are given. You have to choose one response to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

B, NATURE OF THE TEST

The question naper will be in the form of a TEST BOOK-LET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3, ... etc. Under each item will be given suggested responses marked a, b, c, etc. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best response. (see "simple items" at the end.) In any case, in each item you have to select only one response: if you select more than one, your answer will be considered wrong.

C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHFET will be provided to you in in the examination hall. You have to mark your answer on the answer sheet. Answers marked on the Test Booklets or in any paper other than the answer sheet will not be examined.

In the answer sheet (specimen enclosed) number of the items from 1 to 200 have been printed in four 'Parts'. Against each item, responses, a, b, c, d, e, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which, of the given response is correct or the best,

you have to mark the rectangle containing the letter of the selected response by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the rectangules on the answer sheet, sheet.



It is important that :--

- You bring and use only good quality HB Pencil(s) for answering the items.
- If you have made a wrong mark, erase it completely and re-mark the correct response. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.
- 3. Do not handle your answer sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

- You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
- 2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
- No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
- 4. After finishing the examination submit the Test Booklet and the answer sheet to the Invigilator/Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
- 5. Write clearly in ink the name of the examination/ test, your Roll No., Centre, subject, date and serial number of the Test Booklet at the appropriate space provided in the answer sheet. You are not allowed to write your name anywhere in the answer sheet.
- 6. You are required to read careflly all instruction given in the Test Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the answer sheet is ambiguous then you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
- 7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip board or a hard board or a card board on which nothing should be written. This may be useful for marketing the answers in the Answer Sheet as it will provide an even surface, in case the surface of your desk is not smooth. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your answer sheet at the end of the test.

E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the answer sheet. Fill up the required information on the answer sheet with your pcn. After you have done

this, the invigilator will give you the Test Booklet. As soon as you have got your Test Booklet, ensure that it contains the booklet number otherwise get it changed. After you have done this, you should write the serial number of your Test Booklet on the relevant column of the Answer Sheet.

F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you Go on to the other questions and comeback to the difficult ones later.

All questions carry equal marks. Answer all the questions. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asked you to stop. After you have finished answering, remain in your seat and wait till the invigilator collects the Test Booklet, answer sheet and the sheet for rough work from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the examination Hall.

SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

- 1. Which one of the following causes is NOT responsible for the down fall of the Mauryan dynasty?
 - (a) the successors of Asoka were all weak.
 - (b) there was partition of the Empire after Asoka.
 - (c) the northern frontier was not guarded effectively.
 - (d) there was economic bankruptcy during post-Asoka era.

- 2. In a parliamentary form of Government,
 - (a) the Legislature is responsible to the Judiciary.
 - (b) the Legislature is responsible to the Executive.
 - (c) the Executive is responsible to the Legislature.
 - (d) the Judiciary is responsible to the Legislature.
 - (e) the Executive is responsible to the Judiciary.
- 3. The main purpose of extra-curricular activities for pupils in a school is to
 - (a) facilitate development.
 - (b) prevent disciplinary problems
 - (c) provide relief from the usual class room work
 - (d) allow choice in the educational programme.
- 4. The nearest planet to the Sun is
 - (a) Venus
 - (b) Mars
 - (c) Jupiter
 - (d) Mercury.
- 5. Which of the following statements explains the relationship between forests and floods?
 - (a) the more the vegetation, the more is the soil erosion that causes floods.
 - (b) the less the vegetation, the less is the silting of rivers that causes floods.
 - (c) the more the vegetation, the less is the silting of rivers that prevents floods.
 - (d) the less the vegetation, the less quickly does the snow melt that prevents floods.

			1					
			•					
	-	•						
•								
•								,
٠,								
,								-
								•
							•	
-	-,							,
,								
7.								
						٠,		
				•				
	•							
					,			
					•			
			•					
				-				

•

i